॥ श्रीगायत्रीदेव्यै नमः॥

श्रीगायत्रीसहस्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

रक्तश्वेतहिरण्यनीलधवलैर्युक्तां त्रिनेत्रोज्ज्वलां
रक्तां रक्तनवस्रजं मणिगणैर्युक्तां कुमारीमिमाम्।
गायत्रीं कमलासनां करतलव्यानद्धकुण्डाम्बुजां
पद्माक्षीं च वरस्रजं च दधतीं हंसाधिरूढां भजे॥*

नारद उवाच

भगवन् सर्वधर्मज्ञ सर्वशास्त्रविशारद।
श्रुतिस्मृतिपुराणानां रहस्यं त्वन्मुखाच्छ्रुतम्॥ १॥
सर्वपापहरं देव येन विद्या प्रवर्तते।
केन वा ब्रह्मविज्ञानं किं नु वा मोक्षसाधनम्॥ २॥
ब्राह्मणानां गतिः केन केन वा मृत्युनाशनम्।
ऐहिकामुष्मिकफलं केन वा पद्मलोचन॥ ३॥
वक्तुमर्हस्यशेषेण सर्वं निखिलमादितः।

श्रीनारायण उवाच

साधु साधु महाप्राज्ञ सम्यक् पृष्टं त्वयानघ॥ ४॥
शृणु वक्ष्यामि यत्नेन गायत्र्यष्टसहस्रकम्।
नाम्नां शुभानां दिव्यानां सर्वपापविनाशनम्॥ ५॥
सृष्ट्यादौ यद्भगवता पूर्वं प्रोक्तं ब्रवीमि ते।
अष्टोत्तरसहस्रस्य ऋषिर्ब्रह्मा प्रकीर्तितः॥ ६॥

---

* 'जो रक्त, श्वेत, पीत, नील और धवल वर्णोंके श्रीमुखोंसे सम्पन्न हैं, तीन नेत्रोंसे जिनका विग्रह देदीप्यमान हो रहा है, जिन्होंने अपने रक्तवर्ण शरीरको नूतन लाल कमलोंकी मालासे सजा रखा है, जो अनेक मणियोंसे अलंकृत हैं, कमलके आसनपर विराजमान हैं, जिनके दो हाथोंमें कमल और कुण्डिका एवं दो हाथोंमें वर तथा अक्षमाला सुशोभित हैं, उन हंसकी सवारी करनेवाली, कुमारी अवस्थासे सम्पन्न, भगवती गायत्रीकी मैं उपासना करता हूँ।'

छन्दोऽनुष्टुप् तथा देवी गायत्री देवता स्मृता।
हलो बीजानि तस्यैव स्वराः शक्तय ईरिताः॥ ७॥
अङ्गन्यासकरन्यासावुच्येते मातृकाक्षरैः।
अथ ध्यानं प्रवक्ष्यामि साधकानां हिताय वै॥ ८॥

स्तोत्रम्

अचिन्त्यलक्षणाव्यक्ताप्यर्थमातृमहेश्वरी।
अमृतार्णवमध्यस्थाप्यजिता चापराजिता॥ १॥
अणिमादिगुणाधाराप्यर्कमण्डलसंस्थिता।
अजराजापराधर्मा अक्षसूत्रधराधरा॥ २॥
अकारादिक्षकारान्ताप्यरिषड्वर्गभेदिनी।
अञ्जनाद्रिप्रतीकाशाप्यञ्जनाद्रिनिवासिनी॥ ३॥
अदितिश्चाजपाविद्याप्यरविन्दनिभेक्षणा।
अन्तर्बहिःस्थिताविद्याध्वंसिनी चान्तरात्मिका॥ ४॥
अजा चाजमुखावासाप्यरविन्दनिभानना।
अर्धमात्रार्थदानज्ञाप्यरिमण्डलमर्दिनी॥ ५॥
असुरघ्नी ह्यमावास्याप्यलक्ष्मीघ्न्यन्त्यजार्चिता।
आदिलक्ष्मीश्चादिशक्तिराकृतिश्चायतानना॥ ६॥
आदित्यपदवीचाराप्यादित्यपरिसेविता।
आचार्यावर्तनाचाराप्यादिमूर्तिनिवासिनी॥ ७॥
आग्नेयी चामरी चाद्या चाराध्या चासनस्थिता।
आधारनिलयाधारा चाकाशान्तनिवासिनी॥ ८॥
आद्याक्षरसमायुक्ता चान्तराकाशरूपिणी।
आदित्यमण्डलगता चान्तरध्वान्तनाशिनी॥ ९॥

इन्दिरा चेष्टदा चेष्टा चेन्दीवरनिभेक्षणा।
इरावती चेन्द्रपदा चेन्द्राणी चेन्दुरूपिणी॥ १०॥
इक्षुकोदण्डसंयुक्ता चेषुसन्धानकारिणी।
इन्द्रनीलसमाकारा चेडापिङ्गलरूपिणी॥ ११॥
इन्द्राक्षी चेश्वरी देवी चेहात्रयविवर्जिता।
उमा चोषा ह्युडुनिभा उर्वारुकफलानना॥ १२॥
उडुप्रभा चोडुमती ह्युडुपा ह्युडुमध्यगा।
ऊर्ध्वं चाप्यूर्ध्वकेशी चाप्यूर्ध्वाधोगतिभेदिनी॥ १३॥
ऊर्ध्वबाहुप्रिया चोर्मिमालावाग्ग्रन्थदायिनी।
ऋतं चर्षिर्ऋतुमती ऋषिदेवनमस्कृता॥ १४॥
ऋग्वेदा ऋणहर्त्री च ऋषिमण्डलचारिणी।
ऋद्धिदा ऋजुमार्गस्था ऋजुधर्मा ऋतुप्रदा॥ १५॥
ऋग्वेदनिलया ऋज्वी लुप्तधर्मप्रवर्तिनी।
लूतारिवरसम्भूता लूतादिविषहारिणी॥ १६॥
एकाक्षरा चैकमात्रा चैका चैकैकनिष्ठिता।
ऐन्द्री ह्यैरावतारूढा चैहिकामुष्मिकप्रदा॥ १७॥
ओंकारा ह्योषधी चोता चोतप्रोतनिवासिनी।
और्वा ह्यौषधसम्पन्ना औपासनफलप्रदा॥ १८॥
अण्डमध्यस्थिता देवी चा:कारमनुरूपिणी।
कात्यायनी कालरात्रिः कामाक्षी कामसुन्दरी॥ १९॥
कमला कामिनी कान्ता कामदा कालकण्ठिनी।
करिकुम्भस्तनभरा करवीरसुवासिनी॥ २०॥

कल्याणी कुण्डलवती कुरुक्षेत्रनिवासिनी।
कुरुविन्ददलाकारा कुण्डली कुमुदालया॥ २१॥
कालजिह्वा करालास्या कालिका कालरूपिणी।
कमनीयगुणा कान्तिः कलाधारा कुमुद्वती॥ २२॥
कौशिकी कमलाकारा कामचारप्रभञ्जिनी।
कौमारी करुणापाङ्गी ककुबन्ता करिप्रिया॥ २३॥
केसरी केशवनुता कदम्बकुसुमप्रिया।
कालिन्दी कालिका काञ्ची कलशोद्भवसंस्तुता॥ २४॥
काममाता क्रतुमती कामरूपा कृपावती।
कुमारी कुण्डनिलया किराती कीरवाहना॥ २५॥
कैकेयी कोकिलालापा केतकी कुसुमप्रिया।
कमण्डलुधरा काली कर्मनिर्मूलकारिणी॥ २६॥
कलहंसगतिः कक्षा कृतकौतुकमङ्गला।
कस्तूरीतिलका कम्प्रा करीन्द्रगमना कुहूः॥ २७॥
कर्पूरलेपना कृष्णा कपिला कुहराश्रया।
कूटस्था कुधरा कम्रा कुक्षिस्थाखिलविष्टपा॥ २८॥
खड्गखेटकरा खर्वा खेचरी खगवाहना।
खट्वाङ्गधारिणी ख्याता खगराजोपरिस्थिता॥ २९॥
खलघ्नी खण्डितजरा खण्डाख्यानप्रदायिनी।
खण्डेन्दुतिलका गङ्गा गणेशगुहपूजिता॥ ३०॥
गायत्री गोमती गीता गान्धारी गानलोलुपा।
गौतमी गामिनी गाधा गन्धर्वाप्सरसेविता॥ ३१॥

गोविन्दचरणाक्रान्ता गुणत्रयविभाविता।
गन्धर्वी गह्वरी गोत्रा गिरीशा गहना गमी॥ ३२॥
गुहावासा गुणवती गुरुपापप्रणाशिनी।
गुर्वी गुणवती गुह्या गोप्तव्या गुणदायिनी॥ ३३॥
गिरिजा गुह्यमातङ्गी गरुडध्वजवल्लभा।
गर्वापहारिणी गोदा गोकुलस्था गदाधरा॥ ३४॥
गोकर्णनिलयासक्ता गुह्यमण्डलवर्तिनी।
घर्मदा घनदा घण्टा घोरदानवमर्दिनी॥ ३५॥
घृणिमन्त्रमयी घोषा घनसम्पातदायिनी।
घण्टारवप्रिया घ्राणा घृणिसन्तुष्टकारिणी॥ ३६॥
घनारिमण्डला घूर्णा घृताची घनवेगिनी।
ज्ञानधातुमयी चर्चा चर्चिता चारुहासिनी॥ ३७॥
चटुला चण्डिका चित्रा चित्रमाल्यविभूषिता।
चतुर्भुजा चारुदन्ता चातुरी चरितप्रदा॥ ३८॥
चूलिका चित्रवस्त्रान्ता चन्द्रमःकर्णकुण्डला।
चन्द्रहासा चारुदात्री चकोरी चन्द्रहासिनी॥ ३९॥
चन्द्रिका चन्द्रधात्री च चौरी चौरा च चण्डिका।
चञ्चद्वाग्वादिनी चन्द्रचूडा चोरविनाशिनी॥ ४०॥
चारुचन्दनलिप्ताङ्गी चञ्चच्चामरवीजिता।
चारुमध्या चारुगतिश्चन्दिला चन्द्ररूपिणी॥ ४१॥
चारुहोमप्रिया चार्वाचरिता चक्रबाहुका।
चन्द्रमण्डलमध्यस्था चन्द्रमण्डलदर्पणा॥ ४२॥

चक्रवाकस्तनी चेष्टा चित्रा चारुविलासिनी।
चित्स्वरूपा चन्द्रवती चन्द्रमाश्चन्दनप्रिया॥ ४३॥
चोदयित्री चिरप्रज्ञा चातका चारुहेतुकी।
छत्रयाता छत्रधरा छाया छन्दःपरिच्छदा॥ ४४॥
छायादेवीच्छिद्रनखा छन्नेन्द्रियविसर्पिणी।
छन्दोऽनुष्टुप्प्रतिष्ठान्ता छिद्रोपद्रवभेदिनी॥ ४५॥
छेदा छत्रेश्वरी छिन्ना छुरिका छेदनप्रिया।
जननी जन्मरहिता जातवेदा जगन्मयी॥ ४६॥
जाह्नवी जटिला जेत्री जरामरणवर्जिता।
जम्बूद्वीपवती ज्वाला जयन्ती जलशालिनी॥ ४७॥
जितेन्द्रिया जितक्रोधा जितामित्रा जगत्प्रिया।
जातरूपमयी जिह्वा जानकी जगती जरा॥ ४८॥
जनित्री जह्नुतनया जगत्त्रयहितैषिणी।
ज्वालामुखी जपवती ज्वरघ्नी जितविष्टपा॥ ४९॥
जिताक्रान्तमयी ज्वाला जाग्रती ज्वरदेवता।
ज्वलन्ती जलदा ज्येष्ठा ज्याघोषास्फोटदिङ्मुखी॥ ५०॥
जम्भिनी जृम्भणा जृम्भा ज्वलन्माणिक्यकुण्डला।
झिंझिका झणनिर्घोषा झंझामारुतवेगिनी॥ ५१॥
झल्लरीवाद्यकुशला ञरूपा ञभुजा स्मृता।
टङ्कबाणसमायुक्ता टङ्किनी टङ्कभेदिनी॥ ५२॥
टङ्कीगणकृताघोषा टङ्कनीयमहोरसा।
टङ्कारकारिणी देवी ठठशब्दनिनादिनी॥ ५३॥
डामरी डाकिनी डिम्भा डुण्डुमारैकनिर्जिता।
डामरीतन्त्रमार्गस्था डमड्डमरुनादिनी॥ ५४॥

डिण्डीरवसहा डिम्भलसत्क्रीडापरायणा।
ढुण्ढिविघ्नेशजननी ढक्काहस्ता ढिलिव्रजा॥ ५५॥
नित्यज्ञाना निरुपमा निर्गुणा नर्मदा नदी।
त्रिगुणा त्रिपदा तन्त्री तुलसीतरुणातरुः॥ ५६॥
त्रिविक्रमपदाक्रान्ता तुरीयपदगामिनी।
तरुणादित्यसंकाशा तामसी तुहिना तुरा॥ ५७॥
त्रिकालज्ञानसम्पन्ना त्रिवेणी च त्रिलोचना।
त्रिशक्तिस्त्रिपुरा तुङ्गा तुरङ्गवदना तथा॥ ५८॥
तिमिङ्गिलगिला तीव्रा त्रिस्रोता तामसादिनी।
तन्त्रमन्त्रविशेषज्ञा तनुमध्या त्रिविष्टपा॥ ५९॥
त्रिसंध्या त्रिस्तनी तोषासंस्था तालप्रतापिनी।
ताटङ्किनी तुषाराभा तुहिनाचलवासिनी॥ ६०॥
तन्तुजालसमायुक्ता तारहारावलिप्रिया।
तिलहोमप्रिया तीर्था तमालकुसुमाकृतिः॥ ६१॥
तारका त्रियुता तन्वी त्रिशङ्कुपरिवारिता।
तलोदरी तिलाभूषा ताटङ्कप्रियवाहिनी॥ ६२॥
त्रिजटा तित्तिरी तृष्णा त्रिविधा तरुणाकृतिः।
तप्तकाञ्चनसंकाशा तप्तकाञ्चनभूषणा॥ ६३॥
त्रैयम्बका त्रिवर्गा च त्रिकालज्ञानदायिनी।
तर्पणा तृप्तिदा तृप्ता तामसी तुम्बुरुस्तुता॥ ६४॥
तार्क्ष्यस्था त्रिगुणाकारा त्रिभङ्गी तनुवल्लरिः।
थात्कारी थारवा थान्ता दोहिनी दीनवत्सला॥ ६५॥
दानवान्तकरी दुर्गा दुर्गासुरनिबर्हिणी।
देवरीतिर्दिवारात्रिर्द्रौपदी दुन्दुभिस्वना॥ ६६॥

देवयानी दुरावासा दारिद्र्योद्भेदिनी दिवा।
दामोदरप्रिया दीप्ता दिग्वासा दिग्विमोहिनी॥ ६७॥
दण्डकारण्यनिलया दण्डिनी देवपूजिता।
देववन्द्या दिविषदा द्वेषिणी दानवाकृतिः॥ ६८॥
दीनानाथस्तुता दीक्षा दैवतादिस्वरूपिणी।
धात्री धनुर्धरा धेनुर्धारिणी धर्मचारिणी॥ ६९॥
धरंधरा धराधारा धनदा धान्यदोहिनी।
धर्मशीला धनाध्यक्षा धनुर्वेदविशारदा॥ ७०॥
धृतिर्धन्या धृतपदा धर्मराजप्रिया ध्रुवा।
धूमावती धूमकेशी धर्मशास्त्रप्रकाशिनी॥ ७१॥
नन्दा नन्दप्रिया निद्रा नृनुता नन्दनात्मिका।
नर्मदा नलिनी नीला नीलकण्ठसमाश्रया॥ ७२॥
नारायणप्रिया नित्या निर्मला निर्गुणा निधिः।
निराधारा निरुपमा नित्यशुद्धा निरञ्जना॥ ७३॥
नादबिन्दुकलातीता नादबिन्दुकलात्मिका।
नृसिंहिनी नगधरा नृपनागविभूषिता॥ ७४॥
नरकक्लेशशमनी नारायणपदोद्भवा।
निरवद्या निराकारा नारदप्रियकारिणी॥ ७५॥
नानाज्योतिःसमाख्याता निधिदा निर्मलात्मिका।
नवसूत्रधरा नीतिर्निरुपद्रवकारिणी॥ ७६॥
नन्दजा नवरत्नाढ्या नैमिषारण्यवासिनी।
नवनीतप्रिया नारी नीलजीमूतनिस्वना॥ ७७॥
निमेषिणी नदीरूपा नीलग्रीवा निशीश्वरी।
नामावलिर्निशुम्भघ्नी नागलोकनिवासिनी॥ ७८॥

नवजाम्बूनदप्रख्या नागलोकाधिदेवता।
नूपुराक्रान्तचरणा नरचित्तप्रमोदिनी ॥ ७९ ॥
निमग्नारक्तनयना निर्घातसमनिस्वना।
नन्दनोद्यानिलया निर्व्यूहोपरिचारिणी ॥ ८० ॥
पार्वती परमोदारा परब्रह्मात्मिका परा।
पञ्चकोशविनिर्मुक्ता पञ्चपातकनाशिनी ॥ ८१ ॥
परचित्तविधानज्ञा पञ्चिका पञ्चरूपिणी।
पूर्णिमा परमा प्रीतिः परतेजः प्रकाशिनी ॥ ८२ ॥
पुराणी पौरुषी पुण्या पुण्डरीकनिभेक्षणा।
पातालतलनिर्मग्ना प्रीता प्रीतिविवर्धिनी ॥ ८३ ॥
पावनी पादसहिता पेशला पवनाशिनी।
प्रजापतिः परिश्रान्ता पर्वतस्तनमण्डला ॥ ८४ ॥
पद्मप्रिया पद्मसंस्था पद्माक्षी पद्मसम्भवा।
पद्मपत्रा पद्मपदा पद्मिनी प्रियभाषिणी ॥ ८५ ॥
पशुपाशविनिर्मुक्ता पुरन्ध्री पुरवासिनी।
पुष्कला पुरुषा पर्वा पारिजातसुमप्रिया ॥ ८६ ॥
पतिव्रता पवित्राङ्गी पुष्पहासपरायणा।
प्रज्ञावतीसुता पौत्री पुत्रपूज्या पयस्विनी ॥ ८७ ॥
पट्टिपाशधरा पङ्क्तिः पितृलोकप्रदायिनी।
पुराणी पुण्यशीला च प्रणतार्तिविनाशिनी ॥ ८८ ॥
प्रद्युम्नजननी पुष्टा पितामहपरिग्रहा।
पुण्डरीकपुरावासा पुण्डरीकसमानना ॥ ८९ ॥
पृथुजङ्घा पृथुभुजा पृथुपादा पृथूदरी।
प्रवालशोभा पिङ्गाक्षी पीतवासाः प्रचापला ॥ ९० ॥

प्रसवा पुष्टिदा पुण्या प्रतिष्ठा प्रणवागतिः।
पञ्चवर्णा पञ्चवाणी पञ्चिका पञ्जरस्थिता॥ ९१॥
परमाया परज्योतिः परप्रीतिः परागतिः।
पराकाष्ठा परेशानी पाविनी पावकद्युतिः॥ ९२॥
पुण्यभद्रा परिच्छेद्या पुष्पहासा पृथूदरी।
पीताङ्गी पीतवसना पीतशय्या पिशाचिनी॥ ९३॥
पीतक्रिया पिशाचघ्नी पाटलाक्षी पटुक्रिया।
पञ्चभक्षप्रियाचारा पूतनाप्राणघातिनी॥ ९४॥
पुन्नागवनमध्यस्था पुण्यतीर्थनिषेविता।
पञ्चाङ्गी च पराशक्तिः परमाह्लादकारिणी॥ ९५॥
पुष्पकाण्डस्थिता पूषा पोषिताखिलविष्टपा।
पानप्रिया पञ्चशिखा पन्नगोपरिशायिनी॥ ९६॥
पञ्चमात्रात्मिका पृथ्वी पथिका पृथुदोहिनी।
पुराणन्यायमीमांसा पाटली पुष्पगन्धिनी॥ ९७॥
पुण्यप्रजा पारदात्री परमार्गैकगोचरा।
प्रवालशोभा पूर्णाशा प्रणवा पल्लवोदरी॥ ९८॥
फलिनी फलदा फल्गुः फूत्कारी फलकाकृतिः।
फणीन्द्रभोगशयना फणिमण्डलमण्डिता॥ ९९॥
बालबाला बहुमता बालातपनिभांशुका।
बलभद्रप्रिया वन्द्या वडवा बुद्धिसंस्तुता॥ १००॥
बन्दीदेवी बिलवती बडिशघ्नी बलिप्रिया।
बान्धवी बोधिता बुद्धिर्बन्धूककुसुमप्रिया॥ १०१॥
बालभानुप्रभाकारा ब्राह्मी ब्राह्मणदेवता।
बृहस्पतिस्तुता वृन्दा वृन्दावनविहारिणी॥ १०२॥

बालार्किनी बिलाहारा बिलवासा बहूदका।
बहुनेत्रा बहुपदा बहुकर्णावतंसिका॥ १०३॥
बहुबाहुयुता बीजरूपिणी बहुरूपिणी।
बिन्दुनादकलातीता बिन्दुनादस्वरूपिणी॥ १०४॥
बद्धगोधाङ्गुलित्राणा बदर्याश्रमवासिनी।
बृन्दारका बृहत्स्कन्धा बृहती बाणपातिनी॥ १०५॥
वृन्दाध्यक्षा बहुनुता वनिता बहुविक्रमा।
बद्धपद्मासनासीना बिल्वपत्रतलस्थिता॥ १०६॥
बोधिद्रुमनिजावासा बडिस्था बिन्दुदर्पणा।
बाला बाणासनवती वडवानलवेगिनी॥ १०७॥
ब्रह्माण्डबहिरन्तःस्था ब्रह्मकङ्कणसूत्रिणी।
भवानी भीषणवती भाविनी भयहारिणी॥ १०८॥
भद्रकाली भुजङ्गाक्षी भारती भारताशया।
भैरवी भीषणाकारा भूतिदा भूतिमालिनी॥ १०९॥
भामिनी भोगनिरता भद्रदा भूरिविक्रमा।
भूतवासा भृगुलता भार्गवी भूसुरार्चिता॥ ११०॥
भागीरथी भोगवती भवनस्था भिषग्वरा।
भामिनी भोगिनी भाषा भवानी भूरिदक्षिणा॥ १११॥
भर्गात्मिका भीमवती भवबन्धविमोचिनी।
भजनीया भूतधात्रीरञ्जिता भुवनेश्वरी॥ ११२॥
भुजङ्गवलया भीमा भेरुण्डा भागधेयिनी।
माता माया मधुमती मधुजिह्वा मधुप्रिया॥ ११३॥
महादेवी महाभागा मालिनी मीनलोचना।
मायातीता मधुमती मधुमांसा मधुद्रवा॥ ११४॥

मानवी मधुसम्भूता मिथिलापुरवासिनी।
मधुकैटभसंहर्त्री मेदिनी मेघमालिनी॥ ११५॥
मन्दोदरी महामाया मैथिली मसृणप्रिया।
महालक्ष्मीर्महाकाली महाकन्या महेश्वरी॥ ११६॥
माहेन्द्री मेरुतनया मन्दारकुसुमार्चिता।
मञ्जुमञ्जीरचरणा मोक्षदा मञ्जुभाषिणी॥ ११७॥
मधुरद्राविणी मुद्रा मलया मलयान्विता।
मेधा मरकतश्यामा मागधी मेनकात्मजा॥ ११८॥
महामारी महावीरा महाश्यामा मनुस्तुता।
मातृका मिहिराभासा मुकुन्दपदविक्रमा॥ ११९॥
मूलाधारस्थिता मुग्धा मणिपूरकवासिनी।
मृगाक्षी महिषारूढा महिषासुरमर्दिनी॥ १२०॥
योगासना योगगम्या योगा यौवनकाश्रया।
यौवनी युद्धमध्यस्था यमुना युगधारिणी॥ १२१॥
यक्षिणी योगयुक्ता च यक्षराजप्रसूतिनी।
यात्रा यानविधानज्ञा यदुवंशसमुद्भवा॥ १२२॥
यकारादिहकारान्ता याजुषी यज्ञरूपिणी।
यामिनी योगनिरता यातुधानभयङ्करी॥ १२३॥
रुक्मिणी रमणी रामा रेवती रेणुका रतिः।
रौद्री रौद्रप्रियाकारा राममाता रतिप्रिया॥ १२४॥
रोहिणी राज्यदा रेवा रमा राजीवलोचना।
राकेशी रूपसम्पन्ना रत्नसिंहासनस्थिता॥ १२५॥
रक्तमाल्याम्बरधरा रक्तगन्धानुलेपना।
राजहंससमारूढा रम्भा रक्तबलिप्रिया॥ १२६॥

रमणीययुगाधारा राजिताखिलभूतला।
रुरुचर्मपरीधाना रथिनी रत्नमालिका॥ १२७॥
रोगेशी रोगशमनी राविणी रोमहर्षिणी।
रामचन्द्रपदाक्रान्ता रावणच्छेदकारिणी॥ १२८॥
रत्नवस्त्रपरिच्छन्ना रथस्था रुक्मभूषणा।
लज्जाधिदेवता लोला ललिता लिङ्गधारिणी॥ १२९॥
लक्ष्मीर्लोला लुप्तविषा लोकिनी लोकविश्रुता।
लज्जा लम्बोदरी देवी ललना लोकधारिणी॥ १३०॥
वरदा वन्दिता विद्या वैष्णवी विमलाकृतिः।
वाराही विरजा वर्षा वरलक्ष्मीर्विलासिनी॥ १३१॥
विनता व्योममध्यस्था वारिजासनसंस्थिता।
वारुणी वेणुसम्भूता वीतिहोत्रा विरूपिणी॥ १३२॥
वायुमण्डलमध्यस्था विष्णुरूपा विधिप्रिया।
विष्णुपत्नी विष्णुमती विशालाक्षी वसुन्धरा॥ १३३॥
वामदेवप्रिया वेला वज्रिणी वसुदोहिनी।
वेदाक्षरपरीताङ्गी वाजपेयफलप्रदा॥ १३४॥
वासवी वामजननी वैकुण्ठनिलया वरा।
व्यासप्रिया वर्मधरा वाल्मीकिपरिसेविता॥ १३५॥
शाकम्भरी शिवा शान्ता शारदा शरणागतिः।
शातोदरी शुभाचारा शुम्भासुरविमर्दिनी॥ १३६॥
शोभावती शिवाकारा शङ्करार्द्धशरीरिणी।
शोणा शुभाशया शुभ्रा शिरःसन्धानकारिणी॥ १३७॥
शरावती शरानन्दा शरज्ज्योत्स्ना शुभानना।
शरभा शूलिनी शुद्धा शबरी शुकवाहना॥ १३८॥

श्रीमती श्रीधरानन्दा श्रवणानन्ददायिनी।
शर्वाणी शर्वरीवन्द्या षड्भाषा षड्ऋतुप्रिया॥ १३९॥
षडाधारस्थिता देवी षण्मुखप्रियकारिणी।
षडङ्गरूपसुमतिसुरासुरनमस्कृता ॥ १४०॥
सरस्वती सदाधारा सर्वमङ्गलकारिणी।
सामगानप्रिया सूक्ष्मा सावित्री सामसम्भवा॥ १४१॥
सर्वावासा सदानन्दा सुस्तनी सागराम्बरा।
सर्वैश्वर्यप्रिया सिद्धिः साधुबन्धुपराक्रमा॥ १४२॥
सप्तर्षिमण्डलगता सोममण्डलवासिनी।
सर्वज्ञा सान्द्रकरुणा समानाधिकवर्जिता॥ १४३॥
सर्वोत्तुङ्गा सङ्गहीना सद्गुणा सकलेष्टदा।
सरघा सूर्यतनया सुकेशी सोमसंहतिः॥ १४४॥
हिरण्यवर्णा हरिणी ह्रींकारी हंसवाहिनी।
क्षौमवस्त्रपरीताङ्गी क्षीराब्धितनया क्षमा॥ १४५॥
गायत्री चैव सावित्री पार्वती च सरस्वती।
वेदगर्भा वरारोहा श्रीगायत्री पराम्बिका॥ १४६॥

॥ फलश्रुतिः॥

इति साहस्रकं नाम्नां गायत्र्याश्चैव नारद।
पुण्यदं सर्वपापघ्नं महासम्पत्तिदायकम्॥ १४७॥
एवं नामानि गायत्र्यास्तोषोत्पत्तिकराणि हि।
अष्टम्यां च विशेषेण पठितव्यं द्विजैः सह॥ १४८॥
जपं कृत्वा होमपूजा ध्यानं कृत्वा विशेषतः।
यस्मै कस्मै न दातव्यं गायत्र्यास्तु विशेषतः॥ १४९॥
सुभक्ताय सुशिष्याय वक्तव्यं भूसुराय वै।

भ्रष्टेभ्यः साधकेभ्यश्च बान्धवेभ्यो न दर्शयेत्॥ १५०॥
यद्गृहे लिखितं शास्त्रं भयं तस्य न कस्यचित्।
चञ्चलापि स्थिरा भूत्वा कमला तत्र तिष्ठति॥ १५१॥
इदं रहस्यं परमं गुह्याद् गुह्यतरं महत्।
पुण्यप्रदं मनुष्याणां दरिद्राणां निधिप्रदम्॥ १५२॥
मोक्षप्रदं मुमुक्षूणां कामिनां सर्वकामदम्।
रोगाद्वै मुच्यते रोगी बद्धो मुच्येत बन्धनात्॥ १५३॥
ब्रह्महत्यासुरापानसुवर्णस्तेयिनो नराः।
गुरुतल्पगतो वापि पातकान्मुच्यते सकृत्॥ १५४॥
असत्प्रतिग्रहाच्चैवाभक्ष्यभक्षाद्विशेषतः।
पाखण्डानृतमुख्येभ्यः पठनादेव मुच्यते॥ १५५॥
इदं रहस्यममलं मयोक्तं पद्मजोद्भव।
ब्रह्मसायुज्यदं नृणां सत्यं सत्यं न संशयः॥ १५६॥

॥ इति श्रीमद्देवीभागवते महापुराणे गायत्रीसहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



॥ श्रीगायत्रीदेव्यै नमः ॥

श्रीगायत्रीसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ अचिन्त्यलक्षणायै नमः।
२ ॐ अव्यक्तायै नमः।
३ ॐ अर्थमातृमहेश्वर्यै नमः।
४ ॐ अमृतायै नमः।
५ ॐ अर्णवमध्यस्थायै नमः।
६ ॐ अजितायै नमः।
७ ॐ अपराजितायै नमः।
८ ॐ अणिमादिगुणाधारायै नमः।
९ ॐ अर्कमण्डलसंस्थितायै नमः।
१० ॐ अजरायै नमः।
११ ॐ अजायै नमः।
१२ ॐ अपरस्यै नमः।
१३ ॐ अधर्मायै नमः।
१४ ॐ अक्षसूत्रधरायै नमः।
१५ ॐ अधरायै नमः।
१६ ॐ अकारादिक्षकारान्तायै नमः।
१७ ॐ अरिषड्वर्गभेदिन्यै नमः।
१८ ॐ अञ्जनाद्रिप्रतीकाशायै नमः।
१९ ॐ अञ्जनाद्रिनिवासिन्यै नमः।
२० ॐ अदित्यै नमः।
२१ ॐ अजपायै नमः।
२२ ॐ अविद्यायै नमः।
२३ ॐ अरविन्दनिभेक्षणायै नमः।
२४ ॐ अन्तर्बहिःस्थितायै नमः।
२५ ॐ अंविद्याध्वंसिन्यै नमः।
२६ ॐ अन्तरात्मिकायै नमः।
२७ ॐ अजायै नमः।
२८ ॐ अजमुखावासायै नमः।
२९ ॐ अरविन्दनिभाननायै नमः।
३० ॐ अर्धमात्रायै नमः।
३१ ॐ अर्थदानज्ञायै नमः।
३२ ॐ अरिमण्डलमर्दिन्यै नमः।
३३ ॐ असुरघ्न्यै नमः।
३४ ॐ अमावास्यायै नमः।
३५ ॐ अलक्ष्मीघ्न्यन्त्यजार्चितायै नमः।
३६ ॐ आदिलक्ष्म्यै नमः।
३७ ॐ आदिशक्त्यै नमः।
३८ ॐ आकृत्यै नमः।
३९ ॐ आयताननायै नमः।
४० ॐ आदित्यपदवीचारायै नमः।
४१ ॐ आदित्यपरिसेवितायै नमः।
४२ ॐ आचार्यायै नमः।
४३ ॐ आवर्तनायै नमः।
४४ ॐ आचारायै नमः।
४५ ॐ आदिमूर्तिनिवासिन्यै नमः।
४६ ॐ आग्नेय्यै नमः।
४७ ॐ आमयै नमः।
४८ ॐ आद्यायै नमः।
४९ ॐ आराध्यायै नमः
५० ॐ आसनस्थितायै नमः।

५१ ॐ आधारनिलयायै नमः।
५२ ॐ आधारायै नमः।
५३ ॐ आकाशान्तनिवासिन्यै नमः।
५४ ॐ आद्याक्षरसमायुक्तायै नमः।
५५ ॐ आन्तराकाशरूपिण्यै नमः।
५६ ॐ आदित्यमण्डलगतायै नमः।
५७ ॐ आन्तरध्वान्तनाशिन्यै नमः।
५८ ॐ इन्दिरायै नमः।
५९ ॐ इष्टदायै नमः।
६० ॐ इष्टायै नमः।
६१ ॐ इन्दीवरनिभेक्षणायै नमः।
६२ ॐ इरावत्यै नमः।
६३ ॐ इन्द्रपदायै नमः।
६४ ॐ इन्द्राण्यै नमः।
६५ ॐ इन्दुरूपिण्यै नमः।
६६ ॐ इक्षुकोदण्डसंयुक्तायै नमः।
६७ ॐ इषुसन्धानकारिण्यै नमः।
६८ ॐ इन्द्रनीलसमाकारायै नमः।
६९ ॐ इडापिङ्गलरूपिण्यै नमः।
७० ॐ इन्द्राक्ष्यै नमः।
७१ ॐ ईश्वर्यै देव्यै नमः।
७२ ॐ ईहात्रयविवर्जितायै नमः।
७३ ॐ उमायै नमः।
७४ ॐ उषायै नमः।
७५ ॐ उडुनिभायै नमः।
७६ ॐ उर्वारुकफलाननायै नमः।
७७ ॐ उडुप्रभायै नमः।
७८ ॐ उडुमत्यै नमः।
७९ ॐ उडुपायै नमः।
८० ॐ उडुमध्यगायै नमः।
८१ ॐ ऊर्ध्वाय नमः।
८२ ॐ ऊर्ध्वकेश्यै नमः।
८३ ॐ ऊर्ध्वाधोगतिभेदिन्यै नमः।
८४ ॐ ऊर्ध्वबाहुप्रियायै नमः।
८५ ॐ ऊर्मिमालावाग्ग्रन्थदायिन्यै नमः।
८६ ॐ ऋताय नमः।
८७ ॐ ऋषये नमः।
८८ ॐ ऋतुमत्यै नमः।
८९ ॐ ऋषिदेवनमस्कृतायै नमः।
९० ॐ ऋग्वेदायै नमः।
९१ ॐ ऋणहर्त्र्यै नमः।
९२ ॐ ऋषिमण्डलचारिण्यै नमः।
९३ ॐ ऋद्धिदायै नमः।
९४ ॐ ऋजुमार्गस्थायै नमः।
९५ ॐ ऋजुधर्मायै नमः।
९६ ॐ ऋतुप्रदायै नमः।
९७ ॐ ऋग्वेदनिलयायै नमः।
९८ ॐ ऋज्व्यै नमः।
९९ ॐ लुप्तधर्मप्रवर्तिन्यै नमः।
१०० ॐ लूतारिवरसम्भूतायै नमः।
१०१ ॐ लूतादिविषहारिण्यै नमः।
१०२ ॐ एकाक्षरायै नमः।
१०३ ॐ एकमात्रायै नमः।
१०४ ॐ एकस्यै नमः।
१०५ ॐ एकैकनिष्ठितायै नमः।
१०६ ॐ ऐन्द्र्यै नमः।
१०७ ॐ ऐरावतारूढायै नमः।

१०८ ॐ ऐहिकामुष्मिकप्रभायै नमः।
१०९ ॐ ओंकारायै नमः।
११० ॐ ओषध्यै नमः।
१११ ॐ ओतायै नमः।
११२ ॐ ओतप्रोतनिवासिन्यै नमः।
११३ ॐ और्वायै नमः।
११४ ॐ औषधसम्पन्नायै नमः।
११५ ॐ औपासनफलप्रदायै नमः।
११६ ॐ अण्डमध्यस्थितायै देव्यै नमः।
११७ ॐ अःकारमनुरूपिण्यै नमः।
११८ ॐ कात्यायन्यै नमः।
११९ ॐ कालरात्र्यै नमः।
१२० ॐ कामाक्ष्यै नमः।
१२१ ॐ कामसुन्दर्यै नमः।
१२२ ॐ कमलायै नमः।
१२३ ॐ कामिन्यै नमः।
१२४ ॐ कान्तायै नमः।
१२५ ॐ कामदायै नमः।
१२६ ॐ कालकण्ठिन्यै नमः।
१२७ ॐ करिकुम्भस्तनभरायै नमः।
१२८ ॐ करवीरसुवासिन्यै नमः।
१२९ ॐ कल्याण्यै नमः।
१३० ॐ कुण्डलवत्यै नमः।
१३१ ॐ कुरुक्षेत्रनिवासिन्यै नमः।
१३२ ॐ कुरुविन्ददलाकारायै नमः।
१३३ ॐ कुण्डल्यै नमः।
१३४ ॐ कुमुदालयायै नमः।
१३५ ॐ कालजिह्वायै नमः।
१३६ ॐ करालास्यायै नमः।
१३७ ॐ कालिकायै नमः।
१३८ ॐ कालरूपिण्यै नमः।
१३९ ॐ कमनीयगुणायै नमः।
१४० ॐ कान्त्यै नमः।
१४१ ॐ कलाधारायै नमः।
१४२ ॐ कुमुद्वत्यै नमः।
१४३ ॐ कौशिक्यै नमः।
१४४ ॐ कमलाकारायै नमः।
१४५ ॐ कामचारप्रभञ्जिन्यै नमः।
१४६ ॐ कौमार्यै नमः।
१४७ ॐ करुणापाङ्ग्यै नमः।
१४८ ॐ ककुबन्तायै नमः।
१४९ ॐ करिप्रियायै नमः।
१५० ॐ केसर्यै नमः।
१५१ ॐ केशवनुतायै नमः।
१५२ ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः।
१५३ ॐ कालिन्द्यै नमः।
१५४ ॐ कालिकायै नमः।
१५५ ॐ काञ्च्यै नमः।
१५६ ॐ कलशोद्भवसंस्तुतायै नमः।
१५७ ॐ काममात्रे नमः।
१५८ ॐ क्रतुमत्यै नमः।
१५९ ॐ कामरूपायै नमः।
१६० ॐ कृपावत्यै नमः।
१६१ ॐ कुमार्यै नमः।
१६२ ॐ कुण्डनिलयायै नमः।
१६३ ॐ किरात्यै नमः।
१६४ ॐ कीरवाहनायै नमः।
१६५ ॐ कैकेय्यै नमः।

१६६ ॐ कोकिलालापायै नमः।
१६७ ॐ केतक्यै नमः।
१६८ ॐ कुसुमप्रियायै नमः।
१६९ ॐ कमण्डलुधरायै नमः।
१७० ॐ काल्यै नमः।
१७१ ॐ कर्मनिर्मूलकारिण्यै नमः।
१७२ ॐ कलहंसगत्यै नमः।
१७३ ॐ कक्षायै नमः।
१७४ ॐ कृतकौतुकमङ्गलायै नमः।
१७५ ॐ कस्तूरीतिलकायै नमः।
१७६ ॐ कम्प्रायै नमः।
१७७ ॐ करीन्द्रगमनायै नमः।
१७८ ॐ कुह्वै नमः।
१७९ ॐ कर्पूरलेपनायै नमः।
१८० ॐ कृष्णायै नमः।
१८१ ॐ कपिलायै नमः।
१८२ ॐ कुहुराश्रयायै नमः।
१८३ ॐ कूटस्थायै नमः।
१८४ ॐ कुधरायै नमः।
१८५ ॐ कम्रायै नमः।
१८६ ॐ कुक्षिस्थाखिलविष्टपायै नमः।
१८७ ॐ खड्गखेटकरायै नमः।
१८८ ॐ खर्वायै नमः।
१८९ ॐ खेचर्यै नमः।
१९० ॐ खगवाहनायै नमः।
१९१ ॐ खट्वाङ्गधारिण्यै नमः।
१९२ ॐ ख्यातायै नमः।
१९३ ॐ खगराजोपरिस्थितायै नमः।
१९४ ॐ खलघ्न्यै नमः।
१९५ ॐ खण्डितजरायै नमः।
१९६ ॐ खण्डाख्यानप्रदायिन्यै नमः।
१९७ ॐ खण्डेन्दुतिलकायै नमः।
१९८ ॐ गङ्गायै नमः।
१९९ ॐ गणेशगुहपूजितायै नमः।
२०० ॐ गायत्र्यै नमः।
२०१ ॐ गोमत्यै नमः।
२०२ ॐ गीतायै नमः।
२०३ ॐ गान्धार्यै नमः।
२०४ ॐ गानलोलुपायै नमः।
२०५ ॐ गौतम्यै नमः।
२०६ ॐ गामिन्यै नमः।
२०७ ॐ गाधायै नमः।
२०८ ॐ गन्धर्वाप्सरसेवितायै नमः।
२०९ ॐ गोविन्दचरणाक्रान्तायै नमः।
२१० ॐ गुणत्रयविभावितायै नमः।
२११ ॐ गन्धर्व्यै नमः।
२१२ ॐ गह्वर्यै नमः।
२१३ ॐ गोत्रायै नमः।
२१४ ॐ गिरीशायै नमः।
२१५ ॐ गहनायै नमः।
२१६ ॐ गम्यै नमः।
२१७ ॐ गुहावासायै नमः।
२१८ ॐ गुणवत्यै नमः।
२१९ ॐ गुरुपापप्रणाशिन्यै नमः।
२२० ॐ गुर्व्यै नमः।
२२१ ॐ गुणवत्यै नमः।
२२२ ॐ गुह्यायै नमः।
२२३ ॐ गोसव्यायै नमः।

२२४ ॐ गुणदायिन्यै नमः।
२२५ ॐ गिरिजायै नमः।
२२६ ॐ गुह्यमातङ्ग्यै नमः।
२२७ ॐ गरुडध्वजवल्लभायै नमः।
२२८ ॐ गर्वापहारिण्यै नमः।
२२९ ॐ गोदायै नमः।
२३० ॐ गोकुलस्थायै नमः।
२३१ ॐ गदाधरायै नमः।
२३२ ॐ गोकर्णनिलयासक्तायै नमः।
२३३ ॐ गुह्यमण्डलवर्तिन्यै नमः।
२३४ ॐ घर्मदायै नमः।
२३५ ॐ घनदायै नमः।
२३६ ॐ घण्टायै नमः।
२३७ ॐ घोरदानवमर्दिन्यै नमः।
२३८ ॐ घृणिमन्त्रमय्यै नमः।
२३९ ॐ घोषायै नमः।
२४० ॐ घनसम्पातदायिन्यै नमः।
२४१ ॐ घण्टारवप्रियायै नमः।
२४२ ॐ घ्राणायै नमः।
२४३ ॐ घृणिसंतुष्टकारिण्यै नमः।
२४४ ॐ घनारिमण्डलायै नमः।
२४५ ॐ घूर्णायै नमः।
२४६ ॐ घृताच्यै नमः।
२४७ ॐ घनवेगिन्यै नमः।
२४८ ॐ ज्ञानधातुमय्यै नमः।
२४९ ॐ चर्चायै नमः।
२५० ॐ चर्चितायै नमः।
२५१ ॐ चारुहासिन्यै नमः।
२५२ ॐ चटुलायै नमः।
२५३ ॐ चण्डिकायै नमः।
२५४ ॐ चित्रायै नमः।
२५५ ॐ चित्रमाल्यविभूषितायै नमः।
२५६ ॐ चतुर्भुजायै नमः।
२५७ ॐ चारुदन्तायै नमः।
२५८ ॐ चातुर्यै नमः।
२५९ ॐ चरितप्रदायै नमः।
२६० ॐ चूलिकायै नमः।
२६१ ॐ चित्रवस्त्रान्तायै नमः।
२६२ ॐ चन्द्रमःकर्णकुण्डलायै नमः।
२६३ ॐ चन्द्रहासायै नमः।
२६४ ॐ चारुदात्र्यै नमः।
२६५ ॐ चकोर्यै नमः।
२६६ ॐ चान्द्रहासिन्यै नमः।
२६७ ॐ चन्द्रिकायै नमः।
२६८ ॐ चन्द्रधात्र्यै नमः।
२६९ ॐ चौर्यै नमः।
२७० ॐ चौरायै नमः।
२७१ ॐ चण्डिकायै नमः।
२७२ ॐ चञ्चद्वाग्वादिन्यै नमः।
२७३ ॐ चन्द्रचूडायै नमः।
२७४ ॐ चोरविनाशिन्यै नमः।
२७५ ॐ चारुचन्दनलिप्ताङ्ग्यै नमः।
२७६ ॐ चञ्चच्चामरवीजितायै नमः।
२७७ ॐ चारुमध्यायै नमः।
२७८ ॐ चारुगत्यै नमः।
२७९ ॐ चन्दिलायै नमः।
२८० ॐ चन्द्ररूपिण्यै नमः।
२८१ ॐ चारुहोमप्रियायै नमः।
२८२ ॐ चार्वाचरितायै नमः।
२८३ ॐ चक्रबाहुकायै नमः।

२८४ ॐ चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै नमः।
२८५ ॐ चन्द्रमण्डलदर्पणायै नमः।
२८६ ॐ चक्रवाकस्तन्यै नमः।
२८७ ॐ चेष्टायै नमः।
२८८ ॐ चित्रायै नमः।
२८९ ॐ चारुविलासिन्यै नमः।
२९० ॐ चित्स्वरूपायै नमः।
२९१ ॐ चन्द्रवत्यै नमः।
२९२ ॐ चन्द्रमसे नमः।
२९३ ॐ चन्दनप्रियायै नमः।
२९४ ॐ चोदयित्र्यै नमः।
२९५ ॐ चिरप्रज्ञायै नमः।
२९६ ॐ चातकायै नमः।
२९७ ॐ चारुहेतुक्यै नमः।
२९८ ॐ छत्रयातायै नमः।
२९९ ॐ छत्रधरायै नमः।
३०० ॐ छायायै नमः।
३०१ ॐ छन्दःपरिच्छदायै नमः।
३०२ ॐ छायादेव्यै नमः।
३०३ ॐ छिद्रनखायै नमः।
३०४ ॐ छन्नेन्द्रियविसर्पिण्यै नमः।
३०५ ॐ छन्दोऽनुष्टुप्प्रतिष्ठान्तायै नमः।
३०६ ॐ छिद्रोपद्रवभेदिन्यै नमः।
३०७ ॐ छेदायै नमः।
३०८ ॐ छत्रेश्वर्यै नमः।
३०९ ॐ छिन्नायै नमः।
३१० ॐ छुरिकायै नमः।
३११ ॐ छेदनप्रियायै नमः।
३१२ ॐ जनन्यै नमः।
३१३ ॐ जन्मरहितायै नमः।
३१४ ॐ जातवेदसे नमः।
३१५ ॐ जगन्मय्यै नमः।
३१६ ॐ जाह्नव्यै नमः।
३१७ ॐ जटिलायै नमः।
३१८ ॐ जेत्र्यै नमः।
३१९ ॐ जरामरणवर्जितायै नमः।
३२० ॐ जम्बूद्वीपवत्यै नमः।
३२१ ॐ ज्वालायै नमः।
३२२ ॐ जयन्त्यै नमः।
३२३ ॐ जलशालिन्यै नमः।
३२४ ॐ जितेन्द्रियायै नमः।
३२५ ॐ जितक्रोधायै नमः।
३२६ ॐ जितामित्रायै नमः।
३२७ ॐ जगत्प्रियायै नमः।
३२८ ॐ जातरूपमय्यै नमः।
३२९ ॐ जिह्वायै नमः।
३३० ॐ जानक्यै नमः।
३३१ ॐ जगत्यै नमः।
३३२ ॐ जरायै नमः।
३३३ ॐ जनित्र्यै नमः।
३३४ ॐ जह्नुतनयायै नमः।
३३५ ॐ जगत्त्रयहितैषिण्यै नमः।
३३६ ॐ ज्वालामुख्यै नमः।
३३७ ॐ जपवत्यै नमः।
३३८ ॐ ज्वरघ्न्यै नमः।
३३९ ॐ जितविष्टपायै नमः।
३४० ॐ जिताक्रान्तमय्यै नमः।
३४१ ॐ ज्वालायै नमः।
३४२ ॐ जाग्रत्यै नमः।
३४३ ॐ ज्वरदेवतायै नमः।

३४४ ॐ ज्वलन्त्यै नमः।
३४५ ॐ जलदायै नमः।
३४६ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
३४७ ॐ ज्याघोषास्फोटदिङ्मुख्यै नमः।
३४८ ॐ जम्भिन्यै नमः।
३४९ ॐ जृम्भणायै नमः।
३५० ॐ जृम्भायै नमः।
३५१ ॐ ज्वलन्माणिक्यकुण्डलायै नमः।
३५२ ॐ झिञ्झिकायै नमः।
३५३ ॐ झणनिर्घोषायै नमः।
३५४ ॐ झंझामारुतवेगिन्यै नमः।
३५५ ॐ झल्लरीवाद्यकुशलायै नमः।
३५६ ॐ ञरूपायै नमः।
३५७ ॐ ञभुजायै नमः।
३५८ ॐ टङ्कबाणसमायुक्तायै नमः।
३५९ ॐ टङ्किन्यै नमः।
३६० ॐ टङ्कभेदिन्यै नमः।
३६१ ॐ टङ्कीगणकृताघोषायै नमः।
३६२ ॐ टङ्कनीयमहोरसायै नमः।
३६३ ॐ टङ्कारकारिण्यै देव्यै नमः।
३६४ ॐ ठठशब्दनिनादिन्यै नमः।
३६५ ॐ डामर्यै नमः।
३६६ ॐ डाकिन्यै नमः।
३६७ ॐ डिम्भायै नमः।
३६८ ॐ डुण्डुमारैकनिर्जितायै नमः।
३६९ ॐ डामरीतन्त्रमार्गस्थायै नमः।
३७० ॐ डमड्डमरुनादिन्यै नमः।
३७१ ॐ डिण्डीरवसहायै नमः।
३७२ ॐ डिम्भलसत्क्रीडापरायणायै नमः।
३७३ ॐ ढुंण्ढिविघ्नेशजनन्यै नमः।
३७४ ॐ ढक्काहस्तायै नमः।
३७५ ॐ ढिलिव्रजायै नमः।
३७६ ॐ नित्यज्ञानायै नमः।
३७७ ॐ निरुपमायै नमः।
३७८ ॐ निर्गुणायै नमः।
३७९ ॐ नर्मदायै नमः।
३८० ॐ नद्यै नमः।
३८१ ॐ त्रिगुणायै नमः।
३८२ ॐ त्रिपदायै नमः।
३८३ ॐ तन्त्र्यै नमः।
३८४ ॐ तुलसीतरुणातरवे नमः।
३८५ ॐ त्रिविक्रमपदाक्रान्तायै नमः।
३८६ ॐ तुरीयपदगामिन्यै नमः।
३८७ ॐ तरुणादित्यसंकाशायै नमः।
३८८ ॐ तामस्यै नमः।
३८९ ॐ तुहिनायै नमः।
३९० ॐ तुरायै नमः।
३९१ ॐ त्रिकालज्ञानसम्पन्नायै नमः।
३९२ ॐ त्रिवेण्यै नमः।
३९३ ॐ त्रिलोचनायै नमः।
३९४ ॐ त्रिशक्त्यै नमः।
३९५ ॐ त्रिपुरायै नमः।
३९६ ॐ तुङ्गायै नमः।
३९७ ॐ तुरङ्गवदनायै नमः।
३९८ ॐ तिमिङ्गिलगिलायै नमः।
३९९ ॐ तीव्रायै नमः।
४०० ॐ त्रिस्रोतायै नमः।
४०१ ॐ तामसादिन्यै नमः।
४०२ ॐ तन्त्रमन्त्रविशेषज्ञायै नमः।
४०३ ॐ तनुमध्यायै नमः।

४०४ ॐ त्रिविष्टपायै नमः।
४०५ ॐ त्रिसंध्यायै नमः।
४०६ ॐ त्रिस्तन्यै नमः।
४०७ ॐ तोषासंस्थायै नमः।
४०८ ॐ तालप्रतापिन्यै नमः।
४०९ ॐ ताटङ्किन्यै नमः।
४१० ॐ तुषाराभायै नमः।
४११ ॐ तुहिनाचलवासिन्यै नमः।
४१२ ॐ तन्तुजालसमायुक्तायै नमः।
४१३ ॐ तारहारावलिप्रियायै नमः।
४१४ ॐ तिलहोमप्रियायै नमः।
४१५ ॐ तीर्थायै नमः।
४१६ ॐ तमालकुसुमाकृत्यै नमः।
४१७ ॐ तारकायै नमः।
४१८ ॐ त्रियुतायै नमः।
४१९ ॐ तन्व्यै नमः।
४२० ॐ त्रिशंकुपरिवारितायै नमः।
४२१ ॐ तलोदर्यै नमः।
४२२ ॐ तिलाभूषायै नमः।
४२३ ॐ ताटङ्कप्रियवाहिन्यै नमः।
४२४ ॐ त्रिजटायै नमः।
४२५ ॐ तित्तिर्यै नमः।
४२६ ॐ तृष्णायै नमः
४२७ ॐ त्रिविधायै नमः।
४२८ ॐ तरुणाकृत्यै नमः।
४२९ ॐ तप्तकाञ्चनसंकाशायै नमः।
४३० ॐ तप्तकाञ्चनभूषणायै नमः।
४३१ ॐ त्रैयम्बकायै नमः।
४३२ ॐ त्रिवर्गायै नमः।
४३३ ॐ त्रिकालज्ञानदायिन्यै नमः।
४३४ ॐ तर्पणायै नमः।
४३५ ॐ तृप्तिदायै नमः।
४३६ ॐ तृप्तायै नमः।
४३७ ॐ तामस्यै नमः।
४३८ ॐ तुम्बुरुस्तुतायै नमः।
४३९ ॐ तार्क्ष्यस्थायै नमः।
४४० ॐ त्रिगुणाकारायै नमः।
४४१ ॐ त्रिभङ्ग्यै नमः।
४४२ ॐ तनुवल्लर्यै नमः।
४४३ ॐ थात्कार्य्यै नमः।
४४४ ॐ थारवायै नमः।
४४५ ॐ थान्तायै नमः।
४४६ ॐ दोहिन्यै नमः।
४४७ ॐ दीनवत्सलायै नमः।
४४८ ॐ दानवान्तकर्यै नमः।
४४९ ॐ दुर्गायै नमः।
४५० ॐ दुर्गासुरनिबर्हिण्यै नमः।
४५१ ॐ देवरीत्यै नमः।
४५२ ॐ दिवारात्र्यै नमः।
४५३ ॐ द्रौपद्यै नमः।
४५४ ॐ दुन्दुभिस्वनायै नमः।
४५५ ॐ देवयान्यै नमः।
४५६ ॐ दुरावासायै नमः।
४५७ ॐ दारिद्र्योद्भेदिन्यै नमः।
४५८ ॐ दिवायै नमः।
४५९ ॐ दामोदरप्रियायै नमः।
४६० ॐ दीप्तायै नमः।
४६१ ॐ दिग्वासायै नमः।
४६२ ॐ दिग्विमोहिन्यै नमः।
४६३ ॐ दण्डकारण्यनिलयायै नमः।

४६४ ॐ दण्डिन्यै नमः।
४६५ ॐ देवपूजितायै नमः।
४६६ ॐ देववन्द्यायै नमः।
४६७ ॐ दिविषदायै नमः।
४६८ ॐ द्वेषिण्यै नमः।
४६९ ॐ दानवाकृत्यै नमः।
४७० ॐ दीनानाथस्तुतायै नमः।
४७१ ॐ दीक्षायै नमः।
४७२ ॐ दैवतादिस्वरूपिण्यै नमः।
४७३ ॐ धात्र्यै नमः।
४७४ ॐ धनुर्धरायै नमः।
४७५ ॐ धेन्वै नमः।
४७६ ॐ धारिण्यै नमः।
४७७ ॐ धर्मचारिण्यै नमः।
४७८ ॐ धरन्धरायै नमः।
४७९ ॐ धराधारायै नमः।
४८० ॐ धनदायै नमः।
४८१ ॐ धान्यदोहिन्यै नमः।
४८२ ॐ धर्मशीलायै नमः।
४८३ ॐ धनाध्यक्षायै नमः।
४८४ ॐ धनुर्वेदविशारदायै नमः।
४८५ ॐ धृत्यै नमः।
४८६ ॐ धन्यायै नमः।
४८७ ॐ धृतपदायै नमः।
४८८ ॐ धर्मराजप्रियायै नमः।
४८९ ॐ ध्रुवायै नमः।
४९० ॐ धूमावत्यै नमः।
४९१ ॐ धूम्रकेश्यै नमः।
४९२ ॐ धर्मशास्त्रप्रकाशिन्यै नमः।
४९३ ॐ नन्दायै नमः।
४९४ ॐ नन्दप्रियायै नमः।
४९५ ॐ निद्रायै नमः।
४९६ ॐ नृनुतायै नमः।
४९७ ॐ नन्दनात्मिकायै नमः।
४९८ ॐ नर्मदायै नमः।
४९९ ॐ नलिन्यै नमः।
५०० ॐ नीलायै नमः।
५०१ ॐ नीलकण्ठसमाश्रयायै नमः।
५०२ ॐ नारायणप्रियायै नमः।
५०३ ॐ नित्यायै नमः।
५०४ ॐ निर्मलायै नमः।
५०५ ॐ निर्गुणायै नमः।
५०६ ॐ निधये नमः।
५०७ ॐ निराधारायै नमः।
५०८ ॐ निरुपमायै नमः।
५०९ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
५१० ॐ निरञ्जनायै नमः।
५११ ॐ नादबिन्दुकलातीतायै नमः।
५१२ ॐ नादबिन्दुकलात्मिकायै नमः।
५१३ ॐ नृसिंहिन्यै नमः।
५१४ ॐ नगधरायै नमः।
५१५ ॐ नृपनागविभूषितायै नमः।
५१६ ॐ नरकक्लेशशमन्यै नमः।
५१७ ॐ नारायणपदोद्भवायै नमः।
५१८ ॐ निरवद्यायै नमः।
५१९ ॐ निराकारायै नमः।
५२० ॐ नारदप्रियकारिण्यै नमः।
५२१ ॐ नानाज्योतिःसमाख्यातायै नमः।

५२२ ॐ निधिदायै नमः।
५२३ ॐ निर्मलात्मिकायै नमः।
५२४ ॐ नवसूत्रधरायै नमः।
५२५ ॐ नीत्यै नमः।
५२६ ॐ निरुपद्रवकारिण्यै नमः।
५२७ ॐ नन्दजायै नमः।
५२८ ॐ नवरत्नाढ्यायै नमः।
५२९ ॐ नैमिषारण्यवासिन्यै नमः।
५३० ॐ नवनीतिप्रियायै नमः।
५३१ ॐ नार्य्यै नमः।
५३२ ॐ नीलजीमूतनिस्वनायै नमः।
५३३ ॐ निमेषिण्यै नमः।
५३४ ॐ नदीरूपायै नमः।
५३५ ॐ नीलग्रीवायै नमः।
५३६ ॐ निशीश्वर्यै नमः।
५३७ ॐ नामावल्यै नमः।
५३८ ॐ निशुम्भघ्न्यै नमः।
५३९ ॐ नागलोकनिवासिन्यै नमः।
५४० ॐ नवजाम्बूनदप्रख्यायै नमः।
५४१ ॐ नागलोकाधिदेवतायै नमः।
५४२ ॐ नूपुराक्रान्तचरणायै नमः।
५४३ ॐ नरचित्तप्रमोदिन्यै नमः।
५४४ ॐ निमग्नारक्तनयनायै नमः।
५४५ ॐ निर्घातसमनिस्वनायै नमः।
५४६ ॐ नन्दनोद्याननिलयायै नमः।
५४७ ॐ निर्व्यूहोपरिचारिण्यै नमः।
५४८ ॐ पार्वत्यै नमः।
५४९ ॐ परमोदारायै नमः।
५५० ॐ परब्रह्मात्मिकायै नमः।
५५१ ॐ परस्यै नमः।
५५२ ॐ पञ्चकोशविनिर्मुक्तायै नमः।
५५३ ॐ पञ्चपातकनाशिन्यै नमः।
५५४ ॐ परचित्तविधानज्ञायै नमः।
५५५ ॐ पञ्चिकायै नमः।
५५६ ॐ पञ्चरूपिण्यै नमः।
५५७ ॐ पूर्णिमायै नमः।
५५८ ॐ परमायै नमः।
५५९ ॐ प्रीत्यै नमः।
५६० ॐ परतेजसे नमः।
५६१ ॐ प्रकाशिन्यै नमः।
५६२ ॐ पुराण्यै नमः।
५६३ ॐ पौरुष्यै नमः।
५६४ ॐ पुण्यायै नमः।
५६५ ॐ पुण्डरीकनिभेक्षणायै नमः।
५६६ ॐ पातालतलनिमग्नायै नमः।
५६७ ॐ प्रीतायै नमः।
५६८ ॐ प्रीतिविवर्धिन्यै नमः।
५६९ ॐ पावन्यै नमः।
५७० ॐ पादसहितायै नमः।
५७१ ॐ पेशलायै नमः।
५७२ ॐ पवनाशिन्यै नमः।
५७३ ॐ प्रजापतये नमः।
५७४ ॐ परिश्रान्तायै नमः।
५७५ ॐ पर्वतस्तनमण्डलायै नमः।
५७६ ॐ पद्मप्रियायै नमः।
५७७ ॐ पद्मसंस्थायै नमः।
५७८ ॐ पद्माक्ष्यै नमः।
५७९ ॐ पद्मसम्भवायै नमः।

५८० ॐ पद्मपत्रायै नमः।
५८१ ॐ पद्मपदायै नमः।
५८२ ॐ पद्मिन्यै नमः।
५८३ ॐ प्रियभाषिण्यै नमः।
५८४ ॐ पशुपाशविनिर्मुक्तायै नमः।
५८५ ॐ पुरन्ध्र्यै नमः।
५८६ ॐ पुरवासिन्यै नमः।
५८७ ॐ पुष्कलायै नमः।
५८८ ॐ पुरुषायै नमः।
५८९ ॐ पर्वायै नमः।
५९० ॐ पारिजातसुमप्रियायै नमः।
५९१ ॐ पतिव्रतायै नमः।
५९२ ॐ पवित्राङ्ग्यै नमः।
५९३ ॐ पुष्पहासपरायणायै नमः।
५९४ ॐ प्रज्ञावतीसुतायै नमः।
५९५ ॐ पौत्र्यै नमः।
५९६ ॐ पुत्रपूज्यायै नमः।
५९७ ॐ पयस्विन्यै नमः।
५९८ ॐ पट्टिपाशधरायै नमः।
५९९ ॐ पङ्क्त्यै नमः।
६०० ॐ पितृलोकप्रदायिन्यै नमः।
६०१ ॐ पुराण्यै नमः।
६०२ ॐ पुण्यशीलायै नमः।
६०३ ॐ प्रणतार्तिविनाशिन्यै नमः।
६०४ ॐ प्रद्युम्नजनन्यै नमः।
६०५ ॐ पुष्टायै नमः।
६०६ ॐ पितामहपरिग्रहायै नमः।
६०७ ॐ पुण्डरीकपुरावासायै नमः।
६०८ ॐ पुण्डरीकसमाननायै नमः।
६०९ ॐ पृथुजङ्घायै नमः।
६१० ॐ पृथुभुजायै नमः।
६११ ॐ पृथुपादायै नमः।
६१२ ॐ पृथूदर्यै नमः।
६१३ ॐ प्रवालशोभायै नमः।
६१४ ॐ पिङ्गाक्ष्यै नमः।
६१५ ॐ पीतवाससे नमः।
६१६ ॐ प्रचापलायै नमः।
६१७ ॐ प्रसवायै नमः।
६१८ ॐ पुष्टिदायै नमः।
६१९ ॐ पुण्यायै नमः।
६२० ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
६२१ ॐ प्रणवागतये नमः।
६२२ ॐ पञ्चवर्णायै नमः।
६२३ ॐ पञ्चवाण्यै नमः।
६२४ ॐ पञ्चिकायै नमः।
६२५ ॐ पञ्जरस्थितायै नमः।
६२६ ॐ परमायायै नमः।
६२७ ॐ परज्योतये नमः।
६२८ ॐ परप्रीतये नमः।
६२९ ॐ परागतये नमः।
६३० ॐ पराकाष्ठायै नमः।
६३१ ॐ परेशान्यै नमः।
६३२ ॐ पाविन्यै नमः।
६३३ ॐ पावकद्युतये नमः।
६३४ ॐ पुण्यभद्रायै नमः।
६३५ ॐ परिच्छेद्यायै नमः।

६३६ ॐ पुष्पहासायै नमः
६३७ ॐ पृथूदर्यै नमः।
६३८ ॐ पीताङ्ग्यै नमः।
६३९ ॐ पीतवसनायै नमः।
६४० ॐ पीतशय्यायै नमः
६४१ ॐ पिशाचिन्यै नमः।
६४२ ॐ पीतक्रियायै नमः।
६४३ ॐ पिशाचघ्न्यै नमः।
६४४ ॐ पाटलाक्ष्यै नमः।
६४५ ॐ पटुक्रियायै नमः।
६४६ ॐ पञ्चभक्षप्रियाचारायै नमः।
६४७ ॐ पूतनाप्राणघातिन्यै नमः।
६४८ ॐ पुन्नागवनमध्यस्थायै नमः।
६४९ ॐ पुण्यतीर्थनिषेवितायै नमः।
६५० ॐ पञ्चाङ्ग्यै नमः।
६५१ ॐ पराशक्तये नमः।
६५२ ॐ परमाह्लादकारिण्यै नमः।
६५३ ॐ पुष्पकाण्डस्थितायै नमः।
६५४ ॐ पूषायै नमः।
६५५ ॐ पोषिताखिलविष्टपायै नमः।
६५६ ॐ पानप्रियायै नमः।
६५७ ॐ पञ्चशिखायै नमः।
६५८ ॐ पन्नगोपरिशायिन्यै नमः।
६५९ ॐ पञ्चमात्रात्मिकायै नमः।
६६० ॐ पृथ्व्यै नमः।
६६१ ॐ पथिकायै नमः।
६६२ ॐ पृथुदोहिन्यै नमः।
६६३ ॐ पुराणन्यायमीमांसायै नमः।
६६४ ॐ पाटल्यै नमः।
६६५ ॐ पुष्पगन्धिन्यै नमः।
६६६ ॐ पुण्यप्रजायै नमः।
६६७ ॐ पारदात्र्यै नमः।
६६८ ॐ परमार्गैकगोचरायै नमः।
६६९ ॐ प्रवालशोभायै नमः।
६७० ॐ पूर्णाशायै नमः।
६७१ ॐ प्रणवायै नमः।
६७२ ॐ पल्लवोदर्यै नमः।
६७३ ॐ फलिन्यै नमः।
६७४ ॐ फलदायै नमः।
६७५ ॐ फल्गावे नमः।
६७६ ॐ फूत्कार्यै नमः।
६७७ ॐ फलकाकृतये नमः।
६७८ ॐ फणीन्द्रभोगशयनायै नमः।
६७९ ॐ फणिमण्डलमण्डितायै नमः।
६८० ॐ बालबालायै नमः।
६८१ ॐ बहुमतायै नमः।
६८२ ॐ बालातपनिभांशुकायै नमः।
६८३ ॐ बलभद्रप्रियायै नमः।
६८४ ॐ वन्द्यायै नमः।
६८५ ॐ वडवायै नमः।
६८६ ॐ बुद्धिसंस्तुतायै नमः।
६८७ ॐ बन्दीदेव्यै नमः।
६८८ ॐ बिलवत्यै नमः।
६८९ ॐ बडिशघ्न्यै नमः।
६९० ॐ बलिप्रियायै नमः।
६९१ ॐ बान्धव्यै नमः।

६९२ ॐ बोधितायै नमः।
६९३ ॐ बुद्ध्यै नमः।
६९४ ॐ बन्धूककुसुमप्रियायै नमः।
६९५ ॐ बालभानुप्रभाकारायै नमः।
६९६ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
६९७ ॐ ब्राह्मणदेवतायै नमः।
६९८ ॐ बृहस्पतिस्तुतायै नमः।
६९९ ॐ वृन्दायै नमः।
७०० ॐ वृन्दावनविहारिण्यै नमः।
७०१ ॐ बालाकिन्यै नमः।
७०२ ॐ बिलाहारायै नमः।
७०३ ॐ बिलवासायै नमः।
७०४ ॐ बहूदकायै नमः।
७०५ ॐ बहुनेत्रायै नमः।
७०६ ॐ बहुपदायै नमः।
७०७ ॐ बहुकर्णावतंसिकायै नमः।
७०८ ॐ बहुबाहुयुतायै नमः।
७०९ ॐ बीजरूपिण्यै नमः।
७१० ॐ बहुरूपिण्यै नमः।
७११ ॐ बिन्दुनादकलातीतायै नमः।
७१२ ॐ बिन्दुनादस्वरूपिण्यै नमः।
७१३ ॐ बद्धगोधाङ्गुलित्राणायै नमः।
७१४ ॐ बदर्याश्रमवासिन्यै नमः।
७१५ ॐ बृन्दारकायै नमः।
७१६ ॐ बृहत्स्कन्धायै नमः।
७१७ ॐ बृहत्यै नमः।
७१८ ॐ बाणपातिन्यै नमः।
७१९ ॐ वृन्दाध्यक्षायै नमः।
७२० ॐ बहुनुतायै नमः।
७२१ ॐ वनितायै नमः।
७२२ ॐ बहुविक्रमायै नमः।
७२३ ॐ बद्धपद्मासनासीनायै नमः।
७२४ ॐ बिल्वपत्रतलस्थितायै नमः।
७२५ ॐ बोधिद्रुमनिजावासायै नमः।
७२६ ॐ बडिस्थायै नमः।
७२७ ॐ बिन्दुदर्पणायै नमः।
७२८ ॐ बालायै नमः।
७२९ ॐ बाणासनवत्यै नमः।
७३० ॐ बडवानलवेगिन्यै नमः।
७३१ ॐ ब्रह्माण्डबहिरन्तःस्थायै नमः।
७३२ ॐ ब्रह्मकङ्कणसूत्रिण्यै नमः।
७३३ ॐ भवान्यै नमः।
७३४ ॐ भीषणवत्यै नमः।
७३५ ॐ भाविन्यै नमः।
७३६ ॐ भयहारिण्यै नमः।
७३७ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
७३८ ॐ भुजङ्गाक्ष्यै नमः।
७३९ ॐ भारत्यै नमः।
७४० ॐ भारताशयायै नमः।
७४१ ॐ भैरव्यै नमः।
७४२ ॐ भीषणाकारायै नमः।
७४३ ॐ भूतिदायै नमः।
७४४ ॐ भूतिमालिन्यै नमः।
७४५ ॐ भामिन्यै नमः।
७४६ ॐ भोगनिरतायै नमः।
७४७ ॐ भद्रदायै नमः।

६३६ ॐ पुष्पहासायै नमः
६३७ ॐ पृथूदर्यै नमः।
६३८ ॐ पीताङ्ग्यै नमः।
६३९ ॐ पीतवसनायै नमः।
६४० ॐ पीतशय्यायै नमः
६४१ ॐ पिशाचिन्यै नमः।
६४२ ॐ पीतक्रियायै नमः।
६४३ ॐ पिशाचघ्न्यै नमः।
६४४ ॐ पाटलाक्ष्यै नमः।
६४५ ॐ पटुक्रियायै नमः।
६४६ ॐ पञ्चभक्षप्रियाचारायै नमः।
६४७ ॐ पूतनाप्राणघातिन्यै नमः।
६४८ ॐ पुन्नागवनमध्यस्थायै नमः।
६४९ ॐ पुण्यतीर्थनिषेवितायै नमः।
६५० ॐ पञ्चाङ्ग्यै नमः।
६५१ ॐ पराशक्तये नमः।
६५२ ॐ परमाह्लादकारिण्यै नमः।
६५३ ॐ पुष्पकाण्डस्थितायै नमः।
६५४ ॐ पूषायै नमः।
६५५ ॐ पोषिताखिलविष्टपायै नमः।
६५६ ॐ पानप्रियायै नमः।
६५७ ॐ पञ्चशिखायै नमः।
६५८ ॐ पन्नगोपरिशायिन्यै नमः।
६५९ ॐ पञ्चमात्रात्मिकायै नमः।
६६० ॐ पृथ्व्यै नमः।
६६१ ॐ पथिकायै नमः।
६६२ ॐ पृथुदोहिन्यै नमः।
६६३ ॐ पुराणन्यायमीमांसायै नमः।
६६४ ॐ पाटल्यै नमः।
६६५ ॐ पुष्पगन्धिन्यै नमः।
६६६ ॐ पुण्यप्रजायै नमः।
६६७ ॐ पारदात्र्यै नमः।
६६८ ॐ परमार्गैकगोचरायै नमः।
६६९ ॐ प्रवालशोभायै नमः।
६७० ॐ पूर्णाशायै नमः।
६७१ ॐ प्रणवायै नमः।
६७२ ॐ पल्लवोदर्यै नमः।
६७३ ॐ फलिन्यै नमः।
६७४ ॐ फलदायै नमः।
६७५ ॐ फल्गवे नमः।
६७६ ॐ फूत्कार्यै नमः।
६७७ ॐ फलकाकृतये नमः।
६७८ ॐ फणीन्द्रभोगशयनायै नमः।
६७९ ॐ फणिमण्डलमण्डितायै नमः।
६८० ॐ बालबालायै नमः।
६८१ ॐ बहुमतायै नमः।
६८२ ॐ बालातपनिभांशुकायै नमः।
६८३ ॐ बलभद्रप्रियायै नमः।
६८४ ॐ वन्द्यायै नमः।
६८५ ॐ वडवायै नमः।
६८६ ॐ बुद्धिसंस्तुतायै नमः।
६८७ ॐ बन्दीदेव्यै नमः।
६८८ ॐ बिलवत्यै नमः।
६८९ ॐ बडिशघ्न्यै नमः।
६९० ॐ बलिप्रियायै नमः।
६९१ ॐ बान्धव्यै नमः।

११६ ॐ विष्णुपत्न्यै नमः।
११७ ॐ विष्णुमत्यै नमः।
११८ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
११९ ॐ वसुन्धरायै नमः।
१२० ॐ वामदेवप्रियायै नमः।
१२१ ॐ वेलायै नमः।
१२२ ॐ वज्रिण्यै नमः।
१२३ ॐ वसुदोहिन्यै नमः।
१२४ ॐ वेदाक्षरपरीताङ्ग्यै नमः।
१२५ ॐ वाजपेयफलप्रदायै नमः।
१२६ ॐ वासव्यै नमः।
१२७ ॐ वामजनन्यै नमः।
१२८ ॐ वैकुण्ठनिलयायै नमः।
१२९ ॐ वरायै नमः।
१३० ॐ व्यासप्रियायै नमः।
१३१ ॐ वर्मधरायै नमः।
१३२ ॐ वाल्मीकिपरिसेवितायै नमः।
१३३ ॐ शाकम्भर्यै नमः।
१३४ ॐ शिवायै नमः।
१३५ ॐ शान्तायै नमः।
१३६ ॐ शारदायै नमः।
१३७ ॐ शरणागतये नमः।
१३८ ॐ शातोदर्यै नमः।
१३९ ॐ शुभाचारायै नमः।
१४० ॐ शुम्भासुरविमर्दिन्यै नमः।
१४१ ॐ शोभावत्यै नमः।
१४२ ॐ शिवाकारायै नमः।
१४३ ॐ शंङ्कराद्धशरीरिण्यै नमः।
१४४ ॐ शोणायै नमः।
१४५ ॐ शुभाशयायै नमः।
१४६ ॐ शुभ्रायै नमः।
१४७ ॐ शिरःसंधानकारिण्यै नमः।
१४८ ॐ शरावत्यै नमः।
१४९ ॐ शरानन्दायै नमः।
१५० ॐ शरज्ज्योत्स्नायै नमः।
१५१ ॐ शुभाननायै नमः।
१५२ ॐ शरभायै नमः।
१५३ ॐ शूलिन्यै नमः।
१५४ ॐ शुद्धायै नमः।
१५५ ॐ शबर्यै नमः।
१५६ ॐ शुकवाहनायै नमः।
१५७ ॐ श्रीमत्यै नमः।
१५८ ॐ श्रीधरानन्दायै नमः।
१५९ ॐ श्रवणानन्ददायिन्यै नमः।
१६० ॐ शर्वाण्यै नमः।
१६१ ॐ शर्वरीवन्द्यायै नमः।
१६२ ॐ षड्भाषायै नमः।
१६३ ॐ षड्ऋतुप्रियायै नमः।
१६४ ॐ षडाधारस्थितायै देव्यै नमः।
१६५ ॐ षण्मुखप्रियकारिण्यै नमः।
१६६ ॐ षडङ्गरूपसुमतिसुरासुर-
नमस्कृतायै नमः।
१६७ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१६८ ॐ सदाधारायै नमः।
१६९ ॐ सर्वमङ्गलकारिण्यै नमः।
१७० ॐ सामगानप्रियायै नमः।

७४८ ॐ भूरिविक्रमायै नमः।
७४९ ॐ भूतवासायै नमः।
७५० ॐ भृगुलतायै नमः।
७५१ ॐ भार्गव्यै नमः।
७५२ ॐ भूसुरार्चितायै नमः।
७५३ ॐ भागीरथ्यै नमः।
७५४ ॐ भोगवत्यै नमः।
७५५ ॐ भवनस्थायै नमः।
७५६ ॐ भिषग्वरायै नमः।
७५७ ॐ भामिन्यै नमः।
७५८ ॐ भोगिन्यै नमः।
७५९ ॐ भाषायै नमः।
७६० ॐ भवान्यै नमः।
७६१ ॐ भूरिदक्षिणायै नमः।
७६२ ॐ भर्गात्मिकायै नमः।
७६३ ॐ भीमवत्यै नमः।
७६४ ॐ भवबन्धविमोचिन्यै नमः।
७६५ ॐ भजनीयायै नमः।
७६६ ॐ भूतधात्रीरञ्जितायै नमः।
७६७ ॐ भुवनेश्वर्यै नमः।
७६८ ॐ भुजङ्गवलयायै नमः।
७६९ ॐ भीमायै नमः।
७७० ॐ भेरुण्डायै नमः।
७७१ ॐ भागधेयिन्यै नमः।
७७२ ॐ मात्रे नमः।
७७३ ॐ मायायै नमः।
७७४ ॐ मधुमत्यै नमः।
७७५ ॐ मधुजिह्वायै नमः।
७७६ ॐ मधुप्रियायै नमः।
७७७ ॐ महादेव्यै नमः।
७७८ ॐ महाभागायै नमः।
७७९ ॐ मालिन्यै नमः।
७८० ॐ मीनलोचनायै नमः।
७८१ ॐ मायातीतायै नमः।
७८२ ॐ मधुमत्यै नमः।
७८३ ॐ मधुमांसायै नमः।
७८४ ॐ मधुद्रवायै नमः।
७८५ ॐ मानव्यै नमः।
७८६ ॐ मधुसम्भूतायै नमः।
७८७ ॐ मिथिलापुरवासिन्यै नमः।
७८८ ॐ मधुकैटभसंहर्त्र्यै नमः।
७८९ ॐ मेदिन्यै नमः।
७९० ॐ मेघमालिन्यै नमः।
७९१ ॐ मन्दोदर्यै नमः।
७९२ ॐ महामायायै नमः।
७९३ ॐ मैथिल्यै नमः।
७९४ ॐ मसृणप्रियायै नमः।
७९५ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
७९६ ॐ महाकाल्यै नमः।
७९७ ॐ महाकन्यायै नमः।
७९८ ॐ महेश्वर्यै नमः।
७९९ ॐ माहेन्द्र्यै नमः।
८०० ॐ मेरुतनयायै नमः।
८०१ ॐ मन्दारकुसुमार्चितायै नमः।
८०२ ॐ मञ्जुमञ्जीरचरणायै नमः।
८०३ ॐ मोक्षदायै नमः।

॥ श्रीगङ्गादेव्यै नमः ॥

श्रीगङ्गासहस्त्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

साक्षाद्धर्मद्रवौघं मुररिपुचरणाम्भोजपीयूषसारं
दुःखस्वाब्धेस्तरित्रं सुरदनुजनुतं स्वर्गसोपानमार्गम्।
सर्वांहोहारि वारि प्रवरगुणगणं भासि या संवहन्ती
तस्यै भागीरथि श्रीमति मुदितमना देवि कुर्वे नमस्ते ॥ *

अगस्त्य उवाच

विना स्नानेन गङ्गायां नृणां जन्म निरर्थकम्।
उपायान्तरमस्त्यन्यद् येन स्नानफलं लभेत् ॥ १ ॥
अशक्तानां च पङ्गूनामालस्योपहतात्मनाम्।
दूरदेशान्तरस्थानां गङ्गास्नानं कथं भवेत् ॥ २ ॥
दानं वाथ व्रतं वाथ मन्त्रः स्तोत्रं जपोऽथवा।
तीर्थान्तराभिषेको वा देवतोपासनं तु वा ॥ ३ ॥
यद्यस्ति किंचित् षड्वक्त्र गङ्गास्नानफलप्रदम्।
विधानान्तरमात्रेण तद् वद प्रणताय मे ॥ ४ ॥
त्वत्तो न वेद स्कन्दान्यो गङ्गागर्भसमुद्भव।
परं स्वर्गतरङ्गिण्या महिमानं महामते ॥ ५ ॥

---

* श्रीमती भागीरथी देवी! जो जलरूपमें परिणत साक्षात् धर्मकी राशि है, भगवान् विष्णुके चरणारविन्दोंसे प्रकट हुई सुधाका सार है, दुःखरूपी समुद्रसे पार होनेके लिये जहाज है तथा स्वर्गलोकमें जानेके लिये सीढ़ी है, जिसे देवता और दानव भी प्रणाम करते हैं, जो समस्त पापोंका संहार करनेवाला, उत्तम गुणसमूहसे युक्त और शोभासम्पन्न है, ऐसे जलको आप धारण करती हैं। मैं प्रसन्नचित्त होकर आपको नमस्कार करता हूँ।

९७१ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
९७२ ॐ सावित्र्यै नमः।
९७३ ॐ सामसम्भवायै नमः।
९७४ ॐ सर्वावासायै नमः।
९७५ ॐ सदानन्दायै नमः।
९७६ ॐ सुस्तन्यै नमः।
९७७ ॐ सागराम्बरायै नमः।
९७८ ॐ सर्वैश्वर्यप्रियायै नमः।
९७९ ॐ सिद्ध्यै नमः।
९८० ॐ साधुबन्धुपराक्रमायै नमः।
९८१ ॐ सप्तर्षिमण्डलगतायै नमः।
९८२ ॐ सोममण्डलवासिन्यै नमः।
९८३ ॐ सर्वज्ञायै नमः।
९८४ ॐ सान्द्रकरुणायै नमः।
९८५ ॐ समानाधिकवर्जितायै नमः।
९८६ ॐ सर्वोत्तुङ्गायै नमः।
९८७ ॐ सङ्गहीनायै नमः।
९८८ ॐ सद्गुणायै नमः।
९८९ ॐ सकलेष्टदायै नमः।
९९० ॐ सरघायै नमः।
९९१ ॐ सूर्यतनयायै नमः।
९९२ ॐ सुकेश्यै नमः।
९९३ ॐ सोमसंहतये नमः।
९९४ ॐ हिरण्यवर्णायै नमः।
९९५ ॐ हरिण्यै नमः।
९९६ ॐ ह्रींकार्यै नमः।
९९७ ॐ हंसवाहिन्यै नमः।
९९८ ॐ क्षौमवस्त्रपरीताङ्ग्यै नमः।
९९९ ॐ क्षीराब्धितनयायै नमः।
१००० ॐ क्षमायै नमः।
१००१ ॐ गायत्र्यै नमः।
१००२ ॐ सावित्र्यै नमः।
१००३ ॐ पार्वत्यै नमः।
१००४ ॐ सरस्वत्यै नमः।
१००५ ॐ वेदगर्भायै नमः।
१००६ ॐ वरारोहायै नमः।
१००७ ॐ श्रीगायत्र्यै नमः।
१००८ ॐ पराम्बिकायै नमः।

॥ इति श्रीमद्देवीभागवते महापुराणे श्रीगायत्रीसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



स्कन्द उवाच

ॐ नमो गङ्गादेव्यै

ओंकाररूपिण्यजरातुलानन्तामृतस्रवा ।
अत्युदाराभयाशोकालकनन्दामृतामला ॥ १७ ॥
अनाथवत्सलामोघापांयोनिरमृतप्रदा ।
अव्यक्तलक्षणाक्षोभ्यानवच्छिन्नापराजिता ॥ १८ ॥
अनाथनाथाभीष्टार्थसिद्धिदानङ्गवर्धिनी ।
अणिमादिगुणाऽऽधाराग्रगण्यालीकहारिणी ॥ १९ ॥
अचिन्त्यशक्तिरनघाद्भुतरूपाघहारिणी ।
अद्रिराजसुताष्टाङ्गयोगसिद्धिप्रदाच्युता ॥ २० ॥
अक्षुण्णशक्तिरसुदानन्ततीर्थामृतोदका ।
अनन्तमहिमापारानन्तसौख्यप्रदान्नदा ॥ २१ ॥
अशेषदेवतामूर्तिरघोरामृतरूपिणी ।
अविद्याजालशमनी ह्यप्रतर्क्यगतिप्रदा ॥ २२ ॥
अशेषविघ्नसंहर्त्री त्वशेषगुणगुम्फिता ।
अज्ञानतिमिरज्योतिरनुग्रहपरायणा ॥ २३ ॥
अभिरामानवद्याङ्ग्यनन्तसाराकलङ्किनी ।
आरोग्यदाऽऽनन्दवल्ली त्वापन्नार्तिविनाशिनी ॥ २४ ॥
आश्चर्यमूर्तिरायुष्या
ह्याढ्याऽऽद्याऽऽप्राऽऽर्यसेविता ।
आप्यायिन्याप्तविद्याऽऽख्या
त्वानन्दाऽऽश्वासदायिनी ॥ २५ ॥

स्कन्द उवाच

सन्ति पुण्यजलानीह सरांसि सरितो मुने।
स्थाने स्थाने च तीर्थानि जितात्माध्युषितानि च॥ ६ ॥
दृष्टप्रत्ययकारीणि महामहिमभाञ्ज्यपि।
परं स्वर्गतरङ्गिण्याः कोट्यंशोऽपि न तत्र वै॥ ७ ॥
अनेनैवानुमानेन बुध्यस्व कलशोद्भव।
दध्रे गङ्गोत्तमाङ्गेन देवदेवेन शम्भुना॥ ८ ॥
स्नानकालेऽन्यतीर्थेषु जप्यते जाह्नवी जनैः।
विना विष्णुपदीं क्वान्यत् समर्थमघमोचने॥ ९ ॥
गङ्गास्नानफलं ब्रह्मन् गङ्गायामेव लभ्यते।
यथा द्राक्षाफलस्वादो द्राक्षायामेव नान्यतः॥ १० ॥
अस्त्युपाय इह त्वेकः स्याद् येनाविकलं फलम्।
स्नानस्य देवसरितो महागुह्यतमो मुने॥ ११ ॥
शिवभक्ताय शान्ताय विष्णुभक्तिपराय च।
श्रद्धालवे त्वास्तिकाय गर्भवासमुमुक्षवे॥ १२ ॥
कथनीयं न चान्यस्य कस्यचित् केनचित् क्वचित्।
इदं रहस्यं परमं महापातकनाशनम्॥ १३ ॥
महाश्रेयस्करं पुण्यं मनोरथकरं परम्।
द्युनदीप्रीतिजनकं शिवसंतोषसंततिः॥ १४ ॥
नाम्नां सहस्रं गङ्गायाः स्तवराजेषु शोभनम्।
जप्यानां परमं जप्यं वेदोपनिषदां समम्॥ १५ ॥
जपनीयं प्रयत्नेन मौनिना वाचकं विना।
शुचिस्थानेषु शुचिना सुस्पष्टाक्षरमेव च॥ १६ ॥

ओष्ठामृतौन्नत्यदात्री त्वौषधं भवरोगिणाम्।
औदार्यचञ्चुरौपेन्द्री त्वौग्री ह्यौमेयरूपिणी॥ ३७॥
अम्बराध्ववहाम्बष्ठाम्बरमालाम्बुजेक्षणा।
अम्बिकाम्बुमहायोनिरन्धोदान्धकहारिणी॥ ३८॥
अंशुमाला ह्यंशुमती त्वङ्गीकृतषडानना।
अन्धतामिस्रहन्त्र्यन्धुरञ्जना ह्यञ्जनावती॥ ३९॥
कल्याणकारिणी काम्या कमलोत्पलगन्धिनी।
कुमुद्वती कमलिनी कान्तिः कल्पितदायिनी॥ ४०॥
काञ्चनाक्षी कामधेनुः कीर्तिकृत् क्लेशनाशिनी।
क्रतुश्रेष्ठा क्रतुफला कर्मबन्धविभेदिनी॥ ४१॥
कमलाक्षी क्लमहरा कृशानुतपनद्युतिः।
करुणार्द्रा च कल्याणी कलिकल्मषनाशिनी॥ ४२॥
कामरूपा क्रियाशक्तिः कमलोत्पलमालिनी।
कूटस्था करुणा कान्ता कूर्मयाना कलावती॥ ४३॥
कमला कल्पलतिका काली कलुषवैरिणी।
कमनीयजला कम्रा कपर्दिसुकपर्दगा॥ ४४॥
कालकूटप्रशमनी कदम्बकुसुमप्रिया।
कालिन्दी केलिललिता कलकल्लोलमालिका॥ ४५॥
क्रान्तलोकत्रया कण्डूः कण्डूतनयवत्सला।
खड्गिनी खड्गधाराभा खगा खण्डेन्दुधारिणी॥ ४६॥
खेखेलगामिनी खस्था खण्डेन्दुतिलकप्रिया।
खेचरी खेचरीवन्द्या ख्यातिः ख्यातिप्रदायिनी॥ ४७॥

आलस्यघ्न्यापदां हन्त्री ह्यानन्दामृतवर्षिणी।
इरावतीष्टदात्रीष्टा त्विष्टापूर्तफलप्रदा॥ २६॥
इतिहासश्रुतीड्यार्था त्विहामुत्रशुभप्रदा।
इज्याशीलसमिज्येष्ठा त्विन्द्रादिपरिवन्दिता॥ २७॥
इलालङ्कारमालेद्धा त्विन्दिरा रम्यमन्दिरा।
इदिन्दिरादिसंसेव्या त्वीश्वरीश्वरवल्लभा॥ २८॥
ईतिभीतिहरेड्या च त्वीडनीयचरित्रभृत्।
उत्कृष्टशक्तिरुत्कृष्टोडुपमण्डलचारिणी॥ २९॥
उदिताम्बरमार्गोस्त्रोरगलोकविहारिणी।
उक्षोर्वरोत्पलोत्कुम्भा उपेन्द्रचरणद्रवा॥ ३०॥
उदन्वत्पूर्तिहेतुश्चोदारोत्साहप्रवर्द्धिनी।
उद्वेगघ्न्युष्णशमनी ह्युष्णरश्मिसुताप्रिया॥ ३१॥
उत्पत्तिस्थितिसंहारकारिण्युपरिचारिणी।
ऊर्जं वहन्त्यूर्जधरोर्जावती चोर्मिमालिनी॥ ३२॥
ऊर्ध्वरेतःप्रियोर्ध्वाध्वा ह्यूर्मिलोर्ध्वगतिप्रदा।
ऋषिवृन्दस्तुतर्द्धिश्च ऋणत्रयविनाशिनी॥ ३३॥
ऋतम्भरर्द्धिदात्री च ऋक्स्वरूपा ऋजुप्रिया।
ऋक्षमार्गवहर्क्षार्चिर्ऋजुमार्गप्रदर्शिनी॥ ३४॥
एधिताखिलधर्मार्था त्वेकैकामृतदायिनी।
एधनीयस्वभावैज्या त्वेजिताशेषपातका॥ ३५॥
ऐश्वर्यदैश्वर्यरूपा ह्यैतिह्यं ह्यैन्दवीद्युतिः।
ओजस्विन्योषधीक्षेत्रमोजोदौदनदायिनी॥ ३६॥

चाम्पेयलोचना चारुश्चार्वङ्गी चारुगामिनी।
चार्या चारित्रनिलया चित्रकृच्चित्ररूपिणी॥ ५९॥
चम्पूश्चन्दनशुच्यम्बुश्चर्चनीया चिरस्थिरा।
चारुचम्पकमालाढ्या चमिताशेषदुष्कृता॥ ६०॥
चिदाकाशवहा चिन्त्या चञ्चच्चामरवीजिता।
चोरिताशेषवृजिना चरिताशेषमण्डला॥ ६१॥
छेदिताखिलपापौघा छद्मघ्नी छलहारिणी।
छन्नत्रिविष्टपतला छोटिताशेषबन्धना॥ ६२॥
छुरितामृतधारौघा छिन्नैनाश्छन्दगामिनी।
छत्रीकृतमरालौघा छटीकृतनिजामृता॥ ६३॥
जाह्नवी ज्या जगन्माता जप्या जङ्घालवीचिका।
जया जनार्दनप्रीता जुषणीया जगद्धिता॥ ६४॥
जीवनं जीवनप्राणा जगज्ज्येष्ठा जगन्मयी।
जीवजीवातुलतिका जन्मिजन्मनिबर्हिणी॥ ६५॥
जाड्यविध्वंसनकरी जगद्योनिर्जलाविला।
जगदानन्दजननी जलजा जलजेक्षणा॥ ६६॥
जनलोचनपीयूषा जटातटविहारिणी।
जयन्ती जंजपूकघ्नी जनितज्ञानविग्रहा॥ ६७॥
झल्लरीवाद्यकुशला झलज्झालजलावृता।
झिण्टीशवन्द्या झंकारकारिणी झर्झरावती॥ ६८॥
टीकिताशेषपाताला टङ्किकैनोऽद्रिपाटने।
टंकारनृत्यत्कल्लोला टीकनीयमहातटा॥ ६९॥

खण्डितप्रणताघौघा खलबुद्धिविनाशिनी।
खातैनःकंदसंदोहा खड्गखट्वाङ्गखेटिनी॥ ४८॥
खरसंतापशमनी खनिः पीयूषपाथसाम्।
गङ्गा गन्धवती गौरी गन्धर्वनगरप्रिया॥ ४९॥
गम्भीराङ्गी गुणमयी गतातङ्का गतिप्रिया।
गणनाथाम्बिका गीता गद्यपद्यपरिष्टुता॥ ५०॥
गान्धारी गर्भशमनी गतिभ्रष्टगतिप्रदा।
गोमती गुह्यविद्या गौर्गोप्त्री गगनगामिनी॥ ५१॥
गोत्रप्रवर्द्धिनी गुण्या गुणातीता गुणाग्रणीः।
गुहाम्बिका गिरिसुता गोविन्दाङ्घ्रिसमुद्भवा॥ ५२॥
गुणनीयचरित्रा च गायत्री गिरिशप्रिया।
गूढरूपा गुणवती गुर्वी गौरववर्धिनी॥ ५३॥
ग्रहपीडाहरा गुंद्रा गरघ्नी गानवत्सला।
घर्महन्त्री घृतवती घृततुष्टिप्रदायिनी॥ ५४॥
घण्टारवप्रिया घोराघौघविध्वंसकारिणी।
घ्राणतुष्टिकरी घोषा घनानन्दा घनप्रिया॥ ५५॥
घातुका घूर्णितजला घृष्टपातकसंततिः।
घटकोटिप्रपीतापा घटिताशेषमङ्गला॥ ५६॥
घृणावती घृणिनिधिर्घस्मरा घूकनादिनी।
घुसृणापिञ्जरतनुर्घर्घरा घर्घरस्वना॥ ५७॥
चन्द्रिका चन्द्रकान्ताम्बुश्चञ्चदापा चलद्युतिः।
चिन्मयी चितिरूपा च चन्द्रायुतशताननां॥ ५८॥

दंदशूकविषघ्नी च दारिताघौघसंततिः।
द्रुता देवद्रुमच्छन्ना दुर्वाराघविघातिनी॥ ८१॥
दमग्राह्या देवमाता देवलोकप्रदर्शिनी।
देवदेवप्रिया देवी दिक्पालपददायिनी॥ ८२॥
दीर्घायुःकारिणी दीर्घा दोग्ध्री दूषणवर्जिता।
दुग्धाम्बुवाहिनी दोह्या दिव्या दिव्यगतिप्रदा॥ ८३॥
द्युनदी दीनशरणं देहिदेहनिवारिणी।
द्राघीयसी दाघहन्त्री दितपातकसंततिः॥ ८४॥
दूरदेशान्तरचरी दुर्गमा देववल्लभा।
दुर्वृत्तघ्नी दुर्विगाह्या दयाधारा दयावती॥ ८५॥
दुरासदा दानशीला द्राविणी द्रुहिणस्तुता।
दैत्यदानवसंशुद्धिकर्त्री दुर्बुद्धिहारिणी॥ ८६॥
दानसारा दयासारा द्यावाभूमिविगाहिनी।
दृष्टादृष्टफलप्राप्तिर्देवतावृन्दवन्दिता॥ ८७॥
दीर्घव्रता दीर्घदृष्टिर्दीप्ततोया दुरालभा।
दण्डयित्री दण्डनीतिर्दुष्टदण्डधरार्चिता॥ ८८॥
दुरोदरघ्नी दावार्चिर्द्रवद्द्रव्यैकशेवधिः।
दीनसंतापशमनी दात्री दवथुवैरिणी॥ ८९॥
दरीविदारणपरा दान्ता दान्तजनप्रिया।
दारिताद्रितटा दुर्गा दुर्गारण्यप्रचारिणी॥ ९०॥
धर्मद्रवा धर्मधुरा धेनुर्धीरा धृतिर्ध्रुवा।
धेनुदानफलस्पर्शा धर्मकामार्थमोक्षदा॥ ९१॥

डम्बरप्रवहा डीनराजहंसकुलाकुला।
डमड्डुमरुहस्ता च डामरोक्तमहाण्डका॥ ७०॥
ढौकिताशेषनिर्वाणा ढक्कानादचलज्जला।
ढुण्ढिविघ्नेशजननी ढणड्ढुणितपातका॥ ७१॥
तर्पणी तीर्थतीर्था च त्रिपथा त्रिदशेश्वरी।
त्रिलोकगोप्त्री तोयेशी त्रैलोक्यपरिवन्दिता॥ ७२॥
तापत्रितयसंहर्त्री तेजोबलविवर्धिनी।
त्रिलक्ष्या तारणी तारा तारापतिकरार्चिता॥ ७३॥
त्रैलोक्यपावनी पुण्या तुष्टिदा तुष्टिरूपिणी।
तृष्णाच्छेत्री तीर्थमाता त्रिविक्रमपदोद्भवा॥ ७४॥
तपोमयी तपोरूपा तपःस्तोमफलप्रदा।
त्रैलोक्यव्यापिनी तृप्तिस्तृप्तिकृत् तत्त्वरूपिणी॥ ७५॥
त्रैलोक्यसुन्दरी तुर्या तुर्यातीतफलप्रदा।
त्रैलोक्यलक्ष्मीस्त्रिपदी तथ्या तिमिरचन्द्रिका॥ ७६॥
तेजोगर्भा तपःसारा त्रिपुरारिशिरोगृहा।
त्रयीस्वरूपिणी तन्वी तपनाङ्गजभीतिनुत्॥ ७७॥
तरिस्तरणिजामित्रं तर्पिताशेषपूर्वजा।
तुलाविरहिता तीव्रपापतूलतनूनपात्॥ ७८॥
दारिद्र्यदमनी दक्षा दुष्प्रेक्षा दिव्यमण्डना।
दीक्षावती दुरावाप्या द्राक्षामधुरवारिभृत्॥ ७९॥
दर्शितानेककुतुका दुष्टदुर्जयदुःखहृत्।
दैन्यहृद् दुरितघ्नी च दानवारिपदाब्जजा॥ ८०॥

नन्दिभृङ्गिगणस्तुत्या नागा नन्दा नगात्मजा।
निष्प्रत्यूहा नाकनदी निरयार्णवदीर्घनौः॥ १०३॥
पुण्यप्रदा पुण्यगर्भा पुण्या पुण्यतरङ्गिणी।
पृथुः पृथुफला पूर्णा प्रणतार्तिप्रभञ्जनी॥ १०४॥
प्राणदा प्राणिजननी प्राणेशी प्राणरूपिणी।
पद्मालया पराशक्तिः पुरजित्परमप्रिया॥ १०५॥
परा परफलप्राप्तिः पावनी च पयस्विनी।
परानन्दा प्रकृष्टार्था प्रतिष्ठा पालिनी परा॥ १०६॥
पुराणपठिता प्रीता प्रणवाक्षररूपिणी।
पार्वती प्रेमसम्पन्ना पशुपाशविमोचिनी॥ १०७॥
परमात्मस्वरूपा च परब्रह्मप्रकाशिनी।
परमानन्दनिष्पन्दा प्रायश्चित्तस्वरूपिणी॥ १०८॥
पानीयरूपनिर्वाणा परित्राणपरायणा।
पापेन्धनदवज्वाला पापारिः पापनामनुत्॥ १०९॥
परमैश्वर्यजननी प्रज्ञा प्राज्ञा परापरा।
प्रत्यक्षलक्ष्मीः पद्माक्षी परव्योमामृतस्रवा॥ ११०॥
प्रसन्नरूपा प्रणिधिः पूता प्रत्यक्षदेवता।
पिनाकिपरमप्रीता परमेष्ठिकमण्डलुः॥ १११॥
पद्मनाभपदार्घ्येण प्रसूता पद्ममालिनी।
परर्द्धिदा पुष्टिकरी पथ्या पूर्तिः प्रभावती॥ ११२॥
पुनाना पीतगर्भघ्नी पापपर्वतनाशिनी।
फलिनी फलहस्ता च फुल्लाम्बुजविलोचना॥ ११३॥

धर्मोर्मिवाहिनी धुर्या धात्री धात्रीविभूषणम्।
धर्मिणी धर्मशीला च धन्विकोटिकृतावना॥ ९२ ॥
ध्यातृपापहरा ध्येया धावनी धूतकल्मषा।
धर्मधारा धर्मसारा धनदा धनवर्धिनी॥ ९३ ॥
धर्माधर्मगुणच्छेत्री धत्तूरकुसुमप्रिया।
धर्मेशी धर्मशास्त्रज्ञा धनधान्यसमृद्धिकृत्॥ ९४ ॥
धर्मलभ्या धर्मजला धर्मप्रसवधर्मिणी।
ध्यानगम्यस्वरूपा च धरणी धातृपूजिता॥ ९५ ॥
धूर्धूर्जटिजटासंस्था धन्या धीर्धारणावती।
नन्दा निर्वाणजननी नन्दिनी नुन्नपातका॥ ९६ ॥
निषिद्धविघ्ननिचया निजानन्दप्रकाशिनी।
नभोऽङ्गणचरी नूतिर्नम्या नारायणी नुता॥ ९७ ॥
निर्मला निर्मलाख्याना नाशिनी तापसम्पदाम्।
नियता नित्यसुखदा नानाश्चर्यमहानिधिः॥ ९८ ॥
नदी नदसरोमाता नायिका नाकदीर्घिका।
नष्टोद्धरणधीरा च नन्दना नन्ददायिनी॥ ९९ ॥
निर्णिक्ताशेषभुवना निःसङ्गा निरुपद्रवा।
निरालम्बा निष्प्रपञ्चा निर्णाशितमहामला॥ १०० ॥
निर्मलज्ञानजननी निःशेषप्राणितापहृत्।
नित्योत्सवा नित्यतृप्ता नमस्कार्या निरञ्जना॥ १०१ ॥
निष्ठावती निरातङ्का निर्लेपा निश्चलात्मिका।
निरवद्या निरीहा च नीललोहितमूर्द्धगा॥ १०२ ॥

विपाप्मा विगतातङ्का विकल्पपरिवर्जिता।
वृष्टिकर्त्री वृष्टिजला विधिर्विच्छिन्नबन्धना॥ १२५॥
व्रतरूपा वित्तरूपा बहुविघ्नविनाशकृत्।
वसुधारा वसुमती विचित्राङ्गी विभावसुः॥ १२६॥
विजया विश्वबीजा च वामदेवी वरप्रदा।
वृषाश्रिता विषघ्नी च विज्ञानोर्म्यंशुमालिनी॥ १२७॥
भव्या भोगवती भद्रा भवानी भूतभाविनी।
भूतधात्री भयहरा भक्तदारिद्र्यघातिनी॥ १२८॥
भुक्तिमुक्तिप्रदा भेशी भक्तस्वर्गापवर्गदा।
भागीरथी भानुमती भाग्यं भोगवती भृतिः॥ १२९॥
भवप्रिया भवद्वेष्ट्री भूतिदा भूतिभूषणा।
भाललोचनभावज्ञा भूतभव्यभवत्प्रभुः॥ १३०॥
भ्रान्तिज्ञानप्रशमनी भिन्नब्रह्माण्डमण्डपा।
भूरिदा भक्तसुलभा भाग्यवद्दृष्टिगोचरी॥ १३१॥
भञ्जितोपप्लवकुला भक्ष्यभोज्यसुखप्रदा।
भिक्षणीया भिक्षुमाता भावा भावस्वरूपिणी॥ १३२॥
मन्दाकिनी महानन्दा माता मुक्तितरङ्गिणी।
महोदया मधुमती महापुण्या मुदाकरी॥ १३३॥
मुनिस्तुता मोहहन्त्री महातीर्था मधुस्रवा।
माधवी मानिनी मान्या मनोरथपथातिगा॥ १३४॥
मोक्षदा मतिदा मुख्या महाभाग्यजनाश्रिता।
महावेगवती मेध्या महामहिमभूषणा॥ १३५॥
महाप्रभावा महती मीनचञ्चललोचना।
महाकारुण्यसम्पूर्णा महर्द्धिश्च महोत्पला॥ १३६॥

फालितैनोमहाक्षेत्रा फणिलोकविभूषणा।
फेनच्छलप्रणुन्नैनाः फुल्लकैरवगन्धिनी॥ ११४॥
फेनिलाच्छाम्बुधाराभा फडुच्चाटितपातका।
फाणितस्वादुसलिला फाण्टपथ्यजलाविला॥ ११५॥
विश्वमाता च विश्वेशी विश्वा विश्वेश्वरप्रिया।
ब्रह्मण्या ब्रह्मकृद् ब्राह्मी ब्रह्मिष्ठा विमलोदका॥ ११६॥
विभावरी च विरजा विक्रान्तानेकविष्टपा।
विश्वमित्रं विष्णुपदी वैष्णवी वैष्णवप्रिया॥ ११७॥
विरूपाक्षप्रियकरी विभूतिर्विश्वतोमुखी।
विपाशा वैबुधी वेद्या वेदाक्षररसस्रवा॥ ११८॥
विद्या वेगवती वन्द्या बृंहणी ब्रह्मवादिनी।
वरदा विप्रकृष्टा च वरिष्ठा च विशोधनी॥ ११९॥
विद्याधरी विशोका च वयोवृन्दनिषेविता।
बहूदका बलवती व्योमस्था विबुधप्रिया॥ १२०॥
वाणी वेदवती वित्ता ब्रह्मविद्यातरङ्गिणी।
ब्रह्माण्डकोटिव्याप्ताम्बुर्ब्रह्महत्यापहारिणी ॥ १२१॥
ब्रह्मेशविष्णुरूपा च बुद्धिर्विभववर्धिनी।
विलासिसुखदा वश्या व्यापिनी च वृषारणिः॥ १२२॥
वृषाङ्कमौलिनिलया विपन्नार्तिप्रभञ्जनी।
विनीता विनता ब्रध्नतनया विनयान्विता॥ १२३॥
विपञ्ची वाद्यकुशला वेणुश्रुतिविचक्षणा।
वर्चस्करी बलकरी बलोन्मूलितकल्मषा॥ १२४॥

रामणीयकरेखा च रुजारी रोगरोषिणी।
राका रङ्कार्तिशमनी रम्या रोलम्बराविणी॥ १४९॥
रागिणी रञ्जितशिवा रूपलावण्यशेवधिः।
लोकप्रसूर्लोकवन्द्या लोलत्कल्लोलमालिनी॥ १५०॥
लीलावती लोकभूमिर्लोकलोचनचन्द्रिका।
लेखस्रवन्ती लटभा लघुवेगा लघुत्वहृत्॥ १५१॥
लास्यत्तरङ्गहस्ता च ललिता लयभङ्गिगा।
लोकबन्धुर्लोकधात्री लोकोत्तरगुणोर्जिता॥ १५२॥
लोकत्रयहिता लोका लक्ष्मीर्लक्षणलक्षिता।
लीला लक्षितनिर्वाणा लावण्यामृतवर्षिणी॥ १५३॥
वैश्वानरी वासवेड्या वन्ध्यत्वपरिहारिणी।
वासुदेवाङ्घ्रिरेणुघ्नी वज्रिवज्रनिवारिणी॥ १५४॥
शुभावती शुभफला शान्तिः शंतनुवल्लभा।
शूलिनी शैशववयाः शीतलामृतवाहिनी॥ १५५॥
शोभावती शीलवती शोषिताशेषकिल्बिषा।
शरण्या शिवदा शिष्टा शरजन्मप्रसूः शिवा॥ १५६॥
शक्तिः शशाङ्कविमला शमनस्वसृसम्मता।
शमा शमनमार्गघ्नी शितिकण्ठमहाप्रिया॥ १५७॥
शुचिः शुचिकरी शेषा शेषशायिपदोद्भवा।
श्रीनिवासश्रुतिः श्रद्धा श्रीमती श्रीः शुभव्रता॥ १५८॥
शुद्धविद्या शुभावर्ता श्रुतानन्दा श्रुतिस्तुतिः।
शिवेतरघ्नी शबरी शाम्बरीरूपधारिणी॥ १५९॥

मूर्तिमन्मुक्तिरमणी मणिमाणिक्यभूषणा।
मुक्ताकलापनेपथ्या मनोनयननन्दिनी॥ १३७॥
महापातकराशिघ्नी महादेवार्धहारिणी।
महोर्मिमालिनी मुक्ता महादेवी मनोन्मनी॥ १३८॥
महापुण्योदयप्राप्या मायातिमिरचन्द्रिका।
महाविद्या महामाया महामेधा महौषधम्॥ १३९॥
मालाधरी महोपाया महोरगविभूषणा।
महामोहप्रशमनी महामङ्गलमङ्गलम्॥ १४०॥
मार्तण्डमण्डलचरी महालक्ष्मीर्मदोज्झिता।
यशस्विनी यशोदा च योग्या युक्तात्मसेविता॥ १४१॥
योगसिद्धिप्रदा याच्या यज्ञेशपरिपूरिता।
यज्ञेशी यज्ञफलदा यजनीया यशस्करी॥ १४२॥
यमिसेव्या योगयोनिर्योगिनी युक्तबुद्धिदा।
योगज्ञानप्रदा युक्ता यमाद्यष्टाङ्गयोगयुक्॥ १४३॥
यन्त्रिताघौघसंचारा यमलोकनिवारिणी।
यातायातप्रशमनी यातनानामकृन्तनी॥ १४४॥
यामिनीशहिमाच्छोदा युगधर्मविवर्जिता।
रेवती रतिकृद् रम्या रत्नगर्भा रमा रतिः॥ १४५॥
रत्नाकरप्रेमपात्रं रसज्ञा रसरूपिणी।
रत्नप्रासादगर्भा च रमणीयतरङ्गिणी॥ १४६॥
रत्नार्ची रुद्ररमणी रागद्वेषविनाशिनी।
रमा रामा रम्यरूपा रोगिजीवानुरूपिणी॥ १४७॥
रुचिकृद् रोचनी रम्या रुचिरा रोगहारिणी।
राजहंसा रत्नवती राजत्कल्लोलराजिका॥ १४८॥

सर्वतीर्थेषु यः स्नातः सर्वयज्ञेषु दीक्षितः।
तस्य यत्फलमुद्दिष्टं त्रिकालपठनाच्च तत्॥ १७१॥
सर्वव्रतेषु यत्पुण्यं सम्यक्चीर्णेषु वाडव।
तत्फलं समवाप्नोति त्रिसंध्यं नियतः पठन्॥ १७२॥
स्नानकाले पठेद्यस्तु यत्र कुत्र जलाशये।
तत्र संनिहिता नूनं गङ्गा त्रिपथगा मुने॥ १७३॥
श्रेयोऽर्थी लभते श्रेयो धनार्थी लभते धनम्।
कामी कामानवाप्नोति मोक्षार्थी मोक्षमाप्नुयात्॥ १७४॥
वर्षं त्रिकालपठनाच्छ्रद्धया शुचिमानसः।
ऋतुकालाभिगमनादपुत्रः पुत्रवान् भवेत्॥ १७५॥
नाकालमरणं तस्य नाग्निचोराहिसाध्वसम्।
नाम्नां सहस्रं गङ्गाया यो जपेच्छ्रद्धया मुने॥ १७६॥
गङ्गानामसहस्रं तु जप्त्वा ग्रामान्तरं व्रजेत्।
कार्यसिद्धिमवाप्नोति निर्विघ्नो गेहमाविशेत्॥ १७७॥
तिथिवारर्क्षयोगानां न दोषः प्रभवेत्तदा।
यदा जप्त्वा व्रजेदेतत् स्तोत्रं ग्रामान्तरं नरः॥ १७८॥
आयुरारोग्यजननं सर्वोपद्रवनाशनम्।
सर्वसिद्धिकरं पुंसां गङ्गानामसहस्रकम्॥ १७९॥
जन्मान्तरसहस्रेषु यत्पापं सम्यगर्जितम्।
गङ्गानामसहस्रस्य जपनात् तत्क्षयं व्रजेत्॥ १८०॥
ब्रह्मघ्नो मद्यपः स्वर्णस्तेयी च गुरुतल्पगः।
तत्संयोगी भ्रूणहन्ता मातृहा पितृहा मुने॥ १८१॥

श्मशानशोधनी शान्ता शश्वच्छतधृतिस्तुता।
शालिनी शालिशोभाढ्या शिखिवाहनगर्भभृत्॥ १६०॥
शंसनीयचरित्रा च शातिताशेषपातका।
षड्गुणैश्वर्यसम्पन्ना षडङ्गश्रुतिरूपिणी॥ १६१॥
षण्ढताहारिसलिला स्त्यायन्नदनदीशता।
सरिद्वरा च सुरसा सुप्रभा सुरदीर्घिका॥ १६२॥
स्वःसिन्धुः सर्वदुःखघ्नी सर्वव्याधिमहौषधम्।
सेव्या सिद्धिः सती सूक्तिः स्कन्दसूश्च सरस्वती॥ १६३॥
सम्पत्तरङ्गिणी स्तुत्या स्थाणुमौलिकृतालया।
स्थैर्यदा सुभगा सौख्या स्त्रीषु सौभाग्यदायिनी॥ १६४॥
स्वर्गनिःश्रेणिका सूक्ष्मा स्वधा स्वाहा सुधाजला।
समुद्ररूपिणी स्वर्ग्या सर्वपातकवैरिणी॥ १६५॥
स्मृताघहारिणी सीता संसाराब्धितरङ्गिका।
सौभाग्यसुन्दरी संध्या सर्वसारसमन्विता॥ १६६॥
हरप्रिया हृषीकेशी हंसरूपा हिरणमयी।
हृताघसंघा हितकृद्धेला हेलाघगर्वहृत्॥ १६७॥
क्षेमदा क्षालिताघौघा क्षुद्रविद्राविणी क्षमा।

॥ फलश्रुतिः॥

इति नाम सहस्रं हि गङ्गायाः कलशोद्भव।
कीर्तयित्वा नरः सम्यग्गङ्गास्नानफलं लभेत्॥ १६८॥
सर्वपापप्रशमनं सर्वविघ्नविनाशनम्।
सर्वस्तोत्रजपाच्छ्रेष्ठं सर्वपावनपावनम्॥ १६९॥
श्रद्धयाभीष्टफलदं चतुर्वर्गसमृद्धिकृत्।
सकृज्जपादवाप्नोति ह्येकक्रतुफलं मुने॥ १७०॥

य: कीर्तयेदनुदिनं गङ्गानामसहस्त्रकम्।
तत्समीपे सहचरी गङ्गादेवी सदा भवेत्॥ १९३॥
सर्वत्र पूज्यो भवति सर्वत्र विजयी भवेत्।
सर्वत्र सुखमाप्नोति जाह्नवीस्तोत्रपाठत:॥ १९४॥
सदाचारी स विज्ञेय: स शुचिस्तु सदैव हि।
कृतसर्वसुरार्च: स कीर्तयेद्य इमां स्तुतिम्॥ १९५॥
तस्मिंस्तृप्ते भवेत् तृप्ता जाह्नवी नात्र संशय:।
तस्मात् सर्वप्रयत्नेन गङ्गाभक्तं समर्चयेत्॥ १९६॥
स्तवराजमिमं गाङ्गं शृणुयाद्यश्च वै पठेत्।
श्रावयेदथ तद्भक्तान् दम्भलोभविवर्जित:॥ १९७॥
मुच्यते त्रिविधै: पापैर्मनोवाक्कायसम्भवै:।
क्षणान्निष्पापतामेति पितॄणां च प्रियो भवेत्॥ १९८॥
सर्वदेवप्रियश्चापि सर्वर्षिगणसम्मत:।
अन्ते विमानमारुह्य दिव्यस्त्रीशतसंवृत:॥ १९९॥
दिव्याभरणसम्पन्नो दिव्यभोगसमन्वित:।
नन्दनादिवने स्वैरं देववत् स प्रमोदते॥ २००॥
भुज्यमानेषु विप्रेषु श्राद्धकाले विशेषत:।
जपन्निदं महास्तोत्रं पितॄणां तृप्तिकारकम्॥ २०१॥
यावन्ति तत्र सिक्थानि यावन्तोऽम्बुकणा: स्थिता:।
तावन्त्येव हि वर्षाणि मोदन्ते स्वपितामहा:॥ २०२॥
यथा पितर: प्रीणन्ति गङ्गायां पिण्डदानत:।
तथैव तृप्नुयु: श्राद्धे स्तवस्यास्यानुसंश्रवात्॥ २०३॥

विश्वासघाती गरदः कृतघ्नो मित्रघातकः।
अग्निदो गोवधकरो गुरुद्रव्यापहारकः॥ १८२॥
महापातकयुक्तोऽपि संयुक्तोऽप्युपपातकैः।
मुच्यते श्रद्धया जप्त्वा गङ्गानामसहस्रकम्॥ १८३॥
आधिव्याधिपरिक्षिप्तो घोरतापपरिप्लुतः।
मुच्यते सर्वदुःखेभ्यः स्तवस्यास्यानुकीर्तनात्॥ १८४॥
संवत्सरेण युक्तात्मा पठन् भक्तिपरायणः।
अभीप्सितां लभेत् सिद्धिं सर्वैः पापैः प्रमुच्यते॥ १८५॥
संशयाविष्टचित्तस्य धर्मविद्वेषिणोऽपि च।
दाम्भिकस्यापि हिंस्रस्य चेतो धर्मपरं भवेत्॥ १८६॥
वर्णाश्रमपथीनस्तु कामक्रोधविवर्जितः।
यत्फलं लभते ज्ञानी तदाप्नोत्यस्य कीर्तनात्॥ १८७॥
गायत्र्ययुतजप्येन यत्फलं समुपार्जितम्।
सकृत् पठनतः सम्यक् तदशेषमवाप्नुयात्॥ १८८॥
गां दत्त्वा वेदविदुषे यत्फलं लभते कृती।
तत्पुण्यं सम्यगाख्यातं स्तवराजसकृज्जपात्॥ १८९॥
गुरुशुश्रूषणं कुर्वन् यावज्जीवं नरोत्तमः।
यत्पुण्यमर्जयेत् तद्भाग्वर्षं त्रिषवणं जपन्॥ १९०॥
वेदपारायणात् पुण्यं यदत्र परिपठ्यते।
तत्षण्मासेन लभते त्रिसंध्यं परिकीर्तनात्॥ १९१॥
गङ्गायाः स्तवराजस्य प्रत्यहं परिशीलनात्।
शिवभक्तिमवाप्नोति विष्णुभक्तोऽथवा भवेत्॥ १९२॥

॥ श्रीगङ्गादेव्यै नमः ॥

श्रीगङ्गासहस्त्रनामावलिः

१ ॐ ओंकाररूपिण्यै नमः।
२ ॐ अजरायै नमः।
३ ॐ अतुलायै नमः।
४ ॐ अनन्तायै नमः।
५ ॐ अमृतस्त्रवायै नमः।
६ ॐ अत्युदारायै नमः।
७ ॐ अभयायै नमः।
८ ॐ अशोकायै नमः।
९ ॐ अलकनन्दायै नमः।
१० ॐ अमृतायै नमः।
११ ॐ अमलायै नमः।
१२ ॐ अनाथवत्सलायै नमः।
१३ ॐ अमोघायै नमः।
१४ ॐ अपांयोन्यै नमः।
१५ ॐ अमृतप्रदायै नमः।
१६ ॐ अव्यक्तलक्षणायै नमः।
१७ ॐ अक्षोभ्यायै नमः।
१८ ॐ अनवच्छिन्नायै नमः।
१९ ॐ अपरस्यै नमः।
२० ॐ अजितायै नमः।
२१ ॐ अनाथनाथायै नमः।
२२ ॐ अभीष्टार्थसिद्धिदायै नमः।
२३ ॐ अनङ्गवर्धिन्यै नमः।
२४ ॐ अणिमादिगुणायै नमः।
२५ ॐ आधारायै नमः।
२६ ॐ अग्रगण्यायै नमः।
२७ ॐ अलीकहारिण्यै नमः।
२८ ॐ अचिन्त्यशक्त्यै नमः।
२९ ॐ अनघायै नमः।
३० ॐ अद्भुतरूपायै नमः।
३१ ॐ अघहारिण्यै नमः।
३२ ॐ अद्रिराजसुतायै नमः।
३३ ॐ अष्टाङ्गयोगसिद्धिप्रदायै नमः।
३४ ॐ अच्युतायै नमः।
३५ ॐ अक्षुण्णशक्त्यै नमः।
३६ ॐ असुदायै नमः।
३७ ॐ अनन्ततीर्थायै नमः।
३८ ॐ अमृतोदकायै नमः।
३९ ॐ अनन्तमहिमायै नमः।
४० ॐ अपारायै नमः।
४१ ॐ अनन्तसौख्यप्रदायै नमः।
४२ ॐ अन्नदायै नमः।
४३ ॐ अशेषदेवतामूर्त्यै नमः।
४४ ॐ अघोरायै नमः।
४५ ॐ अमृतरूपिण्यै नमः।
४६ ॐ अविद्याजालशमन्यै नमः।
४७ ॐ अप्रतर्क्यगतिप्रदायै नमः।
४८ ॐ अशेषविघ्नसंहर्त्र्यै नमः।

एतत्स्तोत्रं गृहे यस्य लिखितं परिपूज्यते।
तत्र पापभयं नास्ति शुचि तद्भवनं सदा॥ २०४॥
अगस्त्य किं बहूक्तेन शृणु मे निश्चितं वचः।
संशयो नात्र कर्तव्यः संदेग्धरि फलं नहि॥ २०५॥
यावन्ति मर्त्ये स्तोत्राणि मन्त्रजालान्यनेकशः।
तावन्ति स्तवराजस्य गाङ्गेयस्य समानि न॥ २०६॥
यावज्जन्म जपेद्यस्तु नाम्नामेतत्सहस्त्रकम्।
स कीकटेष्वपि मृतो न पुनर्गर्भमाविशेत्॥ २०७॥
नित्यं नियमवानेतद् यो जपेत् स्तोत्रमुत्तमम्।
अन्यत्रापि विपन्नः स गङ्गातीरे मृतो भवेत्॥ २०८॥
एतत्स्तोत्रवरं रम्यं पुरा प्रोक्तं पिनाकिना।
विष्णवे निजभक्ताय मुक्तिबीजाक्षरास्पदम्॥ २०९॥
गङ्गास्त्रानप्रतिनिधिं स्तोत्रमेतन्मयेरितम्।
सिस्नासुर्जाह्नवीं तस्मादेतत् स्तोत्रं जपेत् सुधीः॥ २१०॥

॥ इति श्रीस्कन्दपुराणे काशीखण्डे पूर्वार्धे श्रीगङ्गासहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



१०५ ॐ उद्वेगघ्न्यै नमः।
१०६ ॐ उष्णाशमन्यै नमः।
१०७ ॐ उष्णरश्मिसुताप्रियायै नमः।
१०८ ॐ उत्पत्तिस्थितिसंहारकारिण्यै नमः।
१०९ ॐ उपरिचारिण्यै नमः।
११० ॐ ऊर्जं वहन्त्यै नमः।
१११ ॐ ऊर्जधरायै नमः।
११२ ॐ ऊर्जावत्यै नमः।
११३ ॐ ऊर्मिमालिन्यै नमः।
११४ ॐ ऊर्ध्वरेतःप्रियायै नमः।
११५ ॐ ऊर्ध्वाध्वायै नमः।
११६ ॐ ऊर्मिलायै नमः।
११७ ॐ ऊर्ध्वगतिप्रदायै नमः।
११८ ॐ ऋषिवृन्दस्तुतायै नमः।
११९ ॐ ऋद्ध्यै नमः।
१२० ॐ ऋणत्रयविनाशिन्यै नमः।
१२१ ॐ ऋतम्भरायै नमः।
१२२ ॐ ऋद्धिदात्र्यै नमः।
१२३ ॐ ऋक्स्वरूपायै नमः।
१२४ ॐ ऋजुप्रियायै नमः।
१२५ ॐ ऋक्षमार्गवहायै नमः।
१२६ ॐ ऋक्षार्चिषे नमः।
१२७ ॐ ऋजुमार्गप्रदर्शिन्यै नमः।
१२८ ॐ एधिताखिलधर्मार्थायै नमः।
१२९ ॐ एकस्यै नमः।
१३० ॐ एकामृतदायिन्यै नमः।
१३१ ॐ एधनीयस्वभावायै नमः।
१३२ ॐ एज्यायै नमः।
१३३ ॐ एजिताशेषपातकायै नमः।
१३४ ॐ ऐश्वर्यदायै नमः।
१३५ ॐ ऐश्वर्यरूपायै नमः।
१३६ ॐ ऐतिह्याय नमः।
१३७ ॐ ऐन्दवीद्युत्यै नमः।
१३८ ॐ ओजस्विन्यै नमः।
१३९ ॐ ओषधीक्षेत्राय नमः।
१४० ॐ ओजोदायै नमः।
१४१ ॐ ओदनदायिन्यै नमः।
१४२ ॐ ओष्ठामृतायै नमः।
१४३ ॐ औन्नत्यदात्र्यै नमः।
१४४ ॐ भवरोगिणामौषधाय नमः।
१४५ ॐ औदार्यचञ्चुरायै नमः।
१४६ ॐ औपेन्द्र्यै नमः।
१४७ ॐ औग्र्यै नमः।
१४८ ॐ औमेयरूपिण्यै नमः।
१४९ ॐ अम्बराध्ववहायै नमः।
१५० ॐ अम्बष्ठायै नमः।
१५१ ॐ अम्बरमालायै नमः।
१५२ ॐ अम्बुजेक्षणायै नमः।
१५३ ॐ अम्बिकायै नमः।
१५४ ॐ अम्बुमहायोन्यै नमः।
१५५ ॐ अन्धोदायै नमः।
१५६ ॐ अन्धकहारिण्यै नमः।
१५७ ॐ अंशुमालायै नमः।
१५८ ॐ अंशुमत्यै नमः।
१५९ ॐ अङ्गीकृतषडाननायै नमः।
१६० ॐ अन्धतामिस्रहन्त्र्यै नमः।

४९ ॐ अशेषगुणगुम्फितायै नमः।
५० ॐ अज्ञानतिमिरज्योतिषे नमः।
५१ ॐ अनुग्रहपरायणायै नमः।
५२ ॐ अभिरामायै नमः।
५३ ॐ अनवद्याङ्ग्यै नमः।
५४ ॐ अनन्तसारायै नमः।
५५ ॐ अकलङ्किन्यै नमः।
५६ ॐ आरोग्यदायै नमः।
५७ ॐ आनन्दवल्ल्यै नमः।
५८ ॐ आपन्नार्तिविनाशिन्यै नमः।
५९ ॐ आश्चर्यमूर्त्यै नमः।
६० ॐ आयुष्यायै नमः।
६१ ॐ आढ्यायै नमः।
६२ ॐ आद्यायै नमः।
६३ ॐ आप्रायै नमः।
६४ ॐ आर्यसेवितायै नमः।
६५ ॐ आप्यायिन्यै नमः।
६६ ॐ आप्तविद्यायै नमः।
६७ ॐ आख्यायै नमः।
६८ ॐ आनन्दायै नमः।
६९ ॐ आश्वासदायिन्यै नमः।
७० ॐ आलस्यघ्न्यै नमः।
७१ ॐ आपदां हन्त्र्यै नमः।
७२ ॐ आनन्दामृतवर्षिण्यै नमः।
७३ ॐ इरावत्यै नमः।
७४ ॐ इष्टदात्र्यै नमः।
७५ ॐ इष्टायै नमः।
७६ ॐ इष्टापूर्तफलप्रदायै नमः।
७७ ॐ इतिहासश्रुतीड्यार्थायै नमः।
७८ ॐ इहामुत्रशुभप्रदायै नमः।
७९ ॐ इज्याशीलसमिज्ज्येष्ठायै नमः।
८० ॐ इन्द्रादिपरिवन्दितायै नमः।
८१ ॐ इलालङ्कारमालायै नमः।
८२ ॐ इद्धायै नमः।
८३ ॐ इन्दिरायै नमः।
८४ ॐ रम्यमन्दिरायै नमः।
८५ ॐ इदिन्दिरादिसंसेव्यायै नमः।
८६ ॐ ईश्वर्यै नमः।
८७ ॐ ईश्वरवल्लभायै नमः।
८८ ॐ ईतिभीतिहरायै नमः।
८९ ॐ ईड्यायै नमः।
९० ॐ ईडनीयचरित्रभृते नमः।
९१ ॐ उत्कृष्टशक्त्यै नमः।
९२ ॐ उत्कृष्टायै नमः।
९३ ॐ उडुपमण्डलचारिण्यै नमः।
९४ ॐ उदिताम्बरमार्गायै नमः।
९५ ॐ उस्रायै नमः।
९६ ॐ उरगलोकविहारिण्यै नमः।
९७ ॐ उक्षायै नमः।
९८ ॐ उर्वरायै नमः।
९९ ॐ उत्पलायै नमः।
१०० ॐ उत्कुम्भायै नमः।
१०१ ॐ उपेन्द्रचरणद्रवायै नमः।
१०२ ॐ उदन्वत्पूर्तिहेतवे नमः।
१०३ ॐ उदारायै नमः।
१०४ ॐ उत्साहप्रवर्धिन्यै नमः।

२१७ ॐ ख्यातिप्रदायिन्यै नमः।
२१८ ॐ खण्डितप्रणताघौघायै नमः।
२१९ ॐ खलबुद्धिविनाशिन्यै नमः।
२२० ॐ खातैनःकंदसंदोहायै नमः।
२२१ ॐ खड्गखट्वाङ्गखेटिन्यै नमः।
२२२ ॐ खरसंतापशमन्यै नमः।
२२३ ॐ पीयूषपाथसां खन्यै नमः।
२२४ ॐ गङ्गायै नमः।
२२५ ॐ गन्धवत्यै नमः।
२२६ ॐ गौर्यै नमः।
२२७ ॐ गन्धर्वनगरप्रियायै नमः।
२२८ ॐ गम्भीराङ्ग्यै नमः।
२२९ ॐ गुणमय्यै नमः।
२३० ॐ गतातङ्कायै नमः।
२३१ ॐ गतिप्रियायै नमः।
२३२ ॐ गणनाथाम्बिकायै नमः।
२३३ ॐ गीतायै नमः।
२३४ ॐ गद्यपद्यपरिष्टुतायै नमः।
२३५ ॐ गान्धार्यै नमः।
२३६ ॐ गर्भशमन्यै नमः।
२३७ ॐ गतिभ्रष्टगतिप्रदायै नमः।
२३८ ॐ गोमत्यै नमः।
२३९ ॐ गुह्यविद्यायै नमः।
२४० ॐ गवे नमः।
२४१ ॐ गोप्त्र्यै नमः।
२४२ ॐ गगनगामिन्यै नमः।
२४३ ॐ गोत्रप्रवर्धिन्यै नमः।
२४४ ॐ गुण्यायै नमः।
२४५ ॐ गुणातीतायै नमः।
२४६ ॐ गुणाग्रण्यै नमः।
२४७ ॐ गुहाम्बिकायै नमः।
२४८ ॐ गिरिसुतायै नमः।
२४९ ॐ गोविन्दाङ्घ्रिसमुद्भवायै नमः।
२५० ॐ गुणनीयचरित्रायै नमः।
२५१ ॐ गायत्र्यै नमः।
२५२ ॐ गिरिशप्रियायै नमः।
२५३ ॐ गूढरूपायै नमः।
२५४ ॐ गुणवत्यै नमः।
२५५ ॐ गुर्व्यै नमः।
२५६ ॐ गौरववर्धिन्यै नमः।
२५७ ॐ ग्रहपीडाहरायै नमः।
२५८ ॐ गुंद्रायै नमः।
२५९ ॐ गरघ्न्यै नमः।
२६० ॐ गानवत्सलायै नमः।
२६१ ॐ घर्महन्त्र्यै नमः।
२६२ ॐ घृतवत्यै नमः।
२६३ ॐ घृततुष्टिप्रदायिन्यै नमः।
२६४ ॐ घण्टारवप्रियायै नमः।
२६५ ॐ घोराघौघविध्वंसकारिण्यै नमः।
२६६ ॐ घ्राणतुष्टिकर्यै नमः।
२६७ ॐ घोषायै नमः।
२६८ ॐ घनानन्दायै नमः।
२६९ ॐ घनप्रियायै नमः।
२७० ॐ घातुकायै नमः।
२७१ ॐ घूर्णितजलायै नमः।
२७२ ॐ घृष्टपातकसंतत्यै नमः।

१६१ ॐ अन्धवे नमः।
१६२ ॐ अञ्जनायै नमः।
१६३ ॐ अञ्जनावत्यै नमः।
१६४ ॐ कल्याणकारिण्यै नमः।
१६५ ॐ काम्यायै नमः।
१६६ ॐ कमलोत्पलगन्धिन्यै नमः।
१६७ ॐ कुमुद्वत्यै नमः।
१६८ ॐ कमलिन्यै नमः।
१६९ ॐ कान्त्यै नमः।
१७० ॐ कल्पितदायिन्यै नमः।
१७१ ॐ काञ्चनाक्ष्यै नमः।
१७२ ॐ कामधेन्वै नमः।
१७३ ॐ कीर्तिकृते नमः।
१७४ ॐ क्लेशनाशिन्यै नमः।
१७५ ॐ क्रतुश्रेष्ठायै नमः।
१७६ ॐ क्रतुफलायै नमः।
१७७ ॐ कर्मबन्धविभेदिन्यै नमः।
१७८ ॐ कमलाक्ष्यै नमः।
१७९ ॐ क्लमहरायै नमः।
१८० ॐ कृशानुतपनद्युत्यै नमः।
१८१ ॐ करुणार्द्रायै नमः।
१८२ ॐ कल्याण्यै नमः।
१८३ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
१८४ ॐ कामरूपायै नमः।
१८५ ॐ क्रियाशक्त्यै नमः।
१८६ ॐ कमलोत्पलमालिन्यै नमः।
१८७ ॐ कूटस्थायै नमः।
१८८ ॐ करुणायै नमः।
१८९ ॐ कान्तायै नमः।
१९० ॐ कूर्मयानायै नमः।
१९१ ॐ कलावत्यै नमः।
१९२ ॐ कमलायै नमः।
१९३ ॐ कल्पलतिकायै नमः।
१९४ ॐ काल्यै नमः।
१९५ ॐ कलुषवैरिण्यै नमः।
१९६ ॐ कमनीयजलायै नमः।
१९७ ॐ कम्रायै नमः।
१९८ ॐ कपर्दिसुकपर्दगायै नमः।
१९९ ॐ कालकूटप्रशमन्यै नमः।
२०० ॐ कदम्बकुसुमप्रियायै नमः।
२०१ ॐ कालिन्द्यै नमः।
२०२ ॐ केलिललितायै नमः।
२०३ ॐ कलकल्लोलमालिकायै नमः।
२०४ ॐ क्रान्तलोकत्रयायै नमः।
२०५ ॐ कण्ड्वै नमः।
२०६ ॐ कण्डूतनयवत्सलायै नमः।
२०७ ॐ खड्गिन्यै नमः।
२०८ ॐ खड्गधाराभायै नमः।
२०९ ॐ खगायै नमः।
२१० ॐ खण्डेन्दुधारिण्यै नमः।
२११ ॐ खेखेलगामिन्यै नमः।
२१२ ॐ खस्थायै नमः।
२१३ ॐ खण्डेन्दुतिलकप्रियायै नमः।
२१४ ॐ खेचर्यै नमः।
२१५ ॐ खेचरीवन्द्यायै नमः।
२१६ ॐ ख्यात्यै नमः।

३२९ ॐ जीवनप्राणायै नमः।
३३० ॐ जगते नमः।
३३१ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
३३२ ॐ जगन्मय्यै नमः।
३३३ ॐ जीवजीवातुलतिकायै नमः।
३३४ ॐ जन्मिजन्मनिबर्हिण्यै नमः।
३३५ ॐ जाड्यविध्वंसनकर्यै नमः।
३३६ ॐ जगद्योन्यै नमः।
३३७ ॐ जलाविलायै नमः।
३३८ ॐ जगदानन्दजनन्यै नमः।
३३९ ॐ जलजायै नमः।
३४० ॐ जलजेक्षणायै नमः।
३४१ ॐ जनलोचनपीयूषायै नमः।
३४२ ॐ जटातटविहारिण्यै नमः।
३४३ ॐ जयन्त्यै नमः।
३४४ ॐ जंजपूकघ्न्यै नमः।
३४५ ॐ जनितज्ञानविग्रहायै नमः।
३४६ ॐ झल्लरीवाद्यकुशलायै नमः।
३४७ ॐ झलज्झालजलावृतायै नमः।
३४८ ॐ झिण्टीशवन्द्यायै नमः।
३४९ ॐ झंकारकारिण्यै नमः।
३५० ॐ झर्झरावत्यै नमः।
३५१ ॐ टीकिताशेषपातालायै नमः।
३५२ ॐ टङ्किकैनोऽद्रिपाटनायै नमः।
३५३ ॐ टंकारनृत्यत्कल्लोलायै नमः।
३५४ ॐ टीकनीयमहातटायै नमः।
३५५ ॐ डम्बरप्रवहायै नमः।
३५६ ॐ डीनराजहंसकुलाकुलायै नमः।
३५७ ॐ डमड्डुमरुहस्तायै नमः।
३५८ ॐ डामरोक्तमहाण्डकायै नमः।
३५९ ॐ ढौकिताशेषनिर्वाणायै नमः।
३६० ॐ ढक्कानादचलज्जलायै नमः।
३६१ ॐ ढुण्ढिविघ्नेशजनन्यै नमः।
३६२ ॐ ढणड्ढुणितपातकायै नमः।
३६३ ॐ तर्पण्यै नमः।
३६४ ॐ तीर्थतीर्थायै नमः।
३६५ ॐ त्रिपथायै नमः।
३६६ ॐ त्रिदशेश्वर्यै नमः।
३६७ ॐ त्रिलोकगोप्त्र्यै नमः।
३६८ ॐ तोयेश्यै नमः।
३६९ ॐ त्रैलोक्यपरिवन्दितायै नमः।
३७० ॐ तापत्रितयसंहर्त्र्यै नमः।
३७१ ॐ तेजोबलविवर्धिन्यै नमः।
३७२ ॐ त्रिलक्ष्यायै नमः।
३७३ ॐ तारण्यै नमः।
३७४ ॐ तारायै नमः।
३७५ ॐ तारापतिकरार्चितायै नमः।
३७६ ॐ त्रैलोक्यपावन्यै नमः।
३७७ ॐ पुण्यायै नमः।
३७८ ॐ तुष्टिदायै नमः।
३७९ ॐ तुष्टिरूपिण्यै नमः।
३८० ॐ तृष्णाच्छेत्र्यै नमः।
३८१ ॐ तीर्थमात्रे नमः।
३८२ ॐ त्रिविक्रमपदोद्भवायै नमः।
३८३ ॐ तपोमय्यै नमः।
३८४ ॐ तपोरूपायै नमः।

२७३ ॐ घटकोटिप्रपीतापायै नमः।
२७४ ॐ घटिताशेषमङ्गलायै नमः।
२७५ ॐ घृणावत्यै नमः।
२७६ ॐ घृणिनिध्यै नमः।
२७७ ॐ घस्मरायै नमः।
२७८ ॐ घूकनादिन्यै नमः।
२७९ ॐ घुसृणापिञ्जरतन्वै नमः।
२८० ॐ घर्घरायै नमः।
२८१ ॐ घर्घरस्वनायै नमः।
२८२ ॐ चन्द्रिकायै नमः।
२८३ ॐ चन्द्रकान्ताम्बवे नमः।
२८४ ॐ चञ्चदापायै नमः।
२८५ ॐ चलद्युत्यै नमः।
२८६ ॐ चिन्मय्यै नमः।
२८७ ॐ चितिरूपायै नमः।
२८८ ॐ चन्द्रायुतशताननायै नमः।
२८९ ॐ चाम्पेयलोचनायै नमः।
२९० ॐ चार्वै नमः।
२९१ ॐ चार्वङ्ग्यै नमः।
२९२ ॐ चारुगामिन्यै नमः।
२९३ ॐ चार्यायै नमः।
२९४ ॐ चारित्रनिलयायै नमः।
२९५ ॐ चित्रकृते नमः।
२९६ ॐ चित्ररूपिण्यै नमः।
२९७ ॐ चम्प्वै नमः।
२९८ ॐ चन्दनशुच्यम्बवे नमः।
२९९ ॐ चर्चनीयायै नमः।
३०० ॐ चिरस्थिरायै नमः।
३०१ ॐ चारुचम्पकमालाढ्यायै नमः।
३०२ ॐ चमिताशेषदुष्कृतायै नमः।
३०३ ॐ चिदाकाशवहायै नमः।
३०४ ॐ चिन्त्यायै नमः।
३०५ ॐ चञ्चवे नमः।
३०६ ॐ चामरवीजितायै नमः।
३०७ ॐ चोरिताशेषवृजिनायै नमः।
३०८ ॐ चरिताशेषमण्डलायै नमः।
३०९ ॐ छेदिताखिलपापौघायै नमः।
३१० ॐ छद्मघ्न्यै नमः।
३११ ॐ छलहारिण्यै नमः।
३१२ ॐ छन्नत्रिविष्टपतलायै नमः।
३१३ ॐ छोटिताशेषबन्धनायै नमः।
३१४ ॐ छुरितामृतधारौघायै नमः।
३१५ ॐ छिन्नैनसे नमः।
३१६ ॐ छन्दगामिन्यै नमः।
३१७ ॐ छत्रीकृतमरालौघायै नमः।
३१८ ॐ छटीकृतनिजामृतायै नमः।
३१९ ॐ जाह्नव्यै नमः।
३२० ॐ ज्यायै नमः।
३२१ ॐ जगन्मात्रे नमः।
३२२ ॐ जप्यायै नमः।
३२३ ॐ जङ्घालवीचिकायै नमः।
३२४ ॐ जयायै नमः।
३२५ ॐ जनार्दनप्रीतायै नमः।
३२६ ॐ जुषणीयायै नमः।
३२७ ॐ जगद्धितायै नमः।
३२८ ॐ जीवनाय नमः।

४४१ ॐ देहिदेहनिवारिण्यै नमः।
४४२ ॐ द्राघीयस्यै नमः।
४४३ ॐ दाघहन्त्र्यै नमः।
४४४ ॐ दितपातकसंतत्यै नमः।
४४५ ॐ दूरदेशान्तरचर्यै नमः।
४४६ ॐ दुर्गमायै नमः।
४४७ ॐ देववल्लभायै नमः।
४४८ ॐ दुर्वृत्तघ्न्यै नमः।
४४९ ॐ दुर्विगाह्यायै नमः।
४५० ॐ दयाधारायै नमः।
४५१ ॐ दयावत्यै नमः।
४५२ ॐ दुरासदायै नमः।
४५३ ॐ दानशीलायै नमः।
४५४ ॐ द्राविण्यै नमः।
४५५ ॐ द्रुहिणस्तुतायै नमः।
४५६ ॐ दैत्यदानवसंशुद्धिकर्त्र्यै नमः।
४५७ ॐ दुर्बुद्धिहारिण्यै नमः।
४५८ ॐ दानसारायै नमः।
४५९ ॐ दयासारायै नमः।
४६० ॐ द्यावाभूमिविगाहिन्यै नमः।
४६१ ॐ दृष्टादृष्टफलप्राप्त्यै नमः।
४६२ ॐ देवतावृन्दवन्दितायै नमः।
४६३ ॐ दीर्घव्रतायै नमः।
४६४ ॐ दीर्घदृष्ट्यै नमः।
४६५ ॐ दीप्ततोयायै नमः।
४६६ ॐ दुरालभायै नमः।
४६७ ॐ दण्डयित्र्यै नमः।
४६८ ॐ दण्डनीत्यै नमः।
४६९ ॐ दुष्टदण्डधरार्चितायै नमः।
४७० ॐ दुरोदरघ्न्यै नमः।
४७१ ॐ दावार्चिषे नमः।
४७२ ॐ द्रवते नमः।
४७३ ॐ द्रव्यैकशेवध्यै नमः।
४७४ ॐ दीनसंतापशमन्यै नमः।
४७५ ॐ दात्र्यै नमः।
४७६ ॐ दवथुवैरिण्यै नमः।
४७७ ॐ दरीविदारणपरायै नमः।
४७८ ॐ दान्तायै नमः।
४७९ ॐ दान्तजनप्रियायै नमः।
४८० ॐ दारिताद्रितटायै नमः।
४८१ ॐ दुर्गायै नमः।
४८२ ॐ दुर्गारण्यप्रचारिण्यै नमः।
४८३ ॐ धर्मद्रवायै नमः।
४८४ ॐ धर्मधुरायै नमः।
४८५ ॐ धेन्वै नमः।
४८६ ॐ धीरायै नमः।
४८७ ॐ धृत्यै नमः।
४८८ ॐ ध्रुवायै नमः।
४८९ ॐ धेनुदानफलस्पर्शायै नमः।
४९० ॐ धर्मकामार्थमोक्षदायै नमः।
४९१ ॐ धर्मोर्मिवाहिन्यै नमः।
४९२ ॐ धुर्यायै नमः।
४९३ ॐ धात्र्यै नमः।
४९४ ॐ धात्रीविभूषणाय नमः।
४९५ ॐ धर्मिण्यै नमः।
४९६ ॐ धर्मशीलायै नमः।

३८५ ॐ तपःस्तोमफलप्रदायै नमः।
३८६ ॐ त्रैलोक्यव्यापिन्यै नमः।
३८७ ॐ तृप्त्यै नमः।
३८८ ॐ तृप्तिकृते नमः।
३८९ ॐ तत्त्वरूपिण्यै नमः।
३९० ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
३९१ ॐ तुर्यायै नमः।
३९२ ॐ तुर्यातीतफलप्रदायै नमः।
३९३ ॐ त्रैलोक्यलक्ष्म्यै नमः।
३९४ ॐ त्रिपद्यै नमः।
३९५ ॐ तथ्यायै नमः।
३९६ ॐ तिमिरचन्द्रिकायै नमः।
३९७ ॐ तेजोगर्भायै नमः।
३९८ ॐ तपःसारायै नमः।
३९९ ॐ त्रिपुरारिशिरोगृहायै नमः।
४०० ॐ त्रयीस्वरूपिण्यै नमः।
४०१ ॐ तन्व्यै नमः।
४०२ ॐ तपनाङ्गजभीतिनुते नमः।
४०३ ॐ तर्यै नमः।
४०४ ॐ तरणिजामित्राय नमः।
४०५ ॐ तर्पिताशेषपूर्वजायै नमः।
४०६ ॐ तुलाविरहितायै नमः।
४०७ ॐ तीव्रपापतूलतनूनपाते नमः।
४०८ ॐ दारिद्र्यदमन्यै नमः।
४०९ ॐ दक्षायै नमः।
४१० ॐ दुष्प्रेक्षायै नमः।
४११ ॐ दिव्यमण्डनायै नमः।
४१२ ॐ दीक्षावत्यै नमः।
४१३ ॐ दुरावाप्यायै नमः।
४१४ ॐ द्राक्षामधुरवारिभृते नमः।
४१५ ॐ दर्शितानेककुतुकायै नमः।
४१६ ॐ दुष्टदुर्जयदुःखहृते नमः।
४१७ ॐ दैन्यहृते नमः।
४१८ ॐ दुरितघ्न्यै नमः।
४१९ ॐ दानवारिपदाब्जजायै नमः।
४२० ॐ दंदशूकविषघ्न्यै नमः।
४२१ ॐ दारिताघौघसंतत्यै नमः।
४२२ ॐ द्रुतायै नमः।
४२३ ॐ देवद्रुमच्छन्नायै नमः।
४२४ ॐ दुर्वाराघविघातिन्यै नमः।
४२५ ॐ दमग्राह्यायै नमः।
४२६ ॐ देवमात्रे नमः।
४२७ ॐ देवलोकप्रदर्शिन्यै नमः।
४२८ ॐ देवदेवप्रियायै नमः।
४२९ ॐ देव्यै नमः।
४३० ॐ दिक्पालपददायिन्यै नमः।
४३१ ॐ दीर्घायुःकारिण्यै नमः।
४३२ ॐ दीर्घायै नमः।
४३३ ॐ दोग्ध्र्यै नमः।
४३४ ॐ दूषणवर्जितायै नमः।
४३५ ॐ दुग्धाम्बुवाहिन्यै नमः।
४३६ ॐ दोह्यायै नमः।
४३७ ॐ दिव्यायै नमः।
४३८ ॐ दिव्यगतिप्रदायै नमः।
४३९ ॐ द्युनद्यै नमः।
४४० ॐ दीनशरणाय नमः।

५५३ ॐ नि:शेषप्राणितापहृते नमः।
५५४ ॐ नित्योत्सवायै नमः।
५५५ ॐ नित्यतृप्तायै नमः।
५५६ ॐ नमस्कार्यायै नमः।
५५७ ॐ निरञ्जनायै नमः।
५५८ ॐ निष्ठावत्यै नमः।
५५९ ॐ निरातङ्कायै नमः।
५६० ॐ निर्लेपायै नमः।
५६१ ॐ निश्चलात्मिकायै नमः।
५६२ ॐ निरवद्यायै नमः।
५६३ ॐ निरीहायै नमः।
५६४ ॐ नीललोहितमूर्द्धगायै नमः।
५६५ ॐ नन्दिभृङ्गिगणस्तुत्यायै नमः।
५६६ ॐ नागायै नमः।
५६७ ॐ नन्दायै नमः।
५६८ ॐ नगात्मजायै नमः।
५६९ ॐ निष्प्रत्यूहायै नमः।
५७० ॐ नाकनद्यै नमः।
५७१ ॐ निरयार्णवदीर्घनावे नमः।
५७२ ॐ पुण्यप्रदायै नमः।
५७३ ॐ पुण्यगर्भायै नमः।
५७४ ॐ पुण्यायै नमः।
५७५ ॐ पुण्यतरङ्गिण्यै नमः।
५७६ ॐ पृथवे नमः।
५७७ ॐ पृथुफलायै नमः।
५७८ ॐ पूर्णायै नमः।
५७९ ॐ प्रणतार्तिप्रभञ्जन्यै नमः।
५८० ॐ प्राणदायै नमः।
५८१ ॐ प्राणिजनन्यै नमः।
५८२ ॐ प्राणेश्यै नमः।
५८३ ॐ प्राणरूपिण्यै नमः।
५८४ ॐ पद्मालयायै नमः।
५८५ ॐ पराशक्त्यै नमः।
५८६ ॐ पुरजित्परमप्रियायै नमः।
५८७ ॐ परस्यै नमः।
५८८ ॐ परफलप्राप्त्यै नमः।
५८९ ॐ पावन्यै नमः।
५९० ॐ पयस्विन्यै नमः।
५९१ ॐ परानन्दायै नमः।
५९२ ॐ प्रकृष्टार्थायै नमः।
५९३ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
५९४ ॐ पालिन्यै नमः।
५९५ ॐ परस्यै नमः।
५९६ ॐ पुराणपठितायै नमः।
५९७ ॐ प्रीतायै नमः।
५९८ ॐ प्रणवाक्षररूपिण्यै नमः।
५९९ ॐ पार्वत्यै नमः।
६०० ॐ प्रेमसम्पन्नायै नमः।
६०१ ॐ पशुपाशविमोचिन्यै नमः।
६०२ ॐ परमात्मस्वरूपायै नमः।
६०३ ॐ परब्रह्मप्रकाशिन्यै नमः।
६०४ ॐ परमानन्दनिष्पन्दायै नमः।
६०५ ॐ प्रायश्चित्तस्वरूपिण्यै नमः।
६०६ ॐ पानीयरूपनिर्वाणायै नमः।
६०७ ॐ परित्राणपरायणायै नमः।
६०८ ॐ पापेन्धनदवज्वालायै नमः।

४९७ ॐ धन्विकोटिकृतावनायै नमः।
४९८ ॐ ध्यातृपापहरायै नमः।
४९९ ॐ ध्येयायै नमः।
५०० ॐ धावन्यै नमः।
५०१ ॐ धूतकल्मषायै नमः।
५०२ ॐ धर्मधारायै नमः।
५०३ ॐ धर्मसारायै नमः।
५०४ ॐ धनदायै नमः।
५०५ ॐ धनवर्धिन्यै नमः।
५०६ ॐ धर्माधर्मगुणच्छेत्र्यै नमः।
५०७ ॐ धत्तूरकुसुमप्रियायै नमः।
५०८ ॐ धर्मेश्यै नमः।
५०९ ॐ धर्मशास्त्रज्ञायै नमः।
५१० ॐ धनधान्यसमृद्धिकृते नमः।
५११ ॐ धर्मलभ्यायै नमः।
५१२ ॐ धर्मजलायै नमः।
५१३ ॐ धर्मप्रसवधर्मिण्यै नमः।
५१४ ॐ ध्यानगम्यस्वरूपायै नमः।
५१५ ॐ धरण्यै नमः।
५१६ ॐ धातृपूजितायै नमः।
५१७ ॐ ध्वै नमः।
५१८ ॐ धूर्जटिजटासंस्थायै नमः।
५१९ ॐ धन्यायै नमः।
५२० ॐ धियै नमः।
५२१ ॐ धारणावत्यै नमः।
५२२ ॐ नन्दायै नमः।
५२३ ॐ निर्वाणजनन्यै नमः।
५२४ ॐ नन्दिन्यै नमः।
५२५ ॐ नुन्नपातकायै नमः।
५२६ ॐ निषिद्धविघ्ननिचयायै नमः।
५२७ ॐ निजानन्दप्रकाशिन्यै नमः।
५२८ ॐ नभोऽङ्गणचर्यै नमः।
५२९ ॐ नूत्यै नमः।
५३० ॐ नम्यायै नमः।
५३१ ॐ नारायण्यै नमः।
५३२ ॐ नुतायै नमः।
५३३ ॐ निर्मलायै नमः।
५३४ ॐ निर्मलाख्यानायै नमः।
५३५ ॐ तापसम्पदां नाशिन्यै नमः।
५३६ ॐ नियतायै नमः।
५३७ ॐ नित्यसुखदायै नमः।
५३८ ॐ नानाश्चर्यमहानिधये नमः।
५३९ ॐ नद्यै नमः।
५४० ॐ नदसरोमात्रे नमः।
५४१ ॐ नायिकायै नमः।
५४२ ॐ नाकदीर्घिकायै नमः।
५४३ ॐ नष्टोद्धरणधीरायै नमः।
५४४ ॐ नन्दनायै नमः।
५४५ ॐ नन्ददायिन्यै नमः।
५४६ ॐ निर्णिक्ताशेषभुवनायै नमः।
५४७ ॐ निःसङ्गायै नमः।
५४८ ॐ निरुपद्रवायै नमः।
५४९ ॐ निरालम्बायै नमः।
५५० ॐ निष्प्रपञ्चायै नमः।
५५१ ॐ निर्णाशितमहामलायै नमः।
५५२ ॐ निर्मलज्ञानजनन्यै नमः।

६६५ ॐ विपाशायै नमः।
६६६ ॐ वैबुध्यै नमः।
६६७ ॐ वेद्यायै नमः।
६६८ ॐ वेदाक्षररसस्त्रवायै नमः।
६६९ ॐ विद्यायै नमः।
६७० ॐ वेगवत्यै नमः।
६७१ ॐ वन्द्यायै नमः।
६७२ ॐ बृंहण्यै नमः।
६७३ ॐ ब्रह्मवादिन्यै नमः।
६७४ ॐ वरदायै नमः।
६७५ ॐ विप्रकृष्टायै नमः।
६७६ ॐ वरिष्ठायै नमः।
६७७ ॐ विशोधन्यै नमः।
६७८ ॐ विद्याधर्यै नमः।
६७९ ॐ विशोकायै नमः।
६८० ॐ वयोवृन्दनिषेवितायै नमः।
६८१ ॐ बहूदकायै नमः।
६८२ ॐ बलवत्यै नमः।
६८३ ॐ व्योमस्थायै नमः।
६८४ ॐ विबुधप्रियायै नमः।
६८५ ॐ वाण्यै नमः।
६८६ ॐ वेदवत्यै नमः।
६८७ ॐ वित्तायै नमः।
६८८ ॐ ब्रह्मविद्यातरङ्गिण्यै नमः।
६८९ ॐ ब्रह्माण्डकोटिव्याप्ताम्बवे नमः।
६९० ॐ ब्रह्महत्यापहारिण्यै नमः।
६९१ ॐ ब्रह्मेशविष्णुरूपायै नमः।
६९२ ॐ बुद्ध्यै नमः।
६९३ ॐ विभववर्धिन्यै नमः।
६९४ ॐ विलासिसुखदायै नमः।
६९५ ॐ वश्यायै नमः।
६९६ ॐ व्यापिन्यै नमः।
६९७ ॐ वृषारण्यै नमः।
६९८ ॐ वृषाङ्कमौलिनिलयायै नमः।
६९९ ॐ विपन्नार्तिप्रभञ्जन्यै नमः।
७०० ॐ विनीतायै नमः।
७०१ ॐ विनतायै नमः।
७०२ ॐ ब्रध्नतनयायै नमः।
७०३ ॐ विनयान्वितायै नमः।
७०४ ॐ विपञ्च्यै नमः।
७०५ ॐ वाद्यकुशलायै नमः।
७०६ ॐ वेणुश्रुतिविचक्षणायै नमः।
७०७ ॐ वर्चस्कर्यै नमः।
७०८ ॐ बलकर्यै नमः।
७०९ ॐ बलोन्मूलितकल्मषायै नमः।
७१० ॐ विपाप्मायै नमः।
७११ ॐ विगतातङ्कायै नमः।
७१२ ॐ विकल्पपरिवर्जितायै नमः।
७१३ ॐ वृष्टिकर्त्र्यै नमः।
७१४ ॐ वृष्टिजलायै नमः।
७१५ ॐ विधये नमः।
७१६ ॐ विच्छिन्नबन्धनायै नमः।
७१७ ॐ व्रतरूपायै नमः।
७१८ ॐ वित्तरूपायै नमः।
७१९ ॐ बहुविघ्नविनाशकृते नमः।
७२० ॐ वसुधारायै नमः।

६०९ ॐ पापारये नमः।
६१० ॐ पापनामनुते नमः।
६११ ॐ परमैश्वर्यजनन्यै नमः।
६१२ ॐ प्रज्ञायै नमः।
६१३ ॐ प्राज्ञायै नमः।
६१४ ॐ परस्यै नमः।
६१५ ॐ अपरस्यै नमः।
६१६ ॐ प्रत्यक्षलक्ष्म्यै नमः।
६१७ ॐ पद्माक्ष्यै नमः।
६१८ ॐ परव्योमामृतस्रवायै नमः।
६१९ ॐ प्रसन्नरूपायै नमः।
६२० ॐ प्रणिध्यै नमः।
६२१ ॐ पूतायै नमः।
६२२ ॐ प्रत्यक्षदेवतायै नमः।
६२३ ॐ पिनाकिपरमप्रीतायै नमः।
६२४ ॐ परमेष्ठिकमण्डलवे नमः।
६२५ ॐ पद्मनाभपदार्घ्येण प्रसूतायै नमः।
६२६ ॐ पद्ममालिन्यै नमः।
६२७ ॐ परर्द्धिदायै नमः।
६२८ ॐ पुष्टिकर्यै नमः।
६२९ ॐ पथ्यायै नमः।
६३० ॐ पूर्त्यै नमः।
६३१ ॐ प्रभावत्यै नमः।
६३२ ॐ पुनानायै नमः।
६३३ ॐ पीतगर्भघ्न्यै नमः।
६३४ ॐ पापपर्वतनाशिन्यै नमः।
६३५ ॐ फलिन्यै नमः।
६३६ ॐ फलहस्तायै नमः।
६३७ ॐ फुल्लाम्बुजविलोचनायै नमः।
६३८ ॐ फालितैनोमहाक्षेत्रायै नमः।
६३९ ॐ फणिलोकविभूषणायै नमः।
६४० ॐ फेनच्छलप्रणुन्नैनसे नमः।
६४१ ॐ फुल्लकैरवगन्धिन्यै नमः।
६४२ ॐ फेनिलाच्छाम्बुधाराभायै नमः।
६४३ ॐ फडुच्चाटितपातकायै नमः।
६४४ ॐ फाणितस्वादुसलिलायै नमः।
६४५ ॐ फाण्टपथ्यजलाविलायै नमः।
६४६ ॐ विश्वमात्रे नमः।
६४७ ॐ विश्वेश्यै नमः।
६४८ ॐ विश्वस्यै नमः।
६४९ ॐ विश्वेश्वरप्रियायै नमः।
६५० ॐ ब्रह्मण्यायै नमः।
६५१ ॐ ब्रह्मकृते नमः।
६५२ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
६५३ ॐ ब्रह्मिष्ठायै नमः।
६५४ ॐ विमलोदकायै नमः।
६५५ ॐ विभावर्यै नमः।
६५६ ॐ विरजायै नमः।
६५७ ॐ विक्रान्तानेकविष्टपायै नमः।
६५८ ॐ विश्वमित्राय नमः।
६५९ ॐ विष्णुपद्यै नमः।
६६० ॐ वैष्णव्यै नमः।
६६१ ॐ वैष्णवप्रियायै नमः।
६६२ ॐ विरूपाक्षप्रियकर्यै नमः।
६६३ ॐ विभूत्यै नमः।
६६४ ॐ विश्वतोमुख्यै नमः।

७७७ ॐ मानिन्यै नमः।
७७८ ॐ मान्यायै नमः।
७७९ ॐ मनोरथपथातिगायै नमः।
७८० ॐ मोक्षदायै नमः।
७८१ ॐ मतिदायै नमः।
७८२ ॐ मुख्यायै नमः।
७८३ ॐ महाभाग्यजनाश्रितायै नमः।
७८४ ॐ महावेगवत्यै नमः।
७८५ ॐ मेध्यायै नमः।
७८६ ॐ महामहिमभूषणायै नमः।
७८७ ॐ महाप्रभावायै नमः।
७८८ ॐ महत्यै नमः।
७८९ ॐ मीनचञ्चललोचनायै नमः।
७९० ॐ महाकारुण्यसम्पूर्णायै नमः।
७९१ ॐ महर्द्ध्यै नमः।
७९२ ॐ महोत्पलायै नमः।
७९३ ॐ मूर्तिमते नमः।
७९४ ॐ मुक्तिरमण्यै नमः।
७९५ ॐ मणिमाणिक्यभूषणायै नमः।
७९६ ॐ मुक्ताकलापनेपथ्यायै नमः।
७९७ ॐ मनोनयननन्दिन्यै नमः।
७९८ ॐ महापातकराशिघ्न्यै नमः।
७९९ ॐ महादेवार्धहारिण्यै नमः।
८०० ॐ महोर्मिमालिन्यै नमः।
८०१ ॐ मुक्तायै नमः।
८०२ ॐ महादेव्यै नमः।
८०३ ॐ मनोन्मन्यै नमः।
८०४ ॐ महापुण्योदयप्राप्यायै नमः।
८०५ ॐ मायातिमिरचन्द्रिकायै नमः।
८०६ ॐ महाविद्यायै नमः।
८०७ ॐ महामायायै नमः।
८०८ ॐ महामेधायै नमः।
८०९ ॐ महौषधाय नमः।
८१० ॐ मालाधर्यै नमः।
८११ ॐ महोपायायै नमः।
८१२ ॐ महोरगविभूषणायै नमः।
८१३ ॐ महामोहप्रशमन्यै नमः।
८१४ ॐ महामङ्गलमङ्गलाय नमः।
८१५ ॐ मार्तण्डमण्डलचर्यै नमः।
८१६ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
८१७ ॐ मदोज्झितायै नमः।
८१८ ॐ यशस्विन्यै नमः।
८१९ ॐ यशोदायै नमः।
८२० ॐ योग्यायै नमः।
८२१ ॐ युक्तात्मसेवितायै नमः।
८२२ ॐ योगसिद्धिप्रदायै नमः।
८२३ ॐ याज्यायै नमः।
८२४ ॐ यज्ञेशपरिपूरितायै नमः।
८२५ ॐ यज्ञेश्यै नमः।
८२६ ॐ यज्ञफलदायै नमः।
८२७ ॐ यजनीयायै नमः।
८२८ ॐ यशस्कर्यै नमः।
८२९ ॐ यमिसेव्यायै नमः।
८३० ॐ योगयोन्यै नमः।
८३१ ॐ योगिन्यै नमः।
८३२ ॐ युक्तबुद्धिदायै नमः।

७२१ ॐ वसुमत्यै नमः।
७२२ ॐ विचित्राङ्ग्यै नमः।
७२३ ॐ विभावसवे नमः।
७२४ ॐ विजयायै नमः।
७२५ ॐ विश्वबीजायै नमः।
७२६ ॐ वामदेव्यै नमः।
७२७ ॐ वरप्रदायै नमः।
७२८ ॐ वृषाश्रितायै नमः।
७२९ ॐ विषघ्न्यै नमः।
७३० ॐ विज्ञानोर्म्यंशुमालिन्यै नमः।
७३१ ॐ भव्यायै नमः।
७३२ ॐ भोगवत्यै नमः।
७३३ ॐ भद्रायै नमः।
७३४ ॐ भवान्यै नमः।
७३५ ॐ भूतभाविन्यै नमः।
७३६ ॐ भूतधात्र्यै नमः।
७३७ ॐ भयहरायै नमः।
७३८ ॐ भक्तदारिद्र्यघातिन्यै नमः।
७३९ ॐ भुक्तिमुक्तिप्रदायै नमः।
७४० ॐ भेश्यै नमः।
७४१ ॐ भक्तस्वर्गापवर्गदायै नमः।
७४२ ॐ भागीरथ्यै नमः।
७४३ ॐ भानुमत्यै नमः।
७४४ ॐ भाग्याय नमः।
७४५ ॐ भोगवत्यै नमः।
७४६ ॐ भृत्यै नमः।
७४७ ॐ भवप्रियायै नमः।
७४८ ॐ भवद्वेष्ट्र्यै नमः।
७४९ ॐ भूतिदायै नमः।
७५० ॐ भूतिभूषणायै नमः।
७५१ ॐ भाललोचनभावज्ञायै नमः।
७५२ ॐ भूतभव्यभवत्प्रभवे नमः।
७५३ ॐ भ्रान्तिज्ञानप्रशमन्यै नमः।
७५४ ॐ भिन्नब्रह्माण्डमण्डपायै नमः।
७५५ ॐ भूरिदायै नमः।
७५६ ॐ भक्तसुलभायै नमः।
७५७ ॐ भाग्यवद्दृष्टिगोचर्यै नमः।
७५८ ॐ भञ्जितोपप्लवकुलायै नमः।
७५९ ॐ भक्ष्यभोज्यसुखप्रदायै नमः।
७६० ॐ भिक्षणीयायै नमः।
७६१ ॐ भिक्षुमात्रे नमः।
७६२ ॐ भावायै नमः।
७६३ ॐ भावस्वरूपिण्यै नमः।
७६४ ॐ मन्दाकिन्यै नमः।
७६५ ॐ महानन्दायै नमः।
७६६ ॐ मात्रे नमः।
७६७ ॐ मुक्तितरङ्गिण्यै नमः।
७६८ ॐ महोदयायै नमः।
७६९ ॐ मधुमत्यै नमः।
७७० ॐ महापुण्यायै नमः।
७७१ ॐ मुदाकर्यै नमः।
७७२ ॐ मुनिस्तुतायै नमः।
७७३ ॐ मोहहन्त्र्यै नमः।
७७४ ॐ महातीर्थायै नमः।
७७५ ॐ मधुस्त्रवायै नमः।
७७६ ॐ माधव्यै नमः।

८८९ ॐ ललितायै नमः।
८९० ॐ लयभङ्गिगायै नमः।
८९१ ॐ लोकबन्धवे नमः।
८९२ ॐ लोकधात्र्यै नमः।
८९३ ॐ लोकोत्तरगुणोर्जितायै नमः।
८९४ ॐ लोकत्रयहितायै नमः।
८९५ ॐ लोकायै नमः।
८९६ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
८९७ ॐ लक्षणलक्षितायै नमः।
८९८ ॐ लीलायै नमः।
८९९ ॐ लक्षितनिर्वाणायै नमः।
९०० ॐ लावण्यामृतवर्षिण्यै नमः।
९०१ ॐ वैश्वानर्यै नमः।
९०२ ॐ वासवेड्यायै नमः।
९०३ ॐ वन्ध्यत्वपरिहारिण्यै नमः।
९०४ ॐ वासुदेवांघ्रिरेणुघ्न्यै नमः।
९०५ ॐ वज्रिवज्रनिवारिण्यै नमः।
९०६ ॐ शुभावत्यै नमः।
९०७ ॐ शुभफलायै नमः।
९०८ ॐ शान्त्यै नमः।
९०९ ॐ शंतनुवल्लभायै नमः।
९१० ॐ शूलिन्यै नमः।
९११ ॐ शैशववयसे नमः।
९१२ ॐ शीतलामृतवाहिन्यै नमः।
९१३ ॐ शोभावत्यै नमः।
९१४ ॐ शीलवत्यै नमः।
९१५ ॐ शोषिताशेषकिल्बिषायै नमः।
९१६ ॐ शरण्यायै नमः।
९१७ ॐ शिवदायै नमः।
९१८ ॐ शिष्टायै नमः।
९१९ ॐ शरजन्मप्रस्वै नमः।
९२० ॐ शिवायै नमः।
९२१ ॐ शक्त्यै नमः।
९२२ ॐ शशाङ्कविमलायै नमः।
९२३ ॐ शमनस्वसृसम्मतायै नमः।
९२४ ॐ शमायै नमः।
९२५ ॐ शमनमार्गघ्न्यै नमः।
९२६ ॐ शितिकण्ठमहाप्रियायै नमः।
९२७ ॐ शुच्यै नमः।
९२८ ॐ शुचिकर्यै नमः।
९२९ ॐ शेषायै नमः।
९३० ॐ शेषशायिपदोद्भवायै नमः।
९३१ ॐ श्रीनिवासश्रुत्यै नमः।
९३२ ॐ श्रद्धायै नमः।
९३३ ॐ श्रीमत्यै नमः।
९३४ ॐ श्रियै नमः।
९३५ ॐ शुभव्रतायै नमः।
९३६ ॐ शुद्धविद्यायै नमः।
९३७ ॐ शुभावर्तायै नमः।
९३८ ॐ श्रुतानन्दायै नमः।
९३९ ॐ श्रुतिस्तुत्यै नमः।
९४० ॐ शिवेतरघ्न्यै नमः।
९४१ ॐ शबर्यै नमः।
९४२ ॐ शाम्बरीरूपधारिण्यै नमः।
९४३ ॐ श्मशानशोधन्यै नमः।
९४४ ॐ शान्तायै नमः।
९४५ ॐ शश्वच्छतधृतिस्तुतायै नमः।
९४६ ॐ शालिन्यै नमः।

८३३ ॐ योगज्ञानप्रदायै नमः।
८३४ ॐ युक्तायै नमः।
८३५ ॐ यमाद्यष्टाङ्गयोगयुजे नमः।
८३६ ॐ यन्त्रिताघौघसंचारायै नमः।
८३७ ॐ यमलोकनिवारिण्यै नमः।
८३८ ॐ यातायातप्रशमन्यै नमः।
८३९ ॐ यातनानामकृन्तन्यै नमः।
८४० ॐ यामिनीशहिमाच्छोदायै नमः।
८४१ ॐ युगधर्मविवर्जितायै नमः।
८४२ ॐ रेवत्यै नमः।
८४३ ॐ रतिकृते नमः।
८४४ ॐ रम्यायै नमः।
८४५ ॐ रत्नगर्भायै नमः।
८४६ ॐ रमायै नमः।
८४७ ॐ रत्यै नमः।
८४८ ॐ रत्नाकरप्रेमपात्राय नमः।
८४९ ॐ रसज्ञायै नमः।
८५० ॐ रसरूपिण्यै नमः।
८५१ ॐ रत्नप्रासादगर्भायै नमः।
८५२ ॐ रमणीयतरङ्गिण्यै नमः।
८५३ ॐ रत्नार्चिषे नमः।
८५४ ॐ रुद्ररमण्यै नमः।
८५५ ॐ रागद्वेषविनाशिन्यै नमः।
८५६ ॐ रमायै नमः।
८५७ ॐ रामायै नमः।
८५८ ॐ रम्यरूपायै नमः।
८५९ ॐ रोगिजीवानुरूपिण्यै नमः।
८६० ॐ रुचिकृते नमः।
८६१ ॐ रोचन्यै नमः।
८६२ ॐ रम्यायै नमः।
८६३ ॐ रुचिरायै नमः।
८६४ ॐ रोगहारिण्यै नमः।
८६५ ॐ राजहंसायै नमः।
८६६ ॐ रत्नवत्यै नमः।
८६७ ॐ राजत्कल्लोलराजिकायै नमः।
८६८ ॐ रामणीयकरेखायै नमः।
८६९ ॐ रुजायै नमः।
८७० ॐ रोगरोषिण्यै नमः।
८७१ ॐ राकायै नमः।
८७२ ॐ रङ्कार्तिशमन्यै नमः।
८७३ ॐ रम्यायै नमः।
८७४ ॐ रोलम्बराविण्यै नमः।
८७५ ॐ रागिण्यै नमः।
८७६ ॐ रञ्जितशिवायै नमः।
८७७ ॐ रूपलावण्यशेवध्यै नमः।
८७८ ॐ लोकप्रस्वै नमः।
८७९ ॐ लोकवन्द्यायै नमः।
८८० ॐ लोलत्कल्लोलमालिन्यै नमः।
८८१ ॐ लीलावत्यै नमः।
८८२ ॐ लोकभूम्यै नमः।
८८३ ॐ लोकलोचनचन्द्रिकायै नमः।
८८४ ॐ लेखस्रवन्त्यै नमः।
८८५ ॐ लटभायै नमः।
८८६ ॐ लघुवेगायै नमः।
८८७ ॐ लघुत्वहृते नमः।
८८८ ॐ लास्यत्तरङ्गहस्तायै नमः।

॥ श्रीयमुनादेव्यै नमः ॥

श्रीयमुनासहस्रनामस्तोत्रम्

मान्धातोवाच

नाम्नां सहस्रं कृष्णायाः सर्वसिद्धिकरं परम्।
वद मां मुनिशार्दूल त्वं सर्वज्ञः निरामयः॥ १॥

सौभरिरुवाच

नाम्नां सहस्रं कालिन्द्या मान्धातस्ते वदाम्यहम्।
सर्वसिद्धिकरं दिव्यं श्रीकृष्णवशकारकम्॥ २॥

अस्य श्रीकालिन्दीसहस्रनामस्तोत्रमन्त्रस्य सौभरिर्ऋषिः, श्रीयमुना देवता, अनुष्टुप् छन्दः, मायाबीजमिति कीलकम्, रमाबीजमिति शक्तिः, श्रीकलिन्दनन्दिनीप्रसादसिद्ध्यर्थे पाठे विनियोगः।

ध्यानम्

ॐ श्यामामम्भोजनेत्रां सघनघनरुचिं रत्नमञ्जीरकूजत्
काञ्चीकेयूरयुक्तां कनकमणिमये बिभ्रतीं कुण्डले द्वे।
भ्राजच्छ्रीनीलवस्त्रां स्फुरदमलचलद्धारभारां मनोज्ञां
ध्यायेन्मार्तण्डपुत्रीं तनुकिरणचयोद्दीप्तदीपाभिरामाम्*॥ ३॥

स्तोत्रम्

ॐ कालिन्दी यमुना कृष्णा कृष्णरूपा सनातनी।
कृष्णवामांससम्भूता परमानन्दरूपिणी॥ ४॥

---

* जो श्यामा (श्यामवर्णा एवं षोडश वर्षकी अवस्थावाली) हैं, जिनके नेत्र प्रफुल्ल कमल-दलकी शोभाको छीने लेते हैं, घनीभूत मेघके समान जिनकी नील कान्ति है, जो रत्नोंद्वारा निर्मित बजते हुए नूपुर और झनकारती हुई करधनी एवं केयूर आदि आभूषणोंसे युक्त हैं तथा कानोंमें सुवर्ण एवं मणिनिर्मित दो कुण्डल धारण करती हैं, दीप्तिमती नीली साड़ीपर चमकते हुए गजमौक्तिकके चञ्चल हारका भार वहन करनेसे अत्यन्त मनोहर जान पड़ती हैं, शरीरसे छिटकती हुई किरणोंकी राशिसे उद्दीप्त होनेके कारण जिनकी प्रज्वलित दीपमालाके समान शोभा हो रही है, उन सूर्यनन्दिनी यमुनाजीका मैं ध्यान करता हूँ।

९४७ ॐ शालिशोभाढ्यायै नमः।
९४८ ॐ शिखिवाहनगर्भभृते नमः।
९४९ ॐ शंसनीयचरित्रायै नमः।
९५० ॐ शातिताशेषपातकायै नमः।
९५१ ॐ षड्गुणैश्वर्यसम्पन्नायै नमः।
९५२ ॐ षडङ्गश्रुतिरूपिण्यै नमः।
९५३ ॐ षण्ढताहरिसलिलायै नमः।
९५४ ॐ स्त्यायन्नदनदीशतायै नमः।
९५५ ॐ सरिद्वरायै नमः।
९५६ ॐ सुरसायै नमः।
९५७ ॐ सुप्रभायै नमः।
९५८ ॐ सुरदीर्घिकायै नमः।
९५९ ॐ स्वः सिन्धवे नमः।
९६० ॐ सर्वदुःखघ्न्यै नमः।
९६१ ॐ सर्वव्याधिमहौषधाय नमः।
९६२ ॐ सेव्यायै नमः।
९६३ ॐ सिद्धयै नमः।
९६४ ॐ सत्यै नमः।
९६५ ॐ सूक्त्यै नमः।
९६६ ॐ स्कन्दस्वै नमः।
९६७ ॐ सरस्वत्यै नमः।
९६८ ॐ सम्पत्तरङ्गिण्यै नमः।
९६९ ॐ स्तुत्यायै नमः।
९७० ॐ स्थाणुमौलिकृतालयायै नमः।
९७१ ॐ स्थैर्यदायै नमः।
९७२ ॐ सुभगायै नमः।
९७३ ॐ सौख्यायै नमः।
९७४ ॐ स्त्रीषु सौभाग्यदायिन्यै नमः।
९७५ ॐ स्वर्गनिःश्रेणिकायै नमः।
९७६ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
९७७ ॐ स्वधायै नमः।
९७८ ॐ स्वाहायै नमः।
९७९ ॐ सुधाजलायै नमः।
९८० ॐ समुद्ररूपिण्यै नमः।
९८१ ॐ स्वर्ग्यायै नमः।
९८२ ॐ सर्वपातकवैरिण्यै नमः।
९८३ ॐ स्मृताघहारिण्यै नमः।
९८४ ॐ सीतायै नमः।
९८५ ॐ संसाराब्धितरङ्गिकायै नमः।
९८६ ॐ सौभाग्यसुन्दर्यै नमः।
९८७ ॐ संध्यायै नमः।
९८८ ॐ सर्वसारसमन्वितायै नमः।
९८९ ॐ हरप्रियायै नमः।
९९० ॐ हृषीकेश्यै नमः।
९९१ ॐ हंसरूपायै नमः।
९९२ ॐ हिरणमय्यै नमः।
९९३ ॐ हृताघसंघायै नमः।
९९४ ॐ हितकृते नमः।
९९५ ॐ हेलायै नमः।
९९६ ॐ हेलाघगर्वहृते नमः।
९९७ ॐ क्षेमदायै नमः।
९९८ ॐ क्षालिताघौघायै नमः।
९९९ ॐ क्षुद्रविद्राविण्यै नमः।
१००० ॐ क्षमायै नमः।

॥ इति श्रीस्कन्दपुराणान्तर्गते काशीखण्डे श्रीगङ्गासहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



जलस्थिता श्यामलाङ्गी खाण्डवाभा विहारिणी।
गाण्डीवविभाषिणी वन्या श्रीकृष्णं वरमिच्छती॥ १७॥
द्वारकागमना राज्ञी पट्टराज्ञी परङ्गता।
महाराज्ञी रत्नभूषा गोमती तीरचारिणी॥ १८॥
स्वकीया स्वसुखा स्वार्था स्वभक्तकार्यसाधिनी।
नवलाङ्गाऽबला मुग्धा वराङ्गा वामलोचना॥ १९॥
अजातयौवनाऽदीना प्रभा कान्तिर्द्युतिश्छविः।
सुशोभा परमा कीर्तिः कुशलाज्ञातयौवना॥ २०॥
नवोढा मध्यगा मध्या प्रौढिः प्रौढा प्रगल्भका।
धीराऽधीरा धैर्यधरा ज्येष्ठा श्रेष्ठा कुलाङ्गना॥ २१॥
क्षणप्रभा चञ्चलाच्यर्या विद्युत्सौदामिनी तडित्।
स्वाधीनपतिका लक्ष्मीः पुष्टा स्वाधीनभर्तृका॥ २२॥
कलहान्तरिता भीरुरिच्छा प्रोत्कण्ठिताकुला।
कशिपुस्था दिव्यशय्या गोविन्दहृतमानसा॥ २३॥
खण्डिताखण्डशोभाढ्या विप्रलब्धाभिसारिका।
विरहार्ता विरहिणी नारी प्रोषितभर्तृका॥ २४॥
मानिनी मानदा प्राज्ञा मन्दारवनवासिनी।
झङ्कारिणी झणत्कारी रणन्मञ्जीरनूपुरा॥ २५॥
मेखलामेखलाकाञ्ची श्रीकाञ्ची काञ्चनामयी।
कञ्चुकी कञ्चुकमणिः श्रीकण्ठाढ्या महामणिः॥ २६॥
श्रीहारिणी पद्महारा मुक्ता मुक्तफलार्चिता।
रत्नकङ्कणकेयूरा स्फुरदङ्गुलिभूषणा॥ २७॥

गोलोकवासिनी श्यामा वृन्दावनविनोदिनी।
राधासखी रासलीला रासमण्डलमण्डिनी॥ ५ ॥
निकुञ्जवासिनी वल्ली रङ्गवल्ली मनोहरा।
श्रीरासमण्डलीभूता यूथीभूता हरिप्रिया॥ ६ ॥
गोलोकतटिनी दिव्या निकुञ्जतलवासिनी।
दीर्घोर्मिवेगगम्भीरा पुष्पपल्लववाहिनी॥ ७ ॥
घनश्यामा मेघमाला बलाका पद्ममालिनी।
परिपूर्णतमा पूर्णा पूर्णब्रह्मप्रिया परा॥ ८ ॥
महावेगवती साक्षान्निकुञ्जद्वारनिर्गता।
महानदी मन्दगतिर्विरजावेगभेदिनी॥ ९ ॥
अनेकब्रह्माण्डगता ब्रह्मद्रवसमाकुला।
गङ्गामिश्रा निर्मलाभा निर्मला सरितां वरा॥ १० ॥
रत्नबद्धोभयतटी हंसपद्मादिसंकुला।
नदी निर्मलपानीया सर्वब्रह्माण्डपावनी॥ ११ ॥
वैकुण्ठपरिखीभूता परिखा पापहारिणी।
ब्रह्मलोकगता ब्राह्मी स्वर्गा स्वर्गनिवासिनी॥ १२ ॥
उल्लसन्ती प्रोत्पतन्ती मेरुमाला महोज्ज्वला।
श्रीगङ्गाम्भःशिखरिणी गण्डशैलविभेदिनी॥ १३ ॥
देशान्पुनन्ती गच्छन्ती वहन्ती भूमिमध्यगा।
मार्तण्डतनूजा पुण्या कलिन्दगिरिनन्दिनी॥ १४ ॥
यमस्वसा मन्दहासा सुद्विजा रचिताम्बरा।
नीलाम्बरा पद्ममुखी चरन्ती चारुदर्शना॥ १५ ॥
रम्भोरूः पद्मनयना माधवी प्रमदोत्तमा।
तपश्चरन्ती सुश्रोणी कूजन्नूपुरमेखला॥ १६ ॥

पुण्यसंघा पुण्यकीर्तिः पुण्यदा पुण्यवर्द्धिनी।
मधुवननदी मुख्यातुला तालवनस्थिता॥ ३९॥
कुमुद्वननदी कुब्जा कुमुदाम्भोजवर्द्धिनी।
प्लवरूपा वेगवती सिंहसर्पादिवाहिनी॥ ४०॥
बहुली बहुदा बह्वी बहुला वनवन्दिता।
राधाकुण्डकलाराध्या कृष्णकुण्डजलाश्रिता॥ ४१॥
ललिताकुण्डगा घंटा विशाखा कुण्डमण्डिता।
गोविन्दकुण्डनिलया गोपकुण्डतरङ्गिणी॥ ४२॥
श्रीगङ्गा मानसीगङ्गा कुसुमाम्बरभाविनी।
गोवर्धिनी गोधनाढ्या मयूरवरवर्णिनी॥ ४३॥
सारसी नीलकण्ठाभा कूजत्कोकिलपोतकी।
गिरिराजप्रसूर्भूरिरातपत्रातपत्रिणी॥ ४४॥
गोवर्द्धनाङ्कगा गोदन्ती दिव्यौषधिनिधिः सृतिः।
पारदी पारदमयी नारदी शारदी भृतिः॥ ४५॥
श्रीकृष्णचरणाङ्कस्थाकामा कामवनाञ्चिता।
कामाटवी नन्दिनी च नन्दग्राममही धरा॥ ४६॥
बृहत्सानुद्युतिप्रोता नन्दीश्वरसमन्विता।
काकली कोकिलमयी भाण्डीरकुशकौशला॥ ४७॥
लोहार्गलप्रदा कारा काश्मीरवसना वृता।
बर्हिषदी शोणपुरी शूरक्षेत्रपुराधिका॥ ४८॥
नानाभरणशोभाढ्या नानावर्णसमन्विता।
नानानारीकदम्बाढ्या नानारङ्गमहीरुहा॥ ४९॥

दर्पणा दर्पणीभूता दुष्टदर्पविनाशिनी।
कम्बुग्रीवा कम्बुधरा ग्रैवेयकविराजिता॥ २८॥
ताटङ्किनी दन्तधरा हेमकुण्डलमण्डिता।
शिखाभूषा भालपुष्पा नासामौक्तिकशोभिता॥ २९॥
मणिभूमिगता देवी रैवताद्रिविहारिणी।
वृन्दावनगता वृन्दा वृन्दारण्यनिवासिनी॥ ३०॥
वृन्दावनलता माध्वी वृन्दारण्यविभूषणा।
सौन्दर्यलहरी लक्ष्मीर्मथुरातीर्थवासिनी॥ ३१॥
विश्रान्तवासिनी काम्या रम्या गोकुलवासिनी।
रमणस्थलशोभाढ्या महावनमहानदी॥ ३२॥
प्रणता प्रोन्नता पुष्टा भारती भरतार्चिता।
तीर्थराजगतिर्गोत्रा गङ्गासागरसङ्गमा॥ ३३॥
सप्ताब्धिभेदिनी लोला सप्तद्वीपगता बलात्।
लुठन्ती शैलभिद्यन्ती स्फुरन्ती वेगवत्तरा॥ ३४॥
काञ्चनी काञ्चनीभूमिः काञ्चनीभूमिभाविता।
लोकदृष्टिर्लोकलीला लोकालोकाचलार्चिता॥ ३५॥
शैलोद्गता स्वर्गगता स्वर्गार्चा स्वर्गपूजिता।
वृन्दावनी वनाध्यक्षा रक्षा कक्षा तटीपटी॥ ३६॥
असिकुण्डगता कच्छा स्वच्छन्दोच्छलितादिजा।
कुहरस्था रथप्रस्था प्रस्था शान्ततरातुरा॥ ३७॥
अम्बुच्छटा शीकराभा दर्दुरा दार्दुरीधरा।
पापाङ्कुशा पापसिंही पापद्रुमकुठारिणी॥ ३८॥

शनैश्चरानुजा कीला चन्द्रवंशविवर्द्धिनी।
चन्द्रवंशवधूश्चन्द्रा चन्द्रावलिसहायिनी॥ ६१॥
चन्द्रावती चन्द्रलेखा चन्द्रकान्तानुगांशुका।
भैरवी पिङ्गलाशंकी लीलावत्यागरीमयी॥ ६२॥
धनश्रीर्देवगान्धारी स्वर्मणिर्गुणवर्द्धिनी।
व्रजमल्लार्यन्धकरी विचित्रा जयकारिणी॥ ६३॥
गान्धारी मञ्जरी टोडी गुर्ज्जर्य्याशावरी जया।
कर्णाटी रागिणी गौरी वैराटी गौरवाटिका॥ ६४॥
चतुश्चन्द्रा कलाहेरी तैलङ्गी विजयावती।
ताली तालस्वरा गाना क्रियामात्रप्रकाशिनी॥ ६५॥
वैशाखी चञ्चला चारुर्माचारी घूघटी घटा।
वैरागरी सोरटीशा कैदारी जलधारिका॥ ६६॥
कामाकरश्रीकल्याणी गौडकल्याणमिश्रिता।
रामसञ्जीवनी हेला मन्दारी कामरूपिणी॥ ६७॥
सारङ्गी मारुती होढा सागरी कामवादिनी।
वैभासी मङ्गला चान्द्री रासमण्डलमण्डना॥ ६८॥
कामधेनुः कामलता कामदा कमनीयका।
कल्पवृक्षस्थली स्थूला क्षुधा सौधनिवासिनी॥ ६९॥
गोलोकवासिनी सुभ्रूर्यष्टिभृद्द्वारपालिका।
शृङ्गारप्रकरा शृङ्गा स्वच्छा शय्योपकारिका॥ ७०॥
पार्षदा सुमुखी सेव्या श्रीवृन्दावनपालिका।
निकुञ्जभृत्कुञ्जपुञ्जा गुञ्जाभरणभूषिता॥ ७१॥

नानालोकगताभ्यर्चिर्नानाजलसमन्विता ।
स्त्रीरत्नं रत्ननिलया ललना रत्नरञ्जिनी ॥ ५० ॥
रङ्गिणी रङ्गभूमाढ्या रङ्गा रङ्गमहीरुहा ।
राजविद्या राजगुह्या जगत्कीर्तिर्घनाघना ॥ ५१ ॥
विलोलघंटा कृष्णाङ्गा कृष्णादेहसमुद्भवा ।
नीलपङ्कजवर्णाभा नीलपङ्कजहारिणी ॥ ५२ ॥
नीलाभा नीलपद्माढ्या नीलाम्भोरुहवासिनी ।
नागवल्ली नागपुरी नागवल्लीदलार्चिता ॥ ५३ ॥
ताम्बूलचर्चिता चर्चा मकरन्दमनोहरा ।
सकेशरा केशरिणी केशपाशाभिशोभिता ॥ ५४ ॥
कज्जलाभा कज्जलाक्ता कज्जली कलिताञ्जना ।
अलक्तचरणा ताम्रा लाला ताम्रीकृताम्बरा ॥ ५५ ॥
सिन्दूरितालिप्तवाणी सुश्री श्रीखण्डमण्डिता ।
पाटीरपङ्कवसना जटामांसी स्त्रगम्बरा ॥ ५६ ॥
आगर्य्यगुरुगन्धाक्ता तगराश्रितमारुता ।
सुगन्धितैलरुचिरा कुन्तलालिः सकुन्तला ॥ ५७ ॥
शकुन्तलाऽपांसुला च पातिव्रत्यपरायणा ।
सूर्यप्रभा सूर्यकन्या सूर्यदेहसमुद्भवा ॥ ५८ ॥
कोटिसूर्यप्रतीकाशा सूर्यजा सूर्यनन्दिनी ।
संज्ञा संज्ञासुता स्वेच्छा संज्ञामोदप्रदायिनी ॥ ५९ ॥
संज्ञापुत्री स्फुरच्छाया तपतीतापकारिणी ।
सावर्ण्यानुभवा देवी वडवा सौख्यदायिनी ॥ ६० ॥

तत्त्वसंघा विराण्मूर्तिर्धारणा धारणामयी।
श्रुतिः स्मृतिर्वेदमूर्तिः संहिता गर्गसंहिता॥ ८३॥
पाराशरी सैव सृष्टिः पारहंसी विधातृका।
याज्ञवल्की भागवती श्रीमद्भागवतार्चिता॥ ८४॥
रामायणमयी रम्या पुराणपुरुषप्रिया।
पुराणमूर्तिः पुण्याङ्गा शास्त्रमूर्तिर्महोन्नता॥ ८५॥
मनीषा धिषणा बुद्धिर्वाणी धीः शेमुषी मतिः।
गायत्री वेदसावित्री ब्रह्माणी ब्रह्मलक्षणा॥ ८६॥
दुर्गापर्णा सती सत्या पार्वती चण्डिकाम्बिका।
आर्या दाक्षायणी दाक्षी दक्षयज्ञविघातिनी॥ ८७॥
पुलोमजा शचीन्द्राणी देवी देववरार्पिता।
वायुना धारिणी धन्या वायवी वायुवेगगा॥ ८८॥
यमानुजा संयमनी संज्ञाच्छाया स्फुरद्द्युतिः।
रत्नवेदी रत्नवृन्दा तारा तरणिमण्डला॥ ८९॥
रुचिः शान्तिः क्षमा शोभा दया दक्षा द्युतिस्त्रपा।
तलतुष्टिर्विभा पुष्टिः सन्तुष्टिः पुष्टभावना॥ ९०॥
चतुर्भुजा चारुनेत्रा द्विभुजाष्टभुजाबला।
शङ्खहस्ता पद्महस्ता चक्रहस्ता गदाधरा॥ ९१॥
निषङ्गधारिणी चर्मखड्गपाणिर्धनुर्धरा।
धनुष्टंकारिणी योद्ध्री दैत्योद्भटविनाशिनी॥ ९२॥
रथस्था गरुडारूढा श्रीकृष्णहृदयस्थिता।
वंशीधरा कृष्णवेषा स्रग्विणी वनमालिनी॥ ९३॥

निकुञ्जवासिनी प्रोष्या गोवर्द्धनतटीभवा।
विशाखा ललिता रामा नीरुजा मधुमाधवी ॥ ७२ ॥
एका नैकसखी शुक्ला सखीमध्या महामनाः।
श्रुतिरूपा ऋषिरूपा मैथिलाः कौशलाः स्त्रियः ॥ ७३ ॥
अयोध्यापुरवासिन्यो यज्ञसीताः पुलिन्दकाः।
रमावैकुण्ठवासिन्यः श्वेतद्वीपसखीजनाः ॥ ७४ ॥
ऊर्ध्ववैकुण्ठवासिन्यो दिव्याजितपदाश्रिताः।
श्रीलोकाचलवासिन्यः श्रीसख्यः सागरोद्भवाः ॥ ७५ ॥
दिव्या अदिव्या दिव्याङ्गा व्याप्तास्त्रिगुणवृत्तयः।
भूमिगोप्यो देवनार्य्यो लता ओषधिवीरुधः ॥ ७६ ॥
जालन्धर्य्यः सिन्धुसुताः पृथुबर्हिष्मतीभवाः।
दिव्याम्बरा अप्सरसः सौतला नागकन्यकाः ॥ ७७ ॥
परं धाम परं ब्रह्म पौरुषा प्रकृतिः परा।
तटस्था गुणभूर्गीता गुणागुणमयी गुणा ॥ ७८ ॥
चिद्घना सदसन्माला दृष्टिर्दृश्या गुणाकरी।
महत्तत्त्वमहङ्कारो मनो बुद्धिः प्रचेतना ॥ ७९ ॥
चेतो वृत्तिः स्वान्तरात्मा चतुर्थी चतुरक्षरा।
चतुर्व्यूहा चतुर्मूर्तिर्व्योमवायुरदो जलम् ॥ ८० ॥
मही शब्दो रसो गन्धः स्पर्शो रूपमनेकधा।
कर्मेन्द्रियं कर्ममयी ज्ञानं ज्ञानेन्द्रियं द्विधा ॥ ८१ ॥
त्रिधाधिभूतमध्यात्ममधिदैवमधिष्ठितम्।
ज्ञानशक्तिः क्रियाशक्तिः सर्वदेवाधिदेवता ॥ ८२ ॥

सायंतनी शिखावेध्या सूक्ष्मा जीवकला कृतिः।
आत्मभूता भाविताऽण्वी प्रह्वी कमलकर्णिका॥ १०५॥
नीराजनी महाविद्या कन्दली कार्यसाधनी।
पूजा प्रतिष्ठा विपुला पुनन्ती पारलौकिकी॥ १०६॥
शुक्लशुक्तिर्मौक्तिका च प्रतीतिः परमेश्वरी।
विरजोष्णिग् विराड् वेणी वेणुका वेणुनादिनी॥ १०७॥
आवर्तिनी वार्तिकदा वार्त्ता वृत्तिर्विमानगा।
रासाढ्या रासिनी रासा रासमण्डलवर्तिनी॥ १०८॥
गोपगोपीश्वरी गोपी गोपीगोपालवन्दिता।
गोचारिणी गोपनदी गोपानन्दप्रदायिनी॥ १०९॥
पशव्यदा गोपसेव्या कोटिशो गोगणावृता।
गोपानुगा गोपवती गोविन्दपदपादुका॥ ११०॥
वृषभानुसुता राधा श्रीकृष्णवशकारिणी।
कृष्णप्राणाधिका शश्वद्रसिका रसिकेश्वरी॥ १११॥
अवटोदा ताम्रपर्णी कृतमाला विहायसी।
कृष्णा वेणी भीमरथी तापी रेवा महापगा॥ ११२॥
वैयासकी च कावेरी तुङ्गभद्रा सरस्वती।
चन्द्रभागा वेत्रवती ऋषिकुल्या ककुद्मिनी॥ ११३॥
गौतमी कौशिकी सिन्धुर्बाणगङ्गातिसिद्धिदा।
गोदावरी रत्नमाला गङ्गा मन्दाकिनी बला॥ ११४॥
स्वर्णदी जाह्नवी वेला वैष्णवी मङ्गलालया।
बाला विष्णुपदीप्रोक्ता सिन्धुसागरसङ्गता॥ ११५॥

किरीटधारिणी याना मन्दमन्दगतिर्गतिः।
चन्द्रकोटिप्रतीकाशा तन्वी कोमलविग्रहा॥ ९४ ॥
भैष्मी भीष्मसुताऽभीमा रुक्मिणी रुक्मरूपिणी।
सत्यभामा जाम्बवती सत्या भद्रा सुदक्षिणा॥ ९५ ॥
मित्रविन्दा सखी वृन्दा वृन्दारण्यध्वजोर्ध्वगा।
शृङ्गारकारिणी शृङ्गा शृङ्गभूः शृङ्गदा खगा॥ ९६ ॥
तितिक्षेक्षा स्मृतिः स्पर्धा स्पृहा श्रद्धा स्वनिर्वृतिः।
ईशा तृष्णाभिदा प्रीतिर्हिंसा याच्ञा क्लमा कृषिः॥ ९७ ॥
आशा निद्रा योगनिद्रा योगिनी योगदा युगा।
निष्ठा प्रतिष्ठा शमितिः सत्त्वप्रकृतिरुत्तमा॥ ९८ ॥
तमःप्रकृतिर्दुर्मर्षी रजःप्रकृतिरानतिः।
क्रियाऽक्रियाकृतिर्ग्लानिः सात्त्विक्याध्यात्मिकी वृषा॥ ९९ ॥
सेवा शिखामणिर्वृद्धिराहूतिः सुमतिर्द्युभूः।
रज्जुर्द्विदाम्नी षड्वर्गा संहिता सौख्यदायिनी॥ १००॥
मुक्तिः प्रोक्तिर्देशभाषा प्रकृतिः पिङ्गलोद्भवा।
नागभाषा नागभूषा नागरी नगरी नगा॥ १०१॥
नौर्नौका भवनौर्भाव्या भवसागरसेतुका।
मनोमयी दारुमयी सैकती सिकतामयी॥ १०२॥
लेख्या लेप्या मणिमयी प्रतिमा हेमनिर्मिता।
शैली शैलभवा शीला शीकराभा चलाचला॥ १०३॥
अस्थिता सुस्थिता तूली वैदिकी तान्त्रिकी विधिः।
सन्ध्या सन्ध्याभ्रवसना वेदसन्धिः सुधामयी॥ १०४॥

सर्वतीर्थमयी तीर्था तीर्थानां तीर्थकारिणी।
हारिणी सर्वदोषाणां दायिनी सर्वसम्पदाम्॥ १२७॥
वर्द्धिनी तेजसां साक्षाद्गर्भवासनिकृन्तनी।
गोलोकधामधनिनी निकुञ्जनिजमञ्जरी॥ १२८॥
सर्वोत्तमा सर्वपुण्या सर्वसौन्दर्यशृङ्खला।
सर्वतीर्थोपरिगता सर्वतीर्थाधिदेवता॥ १२९॥

॥ फलश्रुतिः॥

नाम्नां सहस्त्रं कालिन्द्याः कीर्तिदं कामदं परम्।
महापापहरं पुण्यमायुर्वर्द्धनमुत्तमम्॥ १३०॥
एकवारं पठेद्रात्रौ चोरेभ्यो न भयं भवेत्।
द्विवारं प्रपठेन्मार्गे दस्युभ्यो न भयं क्वचित्॥ १३१॥
द्वितीयां तु समारभ्य पठेत्पूर्णावधि द्विजः।
दशवारमिदं भक्त्या ध्यात्वा देवीं कलिन्दजाम्॥ १३२॥
रोगी रोगात्प्रमुच्येत बद्धो मुच्येत बन्धनात्।
गुर्विणी जनयेत्पुत्रं विद्यार्थी पण्डितो भवेत्॥ १३३॥
मोहनं स्तम्भनं शश्वद्वशीकरणमेव च।
उच्चाटनं घातनं च शोषणं दीपनं तथा॥ १३४॥
उन्मादनं तापनं च निधिदर्शनमेव च।
यद्यद्वाञ्छति चित्तेन तत्तत्प्राप्नोति मानवः॥ १३५॥
ब्राह्मणो ब्रह्मवर्चस्वी राजन्यो जगती पतिः।
वैश्यो निधिपतिर्भूयाच्छूद्रः श्रुत्वा तु निर्मलः॥ १३६॥
पूजाकाले तु यो नित्यं पठते भक्तिभावतः।
लिप्यते न स पापेन पद्मपत्रमिवाम्भसा॥ १३७॥

गङ्गासागरशोभाढ्या सामुद्री रत्नदा धुनी।
भागीरथी स्वर्धुनीभूः श्रीवामनपदच्युता॥ ११६॥
लक्ष्मी रमा रमणीया भार्गवी विष्णुवल्लभा।
सीतार्चिर्जानकी माता कलङ्करहिता कला॥ ११७॥
कृष्णपादाब्जसम्भूता सर्वा त्रिपथगामिनी।
धरा विश्वम्भराऽनन्ता भूमिर्धात्री क्षमामयी॥ ११८॥
स्थिरा धरित्री धरणिरुर्वी शेषफणस्थिता।
अयोध्या राघवपुरी कौशिकी रघुवंशजा॥ ११९॥
मथुरा माथुरी पन्था यादवी ध्रुवपूजिता।
मयायुर्बिल्वनीलोदा गङ्गाद्वारविनिर्गता॥ १२०॥
कुशावर्तमयी ध्रौव्या ध्रुवमण्डलमध्यगा।
काशी शिवपुरी शेषा विन्ध्या वाराणसी शिवा॥ १२१॥
अवन्तिका देवपुरी प्रोज्ज्वलोज्जयिनी जिता।
द्वारावती द्वारकामा कुशभूता कुशस्थली॥ १२२॥
महापुरी सप्तपुरी नन्दिग्रामस्थलस्थिता।
शालग्रामशिलादित्या सम्भलग्राममध्यगा॥ १२३॥
वंशगोपालिनी क्षिप्ता हरिमन्दिरवर्तिनी।
बर्हिष्मती हस्तिपुरी शक्रप्रस्थनिवासिनी॥ १२४॥
दाडिमी सैन्धवी जम्बुः पौष्करी पुष्करप्रसूः।
उत्पलावर्तगमना नैमिषी नैमिषावृता॥ १२५॥
कुरुजाङ्गलभूः काली हैमवत्यार्बुदी बुधा।
शूकरक्षेत्रविदिता श्वेतवाराहधारिता॥ १२६॥

॥ श्रीयमुनादेव्यै नमः ॥

श्रीयमुनासहस्त्रनामावलिः

१ ॐ कालिन्द्यै नमः।
२ ॐ यमुनायै नमः।
३ ॐ कृष्णायै नमः।
४ ॐ कृष्णरूपायै नमः।
५ ॐ सनातन्यै नमः।
६ ॐ कृष्णवामांससम्भूतायै नमः।
७ ॐ परमानन्दरूपिण्यै नमः।
८ ॐ गोलोकवासिन्यै नमः।
९ ॐ श्यामायै नमः।
१० ॐ वृन्दावनविनोदिन्यै नमः।
११ ॐ राधासख्यै नमः।
१२ ॐ रासलीलायै नमः।
१३ ॐ रासमण्डलमण्डिन्यै नमः।
१४ ॐ निकुञ्जवासिन्यै नमः।
१५ ॐ वल्ल्यै नमः।
१६ ॐ रङ्गवल्ल्यै नमः।
१७ ॐ मनोहरायै नमः।
१८ ॐ श्रियै नमः।
१९ ॐ रासमण्डलीभूतायै नमः।
२० ॐ यूथीभूतायै नमः।
२१ ॐ हरिप्रियायै नमः।
२२ ॐ गोलोकतटिन्यै नमः।
२३ ॐ दिव्यायै नमः।
२४ ॐ निकुञ्जतलवासिन्यै नमः।
२५ ॐ दीर्घायै नमः।
२६ ॐ ऊर्मिवेगगम्भीरायै नमः।
२७ ॐ पुष्पपल्लववाहिन्यै नमः।
२८ ॐ घनश्यामायै नमः।
२९ ॐ मेघमालायै नमः।
३० ॐ बलाकायै नमः।
३१ ॐ पद्ममालिन्यै नमः।
३२ ॐ परिपूर्णतमायै नमः।
३३ ॐ पूर्णायै नमः।
३४ ॐ पूर्णब्रह्मप्रियायै नमः।
३५ ॐ परस्यै नमः।
३६ ॐ महावेगवत्यै नमः।
३७ ॐ साक्षान्निकुञ्जद्वारनिर्गतायै नमः।
३८ ॐ महानद्यै नमः।
३९ ॐ मन्दगत्यै नमः।
४० ॐ विरजावेगभेदिन्यै नमः।
४१ ॐ अनेकब्रह्माण्डगतायै नमः।
४२ ॐ ब्रह्मद्रवसमाकुलायै नमः।
४३ ॐ गङ्गामिश्रायै नमः।
४४ ॐ निर्मलाभायै नमः।
४५ ॐ निर्मलायै नमः।
४६ ॐ सरितां वरायै नमः।
४७ ॐ रत्नबद्धोभयतट्यै नमः।
४८ ॐ हंसपद्मादिसंकुलायै नमः।
४९ ॐ नद्यै नमः।
५० ॐ निर्मलपानीयायै नमः।

शतवारं पठेन्नित्यं वर्षावधिमतः परम्।
पटलं पद्धतिं कृत्वा स्तवं च कवचं तथा॥ १३८॥
सप्तद्वीपमहीराज्यं प्राप्नुयान्नात्र संशयः।
निष्कारणं पठेद्यस्तु यमुनाभक्तिसंयुतः॥ १३९॥
त्रैवर्ग्यमेत्य सुकृती जीवन्मुक्तो भवेदिह॥ १४०॥
निकुञ्जलीलाललितं मनोहरं
कलिन्दजाकूललताकदम्बकम्।
वृन्दावनोन्मत्तमिलिन्दशब्दितं
व्रजेत्स गोलोकमिदं पठेच्च यः॥ १४१॥

॥ इति श्रीगर्गसंहितायां श्रीमाधुर्यखण्डे श्रीयमुनासहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



१०७ ॐ नवलाङ्गायै नमः।
१०८ ॐ अबलायै नमः।
१०९ ॐ मुग्धायै नमः।
११० ॐ वराङ्गायै नमः।
१११ ॐ वामलोचनायै नमः।
११२ ॐ अजातयौवनायै नमः।
११३ ॐ अदीनायै नमः।
११४ ॐ प्रभायै नमः।
११५ ॐ कान्त्यै नमः।
११६ ॐ द्युत्यै नमः।
११७ ॐ छव्यै नमः।
११८ ॐ सुशोभायै नमः।
११९ ॐ परमायै नमः।
१२० ॐ कीर्त्यै नमः।
१२१ ॐ कुशलायै नमः।
१२२ ॐ अज्ञातयौवनायै नमः।
१२३ ॐ नवोढायै नमः।
१२४ ॐ मध्यगायै नमः।
१२५ ॐ मध्यायै नमः।
१२६ ॐ प्रौढ्यै नमः।
१२७ ॐ प्रौढायै नमः।
१२८ ॐ प्रगल्भकायै नमः।
१२९ ॐ धीरायै नमः।
१३० ॐ अधीरायै नमः।
१३१ ॐ धैर्यधरायै नमः।
१३२ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
१३३ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
१३४ ॐ कुलाङ्गनायै नमः।
१३५ ॐ क्षणप्रभायै नमः।
१३६ ॐ चञ्चलायै नमः।
१३७ ॐ अर्च्चायै नमः।
१३८ ॐ विद्युते नमः।
१३९ ॐ सौदामन्यै नमः।
१४० ॐ तडिते नमः।
१४१ ॐ स्वाधीनपतिकायै नमः।
१४२ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
१४३ ॐ पुष्टायै नमः।
१४४ ॐ स्वाधीनभर्तृकायै नमः।
१४५ ॐ कलहान्तरितायै नमः।
१४६ ॐ भीर्वै नमः।
१४७ ॐ इच्छायै नमः।
१४८ ॐ प्रोत्कण्ठितायै नमः।
१४९ ॐ आकुलायै नमः।
१५० ॐ कशिपुस्थायै नमः।
१५१ ॐ दिव्यशय्यायै नमः।
१५२ ॐ गोविन्दहृतमानसायै नमः।
१५३ ॐ खण्डितायै नमः।
१५४ ॐ अखण्डशोभाढ्यायै नमः।
१५५ ॐ विप्रलब्धायै नमः।
१५६ ॐ अभिसारिकायै नमः।
१५७ ॐ विरहार्तायै नमः।
१५८ ॐ विरहिण्यै नमः।
१५९ ॐ नार्यै नमः।
१६० ॐ प्रोषितभर्तृकायै नमः।
१६१ ॐ मानिन्यै नमः।
१६२ ॐ मानदायै नमः।

५१ ॐ सर्वब्रह्माण्डपावन्यै नमः ।
५२ ॐ वैकुण्ठपरिखीभूतायै नमः ।
५३ ॐ परिखायै नमः ।
५४ ॐ पापहारिण्यै नमः ।
५५ ॐ ब्रह्मलोकगतायै नमः ।
५६ ॐ ब्राह्म्यै नमः ।
५७ ॐ स्वर्गायै नमः ।
५८ ॐ स्वर्गनिवासिन्यै नमः ।
५९ ॐ उल्लसन्त्यै नमः ।
६० ॐ प्रोत्पतन्त्यै नमः ।
६१ ॐ मेरुमालायै नमः ।
६२ ॐ महोज्ज्वलायै नमः ।
६३ ॐ श्रीगङ्गाम्भःशिखरिण्यै नमः ।
६४ ॐ गण्डशैलविभेदिन्यै नमः ।
६५ ॐ देशान् पुनन्त्यै नमः ।
६६ ॐ गच्छन्त्यै नमः ।
६७ ॐ वहन्त्यै नमः ।
६८ ॐ भूमिमध्यगायै नमः ।
६९ ॐ मार्तण्डतनूजायै नमः ।
७० ॐ पुण्यायै नमः ।
७१ ॐ कलिन्दगिरिनन्दिन्यै नमः ।
७२ ॐ यमस्वस्त्रे नमः ।
७३ ॐ मन्दहासायै नमः ।
७४ ॐ सुद्विजायै नमः ।
७५ ॐ रचिताम्बरायै नमः ।
७६ ॐ नीलाम्बरायै नमः ।
७७ ॐ पद्ममुख्यै नमः ।
७८ ॐ चरन्त्यै नमः ।
७९ ॐ चारुदर्शनायै नमः ।
८० ॐ रम्भोरुभ्यां नमः ।
८१ ॐ पद्मनयनायै नमः ।
८२ ॐ माधव्यै नमः ।
८३ ॐ प्रमदायै नमः ।
८४ ॐ उत्तमायै नमः ।
८५ ॐ तपश्चरन्त्यै नमः ।
८६ ॐ सुश्रोण्यै नमः ।
८७ ॐ कूजन्नूपुरमेखलायै नमः ।
८८ ॐ जलस्थितायै नमः ।
८९ ॐ श्यामलाङ्ग्यै नमः ।
९० ॐ खाण्डवाभायै नमः ।
९१ ॐ विहारिण्यै नमः ।
९२ ॐ गाण्डीविभाषिण्यै नमः ।
९३ ॐ वन्यायै नमः ।
९४ ॐ श्रीकृष्णं वरमिच्छन्त्यै नमः ।
९५ ॐ द्वारकागमनायै नमः ।
९६ ॐ राज्ञे नमः ।
९७ ॐ पट्टराज्ञे नमः ।
९८ ॐ परंगतायै नमः ।
९९ ॐ महाराज्ञे नमः ।
१०० ॐ रत्नभूषायै नमः ।
१०१ ॐ गोमत्यै नमः ।
१०२ ॐ तीरचारिण्यै नमः ।
१०३ ॐ स्वकीयायै नमः ।
१०४ ॐ सुखायै नमः ।
१०५ ॐ स्वार्थायै नमः ।
१०६ ॐ स्वभक्तकार्यसाधिन्यै नमः ।

२१९ ॐ तीर्थराजगत्यै नमः।
२२० ॐ गोत्रायै नमः।
२२१ ॐ गङ्गासागरसंगमायै नमः।
२२२ ॐ सप्ताब्धिभेदिन्यै नमः।
२२३ ॐ लोलायै नमः।
२२४ ॐ बलात् सप्तद्वीपगतायै नमः।
२२५ ॐ लुठन्त्यै नमः।
२२६ ॐ शैलभिद्यन्त्यै नमः।
२२७ ॐ स्फुरन्त्यै नमः।
२२८ ॐ वेगवत्तरायै नमः।
२२९ ॐ काञ्चन्यै नमः।
२३० ॐ काञ्चनीभूम्यै नमः।
२३१ ॐ काञ्चनीभूमिभावितायै नमः।
२३२ ॐ लोकदृष्ट्यै नमः।
२३३ ॐ लोकलीलायै नमः।
२३४ ॐ लोकालोकाचलार्चितायै नमः।
२३५ ॐ शैलोद्गतायै नमः।
२३६ ॐ स्वर्गगतायै नमः।
२३७ ॐ स्वर्गार्चायै नमः।
२३८ ॐ स्वर्गपूजितायै नमः।
२३९ ॐ वृन्दावन्यै नमः।
२४० ॐ वनाध्यक्षायै नमः।
२४१ ॐ रक्षायै नमः।
२४२ ॐ कक्षायै नमः।
२४३ ॐ तटीपट्यै नमः।
२४४ ॐ असिकुण्डगतायै नमः।
२४५ ॐ कच्छायै नमः।
२४६ ॐ स्वच्छन्दायै नमः।
२४७ ॐ उच्छलितायै नमः।
२४८ ॐ आदिजायै नमः।
२४९ ॐ कुहरस्थायै नमः।
२५० ॐ रथप्रस्थायै नमः।
२५१ ॐ प्रस्थायै नमः।
२५२ ॐ शान्ततरायै नमः।
२५३ ॐ आतुरायै नमः।
२५४ ॐ अम्बुच्छटायै नमः।
२५५ ॐ शीकराभायै नमः।
२५६ ॐ दर्दुरायै नमः।
२५७ ॐ दार्दुरीधरायै नमः।
२५८ ॐ पापाङ्कुशायै नमः।
२५९ ॐ पापसिंह्यै नमः।
२६० ॐ पापद्रुमकुठारिण्यै नमः।
२६१ ॐ पुण्यसंघायै नमः।
२६२ ॐ पुण्यकीर्त्यै नमः।
२६३ ॐ पुण्यदायै नमः।
२६४ ॐ पुण्यवर्द्धिन्यै नमः।
२६५ ॐ मधुवननद्यै नमः।
२६६ ॐ मुख्यायै नमः।
२६७ ॐ अतुलायै नमः।
२६८ ॐ तालवनस्थितायै नमः।
२६९ ॐ कुमुद्वननद्यै नमः।
२७० ॐ कुब्जायै नमः।
२७१ ॐ कुमुदायै नमः।
२७२ ॐ अम्भोजवर्द्धिन्यै नमः।
२७३ ॐ प्लवरूपायै नमः।
२७४ ॐ वेगवत्यै नमः।

१६३ ॐ प्राज्ञायै नमः।
१६४ ॐ मन्दारवनवासिन्यै नमः।
१६५ ॐ झंकारिण्यै नमः।
१६६ ॐ झणत्कार्यै नमः।
१६७ ॐ रणन्मञ्जीरनूपुरायै नमः।
१६८ ॐ मेखलायै नमः।
१६९ ॐ अमेखलायै नमः।
१७० ॐ काञ्च्यै नमः।
१७१ ॐ श्रीकाञ्च्यै नमः।
१७२ ॐ काञ्चनामय्यै नमः।
१७३ ॐ कञ्चुक्यै नमः।
१७४ ॐ कञ्चुकमण्यै नमः।
१७५ ॐ श्रीकण्ठायै नमः।
१७६ ॐ आढ्यायै नमः।
१७७ ॐ महामण्यै नमः।
१७८ ॐ श्रीहारिण्यै नमः।
१७९ ॐ पद्महारायै नमः।
१८० ॐ मुक्तायै नमः।
१८१ ॐ मुक्तफलार्चितायै नमः।
१८२ ॐ रत्नकङ्कणकेयूरायै नमः।
१८३ ॐ स्फुरदङ्गुलिभूषणायै नमः।
१८४ ॐ दर्पणायै नमः।
१८५ ॐ दर्पणीभूतायै नमः।
१८६ ॐ दुष्टदर्पविनाशिन्यै नमः।
१८७ ॐ कम्बुग्रीवायै नमः।
१८८ ॐ कम्बुधरायै नमः।
१८९ ॐ ग्रैवेयकविराजितायै नमः।
१९० ॐ ताटङ्किन्यै नमः।
१९१ ॐ दन्तधरायै नमः।
१९२ ॐ हेमकुण्डलमण्डितायै नमः।
१९३ ॐ शिखाभूषायै नमः।
१९४ ॐ भालपुष्पायै नमः।
१९५ ॐ नासामौक्तिकशोभितायै नमः।
१९६ ॐ मणिभूमिगतायै नमः।
१९७ ॐ देव्यै नमः।
१९८ ॐ रैवताद्रिविहारिण्यै नमः।
१९९ ॐ वृन्दावनगतायै नमः।
२०० ॐ वृन्दायै नमः।
२०१ ॐ वृन्दारण्यनिवासिन्यै नमः।
२०२ ॐ वृन्दावनलतायै नमः।
२०३ ॐ माध्व्यै नमः।
२०४ ॐ वृन्दारण्यविभूषणायै नमः।
२०५ ॐ सौन्दर्यलहर्यै नमः।
२०६ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
२०७ ॐ मथुरातीर्थवासिन्यै नमः।
२०८ ॐ विश्रान्तवासिन्यै नमः।
२०९ ॐ काम्यायै नमः।
२१० ॐ रम्यायै नमः।
२११ ॐ गोकुलवासिन्यै नमः।
२१२ ॐ रमणस्थलशोभाढ्यायै नमः।
२१३ ॐ महावनमहानद्यै नमः।
२१४ ॐ प्रणतायै नमः।
२१५ ॐ प्रोन्नतायै नमः।
२१६ ॐ पुष्टायै नमः।
२१७ ॐ भारत्यै नमः।
२१८ ॐ भरतार्चितायै नमः।

३३१ ॐ नानाभरणशोभाढ्यायै नमः।
३३२ ॐ नानावर्णसमन्वितायै नमः।
३३३ ॐ नानानारीकदम्बाढ्यायै नमः।
३३४ ॐ नानारङ्गमहीरुहायै नमः।
३३५ ॐ नानालोकगतायै नमः।
३३६ ॐ अभ्यर्च्यै नमः।
३३७ ॐ नानाजलसमन्वितायै नमः।
३३८ ॐ स्त्रीरत्नाय नमः।
३३९ ॐ रत्ननिलयायै नमः।
३४० ॐ ललनायै नमः।
३४१ ॐ रत्नरञ्जिन्यै नमः।
३४२ ॐ रङ्गिण्यै नमः।
३४३ ॐ रङ्गभूमाढ्यायै नमः।
३४४ ॐ रङ्गायै नमः।
३४५ ॐ रङ्गमहीरुहायै नमः।
३४६ ॐ राजविद्यायै नमः।
३४७ ॐ राजगुह्यायै नमः।
३४८ ॐ जगत्कीर्त्यै नमः।
३४९ ॐ घनायै नमः।
३५० ॐ अघनायै नमः।
३५१ ॐ विलोलघण्टायै नमः।
३५२ ॐ कृष्णाङ्गायै नमः।
३५३ ॐ कृष्णदेहसमुद्भवायै नमः।
३५४ ॐ नीलपङ्कजवर्णाभायै नमः।
३५५ ॐ नीलपङ्कजहारिण्यै नमः।
३५६ ॐ नीलाभायै नमः।
३५७ ॐ नीलपद्माढ्यायै नमः।
३५८ ॐ नीलाम्भोरुहवासिन्यै नमः।
३५९ ॐ नागवल्ल्यै नमः।
३६० ॐ नागपुर्यै नमः।
३६१ ॐ नागवल्लीदलार्चितायै नमः।
३६२ ॐ ताम्बूलचर्चितायै नमः।
३६३ ॐ चर्चायै नमः।
३६४ ॐ मकरन्दमनोहरायै नमः।
३६५ ॐ सकेशरायै नमः।
३६६ ॐ केशरिण्यै नमः।
३६७ ॐ केशपाशाभिशोभितायै नमः।
३६८ ॐ कज्जलाभायै नमः।
३६९ ॐ कज्जलाक्तायै नमः।
३७० ॐ कज्जल्यै नमः।
३७१ ॐ कलिताञ्जनायै नमः।
३७२ ॐ अलक्तचरणायै नमः।
३७३ ॐ ताम्रायै नमः।
३७४ ॐ लालायै नमः।
३७५ ॐ ताम्रीकृताम्बरायै नमः।
३७६ ॐ सिन्दूरितायै नमः।
३७७ ॐ अलिप्तवाण्यै नमः।
३७८ ॐ सुश्रियै नमः।
३७९ ॐ श्रीखण्डमण्डितायै नमः।
३८० ॐ पाटीरपङ्कवसनायै नमः।
३८१ ॐ जटामांस्यै नमः।
३८२ ॐ स्त्रगम्बरायै नमः।
३८३ ॐ आगर्यै नमः।
३८४ ॐ अगुरुगन्धाक्तायै नमः।
३८५ ॐ तगराश्रितमारुतायै नमः।
३८६ ॐ सुगन्धितैलरुचिरायै नमः।

२७५ ॐ सिंहसर्पादिवाहिन्यै नमः।
२७६ ॐ बहुल्यै नमः।
२७७ ॐ बहुदायै नमः।
२७८ ॐ बह्व्यै नमः।
२७९ ॐ बहुलायै नमः।
२८० ॐ वनवन्दितायै नमः।
२८१ ॐ राधाकुण्डकलायै नमः।
२८२ ॐ आराध्यायै नमः।
२८३ ॐ कृष्णकुण्डजलाश्रितायै नमः।
२८४ ॐ ललिताकुण्डगायै नमः।
२८५ ॐ घण्टायै नमः।
२८६ ॐ विशाखायै नमः।
२८७ ॐ कुण्डमण्डितायै नमः।
२८८ ॐ गोविन्दकुण्डनिलयायै नमः।
२८९ ॐ गोपकुण्डतरंगिण्यै नमः।
२९० ॐ श्रीगङ्गायै नमः।
२९१ ॐ मानसीगङ्गायै नमः।
२९२ ॐ कुसुमाम्बरभाविन्यै नमः।
२९३ ॐ गोवर्द्धिन्यै नमः।
२९४ ॐ गोधनाढ्यायै नमः।
२९५ ॐ मयूरवरवर्णिन्यै नमः।
२९६ ॐ सारस्यै नमः।
२९७ ॐ नीलकण्ठाभायै नमः।
२९८ ॐ कूजत्कोकिलपोतक्यै नमः।
२९९ ॐ गिरिराजप्रस्वै नमः।
३०० ॐ भूर्यै नमः।
३०१ ॐ आतपत्रायै नमः।
३०२ ॐ आतपत्रिण्यै नमः।
३०३ ॐ गोवर्द्धनाङ्कगायै नमः।
३०४ ॐ गोदन्त्यै नमः।
३०५ ॐ दिव्यौषधिनिध्यै नमः।
३०६ ॐ सृत्यै नमः।
३०७ ॐ पारद्यै नमः।
३०८ ॐ पारदमय्यै नमः।
३०९ ॐ नारद्यै नमः।
३१० ॐ शारद्यै नमः।
३११ ॐ भृत्यै नमः।
३१२ ॐ श्रीकृष्णचरणाङ्कस्थायै नमः।
३१३ ॐ अकामायै नमः।
३१४ ॐ कामवनाञ्चितायै नमः।
३१५ ॐ कामाटव्यै नमः।
३१६ ॐ नन्दिन्यै नमः।
३१७ ॐ नन्दग्राममह्यै नमः।
३१८ ॐ धरायै नमः।
३१९ ॐ बृहत्सानुद्युतिप्रोतायै नमः।
३२० ॐ नन्दीश्वरसमन्वितायै नमः।
३२१ ॐ काकल्यै नमः।
३२२ ॐ कोकिलमय्यै नमः।
३२३ ॐ भाण्डीरकुशकौशलायै नमः।
३२४ ॐ लोहार्गलप्रदायै नमः।
३२५ ॐ कारायै नमः।
३२६ ॐ काश्मीरवसनायै नमः।
३२७ ॐ वृतायै नमः।
३२८ ॐ बर्हिषद्यै नमः।
३२९ ॐ शोणपुर्यै नमः।
३३० ॐ शूरक्षेत्रपुराधिकायै नमः।

४४३ ॐ चतुश्चन्द्रायै नमः।
४४४ ॐ कलाहेर्यै नमः।
४४५ ॐ तैलङ्ग्यै नमः।
४४६ ॐ विजयावत्यै नमः।
४४७ ॐ ताल्यै नमः।
४४८ ॐ तालस्वरायै नमः।
४४९ ॐ गानायै नमः।
४५० ॐ क्रियामात्रप्रकाशिन्यै नमः।
४५१ ॐ वैशाख्यै नमः।
४५२ ॐ चञ्चलायै नमः।
४५३ ॐ चार्वै नमः।
४५४ ॐ माचार्यै नमः।
४५५ ॐ घूघट्यै नमः।
४५६ ॐ घटायै नमः।
४५७ ॐ वैरागर्यै नमः।
४५८ ॐ सोरट्यै नमः।
४५९ ॐ ईशायै नमः।
४६० ॐ कैदार्यै नमः।
४६१ ॐ जलधारिकायै नमः।
४६२ ॐ कामाकरश्रियै नमः।
४६३ ॐ कल्याण्यै नमः।
४६४ ॐ गौडकल्याणमिश्रितायै नमः।
४६५ ॐ रामसंजीविन्यै नमः।
४६६ ॐ हेलायै नमः।
४६७ ॐ मन्दार्यै नमः।
४६८ ॐ कामरूपिण्यै नमः।
४६९ ॐ सारङ्ग्यै नमः।
४७० ॐ मारुत्यै नमः।
४७१ ॐ होढायै नमः।
४७२ ॐ सागर्यै नमः।
४७३ ॐ कामवादिन्यै नमः।
४७४ ॐ वैभास्यै नमः।
४७५ ॐ मङ्गलायै नमः।
४७६ ॐ चान्द्र्यै नमः।
४७७ ॐ रासमण्डलमण्डनायै नमः।
४७८ ॐ कामधेन्वै नमः।
४७९ ॐ कामलतायै नमः।
४८० ॐ कामदायै नमः।
४८१ ॐ कमनीयकायै नमः।
४८२ ॐ कल्पवृक्षस्थल्यै नमः।
४८३ ॐ स्थूलायै नमः।
४८४ ॐ क्षुधायै नमः।
४८५ ॐ सौधनिवासिन्यै नमः।
४८६ ॐ गोलोकवासिन्यै नमः।
४८७ ॐ सुभ्रुवै नमः।
४८८ ॐ यष्टिभृते नमः।
४८९ ॐ द्वारपालिकायै नमः।
४९० ॐ शृङ्गारप्रकरायै नमः।
४९१ ॐ शृङ्गायै नमः।
४९२ ॐ स्वच्छायै नमः।
४९३ ॐ शय्योपकारिकायै नमः।
४९४ ॐ पार्षदायै नमः।
४९५ ॐ सुमुख्यै नम।
४९६ ॐ सेव्यायै नमः।
४९७ ॐ श्रीवृन्दावनपालिकायै नमः।
४९८ ॐ निकुञ्जभृते नमः।

३८७ ॐ कुन्तलाल्यै नमः।
३८८ ॐ सकुन्तलायै नमः।
३८९ ॐ शकुन्तलायै नमः।
३९० ॐ अपांसुलायै नमः।
३९१ ॐ पातिव्रत्यपरायणायै नमः।
३९२ ॐ सूर्यप्रभायै नमः।
३९३ ॐ सूर्यकन्यायै नमः।
३९४ ॐ सूर्यदेहसमुद्भवायै नमः।
३९५ ॐ कोटिसूर्यप्रतीकाशायै नमः।
३९६ ॐ सूर्यजायै नमः।
३९७ ॐ सूर्यनन्दिन्यै नमः।
३९८ ॐ संज्ञायै नमः।
३९९ ॐ संज्ञासुतायै नमः।
४०० ॐ स्वेच्छायै नमः।
४०१ ॐ संज्ञामोदप्रदायिन्यै नमः।
४०२ ॐ संज्ञापुत्र्यै नमः।
४०३ ॐ स्फुरच्छायायै नमः।
४०४ ॐ तपतीतापकारिण्यै नमः।
४०५ ॐ सावर्ण्यानुभवायै नमः।
४०६ ॐ देव्यै नमः।
४०७ ॐ वडवायै नमः।
४०८ ॐ सौख्यदायिन्यै नमः।
४०९ ॐ शनैश्चरानुजायै नमः।
४१० ॐ कीलायै नमः।
४११ ॐ चन्द्रवंशविवर्द्धिन्यै नमः।
४१२ ॐ चन्द्रवंशवध्वै नमः।
४१३ ॐ चन्द्रायै नमः।
४१४ ॐ चन्द्रावलिसहायिन्यै नमः।
४१५ ॐ चन्द्रावत्यै नमः।
४१६ ॐ चन्द्रलेखायै नमः।
४१७ ॐ चन्द्रकान्तायै नमः।
४१८ ॐ अनुगायै नमः।
४१९ ॐ अंशुकायै नमः।
४२० ॐ भैरव्यै नमः।
४२१ ॐ पिङ्गलाशङ्क्यै नमः।
४२२ ॐ लीलावत्यै नमः।
४२३ ॐ आगरीमय्यै नमः।
४२४ ॐ धनश्रियै नमः।
४२५ ॐ देवगान्धार्यै नमः।
४२६ ॐ स्वर्मण्यै नमः।
४२७ ॐ गुणवर्द्धिन्यै नमः।
४२८ ॐ व्रजमल्लायै नमः।
४२९ ॐ अर्यन्धकर्यै नमः।
४३० ॐ विचित्रायै नमः।
४३१ ॐ जयकारिण्यै नमः।
४३२ ॐ गान्धार्यै नमः।
४३३ ॐ मञ्जर्यै नमः।
४३४ ॐ टोड्यै नमः।
४३५ ॐ गुर्जर्यै नमः।
४३६ ॐ आशावर्यै नमः।
४३७ ॐ जयायै नमः।
४३८ ॐ कर्णाट्यै नमः।
४३९ ॐ रागिण्यै नमः।
४४० ॐ गौर्यै नमः।
४४१ ॐ वैराट्यै नमः।
४४२ ॐ गौरवाटिकायै नमः।

५५५ ॐ दृष्ट्यै नमः।
५५६ ॐ दृश्यायै नमः।
५५७ ॐ गुणाकर्यै नमः।
५५८ ॐ महत्तत्त्वाय नमः।
५५९ ॐ अहंकाराय नमः।
५६० ॐ मनसे नमः।
५६१ ॐ बुद्ध्यै नमः।
५६२ ॐ प्रचेतनायै नमः।
५६३ ॐ चेतसे नमः।
५६४ ॐ वृत्त्यै नमः।
५६५ ॐ स्वान्तरात्मने नमः।
५६६ ॐ चतुर्थ्यै नमः।
५६७ ॐ चतुरक्षरायै नमः।
५६८ ॐ चतुर्व्यूहायै नमः।
५६९ ॐ चतुर्मूर्त्यै नमः।
५७० ॐ व्योम्ने नमः।
५७१ ॐ वायवे नमः।
५७२ ॐ अदसे नमः।
५७३ ॐ जलाय नमः।
५७४ ॐ मह्यै नमः।
५७५ ॐ शब्दाय नमः।
५७६ ॐ रसाय नमः।
५७७ ॐ गन्धाय नमः।
५७८ ॐ स्पर्शाय नमः।
५७९ ॐ रूपाय नमः।
५८० ॐ अनेकधायै नमः।
५८१ ॐ कर्मेन्द्रियाय नमः।
५८२ ॐ कर्ममय्यै नमः।
५८३ ॐ ज्ञानाय नमः।
५८४ ॐ ज्ञानेन्द्रियाय नमः।
५८५ ॐ द्विधायै नमः।
५८६ ॐ त्रिधायै नमः।
५८७ ॐ अधिभूताय नमः।
५८८ ॐ अध्यात्माय नमः।
५८९ ॐ अधिदैवाय नमः।
५९० ॐ अधिष्ठिताय नमः।
५९१ ॐ ज्ञानशक्त्यै नमः।
५९२ ॐ क्रियाशक्त्यै नमः।
५९३ ॐ सर्वदेवाधिदेवतायै नमः।
५९४ ॐ तत्त्वसंघायै नमः।
५९५ ॐ विराण्मूर्त्यै नमः।
५९६ ॐ धारणायै नमः।
५९७ ॐ धारणामय्यै नमः।
५९८ ॐ श्रुत्यै नमः।
५९९ ॐ स्मृत्यै नमः।
६०० ॐ वेदमूर्त्यै नमः।
६०१ ॐ संहितायै नमः।
६०२ ॐ गर्गसंहितायै नमः।
६०३ ॐ पाराशर्यै नमः।
६०४ ॐ सृष्ट्यै नमः।
६०५ ॐ पारहंस्यै नमः।
६०६ ॐ विधातृकायै नमः।
६०७ ॐ याज्ञवल्क्यै नमः।
६०८ ॐ भागवत्यै नमः।
६०९ ॐ श्रीमद्भागवतार्चितायै नमः।
६१० ॐ रामायणमय्यै नमः।

४९९ ॐ कुञ्जपुञ्जायै नमः।
५०० ॐ गुञ्जाभरणभूषितायै नमः।
५०१ ॐ निकुञ्जवासिन्यै नमः।
५०२ ॐ प्रोष्यायै नमः।
५०३ ॐ गोवर्द्धनतटीभवायै नमः।
५०४ ॐ विशाखायै नमः।
५०५ ॐ ललितायै नमः।
५०६ ॐ रामायै नमः।
५०७ ॐ नीरुजायै नमः।
५०८ ॐ मधुमाधव्यै नमः।
५०९ ॐ एकस्यै नमः।
५१० ॐ नैकसख्यै नमः।
५११ ॐ शुक्लायै नमः।
५१२ ॐ सखीमध्यायै नमः।
५१३ ॐ महामनसे नमः।
५१४ ॐ श्रुतिरूपायै नमः।
५१५ ॐ ऋषिरूपायै नमः।
५१६ ॐ मैथिलाभ्यः स्त्रीभ्यो नमः।
५१७ ॐ कौशलाभ्यः स्त्रीभ्यो नमः।
५१८ ॐ अयोध्यापुरवासिनीभ्यो नमः।
५१९ ॐ यज्ञसीताभ्यो नमः।
५२० ॐ पुलिन्दकाभ्यो नमः।
५२१ ॐ रमावैकुण्ठवासिनीभ्यो नमः।
५२२ ॐ श्वेतद्वीपसखीजनेभ्यो नमः।
५२३ ॐ ऊर्ध्ववैकुण्ठवासिनीभ्यो नमः।
५२४ ॐ दिव्याजितपदाश्रिताभ्यो नमः।
५२५ ॐ श्रीलोकाचलवासिनीभ्यो नमः।
५२६ ॐ श्रीसखीभ्यो नमः।
५२७ ॐ सागरोद्भवाभ्यो नमः।
५२८ ॐ दिव्याभ्यो नमः।
५२९ ॐ अदिव्याभ्यो नमः।
५३० ॐ दिव्याङ्गाभ्यो नमः।
५३१ ॐ व्याप्ताभ्यो नमः।
५३२ ॐ त्रिगुणवृत्तिभ्यो नमः।
५३३ ॐ भूमिगोपीभ्यो नमः।
५३४ ॐ देवनारीभ्यो नमः।
५३५ ॐ लताभ्यो नमः।
५३६ ॐ ओषधिवीरुद्भ्यो नमः।
५३७ ॐ जालन्धरीभ्यो नमः।
५३८ ॐ सिन्धुसुताभ्यो नमः।
५३९ ॐ पृथुबर्हिष्मतीभवाभ्यो नमः।
५४० ॐ दिव्याम्बराभ्यो नमः।
५४१ ॐ अप्सरोभ्यो नमः।
५४२ ॐ सौतलाभ्यो नमः।
५४३ ॐ नागकन्यकाभ्यो नमः।
५४४ ॐ परस्मै धाम्ने नमः।
५४५ ॐ परस्मै ब्रह्मणे नमः।
५४६ ॐ पौरुषायै नमः।
५४७ ॐ प्रकृत्यै परस्यै नमः।
५४८ ॐ तटस्थायै नमः।
५४९ ॐ गुणभ्वै नमः।
५५० ॐ गीतायै नमः।
५५१ ॐ गुणागुणमय्यै नमः।
५५२ ॐ गुणायै नमः।
५५३ ॐ चिद्घनायै नमः।
५५४ ॐ सदसन्मालायै नमः।

६६७ ॐ पुष्ट्यै नमः।
६६८ ॐ संतुष्ट्यै नमः।
६६९ ॐ पुष्टभावनायै नमः।
६७० ॐ चतुर्भुजायै नमः।
६७१ ॐ चारुनेत्रायै नमः।
६७२ ॐ द्विभुजायै नमः।
६७३ ॐ अष्टभुजायै नमः।
६७४ ॐ अबलायै नमः।
६७५ ॐ शङ्खहस्तायै नमः।
६७६ ॐ पद्महस्तायै नमः।
६७७ ॐ चक्रहस्तायै नमः।
६७८ ॐ गदाधरायै नमः।
६७९ ॐ निषङ्गधारिण्यै नमः।
६८० ॐ चर्मखड्गपाणये नमः।
६८१ ॐ धनुर्धरायै नमः।
६८२ ॐ धनुष्टंकारिण्यै नमः।
६८३ ॐ योद्ध्र्यै नमः।
६८४ ॐ दैत्योद्भटविनाशिन्यै नमः।
६८५ ॐ रथस्थायै नमः।
६८६ ॐ गरुडारूढायै नमः।
६८७ ॐ श्रीकृष्णहृदयस्थितायै नमः।
६८८ ॐ वंशीधरायै नमः।
६८९ ॐ कृष्णवेषायै नमः।
६९० ॐ स्रग्विण्यै नमः।
६९१ ॐ वनमालिन्यै नमः।
६९२ ॐ किरीटधारिण्यै नमः।
६९३ ॐ यानायै नमः।
६९४ ॐ मन्दमन्दगत्यै नमः।
६९५ ॐ गत्यै नमः।
६९६ ॐ चन्द्रकोटिप्रतीकाशायै नमः।
६९७ ॐ तन्व्यै नमः।
६९८ ॐ कोमलविग्रहायै नमः।
६९९ ॐ भैष्म्यै नमः।
७०० ॐ भीष्मसुतायै नमः।
७०१ ॐ अभीमायै नमः।
७०२ ॐ रुक्मिण्यै नमः।
७०३ ॐ रुक्मरूपिण्यै नमः।
७०४ ॐ सत्यभामायै नमः।
७०५ ॐ जाम्बवत्यै नमः।
७०६ ॐ सत्यायै नमः।
७०७ ॐ भद्रायै नमः।
७०८ ॐ सुदक्षिणायै नमः।
७०९ ॐ मित्रविन्दायै नमः।
७१० ॐ सख्यै नमः।
७११ ॐ वृन्दायै नमः।
७१२ ॐ वृन्दारण्यध्वजायै नमः।
७१३ ॐ ऊर्ध्वगायै नमः।
७१४ ॐ शृङ्गारकारिण्यै नमः।
७१५ ॐ शृङ्गायै नमः।
७१६ ॐ शृङ्गभ्वै नमः।
७१७ ॐ शृङ्गदायै नमः।
७१८ ॐ खगायै नमः।
७१९ ॐ तितिक्षायै नमः।
७२० ॐ ईक्षायै नमः।
७२१ ॐ स्मृत्यै नमः।
७२२ ॐ स्पर्धायै नमः।

६११ ॐ रम्यायै नमः।
६१२ ॐ पुराणपुरुषप्रियायै नमः।
६१३ ॐ पुराणमूर्त्यै नमः।
६१४ ॐ पुण्याङ्गायै नमः।
६१५ ॐ शास्त्रमूर्त्यै नमः।
६१६ ॐ महोन्नतायै नमः।
६१७ ॐ मनीषायै नमः।
६१८ ॐ धिषणायै नमः।
६१९ ॐ बुद्ध्यै नमः।
६२० ॐ वाण्यै नमः।
६२१ ॐ धियै नमः।
६२२ ॐ शेमुष्यै नमः।
६२३ ॐ मत्यै नमः।
६२४ ॐ गायत्र्यै नमः।
६२५ ॐ वेदसावित्र्यै नमः।
६२६ ॐ ब्रह्माण्यै नमः।
६२७ ॐ ब्रह्मलक्षणायै नमः।
६२८ ॐ दुर्गायै नमः।
६२९ ॐ अपर्णायै नमः।
६३० ॐ सत्यै नमः।
६३१ ॐ सत्यायै नमः।
६३२ ॐ पार्वत्यै नमः।
६३३ ॐ चण्डिकायै नमः।
६३४ ॐ अम्बिकायै नमः।
६३५ ॐ आर्यायै नमः।
६३६ ॐ दाक्षायण्यै नमः।
६३७ ॐ दाक्ष्यै नमः।
६३८ ॐ दक्षयज्ञविघातिन्यै नमः।
६३९ ॐ पुलोमजायै नमः।
६४० ॐ शच्यै नमः।
६४१ ॐ इन्द्राण्यै नमः।
६४२ ॐ देव्यै नमः।
६४३ ॐ देववरार्पितायै नमः।
६४४ ॐ वायुना धारिण्यै नमः।
६४५ ॐ धन्यायै नमः।
६४६ ॐ वायव्यै नमः।
६४७ ॐ वायुवेगगायै नमः।
६४८ ॐ यमानुजायै नमः।
६४९ ॐ संयमन्यै नमः।
६५० ॐ संज्ञायै नमः।
६५१ ॐ छायायै नमः।
६५२ ॐ स्फुरद्द्युत्यै नमः।
६५३ ॐ रत्नवेद्यै नमः।
६५४ ॐ रत्नवृन्दायै नमः।
६५५ ॐ तारायै नमः।
६५६ ॐ तरणिमण्डलायै नमः।
६५७ ॐ रुच्यै नमः।
६५८ ॐ शान्त्यै नमः।
६५९ ॐ क्षमायै नमः।
६६० ॐ शोभायै नमः।
६६१ ॐ दयायै नमः।
६६२ ॐ दक्षायै नमः।
६६३ ॐ द्युत्यै नमः।
६६४ ॐ त्रपायै नमः।
६६५ ॐ तलतुष्ट्यै नमः।
६६६ ॐ विभायै नमः।

७७९ ॐ भवनावे नमः।
७८० ॐ भाव्यायै नमः।
७८१ ॐ भवसागरसेतुकायै नमः।
७८२ ॐ मनोमय्यै नमः।
७८३ ॐ दारुमय्यै नमः।
७८४ ॐ सैकत्यै नमः।
७८५ ॐ सिकतामय्यै नमः।
७८६ ॐ लेख्यायै नमः।
७८७ ॐ लेप्यायै नमः।
७८८ ॐ मणिमय्यै नमः।
७८९ ॐ हेमनिर्मितप्रतिमायै नमः।
७९० ॐ शैल्यै नमः।
७९१ ॐ शैलभवायै नमः।
७९२ ॐ शीलायै नमः।
७९३ ॐ शीकराभायै नमः।
७९४ ॐ चलायै नमः।
७९५ ॐ अचलायै नमः।
७९६ ॐ अस्थितायै नमः।
७९७ ॐ सुस्थितायै नमः।
७९८ ॐ तूल्यै नमः।
७९९ ॐ वैदिक्यै नमः।
८०० ॐ तान्त्रिक्यै नमः।
८०१ ॐ विधये नमः।
८०२ ॐ संध्यायै नमः।
८०३ ॐ संध्याभ्रवसनायै नमः।
८०४ ॐ वेदसंधये नमः।
८०५ ॐ सुधामय्यै नमः।
८०६ ॐ सायंतन्यै नमः।
८०७ ॐ शिखायै नमः।
८०८ ॐ अवेध्यायै नमः।
८०९ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
८१० ॐ जीवकलायै नमः।
८११ ॐ कृत्यै नमः।
८१२ ॐ आत्मभूतायै नमः।
८१३ ॐ भावितायै नमः।
८१४ ॐ अण्व्यै नमः।
८१५ ॐ प्रह्वयै नमः।
८१६ ॐ कमलकर्णिकायै नमः।
८१७ ॐ नीराजन्यै नमः।
८१८ ॐ महाविद्यायै नमः।
८१९ ॐ कंदल्यै नमः।
८२० ॐ कार्यसाधन्यै नमः।
८२१ ॐ पूजायै नमः।
८२२ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
८२३ ॐ विपुलायै नमः।
८२४ ॐ पुनन्त्यै नमः।
८२५ ॐ पारलौकिक्यै नमः।
८२६ ॐ शुक्लशुक्त्यै नमः।
८२७ ॐ मौक्तिकायै नमः।
८२८ ॐ प्रतीत्यै नमः।
८२९ ॐ परमेश्वर्यै नमः।
८३० ॐ विरजायै नमः।
८३१ ॐ उष्णिहे नमः।
८३२ ॐ विराजे नमः।
८३३ ॐ वेण्यै नमः।
८३४ ॐ वेणुकायै नमः।

७२३ ॐ स्पृहायै नमः।
७२४ ॐ श्रद्धायै नमः।
७२५ ॐ स्वनिर्वृत्यै नमः।
७२६ ॐ ईशायै नमः।
७२७ ॐ तृष्णायै नमः।
७२८ ॐ भिदायै नमः।
७२९ ॐ प्रीत्यै नमः।
७३० ॐ हिंसायै नमः।
७३१ ॐ याच्ञायै नमः।
७३२ ॐ क्लमायै नमः।
७३३ ॐ कृष्यै नमः।
७३४ ॐ आशायै नमः।
७३५ ॐ निद्रायै नमः।
७३६ ॐ योगनिद्रायै नमः।
७३७ ॐ योगिन्यै नमः।
७३८ ॐ योगदायै नमः।
७३९ ॐ युगायै नमः।
७४० ॐ निष्ठायै नमः।
७४१ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
७४२ ॐ शमित्यै नमः।
७४३ ॐ सत्त्वप्रकृत्यै नमः।
७४४ ॐ उत्तमायै नमः।
७४५ ॐ तमःप्रकृतिदुर्मर्ष्यै नमः।
७४६ ॐ रजःप्रकृत्यै नमः।
७४७ ॐ आनत्यै नमः।
७४८ ॐ क्रियायै नमः।
७४९ ॐ अक्रियायै नमः।
७५० ॐ कृत्यै नमः।
७५१ ॐ ग्लान्यै नमः।
७५२ ॐ सात्त्विक्यै नमः।
७५३ ॐ आध्यात्मिक्यै नमः।
७५४ ॐ वृषायै नमः।
७५५ ॐ सेवायै नमः।
७५६ ॐ शिखायै नमः।
७५७ ॐ मण्यै नमः।
७५८ ॐ वृद्ध्यै नमः।
७५९ ॐ आहूत्यै नमः।
७६० ॐ सुमत्यै नमः।
७६१ ॐ दिवे नमः।
७६२ ॐ भुवे नमः।
७६३ ॐ रज्जुर्द्विदाम्न्यै नमः।
७६४ ॐ षड्वर्गायै नमः।
७६५ ॐ संहितायै नमः।
७६६ ॐ सौख्यदायिन्यै नमः।
७६७ ॐ मुक्त्यै नमः।
७६८ ॐ प्रोक्त्यै नमः।
७६९ ॐ देशभाषायै नमः।
७७० ॐ प्रकृत्यै नमः।
७७१ ॐ पिङ्गलोद्भवायै नमः।
७७२ ॐ नागभाषायै नमः।
७७३ ॐ नागभूषायै नमः।
७७४ ॐ नागर्यै नमः।
७७५ ॐ नगर्यै नमः।
७७६ ॐ नगायै नमः।
७७७ ॐ नावे नमः।
७७८ ॐ नौकायै नमः।

८९३ ॐ वेलायै नमः।
८९४ ॐ वैष्णव्यै नमः।
८९५ ॐ मङ्गलालयायै नमः।
८९६ ॐ बालायै नमः।
८९७ ॐ विष्णुपदीप्रोक्तायै नमः।
८९८ ॐ सिन्धुसागरसंगतायै नमः।
८९९ ॐ गङ्गासागरशोभाढ्यायै नमः।
९०० ॐ सामुद्र्यै नमः।
९०१ ॐ रत्नदायै नमः।
९०२ ॐ धुन्यै नमः।
९०३ ॐ भागीरथ्यै नमः।
९०४ ॐ स्वर्धुनीभुवे नमः।
९०५ ॐ श्रीवामनपदच्युतायै नमः।
९०६ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
९०७ ॐ रमायै नमः।
९०८ ॐ रमणीयायै नमः।
९०९ ॐ भार्गव्यै नमः।
९१० ॐ विष्णुवल्लभायै नमः।
९११ ॐ सीतायै नमः।
९१२ ॐ अर्चिषे नमः।
९१३ ॐ जानक्यै नमः।
९१४ ॐ मात्रे नमः।
९१५ ॐ कलङ्करहितायै नमः।
९१६ ॐ कलायै नमः।
९१७ ॐ कृष्णपादाब्जसम्भूतायै नमः।
९१८ ॐ सर्वस्यै नमः।
९१९ ॐ त्रिपथगामिन्यै नमः।
९२० ॐ धरायै नमः।
९२१ ॐ विश्वम्भरायै नमः।
९२२ ॐ अनन्तायै नमः।
९२३ ॐ भूम्यै नमः।
९२४ ॐ धात्र्यै नमः।
९२५ ॐ क्षमामय्यै नमः।
९२६ ॐ स्थिरायै नमः।
९२७ ॐ धरित्र्यै नमः।
९२८ ॐ धरण्यै नमः।
९२९ ॐ उर्व्यै नमः।
९३० ॐ शेषफणस्थितायै नमः।
९३१ ॐ अयोध्यायै नमः।
९३२ ॐ राघवपुर्यै नमः।
९३३ ॐ कौशिक्यै नमः।
९३४ ॐ रघुवंशजायै नमः।
९३५ ॐ मथुरायै नमः।
९३६ ॐ माथुर्यै नमः।
९३७ ॐ पथे नमः।
९३८ ॐ यादव्यै नमः।
९३९ ॐ ध्रुवपूजितायै नमः।
९४० ॐ मयायुषे नमः।
९४१ ॐ बिल्वनीलोदायै नमः।
९४२ ॐ गङ्गाद्वारविनिर्गतायै नमः।
९४३ ॐ कुशावर्तमय्यै नमः।
९४४ ॐ ध्रौव्यायै नमः।
९४५ ॐ ध्रुवमण्डलमध्यगायै नमः।
९४६ ॐ काश्यै नमः।
९४७ ॐ शिवपुर्यै नमः।
९४८ ॐ शेषायै नमः।
९४९ ॐ विन्ध्यायै नमः।
९५० ॐ वाराणस्यै नमः।

८३५ ॐ वेणुनादिन्यै नमः।
८३६ ॐ आवर्तिन्यै नमः।
८३७ ॐ वार्तिकदायै नमः।
८३८ ॐ वार्त्तायै नमः।
८३९ ॐ वृत्त्यै नमः।
८४० ॐ विमानगायै नमः।
८४१ ॐ रासाढ्यायै नमः।
८४२ ॐ रासिन्यै नमः।
८४३ ॐ रासायै नमः।
८४४ ॐ रासमण्डलवर्तिन्यै नमः।
८४५ ॐ गोपगोपीश्वर्यै नमः।
८४६ ॐ गोप्यै नमः।
८४७ ॐ गोपीगोपालवन्दितायै नमः।
८४८ ॐ गोचारिण्यै नमः।
८४९ ॐ गोपनद्यै नमः।
८५० ॐ गोपानन्दप्रदायिन्यै नमः।
८५१ ॐ पशव्यदायै नमः।
८५२ ॐ गोपसेव्यायै नमः।
८५३ ॐ कोटिशो गोगणावृतायै नमः।
८५४ ॐ गोपानुगायै नमः।
८५५ ॐ गोपवत्यै नमः।
८५६ ॐ गोविन्दपदपादुकायै नमः।
८५७ ॐ वृषभानुसुतायै नमः।
८५८ ॐ राधायै नमः।
८५९ ॐ श्रीकृष्णवशकारिण्यै नमः।
८६० ॐ कृष्णप्राणाधिकायै नमः।
८६१ ॐ शश्वद्रसिकायै नमः।
८६२ ॐ रसिकेश्वर्यै नमः।
८६३ ॐ अवटोदायै नमः।
८६४ ॐ ताम्रपर्ण्यै नमः।
८६५ ॐ कृतमालायै नमः।
८६६ ॐ विहायस्यै नमः।
८६७ ॐ कृष्णायै नमः।
८६८ ॐ वेण्यै नमः।
८६९ ॐ भीमरथ्यै नमः।
८७० ॐ ताप्यै नमः।
८७१ ॐ रेवायै नमः।
८७२ ॐ महापगायै नमः।
८७३ ॐ वैयासक्यै नमः।
८७४ ॐ कावेर्यै नमः।
८७५ ॐ तुङ्गभद्रायै नमः।
८७६ ॐ सरस्वत्यै नमः।
८७७ ॐ चन्द्रभागायै नमः।
८७८ ॐ वेत्रवत्यै नमः।
८७९ ॐ ऋषिकुल्यायै नमः।
८८० ॐ ककुद्मिन्यै नमः।
८८१ ॐ गौतम्यै नमः।
८८२ ॐ कौशिक्यै नमः।
८८३ ॐ सिन्धवे नमः।
८८४ ॐ बाणगङ्गायै नमः।
८८५ ॐ अतिसिद्धिदायै नमः।
८८६ ॐ गोदावर्यै नमः।
८८७ ॐ रत्नमालायै नमः।
८८८ ॐ गङ्गायै नमः।
८८९ ॐ मन्दाकिन्यै नमः।
८९० ॐ बलायै नमः।
८९१ ॐ स्वर्णद्यै नमः।
८९२ ॐ जाह्नव्यै नमः।

॥ श्रीलक्ष्म्यै नमः ॥

श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

भूयाद्भूयो द्विपद्माभयवरदकरा तप्तकार्तस्वराभा
शुभ्राभ्राभेभयुग्मद्वयकरधृतकुम्भाद्भिरासिच्यमाना ।
रक्तौघाबद्धमौलिर्विमलतरदुकूलार्तवालेपनाढ्या
पद्माक्षी पद्मनाभोरसि कृतवसतिः पद्मगा श्रीः श्रियै नः ॥*

स्तोत्रम्

श्रीः पद्मा प्रकृतिः सत्त्वा शान्ता चिच्छक्तिरव्यया।
केवला निष्कला शुद्धा व्यापिनी व्योमविग्रहा॥ १ ॥
व्योमपद्मकृताधारा परा व्योमामृतोद्भवा।
निर्व्योमा व्योममध्यस्था पञ्चव्योमपदाश्रिता॥ २ ॥
अच्युता व्योमनिलया परमानन्दरूपिणी।
नित्यशुद्धा नित्यतृप्ता निर्विकारा निरीक्षणा॥ ३ ॥
ज्ञानशक्तिः कर्तृशक्तिर्भोक्तृशक्तिः शिखावहा।
स्नेहाभासा निरानन्दा विभूतिर्विमला चला॥ ४ ॥

---

* 'जिन्होंने अपने दोनों हाथोंमें दो पद्म तथा शेष दोमें वर और अभय मुद्राएँ धारण कर रखी हैं, तप्त काञ्चनके समान जिनके शरीरकी कान्ति है, शुभ्र मेघकी-सी आभासे युक्त दो हाथियोंकी सूँड़ोंमें धारण किये हुए कलशोंके जलसे जिनका अभिषेक हो रहा है, रक्तवर्णके माणिक्यादि रत्नोंका मुकुट जिनके सिरपर सुशोभित है, जिनके वस्त्र अत्यन्त स्वच्छ हैं, ऋतुके अनुकूल चन्दनादि आलेपनके द्वारा जिनके अङ्ग लिप्त हैं, पद्मके समान जिनके नेत्र हैं, पद्मनाभ अर्थात् क्षीरशायी विष्णुभगवान्‌के उरःस्थलमें जिनका निवास है, वे कमलके आसनपर विराजमान श्रीदेवी हमारे लिये परम ऐश्वर्यका विधान करें।'

९५१ ॐ शिवायै नमः।
९५२ ॐ अवन्तिकायै नमः।
९५३ ॐ देवपुर्यै नमः।
९५४ ॐ प्रोज्ज्वलायै नमः।
९५५ ॐ उज्जयिन्यै नमः।
९५६ ॐ जितायै नमः।
९५७ ॐ द्वारावत्यै नमः।
९५८ ॐ द्वारकामायै नमः।
९५९ ॐ कुशभूतायै नमः।
९६० ॐ कुशस्थल्यै नमः।
९६१ ॐ महापुर्यै नमः।
९६२ ॐ सप्तपुर्यै नमः।
९६३ ॐ नन्दिग्रामस्थलस्थितायै नमः।
९६४ ॐ शालग्रामशिलादित्यायै नमः।
९६५ ॐसम्भलग्राममध्यगायै नमः।
९६६ ॐ वंशगोपालिन्यै नमः।
९६७ ॐ क्षिप्तायै नमः।
९६८ ॐ हरिमन्दिरवर्तिन्यै नमः।
९६९ ॐ बर्हिष्मत्यै नमः।
९७० ॐ हस्तिपुर्यै नमः।
९७१ ॐ शक्रप्रस्थनिवासिन्यै नमः।
९७२ ॐ दाडिम्यै नमः।
९७३ ॐ सैन्धव्यै नमः।
९७४ ॐ जम्ब्वै नमः।
९७५ ॐ पौष्कर्यै नमः।
९७६ ॐ पुष्करप्रस्वै नमः।
९७७ ॐ उत्पलावर्तगमनायै नमः।
९७८ ॐ नैमिष्यै नमः।
९७९ ॐ नैमिषावृतायै नमः।
९८० ॐ कुरुजाङ्गलभ्वै नमः।
९८१ ॐ काल्यै नमः।
९८२ ॐ हैमवत्यै नमः।
९८३ ॐ आर्बुद्यै नमः।
९८४ ॐ बुधायै नमः।
९८५ ॐ शूकरक्षेत्रविदितायै नमः।
९८६ ॐ श्वेतवाराहधारितायै नमः।
९८७ ॐ सर्वतीर्थमय्यै नमः।
९८८ ॐ तीर्थायै नमः।
९८९ ॐ तीर्थानां तीर्थकारिण्यै नमः।
९९० ॐ सर्वदोषाणां हारिण्यै नमः।
९९१ ॐ सर्वसम्पदां दायिन्यै नमः।
९९२ ॐ तेजसां वर्धिन्यै नमः।
९९३ ॐ साक्षात् गर्भवासनिकृन्तन्यै नमः।
९९४ ॐ गोलोकधाम धनिन्यै नमः।
९९५ ॐ निकुञ्जनिजमञ्जर्यै नमः।
९९६ ॐ सर्वोत्तमायै नमः।
९९७ ॐ सर्वपुण्यायै नमः।
९९८ ॐ सर्वसौन्दर्यशृङ्खलायै नमः।
९९९ ॐ सर्वतीर्थोपरिगतायै नमः।
१००० ॐ सर्वतीर्थाधिदेवतायै नमः।

॥ इति श्रीगर्गसंहितायां श्रीयमुनासहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



लक्ष्मीस्तुष्टिर्महाधीरा शान्तिरापूरणेन वा।
अनुग्रहाशक्तिराद्या जगज्ज्येष्ठा जगद्विधिः॥ १६॥
सत्या प्रह्वा क्रिया योग्या अपर्णा ह्लादिनी शिवा।
सम्पूर्णा ह्लादिनी शुद्धा ज्योतिष्मत्यमृतावहा॥ १७॥
रजोवत्यर्कप्रतिभाऽऽकर्षिणी कर्षिणी रसा।
परावसुमती देवा कान्तिः शान्तिर्मतिः कला॥ १८॥
कला कलङ्करहिता विशालोद्दीपनी रतिः।
सम्बोधिनी हारिणी च प्रभावा भवभूतिदा॥ १९॥
अमृतस्यन्दिनी जीवा जननी खण्डिका स्थिरा।
धूमा कलावती पूर्णा भासुरा सुमतीरसा॥ २०॥
शुद्धा ध्वनिः सृतिः सृष्टिर्विकृतिः कृष्टिरेव च।
प्रापणी प्राणदा प्रह्वा विश्वा पाण्डुरवासिनी॥ २१॥
अवनिर्वज्रनलिका चित्रा ब्रह्माण्डवासिनी।
अनन्तरूपानन्तात्मानन्तस्थानन्तसम्भवा॥ २२॥
महाशक्तिः प्राणशक्तिः प्राणदात्री रतिम्भरा।
महासमूहा निखिला इच्छाधारा सुखावहा॥ २३॥
प्रत्यक्षलक्ष्मीर्निष्कम्पा प्ररोहाबुद्धिगोचरा।
नानादेहा महावर्ता बहुदेहविकासिनी॥ २४॥
सहस्राणी प्रधाना च न्यायवस्तुप्रकाशिका।
सर्वाभिलाषपूर्णेच्छा सर्वा सर्वार्थभाषिणी॥ २५॥
नानास्वरूपचिद्धात्री शब्दपूर्वा पुरातना।
व्यक्ताव्यक्ता जीवकेशा सर्वेच्छापरिपूरिता॥ २६॥

अनन्ता वैष्णवी व्यक्ता विश्वानन्दा विकाशिनी।
शक्तिर्विभिन्नसर्वार्तिः समुद्रपरितोषिणी॥ ५ ॥
मूर्तिः सनातनी हार्दी निस्तरङ्गा निरामया।
ज्ञानज्ञेया ज्ञानगम्या ज्ञानज्ञेयविकाशिनी॥ ६ ॥
स्वच्छन्दशक्तिर्गहना निष्कम्पार्चिः सुनिर्मला।
स्वरूपा सर्वगा पारा बृंहिणी सुगुणोर्जिता॥ ७ ॥
अकलङ्का निराधारा निःसंकल्पा निराश्रया।
असंकीर्णा सुशान्ता च शाश्वती भासुरी स्थिरा॥ ८ ॥
अनौपम्या निर्विकल्पा नियन्त्रा यन्त्रवाहिनी।
अभेद्या भेदिनी भिन्ना भारती वैखरी खगा॥ ९ ॥
अग्राह्या ग्राहिका गूढा गम्भीरा विश्वगोपिनी।
अनिर्देश्याप्रतिहता निर्बीजा पावनी परा॥ १० ॥
अप्रतर्क्या परिमिता भवभ्रान्तिविनाशिनी।
एका द्विरूपा त्रिविधा असंख्याता सुरेश्वरी॥ ११ ॥
सुप्रतिष्ठा महाधात्री स्थितिर्वृद्धिर्ध्रुवा गतिः।
ईश्वरी महिमा ऋद्धिः प्रमोदा उज्ज्वलोद्यमा॥ १२ ॥
अक्षया वर्धमाना च सुप्रकाशा विहङ्गमा।
नीरजा जननी नित्या जया रोचिष्मती शुभा॥ १३ ॥
तपोनुदा च ज्वाला च सुदीप्तिश्चांशुमालिनी।
अप्रमेया त्रिधा सूक्ष्मा परा निर्वाणदायिनी॥ १४ ॥
अवदाता सुशुद्धा च अमोघाख्या परम्परा।
संधानकी शुद्धविद्या सर्वभूतमहेश्वरी॥ १५ ॥

आन्वीक्षिकी त्रयीवार्ता दण्डनीतिर्नयात्मिका।
गौरी वागीश्वरी गोप्त्री गायत्री कमलोद्भवा॥ ३८॥
विश्वम्भरा विश्वरूपा विश्वमाता वसुप्रदा।
सिद्धिः स्वाहा स्वधा स्वस्ति सुधा सर्वार्थसाधिनी॥ ३९॥
इच्छा सृष्टिर्द्युतिर्भूतिः कीर्तिः श्रद्धा दयामतिः।
श्रुतिर्मेधा धृतिर्ह्रीः श्रीर्विद्या विबुधवन्दिता॥ ४०॥
अनसूया घृणा नीतिर्निर्वृतिः कामधुक्करा।
प्रतिज्ञा संततिर्भूतिर्द्यौः प्रज्ञा विश्वमानिनी॥ ४१॥
स्मृतिर्वाग्विश्वजननी पश्यन्ती मध्यमा समा।
संध्या मेधा प्रभा भीमा सर्वाकारा सरस्वती॥ ४२॥
काङ्क्षा माया महामाया मोहिनी माधवप्रिया।
सौम्या भोगा महाभोगा भोगिनी भोगदायिनी॥ ४३॥
सुधौतकनकप्रख्या सुवर्णकमलासना।
हिरण्यगर्भा सुश्रोणी हारिणी रमणी रमा॥ ४४॥
चन्द्रा हिरण्मयी ज्योत्स्ना रम्या शोभा शुभावहा।
त्रैलोक्यमण्डना नारी नरेश्वरवरार्चिता॥ ४५॥
त्रैलोक्यसुन्दरी रामा महाविभववाहिनी।
पद्मस्था पद्मनिलया पद्ममालाविभूषिता॥ ४६॥
पद्मयुग्मधरा कान्ता दिव्याभरणभूषिता।
विचित्ररत्नमुकुटा विचित्राम्बरभूषणा॥ ४७॥
विचित्रमाल्यगन्धाढ्या विचित्रायुधवाहना।
महानारायणी देवी वैष्णवी वीरवन्दिता॥ ४८॥

संकल्पसिद्धा सांख्येया तत्त्वगर्भा धरावहा।
भूतरूपा चित्स्वरूपा त्रिगुणा गुणगर्विता॥ २७॥
प्रजापतीश्वरी रौद्री सर्वाधारा सुखावहा।
कल्याणवाहिका कल्या कलिकल्मषनाशिनी॥ २८॥
नीरूपोद्भिन्नसंताना सुयन्त्रा त्रिगुणालया।
महामाया योगमाया महायोगेश्वरी प्रिया॥ २९॥
महास्त्री विमला कीर्तिर्जया लक्ष्मीर्निरञ्जना।
प्रकृतिर्भगवन्माया शक्तिर्निद्रा यशस्करी॥ ३०॥
चिन्ताबुद्धिर्यशःप्राज्ञाशान्तिराप्रीतिवर्धिनी।
प्रद्युम्नमाता साध्वी च सुखसौभाग्यसिद्धिदा॥ ३१॥
काष्ठा निष्ठा प्रतिष्ठा च ज्येष्ठा श्रेष्ठा जयावहा।
सर्वातिशायिनी प्रीतिर्विश्वशक्तिर्महाबला॥ ३२॥
वरिष्ठा विजया वीरा जयन्ती विजयप्रदा।
हृद्गृहा गोपिनी गुह्या गणगन्धर्वसेविता॥ ३३॥
योगीश्वरी योगमाया योगिनी योगसिद्धिदा।
महायोगेश्वरवृता योगा योगेश्वरप्रिया॥ ३४॥
ब्रह्मेन्द्ररुद्रनमिता सुरासुरवरप्रदा।
त्रिवर्त्मगा त्रिलोकस्था त्रिविक्रमपदोद्भवा॥ ३५॥
सुतारा तारिणी तारा दुर्गा संतारिणी परा।
सुतारिणी तारयन्ती भूरितारेश्वरप्रभा॥ ३६॥
गुह्यविद्या यज्ञविद्या महाविद्या सुशोभिता।
अध्यात्मविद्याविघ्नेशी पद्मस्था परमेष्ठिनी॥ ३७॥

सूर्या हिरण्यप्रकटसदृशी हेममालिनी।
पद्मानना नित्यपुष्टा देवमाताऽमृतोद्भवा॥ ६०॥
महाधना च या शृङ्गी कार्दमी कम्बुकन्धरा।
आदित्यवर्णा चन्द्राभा गन्धद्वारा दुरासदा॥ ६१॥
वरार्चिता वरारोहा वरेण्या विष्णुवल्लभा।
कल्याणी वरदा वामा वामेशी विन्ध्यवासिनी॥ ६२॥
योगनिद्रा योगरता देवकी कामरूपिणी।
कंसविद्राविणी दुर्गा कौमारी कौशिकी क्षमा॥ ६३॥
कात्यायनी कालरात्रिर्निशितृप्ता सुदुर्जया।
विरूपाक्षी विशालाक्षी भक्तानां परिरक्षिणी॥ ६४॥
बहुरूपा स्वरूपा च विरूपा रूपवर्जिता।
घण्टानिनादबहुला जीमूतध्वनिनिःस्वना॥ ६५॥
महादेवेन्द्रमथिनी भ्रुकुटीकुटिलानना।
सत्योपयाचिता चैका कौबेरी ब्रह्मचारिणी॥ ६६॥
आर्या यशोदा सुतदा धर्मकामार्थमोक्षदा।
दारिद्र्यदुःखशमनी घोरदुर्गार्तिनाशिनी॥ ६७॥
भक्तार्तिशमनी भव्या भवभर्गापहारिणी।
क्षीराब्धितनया पद्मा कमला धरणीधरा॥ ६८॥
रुक्मिणी रोहिणी सीता सत्यभामा यशस्विनी।
प्रज्ञाधारामितप्रज्ञा वेदमाता यशोवती॥ ६९॥
समाधिर्भावना मैत्री करुणा भक्तवत्सला।
अन्तर्वेदी दक्षिणा च ब्रह्मचर्यपरा गतिः॥ ७०॥

कालसंकर्षिणी घोरा तत्त्वसंकर्षिणी कला।
जगत्सम्पूरणी विश्वा महाविभवभूषणा॥ ४९॥
वारुणी वरदा व्याख्या घण्टाकर्णविराजिता।
नृसिंही भैरवी ब्राह्मी भास्करी व्योमचारिणी॥ ५०॥
ऐन्द्री कामधेनुः सृष्टिः कामयोनिर्महाप्रभा।
दृष्टा काम्या विश्वशक्तिर्बीजगत्यात्मदर्शना॥ ५१॥
गरुडारूढहृदया चान्द्री श्रीर्मधुरानना।
महोग्ररूपा वाराही नारसिंही हतासुरा॥ ५२॥
युगान्तहुतभुग्ज्वाला कराला पिङ्गला कला।
त्रैलोक्यभूषणा भीमा श्यामा त्रैलोक्यमोहिनी॥ ५३॥
महोत्कटा महारक्ता महाचण्डा महासना।
शङ्खिनी लेखिनी स्वस्थालिखिता खेचरेश्वरी॥ ५४॥
भद्रकाली चैकवीरा कौमारी भवमालिनी।
कल्याणी कामधुग्ज्वालामुखी चोत्पलमालिका॥ ५५॥
बालिका धनदा सूर्या हृदयोत्पलमालिका।
अजिता वर्षिणी रीतिर्भरुण्डा गरुडासना॥ ५६॥
वैश्वानरी महामाया महाकाली विभीषणा।
महामन्दारविभवा शिवानन्दा रतिप्रिया॥ ५७॥
उद्रीतिः पद्ममाला च धर्मवेगा विभावनी।
सत्क्रिया देवसेना च हिरण्यरजताश्रया॥ ५८॥
सहसावर्तमाना च हस्तिनादप्रमोदिनी।
हिरण्यपद्मवर्णा च हरिभद्रा सुदुर्धरा॥ ५९॥

उद्यानननगरद्वारहर्म्योपवनवासिनी ।
कूष्माण्डा दारुणा चण्डा किराती नन्दनालया ॥ ८२ ॥
कालायना कालगम्या भयदा भयनाशिनी ।
सौदामनी मेघरवा दैत्यदानवमर्दिनी ॥ ८३ ॥
जगन्माताभयकरी भूतधर्त्री सुदुर्लभा ।
काश्यपी शुभदात्री च वनमाला शुभा वरा ॥ ८४ ॥
धन्या धन्येश्वरी धन्या रत्नदा वसुवर्धिनी ।
गान्धर्वी रेवती गङ्गा शकुनी विमलानना ॥ ८५ ॥
इडा शान्तिकरी चैव तामसी कमलालया ।
आज्यपा वज्रकौमारी सोमपा कुसुमाश्रया ॥ ८६ ॥
जगत्प्रिया च सरथा दुर्जया खगवाहना ।
मनोभवा कामचारा सिद्धचारणसेविता ॥ ८७ ॥
व्योमलक्ष्मीर्महालक्ष्मीस्तेजोलक्ष्मीः सुजाज्वला ।
रसलक्ष्मीर्जगद्योनिर्गन्धलक्ष्मीर्वनाश्रया ॥ ८८ ॥
श्रवणा श्रावणी नेत्री रसनाप्राणचारिणी ।
विरिञ्चिमाता विभवा वरवारिजवाहना ॥ ८९ ॥
वीर्या वीरेश्वरी वन्द्या विशोका वसुवर्धिनी ।
अनाहता कुण्डलिनी नलिनी वनवासिनी ॥ ९० ॥
गान्धारिणीन्द्रनमिता सुरेन्द्रनमिता सती ।
सर्वमङ्गल्यमाङ्गल्या सर्वकामसमृद्धिदा ॥ ९१ ॥
सर्वानन्दा महानन्दा सत्कीर्तिः सिद्धसेविता ।
सिनीवाली कुहू राका अमा चानुमतिर्द्युतिः ॥ ९२ ॥

दीक्षा वीक्षा परीक्षा च समीक्षा वीरवत्सला।
अम्बिका सुरभिः सिद्धा सिद्धविद्याधरार्चिता॥ ७१॥
सुदीक्षा लेलिहाना च कराला विश्वपूरका।
विश्वसंधारिणी दीप्तिस्तापनी ताण्डवप्रिया॥ ७२॥
उद्भवा विरजा राज्ञी तापनी बिन्दुमालिनी।
क्षीरधारा सुप्रभावा लोकमाता सुवर्चसा॥ ७३॥
हव्यगर्भा चाज्यगर्भा जुह्वतो यज्ञसम्भवा।
आप्यायनी पावनी च दहनी दहनाश्रया॥ ७४॥
मातृका माधवी मुख्या मोक्षलक्ष्मीर्महर्द्धिदा।
सर्वकामप्रदा भद्रा सुभद्रा सर्वमङ्गला॥ ७५॥
श्वेता सुशुक्लवसना शुक्लमाल्यानुलेपना।
हंसाहीनकरी हंसी हृद्या हृत्कमलालया॥ ७६॥
सितातपत्रा सुश्रोणी पद्मपत्रायतेक्षणा।
सावित्री सत्यसंकल्पा कामदाकामकामिनी॥ ७७॥
दर्शनीया दृशा दृश्या स्पृश्या सेव्या वराङ्गना।
भोगप्रिया भोगवती भोगीन्द्रशयनासना॥ ७८॥
आर्द्रा पुष्करिणी पुण्या पावनी पापसूदनी।
श्रीमती च शुभाकारा परमैश्वर्यभूतिदा॥ ७९॥
अचिन्त्यानन्तविभवा भवभावविभावनी।
निश्रेणिः सर्वदेहस्था सर्वभूतनमस्कृता॥ ८०॥
बला बलाधिका देवी गौतमी गोकुलालया।
तोषिणी पूर्णचन्द्राभा एकानन्दा शतानना॥ ८१॥

साङ्गा प्रचण्डा दीप्ता च वैद्युतिः सुमहाद्युतिः।
कपिला नीलरक्ता च सुषुम्णा विस्फुलिङ्गिनी॥ १०४॥
अर्चिष्मती रिपुहरा दीर्घा धूमावली जरा।
सम्पूर्णमण्डला पूषा स्त्रंसिनी सुमनोहरा॥ १०५॥
जया पुष्टिकरीच्छाया मानसाहृदयोज्ज्वला।
सुवर्णकरणी श्रेष्ठा मृतसंजीवनी रणे॥ १०६॥
विशल्यकरणी शुभ्रा संधिनी परमौषधिः।
ब्रह्मिष्ठा ब्रह्मसहिता ऐन्दवी रत्नसम्भवा॥ १०७॥
विद्युत्प्रभा बिन्दुमती त्रिस्वभावागुणाम्बिका।
नित्योदिता नित्यहृष्टा नित्यकामकरीषिणी॥ १०८॥
पद्माङ्का वज्रचिह्ना च वक्रदण्डविभासिनी।
विदेहपूजिता कन्या माया विजयवाहिनी॥ १०९॥
मानिनी मङ्गला मान्या मानिनी मानदायिनी।
विश्वेश्वरी गणवती मण्डला मण्डलेश्वरी॥ ११०॥
हरिप्रिया भौमसुता मनोज्ञा मतिदायिनी।
प्रत्यङ्गिरा सोमगुप्ता मनोऽभिज्ञा वदन्मतिः॥ १११॥
यशोधरा रत्नमाला कृष्णा त्रैलोक्यबन्धनी।
अमृता धारिणी हर्षा विनता वल्लकी शची॥ ११२॥
संकल्पा भामिनी मिश्रा कादम्बर्यमृता प्रभा।
अगता निर्गता वज्रा सुहिता सहिताक्षता॥ ११३॥
सर्वार्थसाधनकरी धातुर्धारणिकामला।
करुणाधारसम्भूता कमलाक्षी शशिप्रिया॥ ११४॥

अरुन्धती वसुमती भार्गवी वास्तुदेवता।
मायूरी वज्रवेताली वज्रहस्ता वरानना॥ ९३ ॥
अनघा धरणिर्धीरा धमनी मणिभूषणा।
राजश्री रूपसहिता ब्रह्मश्रीर्ब्रह्मवन्दिता॥ ९४ ॥
जयश्रीर्जयदा ज्ञेया सर्गश्रीः स्वर्गतिः सताम्।
सुपुष्पा पुष्पनिलया फलश्रीर्निष्कलप्रिया॥ ९५ ॥
धनुर्लक्ष्मीस्त्वमिलिता परक्रोधनिवारिणी।
कद्रूर्धनायुः कपिला सुरसा सुरमोहिनी॥ ९६ ॥
महाश्वेता महानीला महामूर्तिर्विषापहा।
सुप्रभा ज्वालिनी दीप्तिस्तृप्तिर्व्याप्तिः प्रभाकरी॥ ९७ ॥
तेजोवती पद्मबोधा मदलेखारुणावती।
रत्ना रत्नावली भूता शतधामा शतापहा॥ ९८ ॥
त्रिगुणा घोषिणी रक्ष्या नर्दिनी घोषवर्जिता।
साध्यादितिर्दितिर्देवी मृगवाहा मृगाङ्कगा॥ ९९ ॥
चित्रनीलोत्पलगता वृषरत्नकराश्रया।
हिरण्यरजतद्वन्द्वा शङ्खभद्रासनस्थिता॥ १०० ॥
गोमूत्रगोमयक्षीरदधिसर्पिर्जलाश्रया।
मरीचिश्चीरवसना पूर्णा चन्द्रार्कविष्टरा॥ १०१ ॥
सुसूक्ष्मा निर्वृतिः स्थूला निवृत्तारातिरेव च।
मरीचिर्ज्वालिनी धूम्रा हव्यवाहा हिरण्यदा॥ १०२ ॥
दायिनी कालिनी सिद्धिः शोषिणी सम्प्रबोधिनी।
भास्वरा संहतिस्तीक्ष्णा प्रचण्डज्वलनोज्ज्वला॥ १०३ ॥

परा निर्महिमा देवी हरिवक्षःस्थलाश्रया।
सा देवी पापहन्त्री च सांनिध्यं कुरुतान्मम॥ १२६॥

॥ फलश्रुतिः॥

इति नाम्नां सहस्रं तु लक्ष्म्याः प्रोक्तं शुभावहम्।
परावरेण भेदेन मुख्यगौणेन भागतः॥ १२७॥
यश्चैतत् कीर्तयेन्नित्यं शृणुयाद् वापि पद्मज।
शुचिः समाहितो भूत्वा भक्तिश्रद्धासमन्वितः॥ १२८॥
श्रीनिवासं समभ्यर्च्य पुष्पधूपानुलेपनैः।
भोगैश्च मधुपर्काद्यैर्यथाशक्ति जगद्गुरुम्॥ १२९॥
तत्पार्श्वस्थां श्रियं देवीं सम्पूज्य श्रीधरप्रियाम्।
ततो नामसहस्रेण तोषयेत् परमेश्वरीम्॥ १३०॥
नामरत्नावलीस्तोत्रमिदं यः सततं पठेत्।
प्रसादाभिमुखीलक्ष्मीः सर्वं तस्मै प्रयच्छति॥ १३१॥
यस्या लक्ष्म्याश्च सम्भूताः शक्तयो विश्वगाः सदा।
कारणत्वेन तिष्ठन्ति जगत्यस्मिञ्चराचरे॥ १३२॥
तस्मात् प्रीता जगन्माता श्रीर्यस्याच्युतवल्लभा।
सुप्रीताः शक्तयस्तस्य सिद्धिमिष्टां दिशन्ति हि॥ १३३॥
एक एव जगत्स्वामी शक्तिमानच्युतः प्रभुः।
तदंशशक्तिमन्तोऽन्ये ब्रह्मेशानादयो यथा॥ १३४॥
तथैवैका परा शक्तिः श्रीस्तस्य करुणाश्रया।
ज्ञानादिषाड्गुण्यमयी या प्रोक्ता प्रकृतिः परा॥ १३५॥
एकैव शक्तिः श्रीस्तस्या द्वितीयात्मनि वर्तते।
परा परेशी सर्वेशी सर्वाकारा सनातनी॥ १३६॥

सौम्यरूपा महादीप्ता महाज्वाला विकाशिनी।
माला काञ्चनमाला च सद्वज्रा कनकप्रभा॥ ११५॥
प्रक्रिया परमा योक्त्री क्षोभिका च सुखोदया।
विजृम्भणा च वज्राख्या शृङ्खला कमलेक्षणा॥ ११६॥
जयंकरी मधुमती हरिता शशिनी शिवा।
मूलप्रकृतिरीशानी योगमाता मनोजवा॥ ११७॥
धर्मोदया भानुमती सर्वाभासा सुखावहा।
धुरन्धरा च बाला च धर्मसेव्या तथागता॥ ११८॥
सुकुमारा सौम्यमुखी सौम्यसम्बोधनोत्तमा।
सुमुखी सर्वतोभद्रा गुह्यशक्तिर्गुहालया॥ ११९॥
हलायुधा चैकवीरा सर्वशस्त्रसुधारिणी।
व्योमशक्तिर्महादेहा व्योमगा मधुमन्मयी॥ १२०॥
गङ्गा वितस्ता यमुना चन्द्रभागा सरस्वती।
तिलोत्तमोर्वशी रम्भा स्वामिनी सुरसुन्दरी॥ १२१॥
बाणप्रहरणा बाला बिम्बोष्ठी चारुहासिनी।
ककुद्मिनी चारुपृष्ठा दृष्टादृष्टफलप्रदा॥ १२२॥
काम्याचरी च काम्या च कामाचारविहारिणी।
हिमशैलेन्द्रसंकाशा गजेन्द्रवरवाहना॥ १२३॥
अशेषसुखसौभाग्यसम्पदां योनिरुत्तमा।
सर्वोत्कृष्टा सर्वमयी सर्वा सर्वेश्वरप्रिया॥ १२४॥
सर्वाङ्गयोनिः साव्यक्ता सम्प्रधानेश्वरेश्वरी।
विष्णुवक्षःस्थलगता किमतः परमुच्यते॥ १२५॥

॥ श्रीलक्ष्म्यै नमः ॥

श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामावलिः

१ ॐ श्रियै नमः।
२ ॐ पद्मायै नमः।
३ ॐ प्रकृत्यै नमः।
४ ॐ सत्त्वायै नमः।
५ ॐ शान्तायै नमः।
६ ॐ चिच्छक्त्यै नमः।
७ ॐ अव्ययायै नमः।
८ ॐ केवलायै नमः।
९ ॐ निष्कलायै नमः।
१० ॐ शुद्धायै नमः।
११ ॐ व्यापिन्यै नमः।
१२ ॐ व्योमविग्रहायै नमः।
१३ ॐ व्योमपद्मकृताधारायै नमः।
१४ ॐ परस्यै नमः।
१५ ॐ व्योमामृतोद्भवायै नमः।
१६ ॐ निर्व्योमायै नमः।
१७ ॐ व्योममध्यस्थायै नमः।
१८ ॐ पञ्चव्योमपदाश्रितायै नमः।
१९ ॐ अच्युतायै नमः।
२० ॐ व्योमनिलयायै नमः।
२१ ॐ परमानन्दरूपिण्यै नमः।
२२ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
२३ ॐ नित्यतृप्तायै नमः।
२४ ॐ निर्विकारायै नमः।
२५ ॐ निरीक्षणायै नमः।
२६ ॐ ज्ञानशक्त्यै नमः।
२७ ॐ कर्तृशक्त्यै नमः।
२८ ॐ भोक्तृशक्त्यै नमः।
२९ ॐ शिखावहायै नमः।
३० ॐ स्नेहाभासायै नमः।
३१ ॐ निरानन्दायै नमः।
३२ ॐ विभूत्यै नमः।
३३ ॐ विमलायै नमः।
३४ ॐ चलायै नमः।
३५ ॐ अनन्तायै नमः।
३६ ॐ वैष्णव्यै नमः।
३७ ॐ व्यक्तायै नमः।
३८ ॐ विश्वानन्दायै नमः।
३९ ॐ विकाशिन्यै नमः।
४० ॐ शक्त्यै नमः।
४१ ॐ विभिन्नसर्वार्त्यै नमः।
४२ ॐ समुद्रपरितोषिण्यै नमः।

अनन्तनामधेया च शक्तिचक्रस्य नायिका।
जगच्चराचरमिदं सर्वं व्याप्य व्यवस्थिता॥ १३७॥
तस्मादेकैव परमा श्रीर्ज्ञेया विश्वरूपिणी।
सौम्या सौम्येन रूपेण संस्थिता नटजीववत्॥ १३८॥
यो यो जगति पुम्भावः स विष्णुरिति निश्चयः।
या या तु नारीभावस्था तत्र लक्ष्मीर्व्यवस्थिता॥ १३९॥
प्रकृतेः पुरुषाच्चान्यस्तृतीयो नैव विद्यते।
अतः किं बहुनोक्तेन नरनारीमयो हरिः॥ १४०॥
अनेकभेदभिन्नस्तु क्रियते परमेश्वरः।
महाविभूतिं दयितां ये स्तुवन्त्यच्युतप्रियाम्॥ १४१॥
ते प्राप्नुवन्ति परमां लक्ष्मीं संशुद्धचेतसः।
पद्मयोनिरिदं प्राप्य पठन् स्तोत्रमिदं क्रमात्॥ १४२॥
दिव्यमष्टगुणैश्वर्यं तत्प्रसादाच्च लब्धवान्।
सकामानां च फलदामकामानां च मोक्षदाम्॥ १४३॥
पुस्तकाख्यां भयत्रात्रीं सितवस्त्रां त्रिलोचनाम्।
महापद्मनिषण्णां तां लक्ष्मीमजरतां नुमः॥ १४४॥
करयुगलगृहीतं पूर्णकुम्भं दधाना
क्वचिदमलगतस्था शङ्खपद्माक्षपाणिः।
क्वचिदपि दयिताङ्गे चामरव्यग्रहस्ता
क्वचिदपि सृणिपाशं बिभ्रती हेमकान्तिः॥ १४५॥

॥ इति ब्रह्मपुराणे श्रीलक्ष्मीसहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



९९ ॐ स्थित्यै नमः।
१०० ॐ वृद्ध्यै नमः।
१०१ ॐ ध्रुवायै नमः।
१०२ ॐ गत्यै नमः।
१०३ ॐ ईश्वर्यै नमः।
१०४ ॐ महिम्ने नमः।
१०५ ॐ ऋद्ध्यै नमः।
१०६ ॐ प्रमोदायै नमः।
१०७ ॐ उज्ज्वलोद्यमायै नमः।
१०८ ॐ अक्षयायै नमः।
१०९ ॐ वर्धमानायै नमः।
११० ॐ सुप्रकाशायै नमः।
१११ ॐ विहङ्गमायै नमः।
११२ ॐ नीरजायै नमः।
११३ ॐ जनन्यै नमः।
११४ ॐ नित्यायै नमः।
११५ ॐ जयायै नमः।
११६ ॐ रोचिष्मत्यै नमः।
११७ ॐ शुभायै नमः।
११८ ॐ तपोनुदायै नमः।
११९ ॐ ज्वालायै नमः।
१२० ॐ सुदीप्त्यै नमः।
१२१ ॐ अंशुमालिन्यै नमः।
१२२ ॐ अप्रमेयायै नमः।
१२३ ॐ त्रिधायै नमः।
१२४ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
१२५ ॐ परस्यै नमः।
१२६ ॐ निर्वाणदायिन्यै नमः।
१२७ ॐ अवदातायै नमः।
१२८ ॐ सुशुद्धायै नमः।
१२९ ॐ अमोघाख्यायै नमः।
१३० ॐ परम्परायै नमः।
१३१ ॐ संधानक्यै नमः।
१३२ ॐ शुद्धविद्यायै नमः।
१३३ ॐ सर्वभूतमहेश्वर्यै नमः।
१३४ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
१३५ ॐ तुष्ट्यै नमः।
१३६ ॐ महाधीरायै नमः।
१३७ ॐ आपूरणेन शान्त्यै नमः।
१३८ ॐ अनुग्रहायै नमः।
१३९ ॐ शक्त्यै नमः।
१४० ॐ आद्यायै नमः।
१४१ ॐ जगज्ज्येष्ठायै नमः।
१४२ ॐ जगद्विधये नमः।
१४३ ॐ सत्यायै नमः।
१४४ ॐ प्रह्वायै नमः।
१४५ ॐ क्रियायै नमः।
१४६ ॐ योग्यायै नमः।
१४७ ॐ अपर्णायै नमः।
१४८ ॐ ह्लादिन्यै नमः।
१४९ ॐ शिवायै नमः।
१५० ॐ सम्पूर्णायै नमः।
१५१ ॐ ह्लादिन्यै नमः।
१५२ ॐ शुद्धायै नमः।
१५३ ॐ ज्योतिष्मत्यै नमः।
१५४ ॐ अमृतावहायै नमः।

४३ ॐ मूर्त्यै नमः।
४४ ॐ सनातन्यै नमः।
४५ ॐ हार्द्यै नमः।
४६ ॐ निस्तरङ्गायै नमः।
४७ ॐ निरामयायै नमः।
४८ ॐ ज्ञानज्ञेयायै नमः।
४९ ॐ ज्ञानगम्यायै नमः।
५० ॐ ज्ञानज्ञेयविकाशिन्यै नमः।
५१ ॐ स्वच्छन्दशक्त्यै नमः।
५२ ॐ गहनायै नमः।
५३ ॐ निष्कम्पार्चिषे नमः।
५४ ॐ सुनिर्मलायै नमः।
५५ ॐ स्वरूपायै नमः।
५६ ॐ सर्वगायै नमः।
५७ ॐ पारायै नमः।
५८ ॐ बृंहिण्यै नमः।
५९ ॐ सुगुणोर्जितायै नमः।
६० ॐ अकलङ्कायै नमः।
६१ ॐ निराधारायै नमः।
६२ ॐ निःसंकल्पायै नमः।
६३ ॐ निराश्रयायै नमः।
६४ ॐ असंकीर्णायै नमः।
६५ ॐ सुशान्तायै नमः।
६६ ॐ शाश्वत्यै नमः।
६७ ॐ भासुर्यै नमः।
६८ ॐ स्थिरायै नमः।
६९ ॐ अनौपम्यायै नमः।
७० ॐ निर्विकल्पायै नमः।
७१ ॐ नियन्त्रायै नमः।
७२ ॐ यन्त्रवाहिन्यै नमः।
७३ ॐ अभेद्यायै नमः।
७४ ॐ भेदिन्यै नमः।
७५ ॐ भिन्नायै नमः।
७६ ॐ भारत्यै नमः।
७७ ॐ वैखर्यै नमः।
७८ ॐ खगायै नमः।
७९ ॐ अग्राह्यायै नमः।
८० ॐ ग्राहिकायै नमः।
८१ ॐ गूढायै नमः।
८२ ॐ गम्भीरायै नमः।
८३ ॐ विश्वगोपिन्यै नमः।
८४ ॐ अनिर्देश्यायै नमः।
८५ ॐ अप्रतिहतायै नमः।
८६ ॐ निर्बीजायै नमः।
८७ ॐ पावन्यै नमः।
८८ ॐ परस्यै नमः।
८९ ॐ अप्रतर्क्यायै नमः।
९० ॐ परिमितायै नमः।
९१ ॐ भवभ्रान्तिविनाशिन्यै नमः।
९२ ॐ एकस्यै नमः।
९३ ॐ द्विरूपायै नमः।
९४ ॐ त्रिविधायै नमः।
९५ ॐ असंख्यातायै नमः।
९६ ॐ सुरेश्वर्यै नमः।
९७ ॐ सुप्रतिष्ठायै नमः।
९८ ॐ महाधात्र्यै नमः।

२११ ॐ इच्छाधारायै नमः।
२१२ ॐ सुखावहायै नमः।
२१३ ॐ प्रत्यक्षलक्ष्म्यै नमः।
२१४ ॐ निष्कम्पायै नमः।
२१५ ॐ प्ररोहायै नमः।
२१६ ॐ बुद्धिगोचरायै नमः।
२१७ ॐ नानादेहायै नमः।
२१८ ॐ महावर्तायै नमः।
२१९ ॐ बहुदेहविकासिन्यै नमः।
२२० ॐ सहस्राण्यै नमः।
२२१ ॐ प्रधानायै नमः।
२२२ ॐ न्यायवस्तुप्रकाशिकायै नमः।
२२३ ॐ सर्वाभिलाषपूर्णेच्छायै नमः।
२२४ ॐ सर्वस्यै नमः।
२२५ ॐ सर्वार्थभाषिण्यै नमः।
२२६ ॐ नानास्वरूपचिद्धात्र्यै नमः।
२२७ ॐ शब्दपूर्वायै नमः।
२२८ ॐ पुरातनायै नमः।
२२९ ॐ व्यक्ताव्यक्तायै नमः।
२३० ॐ जीवकेशायै नमः।
२३१ ॐ सर्वेच्छापरिपूरितायै नमः।
२३२ ॐ संकल्पसिद्धायै नमः।
२३३ ॐ सांख्येयायै नमः।
२३४ ॐ तत्त्वगर्भायै नमः।
२३५ ॐ धरावहायै नमः।
२३६ ॐ भूतरूपायै नमः।
२३७ ॐ चित्स्वरूपायै नमः।
२३८ ॐ त्रिगुणायै नमः।
२३९ ॐ गुणगर्वितायै नमः।
२४० ॐ प्रजापतीश्वर्यै नमः।
२४१ ॐ रौद्र्यै नमः।
२४२ ॐ सर्वाधारायै नमः।
२४३ ॐ सुखावहायै नमः।
२४४ ॐ कल्याणवाहिकायै नमः।
२४५ ॐ कल्यायै नमः।
२४६ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
२४७ ॐ नीरूपोद्भिन्नसंतानायै नमः।
२४८ ॐ सुयन्त्रायै नमः।
२४९ ॐ त्रिगुणालयायै नमः।
२५० ॐ महामायायै नमः।
२५१ ॐ योगमायायै नमः।
२५२ ॐ महायोगेश्वर्यै नमः।
२५३ ॐ प्रियायै नमः।
२५४ ॐ महास्त्रियै नमः।
२५५ ॐ विमलायै कीर्त्यै नमः।
२५६ ॐ जयायै नमः।
२५७ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
२५८ ॐ निरञ्जनायै नमः।
२५९ ॐ प्रकृत्यै नमः।
२६० ॐ भगवन्मायायै नमः।
२६१ ॐ शक्त्यै नमः।
२६२ ॐ निद्रायै नमः।
२६३ ॐ यशस्कर्यै नमः।
२६४ ॐ चिन्तायै नमः।
२६५ ॐ बुद्ध्यै नमः।
२६६ ॐ यशःप्राज्ञायै नमः।

१५५ ॐ रजोवत्यै नमः।
१५६ ॐ अर्कप्रतिभायै नमः।
१५७ ॐ आकर्षिण्यै नमः।
१५८ ॐ कर्षिण्यै नमः।
१५९ ॐ रसायै नमः।
१६० ॐ परस्यै नमः।
१६१ ॐ वसुमत्यै नमः।
१६२ ॐ देवायै नमः।
१६३ ॐ कान्त्यै नमः।
१६४ ॐ शान्त्यै नमः।
१६५ ॐ मत्यै नमः।
१६६ ॐ कलायै नमः।
१६७ ॐ कलायै नमः।
१६८ ॐ कलङ्करहितायै नमः।
१६९ ॐ विशालोद्दीपन्यै नमः।
१७० ॐ रत्यै नमः।
१७१ ॐ सम्बोधिन्यै नमः।
१७२ ॐ हारिण्यै नमः।
१७३ ॐ प्रभावायै नमः।
१७४ ॐ भवभूतिदायै नमः।
१७५ ॐ अमृतस्यन्दिन्यै नमः।
१७६ ॐ जीवायै नमः।
१७७ ॐ जनन्यै नमः।
१७८ ॐ खण्डिकायै नमः।
१७९ ॐ स्थिरायै नमः।
१८० ॐ धूमायै नमः।
१८१ ॐ कलावत्यै नमः।
१८२ ॐ पूर्णायै नमः।
१८३ ॐ भासुरायै नमः।
१८४ ॐ सुमत्यै नमः।
१८५ ॐ रसायै नमः।
१८६ ॐ शुद्धायै नमः।
१८७ ॐ ध्वन्यै नमः।
१८८ ॐ सृत्यै नमः।
१८९ ॐ सृष्ट्यै नमः।
१९० ॐ विकृत्यै नमः।
१९१ ॐ कृष्ट्यै नमः।
१९२ ॐ प्रापण्यै नमः।
१९३ ॐ प्राणदायै नमः।
१९४ ॐ प्रह्वायै नमः।
१९५ ॐ विश्वस्यै नमः।
१९६ ॐ पाण्डुरवासिन्यै नमः।
१९७ ॐ अवन्यै नमः।
१९८ ॐ वज्रनलिकायै नमः।
१९९ ॐ चित्रायै नमः।
२०० ॐ ब्रह्माण्डवासिन्यै नमः।
२०१ ॐ अनन्तरूपायै नमः।
२०२ ॐ अनन्तात्मने नमः।
२०३ ॐ अनन्तस्थायै नमः।
२०४ ॐ अनन्तसम्भवायै नमः।
२०५ ॐ महाशक्त्यै नमः।
२०६ ॐ प्राणशक्त्यै नमः।
२०७ ॐ प्राणदात्र्यै नमः।
२०८ ॐ रतिम्भरायै नमः।
२०९ ॐ महासमूहायै नमः।
२१० ॐ निखिलायै नमः।

३२३ ॐ गौर्यै नमः।
३२४ ॐ वागीश्वर्यै नमः।
३२५ ॐ गोप्त्र्यै नमः।
३२६ ॐ गायत्र्यै नमः।
३२७ ॐ कमलोद्भवायै नमः।
३२८ ॐ विश्वम्भरायै नमः।
३२९ ॐ विश्वरूपायै नमः।
३३० ॐ विश्वमात्रे नमः।
३३१ ॐ वसुप्रदायै नमः।
३३२ ॐ सिद्ध्यै नमः।
३३३ ॐ स्वाहायै नमः।
३३४ ॐ स्वधायै नमः।
३३५ ॐ स्वस्त्यै नमः।
३३६ ॐ सुधायै नमः।
३३७ ॐ सर्वार्थसाधिन्यै नमः।
३३८ ॐ इच्छायै नमः।
३३९ ॐ सृष्ट्यै नमः।
३४० ॐ द्युत्यै नमः।
३४१ ॐ मूर्त्यै नमः।
३४२ ॐ कीर्त्यै नमः।
३४३ ॐ श्रद्धायै नमः।
३४४ ॐ दयामत्यै नमः।
३४५ ॐ श्रुत्यै नमः।
३४६ ॐ मेधायै नमः।
३४७ ॐ धृत्यै नमः।
३४८ ॐ ह्रियै नमः।
३४९ ॐ श्रियै नमः।
३५० ॐ विद्यायै नमः।
३५१ ॐ विबुधवन्दितायै नमः।
३५२ ॐ अनसूयायै नमः।
३५३ ॐ घृणायै नमः।
३५४ ॐ नीत्यै नमः।
३५५ ॐ निर्वृत्यै नमः।
३५६ ॐ कामधुक्करायै नमः।
३५७ ॐ प्रतिज्ञायै नमः।
३५८ ॐ संतत्यै नमः।
३५९ ॐ भूत्यै नमः।
३६० ॐ दिवे नमः।
३६१ ॐ प्रज्ञायै नमः।
३६२ ॐ विश्वमानिन्यै नमः।
३६३ ॐ स्मृत्यै नमः।
३६४ ॐ वाग्विश्वजनन्यै नमः।
३६५ ॐ पश्यन्त्यै नमः।
३६६ ॐ मध्यमायै नमः।
३६७ ॐ समायै नमः।
३६८ ॐ संध्यायै नमः।
३६९ ॐ मेधायै नमः।
३७० ॐ प्रभायै नमः।
३७१ ॐ भीमायै नमः।
३७२ ॐ सर्वाकारायै नमः।
३७३ ॐ सरस्वत्यै नमः।
३७४ ॐ काङ्क्षायै नमः।
३७५ ॐ मायायै नमः।
३७६ ॐ महामायायै नमः।
३७७ ॐ मोहिन्यै नमः।
३७८ ॐ माधवप्रियायै नमः।

२६७ ॐ शान्त्यै नमः।
२६८ ॐ आप्रीतिवर्द्धिन्यै नमः।
२६९ ॐ प्रद्युम्नमात्रे नमः।
२७० ॐ साध्व्यै नमः।
२७१ ॐ सुखसौभाग्यसिद्धिदायै नमः।
२७२ ॐ काष्ठायै नमः।
२७३ ॐ निष्ठायै नमः।
२७४ ॐ प्रतिष्ठायै नमः।
२७५ ॐ ज्येष्ठायै नमः।
२७६ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
२७७ ॐ जयावहायै नमः।
२७८ ॐ सर्वातिशायिन्यै नमः।
२७९ ॐ प्रीत्यै नमः।
२८० ॐ विश्वशक्त्यै नमः।
२८१ ॐ महाबलायै नमः।
२८२ ॐ वरिष्ठायै नमः।
२८३ ॐ विजयायै नमः।
२८४ ॐ वीरायै नमः।
२८५ ॐ जयन्त्यै नमः।
२८६ ॐ विजयप्रदायै नमः।
२८७ ॐ हृद्गृहायै नमः।
२८८ ॐ गोपिन्यै नमः।
२८९ ॐ गुह्यायै नमः।
२९० ॐ गणगन्धर्वसेवितायै नमः।
२९१ ॐ योगीश्वर्यै नमः।
२९२ ॐ योगमायायै नमः।
२९३ ॐ योगिन्यै नमः।
२९४ ॐ योगसिद्धिदायै नमः।
२९५ ॐ महायोगेश्वरवृतायै नमः।
२९६ ॐ योगायै नमः।
२९७ ॐ योगेश्वरप्रियायै नमः।
२९८ ॐ ब्रह्मेन्द्ररुद्रनमितायै नमः।
२९९ ॐ सुरासुरवरप्रदायै नमः।
३०० ॐ त्रिवर्त्मगायै नमः।
३०१ ॐ त्रिलोकस्थायै नमः।
३०२ ॐ त्रिविक्रमपदोद्भवायै नमः।
३०३ ॐ सुतारायै नमः।
३०४ ॐ तारिण्यै नमः।
३०५ ॐ तारायै नमः।
३०६ ॐ दुर्गायै नमः।
३०७ ॐ संतारिण्यै नमः।
३०८ ॐ परस्यै नमः।
३०९ ॐ सुतारिण्यै नमः।
३१० ॐ तारयन्त्यै नमः।
३११ ॐ भूरितारेश्वरप्रभायै नमः।
३१२ ॐ गुह्यविद्यायै नमः।
३१३ ॐ यज्ञविद्यायै नमः।
३१४ ॐ महाविद्यायै नमः।
३१५ ॐ सुशोभितायै नमः।
३१६ ॐ अध्यात्मविद्याविघ्नेश्यै नमः।
३१७ ॐ पद्मस्थायै नमः।
३१८ ॐ परमेष्ठिन्यै नमः।
३१९ ॐ आन्वीक्षिक्यै नमः।
३२० ॐ त्रयीवार्तायै नमः।
३२१ ॐ दण्डनीत्यै नमः।
३२२ ॐ नयात्मिकायै नमः।

४३५ ॐ सृष्ट्यै नमः।
४३६ ॐ कामयोन्यै नमः।
४३७ ॐ महाप्रभायै नमः।
४३८ ॐ दृष्टायै नमः।
४३९ ॐ काम्यायै नमः।
४४० ॐ विश्वशक्त्यै नमः।
४४१ ॐ बीजगत्यात्मदर्शनायै नमः।
४४२ ॐ गरुडारूढहृदयायै नमः।
४४३ ॐ चान्द्र्यै नमः।
४४४ ॐ श्रियै नमः।
४४५ ॐ मधुराननायै नमः।
४४६ ॐ महोग्ररूपायै नमः।
४४७ ॐ वाराह्यै नमः।
४४८ ॐ नारसिंह्यै नमः।
४४९ ॐ हतासुरायै नमः।
४५० ॐ युगान्तहुतभुग्ज्वालायै नमः।
४५१ ॐ करालायै नमः।
४५२ ॐ पिङ्गलायै नमः।
४५३ ॐ कलायै नमः।
४५४ ॐ त्रैलोक्यभूषणायै नमः।
४५५ ॐ भीमायै नम।
४५६ ॐ श्यामायै नमः।
४५७ ॐ त्रैलोक्यमोहिन्यै नमः।
४५८ ॐ महोत्कटायै नमः।
४५९ ॐ महारक्तायै नमः।
४६० ॐ महाचण्डायै नमः।
४६१ ॐ महासनायै नमः।
४६२ ॐ शङ्खिन्यै नमः।
४६३ ॐ लेखिन्यै नमः।
४६४ ॐ स्वस्थालिखितायै नमः।
४६५ ॐ खेचरेश्वर्यै नमः।
४६६ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
४६७ ॐ एकवीरायै नमः।
४६८ ॐ कौमार्यै नमः।
४६९ ॐ भवमालिन्यै नमः।
४७० ॐ कल्याण्यै नमः।
४७१ ॐ कामधुग्ज्वालामुख्यै नमः।
४७२ ॐ उत्पलमालिकायै नमः।
४७३ ॐ बालिकायै नमः।
४७४ ॐ धनदायै नमः।
४७५ ॐ सूर्यायै नमः।
४७६ ॐ हृदयोत्पलमालिकायै नमः।
४७७ ॐ अजितायै नमः।
४७८ ॐ वर्षिण्यै नमः।
४७९ ॐ रीत्यै नमः।
४८० ॐ भरुण्डायै नमः।
४८१ ॐ गरुडासनायै नमः।
४८२ ॐ वैश्वानर्यै नमः।
४८३ ॐ महामायायै नमः।
४८४ ॐ महाकाल्यै नमः।
४८५ ॐ विभीषणायै नमः।
४८६ ॐ महामन्दारविभवायै नमः।
४८७ ॐ शिवानन्दायै नमः।
४८८ ॐ रतिप्रियायै नमः।
४८९ ॐ उद्रीत्यै नमः।
४९० ॐ पद्ममालायै नमः।

३७९ ॐ सौम्यायै नमः।
३८० ॐ भोगायै नमः।
३८१ ॐ महाभोगायै नमः।
३८२ ॐ भोगिन्यै नमः।
३८३ ॐ भोगदायिन्यै नमः।
३८४ ॐ सुधौतकनकप्रख्यायै नमः।
३८५ ॐ सुवर्णकमलासनायै नमः।
३८६ ॐ हिरण्यगर्भायै नमः।
३८७ ॐ सुश्रोण्यै नमः।
३८८ ॐ हारिण्यै नमः।
३८९ ॐ रमण्यै नमः।
३९० ॐ रमायै नमः।
३९१ ॐ चन्द्रायै नमः।
३९२ ॐ हिरण्मय्यै नमः।
३९३ ॐ ज्योत्स्नायै नमः।
३९४ ॐ रम्यायै नमः।
३९५ ॐ शोभायै नमः।
३९६ ॐ शुभावहायै नमः।
३९७ ॐ त्रैलोक्यमण्डनायै नमः।
३९८ ॐ नार्यै नमः।
३९९ ॐ नरेश्वरवरार्चितायै नमः।
४०० ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
४०१ ॐ रामायै नमः।
४०२ ॐ महाविभववाहिन्यै नमः।
४०३ ॐ पद्मस्थायै नमः।
४०४ ॐ पद्मनिलयायै नमः।
४०५ ॐ पद्ममालाविभूषितायै नमः।
४०६ ॐ पद्मयुग्मधरायै नमः।
४०७ ॐ कान्तायै नमः।
४०८ ॐ दिव्याभरणभूषितायै नमः।
४०९ ॐ विचित्ररत्नमुकुटायै नमः।
४१० ॐ विचित्राम्बरभूषणायै नमः।
४११ ॐ विचित्रमाल्यगन्धाढ्यायै नमः।
४१२ ॐ विचित्रायुधवाहनायै नमः।
४१३ ॐ महानारायण्यै नमः।
४१४ ॐ देव्यै नमः।
४१५ ॐ वैष्णव्यै नमः।
४१६ ॐ वीरवन्दितायै नमः।
४१७ ॐ कालसंकर्षिण्यै नमः।
४१८ ॐ घोरायै नमः।
४१९ ॐ तत्त्वसंकर्षिण्यै नमः।
४२० ॐ कलायै नमः।
४२१ ॐ जगत्सम्पूरण्यै नमः।
४२२ ॐ विश्वस्यै नमः।
४२३ ॐ महाविभवभूषणायै नमः।
४२४ ॐ वारुण्यै नमः।
४२५ ॐ वरदायै नमः।
४२६ ॐ व्याख्यायै नमः।
४२७ ॐ घण्टाकर्णविराजितायै नमः।
४२८ ॐ नृसिंह्यै नमः।
४२९ ॐ भैरव्यै नमः।
४३० ॐ ब्राह्म्यै नमः।
४३१ ॐ भास्कर्यै नमः।
४३२ ॐ व्योमचारिण्यै नमः।
४३३ ॐ ऐन्द्र्यै नमः।
४३४ ॐ कामधेन्वै नमः।

५४७ ॐ महादेवेन्द्रमथिन्यै नमः।
५४८ ॐ भ्रुकुटीकुटिलाननायै नमः।
५४९ ॐ सत्योपयाचितायै नमः।
५५० ॐ एकस्यै नमः।
५५१ ॐ कौबेर्यै नमः।
५५२ ॐ ब्रह्मचारिण्यै नमः।
५५३ ॐ आर्यायै नमः।
५५४ ॐ यशोदायै नमः।
५५५ ॐ सुतदायै नमः।
५५६ ॐ धर्मकामार्थमोक्षदायै नमः।
५५७ ॐ दारिद्र्यदुःखशमन्यै नमः।
५५८ ॐ घोरदुर्गार्तिनाशिन्यै नमः।
५५९ ॐ भक्तार्तिशमन्यै नमः।
५६० ॐ भव्यायै नमः।
५६१ ॐ भवभर्गापहारिण्यै नमः।
५६२ ॐ क्षीराब्धितनयायै नमः।
५६३ ॐ पद्मायै नमः।
५६४ ॐ कमलायै नमः।
५६५ ॐ धरणीधरायै नमः।
५६६ ॐ रुक्मिण्यै नमः।
५६७ ॐ रोहिण्यै नमः।
५६८ ॐ सीतायै नमः।
५६९ ॐ सत्यभामायै नमः।
५७० ॐ यशस्विन्यै नमः।
५७१ ॐ प्रज्ञाधारायै नमः।
५७२ ॐ अमितप्रज्ञायै नमः।
५७३ ॐ वेदमात्रे नमः।
५७४ ॐ यशोवत्यै नमः।
५७५ ॐ समाधये नमः।
५७६ ॐ भावनायै नमः।
५७७ ॐ मैत्र्यै नमः।
५७८ ॐ करुणायै नमः।
५७९ ॐ भक्तवत्सलायै नमः।
५८० ॐ अन्तर्वेद्यै नमः।
५८१ ॐ दक्षिणस्यै नमः।
५८२ ॐ ब्रह्मचर्यपरायै नमः।
५८३ ॐ गत्यै नमः।
५८४ ॐ दीक्षायै नमः।
५८५ ॐ वीक्षायै नमः।
५८६ ॐ परीक्षायै नमः।
५८७ ॐ समीक्षायै नमः।
५८८ ॐ वीरवत्सलायै नमः।
५८९ ॐ अम्बिकायै नमः।
५९० ॐ सुरभ्यै नमः।
५९१ ॐ सिद्धायै नमः।
५९२ ॐ सिद्धविद्याधरार्चितायै नमः।
५९३ ॐ सुदीक्षायै नमः।
५९४ ॐ लेलिहानायै नमः।
५९५ ॐ करालायै नमः।
५९६ ॐ विश्वपूरकायै नमः।
५९७ ॐ विश्वसंधारिण्यै नमः।
५९८ ॐ दीप्त्यै नमः।
५९९ ॐ तापन्यै नमः।
६०० ॐ ताण्डवप्रियायै नमः।
६०१ ॐ उद्भवायै नमः।
६०२ ॐ विरजायै नमः।

४९१ ॐ धर्मवेगायै नमः।
४९२ ॐ विभावर्यै नमः।
४९३ ॐ सत्क्रियायै नमः।
४९४ ॐ देवसेनायै नमः।
४९५ ॐ हिरण्यरजताश्रयायै नमः।
४९६ ॐ सहसावर्तमानायै नमः।
४९७ ॐ हस्तिनादप्रमोदिन्यै नमः।
४९८ ॐ हिरण्यपद्मवर्णायै नमः।
४९९ ॐ हरिभद्रायै नमः।
५०० ॐ सुदुर्धरायै नमः।
५०१ ॐ सूर्यायै नमः।
५०२ ॐ हिरण्यप्रकटसदृश्यै नमः।
५०३ ॐ हेममालिन्यै नमः।
५०४ ॐ पद्माननायै नमः।
५०५ ॐ नित्यपुष्टायै नमः।
५०६ ॐ देवमात्रे नमः।
५०७ ॐ अमृतोद्भवायै नमः।
५०८ ॐ महाधनायै नमः।
५०९ ॐ शृङ्ग्यै नमः।
५१० ॐ कार्दम्यै नमः।
५११ ॐ कम्बुकन्धरायै नमः।
५१२ ॐ आदित्यवर्णायै नमः।
५१३ ॐ चन्द्राभायै नमः।
५१४ ॐ गन्धद्वारायै नमः।
५१५ ॐ दुरासदायै नमः।
५१६ ॐ वरार्चितायै नमः।
५१७ ॐ वरारोहायै नमः।
५१८ ॐ वरेण्यायै नमः।
५१९ ॐ विष्णुवल्लभायै नमः।
५२० ॐ कल्याण्यै नमः।
५२१ ॐ वरदायै नमः।
५२२ ॐ वामायै नमः।
५२३ ॐ वामेश्यै नमः।
५२४ ॐ विन्ध्यवासिन्यै नमः।
५२५ ॐ योगनिद्रायै नमः।
५२६ ॐ योगरतायै नमः।
५२७ ॐ देवक्यै नमः।
५२८ ॐ कामरूपिण्यै नमः।
५२९ ॐ कंसविद्राविण्यै नमः।
५३० ॐ दुर्गायै नमः।
५३१ ॐ कौमार्यै नमः।
५३२ ॐ कौशिक्यै नमः।
५३३ ॐ क्षमायै नमः।
५३४ ॐ कात्यायन्यै नमः।
५३५ ॐ कालरात्र्यै नमः।
५३६ ॐ निशितृप्तायै नमः।
५३७ ॐ सुदुर्जयायै नमः।
५३८ ॐ विरूपाक्ष्यै नमः।
५३९ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
५४० ॐ भक्तानां परिरक्षिण्यै नमः।
५४१ ॐ बहुरूपायै नमः।
५४२ ॐ स्वरूपायै नमः।
५४३ ॐ विरूपायै नमः।
५४४ ॐ रूपवर्जितायै नमः।
५४५ ॐ घण्टानिनादबहुलायै नमः।
५४६ ॐ जीमूतध्वनिनिःस्वनायै नमः।

६५९ ॐ निश्रेण्यै नमः।
६६० ॐ सर्वदेहस्थायै नमः।
६६१ ॐ सर्वभूतनमस्कृतायै नमः।
६६२ ॐ बलायै नमः।
६६३ ॐ बलाधिकायै नमः।
६६४ ॐ देव्यै गौतम्यै नमः।
६६५ ॐ गोकुलालयायै नमः।
६६६ ॐ तोषिण्यै नमः।
६६७ ॐ पूर्णचन्द्राभायै नमः।
६६८ ॐ एकानन्दायै नमः।
६६९ ॐ शताननायै नमः।
६७० ॐ उद्याननगरद्वारहर्म्यो-
पवनवासिन्यै नमः।
६७१ ॐ कूष्माण्डायै नमः।
६७२ ॐ दारुणायै नमः।
६७३ ॐ चण्डायै नमः।
६७४ ॐ किरात्यै नमः।
६७५ ॐ नन्दनालयायै नमः।
६७६ ॐ कालायनायै नमः।
६७७ ॐ कालगम्यायै नमः।
६७८ ॐ भयदायै नमः।
६७९ ॐ भयनाशिन्यै नमः।
६८० ॐ सौदामन्यै नमः।
६८१ ॐ मेघरवायै नमः।
६८२ ॐ दैत्यदानवमर्दिन्यै नमः।
६८३ ॐ जगन्मात्रे नमः।
६८४ ॐ अभयकर्यै नमः।
६८५ ॐ भूतधर्त्र्यै नमः।
६८६ ॐ सुदुर्लभायै नमः।
६८७ ॐ काश्यप्यै नमः।
६८८ ॐ शुभदात्र्यै नमः।
६८९ ॐ वनमालायै नमः।
६९० ॐ शुभायै नमः।
६९१ ॐ वरायै नमः।
६९२ ॐ धन्यायै नमः।
६९३ ॐ धन्येश्वर्यै नमः।
६९४ ॐ धन्यायै नमः।
६९५ ॐ रत्नदायै नमः।
६९६ ॐ वसुवर्धिन्यै नमः।
६९७ ॐ गान्धर्व्यै नमः।
६९८ ॐ रेवत्यै नमः।
६९९ ॐ गङ्गायै नमः।
७०० ॐ शकुन्यै नमः।
७०१ ॐ विमलाननायै नमः।
७०२ ॐ इडायै नमः।
७०३ ॐ शान्तिकर्यै नमः।
७०४ ॐ तामस्यै नमः।
७०५ ॐ कमलालयायै नमः।
७०६ ॐ आज्यपायै नमः।
७०७ ॐ वज्रकौमार्यै नमः।
७०८ ॐ सोमपायै नमः।
७०९ ॐ कुसुमाश्रयायै नमः।
७१० ॐ जगत्प्रियायै नमः।
७११ ॐ सरथायै नमः।
७१२ ॐ दुर्जयायै नमः।
७१३ ॐ खगवाहनायै नमः।

६०३ ॐ राज्यै नमः।
६०४ ॐ तापन्यै नमः।
६०५ ॐ बिन्दुमालिन्यै नमः।
६०६ ॐ क्षीरधारायै नमः।
६०७ ॐ सुप्रभावायै नमः।
६०८ ॐ लोकमात्रे नमः।
६०९ ॐ सुवर्चसायै नमः।
६१० ॐ हव्यगर्भायै नमः।
६११ ॐ आज्यगर्भायै नमः।
६१२ ॐ जुह्वतो यज्ञसम्भवायै नमः।
६१३ ॐ आप्यायन्यै नमः।
६१४ ॐ पावन्यै नमः।
६१५ ॐ दहन्यै नमः।
६१६ ॐ दहनाश्रयायै नमः।
६१७ ॐ मातृकायै नमः।
६१८ ॐ माधव्यै नमः।
६१९ ॐ मुख्यायै नमः।
६२० ॐ मोक्षलक्ष्म्यै नमः।
६२१ ॐ महर्द्धिदायै नमः।
६२२ ॐ सर्वकामप्रदायै नमः।
६२३ ॐ भद्रायै नमः।
६२४ ॐ सुभद्रायै नमः।
६२५ ॐ सर्वमङ्गलायै नमः।
६२६ ॐ श्वेतायै नमः।
६२७ ॐ सुशुक्लवसनायै नमः।
६२८ ॐ शुक्लमाल्यानुलेपनायै नमः।
६२९ ॐ हंसाहीनकर्यै नमः।
६३० ॐ हंस्यै नमः।
६३१ ॐ हृद्यायै नमः।
६३२ ॐ हृत्कमलालयायै नमः।
६३३ ॐ सितातपत्रायै नमः।
६३४ ॐ सुश्रोण्यै नमः।
६३५ ॐ पद्मपत्रायतेक्षणायै नमः।
६३६ ॐ सावित्र्यै नमः।
६३७ ॐ सत्यसंकल्पायै नमः।
६३८ ॐ कामदायै नमः।
६३९ ॐ कामकामिन्यै नमः।
६४० ॐ दर्शनीयायै नमः।
६४१ ॐ दृशायै नमः।
६४२ ॐ दृश्यायै नमः।
६४३ ॐ स्पृश्यायै नमः।
६४४ ॐ सेव्यायै नमः।
६४५ ॐ वराङ्गनायै नमः।
६४६ ॐ भोगप्रियायै नमः।
६४७ ॐ भोगवत्यै नमः।
६४८ ॐ भोगीन्द्रशयनासनायै नमः।
६४९ ॐ आर्द्रायै नमः।
६५० ॐ पुष्करिण्यै नमः।
६५१ ॐ पुण्यायै नमः।
६५२ ॐ पावन्यै नमः।
६५३ ॐ पापसूदन्यै नमः।
६५४ ॐ श्रीमत्यै नमः।
६५५ ॐ शुभाकारायै नमः।
६५६ ॐ परमैश्वर्यभूतिदायै नमः।
६५७ ॐ अचिन्त्यानन्तविभवायै नमः।
६५८ ॐ भवभावविभावन्यै नमः।

७७० ॐ राजश्रियै नमः।
७७१ ॐ रूपसहितायै नमः।
७७२ ॐ ब्रह्मश्रियै नमः।
७७३ ॐ ब्रह्मवन्दितायै नमः।
७७४ ॐ जयश्रियै नमः।
७७५ ॐ जयदायै नमः।
७७६ ॐ ज्ञेयायै नमः।
७७७ ॐ सर्गश्रियै नमः।
७७८ ॐ सतां स्वर्गत्यै नमः।
७७९ ॐ सुपुष्पायै नमः।
७८० ॐ पुष्पनिलयायै नमः।
७८१ ॐ फलश्रियै नमः।
७८२ ॐ निष्कलप्रियायै नमः।
७८३ ॐ धनुर्लक्ष्म्यै नमः।
७८४ ॐ अमिलितायै नमः।
७८५ ॐ परक्रोधनिवारिण्यै नमः।
७८६ ॐ कद्रवे नमः।
७८७ ॐ धनायुषे नमः।
७८८ ॐ कपिलायै नमः।
७८९ ॐ सुरसायै नमः।
७९० ॐ सुरमोहिन्यै नमः।
७९१ ॐ महाश्वेतायै नमः।
७९२ ॐ महानीलायै नमः।
७९३ ॐ महामूर्त्यै नमः।
७९४ ॐ विषापहायै नमः।
७९५ ॐ सुप्रभायै नमः।
७९६ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
७९७ ॐ दीप्त्यै नमः।
७९८ ॐ तृप्त्यै नमः।
७९९ ॐ व्याप्त्यै नमः।
८०० ॐ प्रभाकर्यै नमः।
८०१ ॐ तेजोवत्यै नमः।
८०२ ॐ पद्मबोधायै नमः।
८०३ ॐ मदलेखायै नमः।
८०४ ॐ अरुणावत्यै नमः।
८०५ ॐ रत्नायै नमः।
८०६ ॐ रत्नावल्यै नमः।
८०७ ॐ भूतायै नमः।
८०८ ॐ शतधाम्ने नमः।
८०९ ॐ शतापहायै नमः।
८१० ॐ त्रिगुणायै नमः।
८११ ॐ घोषिण्यै नमः।
८१२ ॐ रक्ष्यायै नमः।
८१३ ॐ नर्दिन्यै नमः।
८१४ ॐ घोषवर्जितायै नमः।
८१५ ॐ साध्यायै नमः।
८१६ ॐ अदित्यै नमः।
८१७ ॐ दित्यै नमः।
८१८ ॐ देव्यै नमः।
८१९ ॐ मृगवाहायै नमः।
८२० ॐ मृगाङ्कगायै नमः।
८२१ ॐ चित्रनीलोत्पलगतायै नमः।
८२२ ॐ वृषरत्नकराश्रयायै नमः।
८२३ ॐ हिरण्यरजतद्वन्द्वायै नमः।
८२४ ॐ शङ्खभद्रासनस्थितायै नमः।
८२५ ॐ गोमूत्रगोमयक्षीरदधि-

७१४ ॐ मनोभव्यै नमः।
७१५ ॐ कामचारायै नमः।
७१६ ॐ सिद्धचारणसेवितायै नमः।
७१७ ॐ व्योमलक्ष्म्यै नमः।
७१८ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
७१९ ॐ तेजोलक्ष्म्यै नमः।
७२० ॐ सुजाग्रायै नमः।
७२१ ॐ रसलक्ष्म्यै नमः।
७२२ ॐ जगद्योन्यै नमः।
७२३ ॐ गन्धलक्ष्म्यै नमः।
७२४ ॐ वनाश्रयायै नमः।
७२५ ॐ श्रवणायै नमः।
७२६ ॐ श्रावण्यै नमः।
७२७ ॐ नेत्र्यै नमः।
७२८ ॐ रसनाप्राणचारिण्यै नमः।
७२९ ॐ विरिञ्चिमात्रे नमः।
७३० ॐ विभवायै नमः।
७३१ ॐ वरवारिजवाहनायै नमः।
७३२ ॐ वीर्यायै नमः।
७३३ ॐ वीरेश्वर्यै नमः।
७३४ ॐ वन्द्यायै नमः।
७३५ ॐ विशोकायै नमः।
७३६ ॐ वसुवर्धिन्यै नमः।
७३७ ॐ अनाहतायै नमः।
७३८ ॐ कुण्डलिन्यै नमः।
७३९ ॐ नलिन्यै नमः।
७४० ॐ वनवारिण्यै नमः।
७४१ ॐ गान्धारिण्यै नमः।
७४२ ॐ इन्द्रनमितायै नमः।
७४३ ॐ सुरेन्द्रनमितायै नमः।
७४४ ॐ सत्यै नमः।
७४५ ॐ सर्वमङ्गल्यमाङ्गल्यायै नमः।
७४६ ॐ सर्वकामसमृद्धिदायै नमः।
७४७ ॐ सर्वानन्दायै नमः।
७४८ ॐ महानन्दायै नमः।
७४९ ॐ सत्कीर्त्यै नमः।
७५० ॐ सिद्धसेवितायै नमः।
७५१ ॐ सिनीवाल्यै नमः।
७५२ ॐ कुह्वै नमः।
७५३ ॐ राकायै नमः।
७५४ ॐ अमायै नमः।
७५५ ॐ अनुमत्यै नमः।
७५६ ॐ द्युत्यै नमः।
७५७ ॐ अरुन्धत्यै नमः।
७५८ ॐ वसुमत्यै नमः।
७५९ ॐ भार्गव्यै नमः।
७६० ॐ वास्तुदेवतायै नमः।
७६१ ॐ मायूर्यै नमः।
७६२ ॐ वज्रवेताल्यै नमः।
७६३ ॐ वज्रहस्तायै नमः।
७६४ ॐ वराननायै नमः।
७६५ ॐ अनघायै नमः।
७६६ ॐ धरण्यै नमः।
७६७ ॐ धीरायै नमः।
७६८ ॐ धमन्यै नमः।
७६९ ॐ मणिभूषणायै नमः।

८८१ ॐ ऐन्दव्यै नमः।
८८२ ॐ रत्नसम्भवायै नमः।
८८३ ॐ विद्युत्प्रभायै नमः।
८८४ ॐ बिन्दुमत्यै नमः।
८८५ ॐ त्रिस्वभावागुणाम्बिकायै नमः।
८८६ ॐ नित्योदितायै नमः।
८८७ ॐ नित्यहृष्टायै नमः।
८८८ ॐ नित्यकामकरीषिण्यै नमः।
८८९ ॐ पद्माङ्कायै नमः।
८९० ॐ वज्रचिह्नायै नमः।
८९१ ॐ वक्रदण्डविभासिन्यै नमः।
८९२ ॐ विदेहपूजितायै नमः।
८९३ ॐ कन्यायै नमः।
८९४ ॐ मायायै नमः।
८९५ ॐ विजयवाहिन्यै नमः।
८९६ ॐ मानिन्यै नमः।
८९७ ॐ मङ्गलायै नमः।
८९८ ॐ मान्यायै नमः।
८९९ ॐ मानिन्यै नमः।
९०० ॐ मानदायिन्यै नमः।
९०१ ॐ विश्वेश्वर्यै नमः।
९०२ ॐ गणवत्यै नमः।
९०३ ॐ मण्डलायै नमः।
९०४ ॐ मण्डलेश्वर्यै नमः।
९०५ ॐ हरिप्रियायै नमः।
९०६ ॐ भौमसुतायै नमः।
९०७ ॐ मनोज्ञायै नमः।
९०८ ॐ मतिदायिन्यै नमः।
९०९ ॐ प्रत्यङ्गिरायै नमः।
९१० ॐ सोमगुप्तायै नमः।
९११ ॐ मनोऽभिज्ञायै नमः।
९१२ ॐ वदन्मत्यै नमः।
९१३ ॐ यशोधरायै नमः।
९१४ ॐ रत्नमालायै नमः।
९१५ ॐ कृष्णायै नमः।
९१६ ॐ त्रैलोक्यबन्धन्यै नमः।
९१७ ॐ अमृतायै नमः।
९१८ ॐ धारिण्यै नमः।
९१९ ॐ हर्षायै नमः।
९२० ॐ विनतायै नमः।
९२१ ॐ वल्लक्यै नमः।
९२२ ॐ शच्यै नमः।
९२३ ॐ संकल्पायै नमः।
९२४ ॐ भामिन्यै नमः।
९२५ ॐ मिश्रायै नमः।
९२६ ॐ कादम्बर्यै नमः।
९२७ ॐ अमृतायै नमः।
९२८ ॐ प्रभायै नमः।
९२९ ॐ अगतायै नमः।
९३० ॐ निर्गतायै नमः।
९३१ ॐ वज्रायै नमः।
९३२ ॐ सुहितायै नमः।
९३३ ॐ सहितायै नमः।
९३४ ॐ अक्षतायै नमः।
९३५ ॐ सर्वार्थसाधनकर्यै नमः।
९३६ ॐ धातुर्धारणिकायै नमः।

सर्पिर्जलाश्रयायै नमः।
८२६ ॐ मरीच्यै नमः।
८२७ ॐ चीरवसनायै नमः।
८२८ ॐ पूर्णायै नमः।
८२९ ॐ चन्द्रार्कविष्टरायै नमः।
८३० ॐ सुसूक्ष्मायै नमः।
८३१ ॐ निर्वृत्यै नमः।
८३२ ॐ स्थूलायै नमः।
८३३ ॐ निवृत्तारात्यै नमः।
८३४ ॐ मरीच्यै नमः।
८३५ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
८३६ ॐ धूम्रायै नमः।
८३७ ॐ हव्यवाहायै नमः।
८३८ ॐ हिरण्यदायै नमः।
८३९ ॐ दायिन्यै नमः।
८४० ॐ कालिन्यै नमः।
८४१ ॐ सिद्ध्यै नमः।
८४२ ॐ शोषिण्यै नमः।
८४३ ॐ सम्प्रबोधिन्यै नमः।
८४४ ॐ भास्वरायै नमः।
८४५ ॐ संहत्यै नमः।
८४६ ॐ तीक्ष्णायै नमः।
८४७ ॐ प्रचण्डज्वलनायै नमः।
८४८ ॐ उज्ज्वलायै नमः।
८४९ ॐ साङ्गायै नमः।
८५० ॐ प्रचण्डायै नमः।
८५१ ॐ दीप्तायै नमः।
८५२ ॐ वैद्युत्यै नमः।
८५३ ॐ सुमहाद्युत्यै नमः।
८५४ ॐ कपिलायै नमः।
८५५ ॐ नीलरक्तायै नमः।
८५६ ॐ सुषुम्णायै नमः।
८५७ ॐ विस्फुलिङ्गिन्यै नमः।
८५८ ॐ अर्चिष्मत्यै नमः।
८५९ ॐ रिपुहरायै नमः।
८६० ॐ दीर्घायै नमः।
८६१ ॐ धूमावल्यै नमः।
८६२ ॐ जरायै नमः।
८६३ ॐ सम्पूर्णमण्डलायै नमः।
८६४ ॐ पूषायै नमः।
८६५ ॐ स्त्रंसिन्यै नमः।
८६६ ॐ सुमनोहरायै नमः।
८६७ ॐ जयायै नमः।
८६८ ॐ पुष्टिकर्यै नमः।
८६९ ॐ छायायै नमः।
८७० ॐ मानसायै नमः।
८७१ ॐ हृदयोज्ज्वलायै नमः।
८७२ ॐ सुवर्णकरण्यै नमः।
८७३ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
८७४ ॐ रणे मृतसंजीवन्यै नमः।
८७५ ॐ विशल्यकरण्यै नमः।
८७६ ॐ शुभ्रायै नमः।
८७७ ॐ संधिन्यै नमः।
८७८ ॐ परमौषधये नमः।
८७९ ॐ ब्रह्मिष्ठायै नमः।
८८० ॐ ब्रह्मसहितायै नमः।

९९३ ॐ चन्द्रभागायै नमः।
९९४. ॐ सरस्वत्यै नमः।
९९५ ॐ तिलोत्तमायै नमः।
९९६ ॐ उर्वश्यै नमः।
९९७ ॐ रम्भायै नमः।
९९८ ॐ स्वामिन्यै नमः।
९९९ ॐ सुरसुन्दर्यै नमः।
१००० ॐ बाणप्रहरणायै नमः।
१००१ ॐ बालायै नमः।
१००२ ॐ बिम्बोष्ठ्यै नमः।
१००३ ॐ चारुहासिन्यै नमः।
१००४ ॐ ककुद्मिन्यै नमः।
१००५ ॐ चारुपृष्ठायै नमः।
१००६ ॐ दृष्टादृष्टफलप्रदायै नमः।
१००७ ॐ काम्याचर्यै नमः।
१००८ ॐ काम्यायै नमः।
१००९ ॐ कामाचारविहारिण्यै नमः।
१०१० ॐ हिमशैलेन्द्रसंकाशायै नमः।
१०११ ॐ गजेन्द्रवरवाहनायै नमः।
१०१२ ॐ अशेषसुखसौभाग्य-
सम्पदामुत्तमायै योन्यै नमः।
१०१३ ॐ सर्वोत्कृष्टायै नमः।
१०१४ ॐ सर्वमय्यै नमः।
१०१५ ॐ सर्वस्यै नमः।
१०१६ ॐ सर्वेश्वरप्रियायै नमः।
१०१७ ॐ सर्वाङ्गयोन्यै नमः।
१०१८ ॐ अव्यक्तायै नमः।
१०१९ ॐ सम्प्रधानेश्वरेश्वर्यै नमः।
१०२० ॐ विष्णुवक्षःस्थलगतायै
नमः।

॥ इति ब्रह्मपुराणे श्रीलक्ष्मीसहस्रनामावलिः सम्पूर्णा ॥



१३७ ॐ अमलायै नमः।
१३८ ॐ करुणाधारसम्भूतायै नमः।
१३९ ॐ कमलाक्ष्यै नमः।
१४० ॐ शशिप्रियायै नमः।
१४१ ॐ सौम्यरूपायै नमः।
१४२ ॐ महादीप्तायै नमः।
१४३ ॐ महाज्वालायै नमः।
१४४ ॐ विकाशिन्यै नमः।
१४५ ॐ मालायै नमः।
१४६ ॐ काञ्चनमालायै नमः।
१४७ ॐ सद्वज्रायै नमः।
१४८ ॐ कनकप्रभायै नमः।
१४९ ॐ प्रक्रियायै नमः।
१५० ॐ परमायै नमः।
१५१ ॐ योक्त्र्यै नमः।
१५२ ॐ क्षोभिकायै नमः।
१५३ ॐ सुखोदयायै नमः।
१५४ ॐ विजृम्भणायै नमः।
१५५ ॐ वज्राख्यायै नमः।
१५६ ॐ शृङ्खलायै नमः।
१५७ ॐ कमलेक्षणायै नमः।
१५८ ॐ जयंकर्यै नमः।
१५९ ॐ मधुमत्यै नमः।
१६० ॐ हरितायै नमः।
१६१ ॐ शशिन्यै नमः।
१६२ ॐ शिवायै नमः।
१६३ ॐ मूलप्रकृत्यै नमः।
१६४ ॐ ईशान्यै नमः।
१६५ ॐ योगमात्रे नमः।
१६६ ॐ मनोजवायै नमः।
१६७ ॐ धर्मोदयायै नमः।
१६८ ॐ भानुमत्यै नमः।
१६९ ॐ सर्वाभासायै नमः।
१७० ॐ सुखावहायै नमः।
१७१ ॐ धुरन्धरायै नमः।
१७२ ॐ बालायै नमः।
१७३ ॐ धर्मसेव्यायै नमः।
१७४ ॐ तथागतायै नमः।
१७५ ॐ सुकुमारायै नमः।
१७६ ॐ सौम्यमुख्यै नमः।
१७७ ॐ सौम्यसम्बोधनायै नमः।
१७८ ॐ उत्तमायै नमः।
१७९ ॐ सुमुख्यै नमः।
१८० ॐ सर्वतोभद्रायै नमः।
१८१ ॐ गुह्यशक्त्यै नमः।
१८२ ॐ गुहालयायै नमः।
१८३ ॐ हलायुधायै नमः।
१८४ ॐ एकवीरायै नमः।
१८५ ॐ सर्वशस्त्रसुधारिण्यै नमः।
१८६ ॐ व्योमशक्त्यै नमः।
१८७ ॐ महादेहायै नमः।
१८८ ॐ व्योमगायै नमः।
१८९ ॐ मधुमन्मथ्यै नमः।
१९० ॐ गङ्गायै नमः।
१९१ ॐ वितस्तायै नमः।
१९२ ॐ यमुनायै नमः।

श्रीशिव उवाच

अन्नपूर्णा अन्नदात्री अन्नराशिकृतालया।
अन्नदा अन्नरूपा च अन्नदानरतोत्सवा॥ १ ॥
अनन्ता च अनन्ताक्षी अनन्तगुणशालिनी।
अच्युता अच्युतप्राणा अच्युतानन्दकारिणी॥ २ ॥
अव्यक्ताऽनन्तमहिमा अनन्तस्य कुलेश्वरी।
अब्धिस्था अब्धिशयना अब्धिजा अब्धिनन्दिनी॥ ३ ॥
अब्जस्था अब्जनिलया अब्जजा अब्जभूषणा।
अब्जाभा अब्जहस्ता च अब्जपत्रशुभेक्षणा॥ ४ ॥
अब्जानना अनन्तात्मा अग्निस्था अग्निरूपिणी।
अग्निजाया अग्निमुखी अग्निकुण्डकृतालया॥ ५ ॥
अकारा अग्निमाता च अजयाऽदितिनन्दिनी।
आद्या आदित्यसंकाशा आत्मज्ञा आत्मगोचरा॥ ६ ॥
आत्मसूरात्मदयिता आधारा आत्मरूपिणी।
आशा आकाशपद्मस्था अवकाशस्वरूपिणी॥ ७ ॥
आशापुरी अगाधा च अणिमादिसुसेविता।
अम्बिका अबला अम्बा अनाद्या च अयोनिजा॥ ८ ॥
अनीशा ईशिका ईशा ईशानी ईश्वरप्रिया।
ईश्वरी ईश्वरप्राणा ईश्वरानन्ददायिनी॥ ९ ॥
इन्द्राणी इन्द्रदयिता इन्द्रसूरिन्द्रपालिनी।
इन्दिरा इन्द्रभगिनी इन्द्रिया इन्दुभूषणा॥ १० ॥
इन्दुमाता इन्दुमुखी इन्द्रियाणां वशङ्करी।
उमा उमापतेः प्राणा ओड्याणौ पीठवासिनी॥ ११ ॥

॥ श्रीअन्नपूर्णायै नमः ॥

श्रीअन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्रम्

अस्य श्रीअन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्रमालामन्त्रस्य श्रीभगवान् सदाशिवऋषिः अनुष्टुप्छन्दः भगवती श्रीअन्नपूर्णा देवता हलो बीजं स्वराः शक्तिः जीवो बीजं बुद्धिः शक्तिः उदानो बीजं सुषुम्ना नाडी सरस्वती शक्तिः धर्मार्थकाममोक्षार्थे जपे विनियोगः।

ध्यानम्

सिन्दूराभां त्रिनेत्राममृतशशिकलां खेचरीं रक्तवस्त्रां
पीनोत्तुङ्गस्तनाढ्यामभिनवविलसद्यौवनारम्भरम्याम्।
नानालङ्कारयुक्तां सरसिजनयनामिन्दुसंक्रान्तमूर्तिं
देवीं पाशाङ्कुशाढ्यामभयवरकरामन्नपूर्णां नमामि॥*

आदाय दक्षिणकरेण सुवर्णदर्वीं
दुग्धान्नपूर्णमितरेण च रत्नपात्रम्।
भिक्षान्नदाननिरतां नवहेमवर्णा-
मम्बां भजे सकलभूषणभूषिताङ्गीम्॥†

---

* जिनकी अङ्ग-कान्ति सिन्दूर-सरीखी है, जो तीन नेत्रोंसे युक्त, अमृतपूर्ण शशिकला-सदृश, आकाशमें गमन करनेवाली, लाल वस्त्रसे सुशोभित, स्थूल एवं ऊँचे स्तनोंसे युक्त, नवीन उल्लसित यौवनारम्भसे रमणीय, विविध अलंकारोंसे युक्त हैं, जिनके नेत्र कमल-सदृश हैं, जिनकी मूर्ति चन्द्रमाको संक्रान्त करनेवाली है, जिनके हाथ पाश, अंकुश, अभय और वरद मुद्रासे सुशोभित हैं, उन अन्नपूर्णा देवीको मैं नमस्कार करता हूँ।

† जो अपने दाहिने हाथमें सोनेकी दर्वी (करछुल) तथा दूसरे बायें हाथमें दूध तथा अन्नसे भरा हुआ रत्नपात्र लेकर अन्नकी भिक्षा प्रदान करनेमें निरत हैं, उन प्रतप्त स्वर्णिम आभावाली तथा समस्त आभूषणोंसे विभूषित अङ्गोंवाली माता अन्नपूर्णाका मैं चिन्तन करता हूँ।

कालदा कालघ्नी कुल्या कुरुकुल्या कुलाङ्गना।
कीर्तिदा कीर्तिहा कीर्तिः कीर्तिस्था कीर्तिवर्धिनी॥ २३॥
कीर्तिज्ञा कीर्तितपदा कृत्तिका केशवप्रिया।
केशिघ्नी केलिकारी च केशवानन्दकारिणी॥ २४॥
कुमुदाभा कुमारी च कर्मदा कमलेक्षणा।
कौमुदी कुमुदानन्दा कौलिकी च कुमुद्वती॥ २५॥
कोदण्डधारिणी क्रोधा कूटस्था कोटराश्रया।
कालकण्ठी करालाङ्गी कालाङ्गी कालभूषणा॥ २६॥
कङ्काली कामदामा च कङ्कालकृतभूषणा।
कपालकर्तृककरा करवीरस्वरूपिणी॥ २७॥
कपर्दिनी कोमलाङ्गी कृपासिन्धुः कृपामयी।
कुशावती कुण्डसंस्था कौबेरी कौशिकी तथा॥ २८॥
काश्यपी कद्रुतनया कलिकल्मषनाशिनी।
कञ्जस्था कञ्जवदना कञ्जकिञ्जल्कचर्चिता॥ २९॥
कञ्जाभा कञ्जशैलस्था कञ्जनेत्रा कचोद्भवा।
कामरूपा च ह्रींकारी कश्यपान्वयवर्धिनी॥ ३०॥
खर्वा च खञ्जनद्वन्द्वलोचना खर्ववाहिनी।
खड्गिनी खड्गहस्ता च खेचरी खड्गरूपिणी॥ ३१॥
खगस्था खगरूपा च खगगा खगसम्भवा।
खगधात्री खगानन्दा खगयोनिस्वरूपिणी॥ ३२॥
खगेशी खेटककरा खगानन्दविवर्धिनी।
खगमान्या खगाधारा खगगर्वविमोचिनी॥ ३३॥

उत्तरज्ञा उत्तराख्या उकारा उत्तरात्मिका।
ऋसूता ऋभवा ऋस्था ऋलृकारस्वरूपिणी॥ १२॥
ऋकारा च लृकारा च लृतकप्रीतिदायिनी।
एका च एकवीरा च एकारैकाररूपिणी॥ १३॥
ओकारी ओघरूपा च ओघत्रयसुपूजिता।
ओघस्था ओघसम्भूता ओघधात्री च ओघसूः॥ १४॥
षोडशस्वरसम्भूता षोडशस्वररूपिणी।
वर्णात्मा वर्णनिलया शूलिनी वर्णमालिनी॥ १५॥
कालरात्रिर्महारात्रिर्मोहरात्रिः सुलोचना।
काली कपालिनी कृत्या कालिका सिंहगामिनी॥ १६॥
कात्यायनी कलाधारा कालदैत्यनिकृन्तनी।
कामिनी कामवन्द्या च कमनीया विनोदिनी॥ १७॥
कामसूः कामवनिता कामधूः कमलावती।
कामदात्री कराली च कामकेलिविनोदिनी॥ १८॥
कामना कामदा काम्या कमला कमलार्चिता।
काश्मीरलिप्तवक्षोजा काश्मीरद्रवचर्चिता॥ १९॥
कनका कनकप्राणा कनकाचलवासिनी।
कनकाभा काननस्था कामाख्या कनकप्रदा॥ २०॥
कामपीठस्थिता नित्या कामधामनिवासिनी।
कम्बुकण्ठी करालाक्षी किशोरी च ललाटिनी॥ २१॥
कला काष्ठा निमेषा च कालस्था कामरूपिणी।
कालज्ञा कालमाता च कालधात्री कलावनी॥ २२॥

चैतन्यभैरवी चण्डा चैतन्यघनगेहिनी।
चित्स्वरूपा चिदाधारा चण्डवेगा चिदालया॥ ४५॥
चन्द्रमण्डलमध्यस्था चन्द्रकोटिसुशीतला।
चपला चन्द्रभगिनी चन्द्रकोटिनिभानना॥ ४६॥
चिन्तामणिगुणाधारा चिन्तामणिविभूषणा।
भक्तचिन्तामणिलता चिन्तामणिकृतालया॥ ४७॥
चारुचन्दनलिप्ताङ्गी चतुरा च चतुर्मुखी।
चैतन्यदा चिदानन्दा चारुचामरवीजिता॥ ४८॥
छत्रदा छत्रधारी च छलच्छद्मविनाशिनी।
छत्रहा छत्ररूपा च छत्रच्छायाकृतालया॥ ४९॥
जगज्जीवा जगद्धात्री जगदानन्दकारिणी।
यज्ञप्रिया यज्ञरता जपयज्ञपरायणा॥ ५०॥
जननी जानकी यज्वा यज्ञहा यज्ञनन्दिनी।
यज्ञदा यज्ञफलदा यज्ञस्थानकृतालया॥ ५१॥
यज्ञभोक्त्री यज्ञरूपा यज्ञविघ्नविनाशिनी।
जपाकुसुमसंकाशा जपाकुसुमशोभिता॥ ५२॥
जालन्धरी जया जैत्री जीमूतजयभाषिणी।
जयदा जयरूपा च जयस्था जयकारिणी॥ ५३॥
जगदीशप्रिया जीवा जलस्था जलजेक्षणा।
जलरूपा जह्नुकन्या यमुना जलजोदरी॥ ५४॥
जलजास्या जाह्नवी च जलजाभा जलोदरी।
यदुवंशोद्भवा जीवा यादवानन्दकारिणी॥ ५५॥

गङ्गा गोदावरी गीतिर्गायत्री गगनालया।
गीर्वाणसुन्दरी गौश्च गाधा गीर्वाणपूजिता॥ ३४॥
गीर्वाणचर्चितपदा गान्धारी गोमती तथा।
गर्विणी गर्वहन्त्री च गर्भस्था गर्भधारिणी॥ ३५॥
गर्भदा गर्भहन्त्री च गन्धर्वकुलपूजिता।
गया गौरी च गिरिजा गिरिस्था गिरिसम्भवा॥ ३६॥
गिरिगह्वरमध्यस्था कुञ्जरेश्वरगामिनी।
किरीटिनी च गदिनी गुञ्जाहारविभूषणा॥ ३७॥
गणपा गणका गण्या गणकानन्दकारिणी।
गणपूज्या च गीर्वाणा गणपानन्दवर्धिनी॥ ३८॥
गुरुमाता गुरुरता गुरुभक्तिपरायणा।
गोत्रा गौः कृष्णभगिनी कृष्णसूः कृष्णनन्दिनी॥ ३९॥
गोवर्धनी गोत्रधरा गोवर्धनकृतालया।
गोवर्धनधरा गोदा गौराङ्गी गौतमात्मजा॥ ४०॥
घर्घरा घोररूपा च घोरा घर्घरनादिनी।
श्यामा घनरवाऽघोरा घना घोरार्तिनाशिनी॥ ४१॥
घनस्था च घनानन्दा दारिद्र्यघननाशिनी।
चित्तज्ञा चिन्तितपदा चित्तस्था चित्तरूपिणी॥ ४२॥
चक्रिणी चारुचम्पाभा चारुचम्पकमालिनी।
चन्द्रिका चन्द्रकान्तिश्च चापिनी चन्द्रशेखरा॥ ४३॥
चण्डिका चण्डदैत्यघ्नी चन्द्रशेखरवल्लभा।
चाण्डालिनी च चामुण्डा चण्डमुण्डवधोद्यता॥ ४४॥

तारहारा च तुलजा डाकिनीतन्त्रगोचरा।
त्रिपुरा त्रिदशा त्रिस्था त्रिपुरासुरघातिनी॥ ६७॥
त्रिगुणा च त्रिकोणस्था त्रिमात्रा त्रितनुस्थिता।
त्रैविद्या च त्रयी त्रिघ्नि तुरीया त्रिपुरेश्वरी॥ ६८॥
त्रिकोदरस्था त्रिविधा त्रैलोक्या त्रिपुरात्मिका।
त्रिधाम्नी त्रिदशाराध्या त्र्यक्षा त्रिपुरवासिनी॥ ६९॥
त्रिवर्णा त्रिपदी तारा त्रिमूर्तिजननी त्वरा।
त्रिदिवा त्रिदिवेशानी देवी त्रैलोक्यधारिणी॥ ७०॥
त्रिमूर्तिश्च त्रिजननी त्रिभूस्त्रिपुरसुन्दरी।
तपस्विनी तपोनिष्ठा तरुणीताररूपिणी॥ ७१॥
तामसी तापसी चैव तापघ्नी च तमोऽपहा।
तरुणार्कप्रतीकाशा तप्तकाञ्चनसंनिभा॥ ७२॥
उन्मादिनी तन्तुरूपा त्रैलोक्यव्यापिनीश्वरी।
तार्किकी तर्कविद्या च तापत्रयविनाशिनी॥ ७३॥
त्रिपुष्करा त्रिकालज्ञा त्रिसन्ध्या च त्रिलोचना।
त्रिवर्गा च त्रिवर्गस्था तपसः सिद्धिदायिनी॥ ७४॥
अधोक्षजा अयोध्या च अपर्णा च अवन्तिका।
कारिका तीर्थरूपा च तीर्थतीर्थकरी तथा॥ ७५॥
दारिद्र्यदुःखदलिनी अदीना दीनवत्सला।
दीननाथप्रिया दीर्घा दयापूर्णा दयात्मिका॥ ७६॥
देवदानवसम्पूज्या देवानां प्रियकारिणी।
दक्षपुत्री दक्षमाता दक्षयज्ञविनाशिनी॥ ७७॥

यशोदा यशसां राशिर्यशोदानन्दकारिणी।
ज्वलिनी ज्वालिनी ज्वाला ज्वलत्पावकसंनिभा॥ ५६ ॥
ज्वालामुखी जगन्माता यमलार्जुनभञ्जिनी।
जन्मदा जन्महा जन्मा जन्मभूर्जनकात्मजा॥ ५७ ॥
जनानन्दा जाम्बवती जम्बूद्वीपकृतालया।
जाम्बूनदसमानाभा जाम्बूनदविभूषणा॥ ५८ ॥
जम्भहा जातिदा जातिर्ज्ञानदा ज्ञानगोचरा।
ज्ञानहा ज्ञानरूपा च ज्ञानविज्ञानशालिनी॥ ५९ ॥
जिनजैत्री जिनाधारा जिनामाता जिनेश्वरी।
जितेन्द्रिया जनाधारा अजिनाम्बरधारिणी॥ ६० ॥
शम्भुकोटिदुराधर्षा विष्णुकोटिविमर्दिनी।
समुद्रकोटिगम्भीरा वायुकोटिमहाबला॥ ६१ ॥
सूर्यकोटिप्रतीकाशा यमकोटिदुरापहा।
कामधुक्कोटिफलदा शक्रकोटिसुराज्यदा॥ ६२ ॥
कन्दर्पकोटिलावण्या पद्मकोटिनिभानना।
पृथ्वीकोटिजनाधारा अग्निकोटिभयङ्करी॥ ६३ ॥
अणिमा महिमा प्राप्तिर्गरिमा लघिमा तथा।
प्राकाम्यदा वशकरी ईशिका सिद्धिदा तथा॥ ६४ ॥
महिमादिगुणोपेता अणिमाद्यष्टसिद्धिदा।
जवनघ्नी जनाधीना जामिनी च जरापहा॥ ६५ ॥
तारिणी तारिका तारा तोतला तुलसीप्रिया।
तन्त्रिणी तन्त्ररूपा च तन्त्रज्ञा तन्त्रधारिणी॥ ६६ ॥

नीतिज्ञा नीतिदा नीतिर्निम्ननाभिर्नगेश्वरी।
निष्ठा नित्या निरातङ्का नागयज्ञोपवीतिनी॥ ८९॥
निधिदा निधिरूपा च निर्गुणा नरवाहिनी।
नरमांसरता नारी नरमुण्डविभूषणा॥ ९०॥
निराधारा निर्विकारा नुतिर्निर्वाणसुन्दरी।
नरासृक्पानमत्ता च निर्वैरा नागगामिनी॥ ९१॥
परमा प्रमिता प्राज्ञा पार्वती पर्वतात्मजा।
पर्वप्रिया पर्वरता पर्वपावनपावनी॥ ९२॥
परात्परतरा पूर्वा पश्चिमा पापनाशिनी।
पशूनां पतिपत्नी च पतिभक्तिपरायणी॥ ९३॥
परेशी पारगा पारा परंज्योतिःस्वरूपिणी।
निष्ठुरा क्रूरहृदया परासिद्धिः परागतिः॥ ९४॥
पशुघ्नी पशुरूपा च पशुहा पशुवाहिनी।
पिता माता च यन्त्री च पशुपाशविनाशिनी॥ ९५॥
पद्मिनी पद्महस्ता च पद्मकिञ्जल्कवासिनी।
पद्मवक्त्रा च पद्माक्षी पद्मस्था पद्मसम्भवा॥ ९६॥
पद्मास्या पञ्चमी पूर्णा पूर्णपीठनिवासिनी।
पद्मरागप्रतीकाशा पाञ्चाली पञ्चमप्रिया॥ ९७॥
परब्रह्मस्वरूपा च परब्रह्मनिवासिनी।
परमानन्दमुदिता परचक्रविनाशिनी॥ ९८॥
परेशी परमा पृथ्वी पीनतुङ्गपयोधरा।
परावरा पराविद्या परमानन्ददायिनी॥ ९९॥

देवसूर्दक्षिणा दक्षा दुर्गा दुर्गतिनाशिनी।
देवकीगर्भसम्भूता दुर्गदैत्यविनाशिनी॥ ७८॥
अट्टाट्टहासिनी दोला दोलाकर्माभिनन्दिनी।
देवकी देविका देवी दुरितघ्नी तटित्तथा॥ ७९॥
गण्डकी गल्लकी क्षिप्रा द्वारा द्वारवती तथा।
आनन्दोदधिमध्यस्था कटिसूत्रैरलंकृता॥ ८०॥
घोराग्निदाहदमनी दुःखदुःस्वप्ननाशिनी।
श्रीमयी श्रीमती श्रेष्ठा श्रीकरी श्रीविभाविनी॥ ८१॥
श्रीदा श्रीशा श्रीनिवासा श्रीमती श्रीर्मतिर्गतिः।
धनदा दामिनी दान्ता धर्मदा धनशालिनी॥ ८२॥
दाडिमीपुष्पसंकाशा धनागारा धनञ्जया।
धूम्राभा धूम्रदैत्यघ्नी धवला धवलप्रिया॥ ८३॥
धूम्रवक्त्रा धूम्रनेत्रा धूम्रकेशी च धूसरा।
धरणी धारिणी धैर्या धरा धात्री च धैर्यदा॥ ८४॥
दमिनी धार्मिणी धूश्च दया दोग्ध्री दुरासदा।
नारायणी नारसिंही नृसिंहहृदयालया॥ ८५॥
नागिनी नागकन्या च नागसूर्नागनायिका।
नानारत्नविचित्राङ्गी नानाभरणमण्डिता॥ ८६॥
दुर्गस्था दुर्गरूपा च दुःखदुष्कृतनाशिनी।
ह्रींकारी चैव श्रींकारी हुंकारी क्लेशनाशिनी॥ ८७॥
नगात्मजा नागरी च नवीना नूतनप्रिया।
नीरजास्या नीरदाभा नवलावण्यसुन्दरी॥ ८८॥

भागीरथी भोगवती भवघ्नी भुवनात्मिका।
भूतिदा भूतिरूपा च भूतस्था भूतवर्धिनी॥ ११२॥
माहेश्वरी महामाया महातेजा महासुरी।
महाजिह्वा महालोला महादंष्ट्रा महाभुजा॥ ११३॥
महामोहान्धकारघ्नी महामोक्षप्रदायिनी।
महादारिद्र्यशमनी महाशत्रुविमर्दिनी॥ ११४॥
महाशक्तिर्महाज्योतिर्महासुरविमर्दिनी।
महाकाया महावीर्या महापातकनाशिनी॥ ११५॥
महारवा मन्त्रमयी मणिपूरनिवासिनी।
मानसी मानदा मान्या मनश्चक्षुरगोचरा॥ ११६॥
माहेन्द्री मधुरा माया महिषासुरमर्दिनी।
महाकुण्डलिनी शक्तिर्महाविभववर्धिनी॥ ११७॥
मानसी माधवी मेधा मतिदा मतिधारिणी।
मेनकागर्भसम्भूता मेनकाभगिनी मतिः॥ ११८॥
महोदरी मुक्तकेशी मुक्तिकामार्थसिद्धिदा।
माहेशी महिषारूढा मधुदैत्यविमर्दिनी॥ ११९॥
महाव्रता महामूर्धा महाभयविनाशिनी।
मातङ्गी मत्तमातङ्गी मातङ्गकुलमण्डिता॥ १२०॥
महाघोरा माननीया मत्तमातङ्गगामिनी।
मुक्ताहारलतोपेता मदघूर्णितलोचना॥ १२१॥
महापराधराशिघ्नी महाचौरभयापहा।
महाचिन्त्यस्वरूपा च मणिमन्त्रमहौषधी॥ १२२॥
मणिमण्डपमध्यस्था मणिमालाविराजिता।
मन्त्रात्मिका मन्त्रगम्या मन्त्रमाता सुमन्त्रिणी॥ १२३॥

पूजा प्रजावती पुष्टिः पिनाकीपरिकीर्तिता।
प्राणहा प्राणरूपा च प्राणदा च प्रियंवदा॥ १००॥
फणिभूता फणावेशी फकाराकुण्ठमालिनी।
फणिराड्वृतसर्वाङ्गी फलभागनिवासिनी॥ १०१॥
बलभद्रस्य भगिनी बाला बालप्रदायिनी।
फल्गुरूपा प्रलम्बघ्नी फल्गूत्सवविनोदिनी॥ १०२॥
भवानी भवपत्नी च भवभीतिहरा भवा।
भवेश्वरी भवाराध्या भवेशी भवदायिका॥ १०३॥
भवमाता भवागम्या भवकण्टकनाशिनी।
भवप्रिया भवानन्दा भव्या च भवमोचिनी॥ १०४॥
भावनीया भगवती भवभारविनाशिनी।
भूतधात्री च भूतेशी भूतस्था भूतरूपिणी॥ १०५॥
भूतमाता च भूतघ्नी भूतपञ्चकवासिनी।
भोगोपचारकुशला भिस्साधात्री च भूचरी॥ १०६॥
भीतिघ्नी भक्तिगम्या च भक्तानामार्तिनाशिनी।
भक्तानुकम्पिनी भीमा भगिनी भगनायिका॥ १०७॥
भगविद्या भगक्लिन्ना भगयोनिर्भगप्रदा।
भगेशी भगरूपा च भगगुह्या भगापहा॥ १०८॥
भगोदरी भगानन्दा भाग्यदा भगमालिनी।
भोगप्रदा भोगवासा भोगमूला च भोगिनी॥ १०९॥
भेरुण्डा भेदिनी भीमा भद्रकाली भिदोज्झिता।
भैरवी भुवनेशानी भुवना भुवनेश्वरी॥ ११०॥
भीमाक्षी भारती चैव भैरवाष्टकसेविता।
भास्वरा भास्वती भीतिर्भास्वदुत्तानशालिनी॥ १११॥

बाणचापधरा वीरा बिन्दुस्था बिन्दुमालिनी।
षट्चक्रभेदिनी षोढा षोडशारनिवासिनी॥ १३५॥
शितिकण्ठप्रिया शान्ता शाकिनी वातरूपिणी।
शाश्वती शम्भुवनिता शाम्भवी शिवरूपिणी॥ १३६॥
शिवमाता च शिवदा शिवा शिवहृदासना।
शुक्लाम्बरा शीतला च शीला शीलप्रदायिनी॥ १३७॥
शिशुप्रिया वैद्यविद्या शालग्रामशिला शुचिः।
हरिप्रिया हरमूर्तिर्हरिनेत्रकृतालया॥ १३८॥
हरिवक्त्रोद्भवा हाला हरिवक्षःस्थलस्थिता।
क्षेमङ्करी क्षितिः क्षेत्रा क्षुधितस्य प्रपूरणी॥ १३९॥
वैश्या च क्षत्रिया शूद्री क्षत्रियाणां कुलेश्वरी।
हरपत्नी हराराध्या हरसूर्हररूपिणी॥ १४०॥
सर्वानन्दमयी सिद्धिः सर्वरक्षास्वरूपिणी।
सर्वदुष्टप्रशमनी सर्वेप्सितफलप्रदा॥ १४१॥
सर्वसिद्धेश्वराराध्या सर्वमङ्गलमङ्गला।

॥ फलश्रुतिः॥

पुण्यं सहस्त्रनामेदं तव प्रीत्या प्रकाशितम्॥ १४२॥
गोपनीयं प्रयत्नेन पठनीयं प्रयत्नतः।
नातः परतरं पुण्यं नातः परतरं तपः॥ १४३॥
नातः परतरं स्तोत्रं नातः परतरा गतिः।
स्तोत्रं नामसहस्त्राख्यं मम वक्त्राद्विनिर्गतम्॥ १४४॥
यः पठेत् परया भक्त्या शृणुयाद्वा समाहितः।
मोक्षार्थी लभते मोक्षं स्वर्गार्थी स्वर्गमाप्नुयात्॥ १४५॥

मेरुमन्दिरमध्यस्था मकराकृतिकुण्डला।
मन्थरा च महासूक्ष्मा महादूती महेश्वरी॥ १२४॥
मालिनी मानवी माध्वी मदरूपा मदोत्कटा।
मदिरा मधुरा चैव मोदिनी च महोद्धता॥ १२५॥
मङ्गलाङ्गी मधुमयी मधुपानपरायणा।
मनोरमा रमामाता राजराजेश्वरी रमा॥ १२६॥
राजमान्या राजपूज्या रक्तोत्पलविभूषणा।
राजीवलोचना रामा राधिका रामवल्लभा॥ १२७॥
शाकिनी डाकिनी चैव लावण्याम्बुधिवीचिका।
रुद्राणी रुद्ररूपा च रौद्रा रुद्रार्तिनाशिनी॥ १२८॥
रक्तप्रिया रक्तवस्त्रा रक्ताक्षी रक्तलोचना।
रक्तकेशी रक्तदंष्ट्रा रक्तचन्दनचर्चिता॥ १२९॥
रक्ताङ्गी रक्तभूषा च रक्तबीजनिपातिनी।
रागादिदोषरहिता रतिजा रतिदायिनी॥ १३०॥
विश्वेश्वरी विशालाक्षी विन्ध्यपीठनिवासिनी।
विश्वभूर्वीरविद्या च वीरसूर्वीरनन्दिनी॥ १३१॥
वीरेश्वरी विशालाक्षी विष्णुमाया विमोहिनी।
विद्यावी विष्णुरूपा च विशालनयनोत्पला॥ १३२॥
विष्णुमाता च विश्वात्मा विष्णुजायास्वरूपिणी।
ब्रह्मेशी ब्रह्मदा ब्राह्मी ब्रह्माणी ब्रह्मरूपिणी॥ १३३॥
द्वारका विश्ववन्द्या च विश्वपाशविमोचिनी।
विश्वासकारिणी विश्वा विश्वशक्तिर्विचक्षणा॥ १३४॥

एकदा पठनादेव सर्वपापक्षयो भवेत्।
नश्यन्ति च महारोगा दशधावर्तनेन च॥ १५८॥
शतधावर्तने चैव वाचां सिद्धिः प्रजायते।
नवरात्रे जिताहारो दृढबुद्धिर्जितेन्द्रियः॥ १५९॥
अम्बिकायतने विद्वान् शुचिष्मान् मूर्तिसंनिधौ।
एकाकी च दशावर्तं पठन् धीरश्च निर्भयः॥ १६०॥
साक्षाद्भगवती तस्मै प्रयच्छेदीप्सितं फलम्।
सिद्धपीठे गिरौ रम्ये सिद्धक्षेत्रे सुरालये॥ १६१॥
पठनात् साधकस्याशु सिद्धिर्भवति वाञ्छिता।
दशावर्तं पठेन्नित्यं भूमिशायी नरः शुचिः॥ १६२॥
स्वप्ने मूर्तिमयीं देवीं वरदां सोऽपि पश्यति।
आवर्तनसहस्रैर्ये जपन्ति पुरुषोत्तमाः॥ १६३॥
ते सिद्धाः सिद्धिदा लोके शापानुग्रहणक्षमाः।
प्रयच्छन्तश्च सर्वस्वं सेवन्ते तान्महीश्वराः॥ १६४॥
भूर्जपत्रेऽष्टगन्धेन लिखित्वा तु शुभे दिने।
धारयेद्यन्त्रितं शीर्षे पूजयित्वा कुमारिकाम्॥ १६५॥
ब्राह्मणान् वरनारीश्च धूपैः कुसुमचन्दनैः।
क्षीरखण्डादिभोज्यांश्च भोजयित्वा सुभक्तितः॥ १६६॥
बध्नन्ति ये महारक्षां बालानां च विशेषतः।
रुद्रं दृष्ट्वा यथा देवं विष्णुं दृष्ट्वा च दानवाः॥ १६७॥
पन्नगा गरुडं दृष्ट्वा सिंहं दृष्ट्वा यथा गजाः।
मण्डूका भोगिनं दृष्ट्वा मार्जारं मूषिकास्तथा॥ १६८॥
विघ्नभूताः पलायन्ते तस्य वक्त्रविलोकनात्।
अग्निचौरभयं तस्य कदाचिन्नैव सम्भवेत्॥ १६९॥

॥ श्रीअन्नपूर्णायै नमः ॥

श्रीअन्नपूर्णासहस्त्रनामावलिः

१ ॐ अन्नपूर्णायै नमः।
२ ॐ अन्नदात्र्यै नमः।
३ ॐ अन्नराशिकृतालयायै नमः।
४ ॐ अन्नदायै नमः।
५ ॐ अन्नरूपायै नमः।
६ ॐ अन्नदानरतोत्सवायै नमः।
७ ॐ अनन्तायै नमः।
८ ॐ अनन्ताक्ष्यै नमः।
९ ॐ अनन्तगुणशालिन्यै नमः।
१० ॐ अच्युतायै नमः।
११ ॐ अच्युतप्राणायै नमः।
१२ ॐ अच्युतानन्दकारिण्यै नमः।
१३ ॐ अव्यक्तायै नमः।
१४ ॐ अनन्तमहिमायै नमः।
१५ ॐ अनन्तस्य कुलेश्वर्यै नमः।
१६ ॐ अब्धिस्थायै नमः।
१७ ॐ अब्धिशयनायै नमः।
१८ ॐ अब्धिजायै नमः।
१९ ॐ अब्धिनन्दिन्यै नमः।
२० ॐ अब्जस्थायै नमः।
२१ ॐ अब्जनिलयायै नमः।
२२ ॐ अब्जजायै नमः।
२३ ॐ अब्जभूषणायै नमः।
२४ ॐ अब्जाभायै नमः।
२५ ॐ अब्जहस्तायै नमः।
२६ ॐ अब्जपत्रशुभेक्षणायै नमः।
२७ ॐ अब्जाननायै नमः।
२८ ॐ अनन्तात्मने नमः।
२९ ॐ अग्निस्थायै नमः।
३० ॐ अग्निरूपिण्यै नमः।
३१ ॐ अग्निजायायै नमः।
३२ ॐ अग्निमुख्यै नमः।
३३ ॐ अग्निकुण्डकृतालयायै नमः।
३४ ॐ अकारायै नमः।
३५ ॐ अग्निमात्रे नमः।
३६ ॐ अजयायै नमः।
३७ ॐ अदितिनन्दिन्यै नमः।
३८ ॐ आद्यायै नमः।
३९ ॐ आदित्यसंकाशायै नमः।
४० ॐ आत्मज्ञायै नमः।
४१ ॐ आत्मगोचरायै नमः।
४२ ॐ आत्मसुवे नमः।
४३ ॐ आत्मदयितायै नमः।
४४ ॐ आधारायै नमः।
४५ ॐ आत्मरूपिण्यै नमः।
४६ ॐ आशायै नमः।

कामार्थी लभते कामं धनार्थी लभते धनम्।
विद्यार्थी लभते विद्यां यशोऽर्थी लभते यशः॥ १४६॥
कन्यार्थी लभते कन्यां सुतार्थी लभते सुतान्।
मूर्खोऽपि लभते शास्त्रं चोरोऽपि लभते गतिम्॥ १४७॥
गुर्विणी जनयेत् पुत्रं कन्या विन्दति सत्पतिम्।
संक्रान्त्यां च चतुर्दश्यामष्टम्यां च विशेषतः॥ १४८॥
पौर्णमास्याममावास्यां नवम्यां भौमवासरे।
पठेद्वा पाठयेद्वापि पूजयेद्वापि पुस्तकम्॥ १४९॥
स मुक्तः सर्वपापेभ्यः कामेश्वरसमो भवेत्।
लक्ष्मीवान् सुतवांश्चैव वल्लभः सर्वयोषिताम्॥ १५०॥
तस्य वश्यं भवेदाशु त्रैलोक्यं सचराचरम्।
विद्यानां पारगो विप्रः क्षत्रियो विजयी रणे॥ १५१॥
वैश्यो धनसमृद्धः स्याच्छूद्रः सुखमवाप्नुयात्।
क्षेत्रे च बहुसस्यं स्याद्गावश्च बहुदुग्धदाः॥ १५२॥
नाशुभं नापदस्तस्य न भयं नृपशत्रुतः।
जायते नाशुभा बुद्धिर्लभते कुलपूज्यताम्॥ १५३॥
न बाधन्ते ग्रहास्तस्य न रक्षांसि न पन्नगाः।
न पिशाचा न डाकिन्यो भूतबेतालडम्भकाः॥ १५४॥
बालग्रहाभिभूतानां बालानां शान्तिकारकम्।
द्वन्द्वानां प्रतिभेदे च मैत्रीकरणमुत्तमम्॥ १५५॥
लोहपाशैर्दृढैर्बद्धो बन्दी वेश्मनि दुर्गमे।
तिष्ठञ्छृण्वन्पठन्मर्त्यो मुच्यते नात्र संशयः॥ १५६॥
पश्यन्ति नहि ते शोकं वियोगं चिरजीविनः।
शृण्वती बद्धगर्भा च सुखं सैव प्रसूयते॥ १५७॥

१०३ ॐ वर्णनिलयायै नमः।
१०४ ॐ शूलिन्यै नमः।
१०५ ॐ वर्णमालिन्यै नमः।
१०६ ॐ कालरात्र्यै नमः।
१०७ ॐ महारात्र्यै नमः।
१०८ ॐ मोहरात्र्यै नमः।
१०९ ॐ सुलोचनायै नमः।
११० ॐ काल्यै नमः।
१११ ॐ कपालिन्यै नमः।
११२ ॐ कृत्यायै नमः।
११३ ॐ कालिकायै नमः।
११४ ॐ सिंहगामिन्यै नमः।
११५ ॐ कात्यायन्यै नमः।
११६ ॐ कलाधारायै नमः।
११७ ॐ कालदैत्यनिकृन्तन्यै नमः।
११८ ॐ कामिन्यै नमः।
११९ ॐ कामवन्द्यायै नमः।
१२० ॐ कमनीयायै नमः।
१२१ ॐ विनोदिन्यै नमः।
१२२ ॐ कामस्वै नमः।
१२३ ॐ कामवनितायै नमः।
१२४ ॐ कामधुरे नमः।
१२५ ॐ कमलावत्यै नमः।
१२६ ॐ कामदात्र्यै नमः।
१२७ ॐ कराल्यै नमः।
१२८ ॐ कामकेलिविनोदिन्यै नमः।
१२९ ॐ कामनायै नमः।
१३० ॐ कामदायै नमः।
१३१ ॐ काम्यायै नमः।
१३२ ॐ कमलायै नमः।
१३३ ॐ कमलार्चितायै नमः।
१३४ ॐ काश्मीरलिप्तवक्षोजायै नमः।
१३५ ॐ काश्मीरद्रवचर्चितायै नमः।
१३६ ॐ कनकायै नमः।
१३७ ॐ कनकप्राणायै नमः।
१३८ ॐ कनकाचलवासिन्यै नमः।
१३९ ॐ कनकाभायै नमः।
१४० ॐ काननस्थायै नमः।
१४१ ॐ कामाख्यायै नमः।
१४२ ॐ कनकप्रदायै नमः।
१४३ ॐ कामपीठस्थितायै नमः।
१४४ ॐ नित्यायै नमः।
१४५ ॐ कामधामनिवासिन्यै नमः।
१४६ ॐ कम्बुकण्ठ्यै नमः।
१४७ ॐ करालाक्ष्यै नमः।
१४८ ॐ किशोर्यै नमः।
१४९ ॐ ललाटिन्यै नमः।
१५० ॐ कलायै नमः।
१५१ ॐ काष्ठायै नमः।
१५२ ॐ निमेषायै नमः।
१५३ ॐ कालस्थायै नमः।
१५४ ॐ कामरूपिण्यै नमः।
१५५ ॐ कालज्ञायै नमः।
१५६ ॐ कालमात्रे नमः।
१५७ ॐ कालधात्र्यै नमः।
१५८ ॐ कलावन्यै नमः।

पातकान् विविधान् सोऽपि मेरुमन्दरसंनिभान्।
भस्मितान् कुरुते क्षिप्रं तृणं वह्निहुतं यथा॥ १७०॥
नृपाश्च वश्यतां यान्ति नृपपूज्याश्च ते नराः।
महार्णवे महानद्यां पोतस्थे च न भीः क्वचित्॥ १७१॥
रणे द्यूते विवादे च विजयं प्राप्नुवन्ति ते।
सर्वत्र पूजितो लोकैर्बहुमानपुरःसरैः॥ १७२॥
रतिरागविवृद्धाश्च विह्वलाः कामपीडिताः।
यौवनाक्रान्तदेहास्तान् श्रयन्ते वामलोचनाः॥ १७३॥
सहस्रं जपते यस्तु खेचरो जायते नरः।
सहस्रदशकं देवि यः पठेद्भक्तिमान् नरः॥ १७४॥
सा तस्य जगतां धात्री प्रत्यक्षा भवति ध्रुवम्।
लक्षं पूर्णं यदा देवी स्तोत्रराजं जपेत् सुधीः॥ १७५॥
भवपाशविनिर्मुक्तो मम तुल्यो न संशयः।
सर्वतीर्थेषु यत्पुण्यं सर्वतीर्थेषु यत्फलम्॥ १७६॥
सर्वधर्मेषु यज्ञेषु सर्वदानेषु यत्फलम्।
सर्ववेदेषु प्रोक्तेषु यत्फलं परिकीर्तितम्॥ १७७॥
तत्पुण्यं कोटिगुणितं सकृज्जप्त्वा लभेन्नरः।
देहान्ते परमं स्थानं यत्सुरैरपि दुर्लभम्।
स यास्यति न संदेहः स्तवराजस्य कीर्तनात्॥ १७८॥

॥ इति श्रीरुद्रयामले उत्तरखण्डे भवानीश्वरसंवादे
श्रीअन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



२१५ ॐ कामरूपायै नमः।
२१६ ॐ ह्रींकार्यै नमः।
२१७ ॐ कश्यपान्वयवर्धिन्यै नमः।
२१८ ॐ खर्वायै नमः।
२१९ ॐ खञ्जनद्वन्द्वलोचनायै नमः।
२२० ॐ खर्ववाहिन्यै नमः।
२२१ ॐ खड्गिन्यै नमः।
२२२ ॐ खड्गहस्तायै नमः।
२२३ ॐ खेचर्यै नमः।
२२४ ॐ खड्गरूपिण्यै नमः।
२२५ ॐ खगस्थायै नमः।
२२६ ॐ खगरूपायै नमः।
२२७ ॐ खगगायै नमः।
२२८ ॐ खगसम्भवायै नमः।
२२९ ॐ खगधात्र्यै नमः।
२३० ॐ खगानन्दायै नमः।
२३१ ॐ खगयोनिस्वरूपिण्यै नमः।
२३२ ॐ खगेश्यै नमः।
२३३ ॐ खेटककरायै नमः।
२३४ ॐ खगानन्दविवर्धिन्यै नमः।
२३५ ॐ खगमान्यायै नमः।
२३६ ॐ खगाधारायै नमः।
२३७ ॐ खगगर्वविमोचिन्यै नमः।
२३८ ॐ गङ्गायै नमः।
२३९ ॐ गोदावर्यै नमः।
२४० ॐ गीत्यै नमः।
२४१ ॐ गायत्र्यै नमः।
२४२ ॐ गगनालयायै नमः।
२४३ ॐ गीर्वाणसुन्दर्यै नमः।
२४४ ॐ गवे नमः।
२४५ ॐ गाधायै नमः।
२४६ ॐ गीर्वाणपूजितायै नमः।
२४७ ॐ गीर्वाणचर्चितपदायै नमः।
२४८ ॐ गान्धार्यै नमः।
२४९ ॐ गोमत्यै नमः।
२५० ॐ गर्विण्यै नमः।
२५१ ॐ गर्वहन्त्र्यै नमः।
२५२ ॐ गर्भस्थायै नमः।
२५३ ॐ गर्भधारिण्यै नमः।
२५४ ॐ गर्भदायै नमः।
२५५ ॐ गर्भहन्त्र्यै नमः।
२५६ ॐ गन्धर्वकुलपूजितायै नमः।
२५७ ॐ गयायै नमः।
२५८ ॐ गौर्यै नमः।
२५९ ॐ गिरिजायै नमः।
२६० ॐ गिरिस्थायै नमः।
२६१ ॐ गिरिसम्भवायै नमः।
२६२ ॐ गिरिगह्वरमध्यस्थायै नमः।
२६३ ॐ कुञ्जरेश्वरगामिन्यै नमः।
२६४ ॐ किरीटिन्यै नमः।
२६५ ॐ गदिन्यै नमः।
२६६ ॐ गुञ्जाहारविभूषणायै नमः।
२६७ ॐ गणपायै नमः।
२६८ ॐ गणकायै नमः।
२६९ ॐ गण्यायै नमः।
२७० ॐ गणकानन्दकारिण्यै नमः।

४७ ॐ आकाशपद्मस्थायै नमः।
४८ ॐ अवकाशस्वरूपिण्यै नमः।
४९ ॐ आशापुर्यै नमः।
५० ॐ अगाधायै नमः।
५१ ॐ अणिमादिसुसेवितायै नमः।
५२ ॐ अम्बिकायै नमः।
५३ ॐ अबलायै नमः।
५४ ॐ अम्बायै नमः।
५५ ॐ अनाद्यायै नमः।
५६ ॐ अयोनिजायै नमः।
५७ ॐ अनीशायै नमः।
५८ ॐ ईशिकायै नमः।
५९ ॐ ईशायै नमः।
६० ॐ ईशान्यै नमः।
६१ ॐ ईश्वरप्रियायै नमः।
६२ ॐ ईश्वर्यै नमः।
६३ ॐ ईश्वरप्राणायै नमः।
६४ ॐ ईश्वरानन्ददायिन्यै नमः।
६५ ॐ इन्द्राण्यै नमः।
६६ ॐ इन्द्रदयितायै नमः।
६७ ॐ इन्द्रस्वै नमः।
६८ ॐ इन्द्रपालिन्यै नमः।
६९ ॐ इन्दिरायै नमः।
७० ॐ इन्द्रभगिन्यै नमः।
७१ ॐ इन्द्रियायै नमः।
७२ ॐ इन्दुभूषणायै नमः।
७३ ॐ इन्दुमात्रे नमः।
७४ ॐ इन्दुमुख्यै नमः।
७५ ॐ इन्द्रियाणां वशङ्कर्यै नमः।
७६ ॐ उमायै नमः।
७७ ॐ उमापतेः प्राणायै नमः।
७८ ॐ ओड्याणी पीठवासिन्यै नमः।
७९ ॐ उत्तरज्ञायै नमः।
८० ॐ उत्तराख्यायै नमः।
८१ ॐ उकारायै नमः।
८२ ॐ उत्तरात्मिकायै नमः।
८३ ॐ ऋसूतायै नमः।
८४ ॐ ऋभवायै नमः।
८५ ॐ ऋस्थायै नमः।
८६ ॐ ऋलृकारस्वरूपिण्यै नमः।
८७ ॐ ऋकारायै नमः।
८८ ॐ लृकारायै नमः।
८९ ॐ लृतकप्रीतिदायिन्यै नमः।
९० ॐ एकस्यै नमः।
९१ ॐ एकवीरायै नमः।
९२ ॐ एकारैकाररूपिण्यै नमः।
९३ ॐ ओकार्यै नमः।
९४ ॐ ओघरूपायै नमः।
९५ ॐ ओघत्रयसुपूजितायै नमः।
९६ ॐ ओघस्थायै नमः।
९७ ॐ ओघसम्भूतायै नमः।
९८ ॐ ओघधात्र्यै नमः।
९९ ॐ ओघस्वै नमः।
१०० ॐ षोडशस्वरसम्भूतायै नमः।
१०१ ॐ षोडशस्वररूपिण्यै नमः।
१०२ ॐ वर्णात्मने नमः।

३२७ ॐ चपलायै नमः।
३२८ ॐ चन्द्रभगिन्यै नमः।
३२९ ॐ चन्द्रकोटिनिभाननायै नमः।
३३० ॐ चिन्तामणिगुणाधारायै नमः।
३३१ ॐ चिन्तामणिविभूषणायै नमः।
३३२ ॐ भक्तचिन्तामणिलतायै नमः।
३३३ ॐ चिन्तामणिकृतालयायै नमः।
३३४ ॐ चारुचन्दनलिप्ताङ्ग्यै नमः।
३३५ ॐ चतुरायै नमः।
३३६ ॐ चतुर्मुख्यै नमः।
३३७ ॐ चैतन्यदायै नमः।
३३८ ॐ चिदानन्दायै नमः।
३३९ ॐ चारुचामरवीजितायै नमः।
३४० ॐ छत्रदायै नमः।
३४१ ॐ छत्रधार्यै नमः।
३४२ ॐ छलच्छद्मविनाशिन्यै नमः।
३४३ ॐ छत्रघ्ने नमः।
३४४ ॐ छत्ररूपायै नमः।
३४५ ॐ छत्रच्छायाकृतालयायै नमः।
३४६ ॐ जगज्जीवायै नमः।
३४७ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
३४८ ॐ जगदानन्दकारिण्यै नमः।
३४९ ॐ यज्ञप्रियायै नमः।
३५० ॐ यज्ञरतायै नमः।
३५१ ॐ जपयज्ञपरायणायै नमः।
३५२ ॐ जनन्यै नमः।
३५३ ॐ जानक्यै नमः।
३५४ ॐ यज्वने नमः।
३५५ ॐ यज्ञघ्ने नमः।
३५६ ॐ यज्ञनन्दिन्यै नमः।
३५७ ॐ यज्ञदायै नमः।
३५८ ॐ यज्ञफलदायै नमः।
३५९ ॐ यज्ञस्थानकृतालयायै नमः।
३६० ॐ यज्ञभोक्त्र्यै नमः।
३६१ ॐ यज्ञरूपायै नमः।
३६२ ॐ यज्ञविघ्नविनाशिन्यै नमः।
३६३ ॐ जपाकुसुमसंकाशायै नमः।
३६४ ॐ जपाकुसुमशोभितायै नमः।
३६५ ॐ जालन्धर्यै नमः।
३६६ ॐ जयायै नमः।
३६७ ॐ जैत्र्यै नमः।
३६८ ॐ जीमूतजयभाषिण्यै नमः।
३६९ ॐ जयदायै नमः।
३७० ॐ जयरूपायै नमः।
३७१ ॐ जयस्थायै नमः।
३७२ ॐ जयकारिण्यै नमः।
३७३ ॐ जगदीशप्रियायै नमः।
३७४ ॐ जीवायै नमः।
३७५ ॐ जलस्थायै नमः।
३७६ ॐ जलजेक्षणायै नमः।
३७७ ॐ जलरूपायै नमः।
३७८ ॐ जह्नुकन्यायै नमः।
३७९ ॐ यमुनायै नमः।
३८० ॐ जलजोदर्यै नमः।
३८१ ॐ जलजास्यायै नमः।
३८२ ॐ जाह्नव्यै नमः।

१५९ ॐ कालदायै नमः।
१६० ॐ कालघ्न्यै नमः।
१६१ ॐ कुल्यायै नमः।
१६२ ॐ कुरुकुल्यायै नमः।
१६३ ॐ कुलाङ्गनायै नमः।
१६४ ॐ कीर्तिदायै नमः।
१६५ ॐ कीर्तिघ्नै नमः।
१६६ ॐ कीर्त्यै नमः।
१६७ ॐ कीर्तिस्थायै नमः।
१६८ ॐ कीर्तिवर्धिन्यै नमः।
१६९ ॐ कीर्तिज्ञायै नमः।
१७० ॐ कीर्तितपदायै नमः।
१७१ ॐ कृत्तिकायै नमः।
१७२ ॐ केशवप्रियायै नमः।
१७३ ॐ केशिघ्न्यै नमः।
१७४ ॐ केलिकार्यै नमः।
१७५ ॐ केशवानन्दकारिण्यै नमः।
१७६ ॐ कुमुदाभायै नमः।
१७७ ॐ कुमार्यै नमः।
१७८ ॐ कर्मदायै नमः।
१७९ ॐ कमलेक्षणायै नमः।
१८० ॐ कौमुद्यै नमः।
१८१ ॐ कुमुदानन्दायै नमः।
१८२ ॐ कौलिक्यै नमः।
१८३ ॐ कुमुद्वत्यै नमः।
१८४ ॐ कोदण्डधारिण्यै नमः।
१८५ ॐ क्रोधायै नमः।
१८६ ॐ कूटस्थायै नमः।
१८७ ॐ कोटराश्रयायै नमः।
१८८ ॐ कालकण्ठ्यै नमः।
१८९ ॐ करालाङ्ग्यै नमः।
१९० ॐ कालाङ्ग्यै नमः।
१९१ ॐ कालभूषणायै नमः।
१९२ ॐ कङ्काल्यै नमः।
१९३ ॐ कामदामायै नमः।
१९४ ॐ कङ्कालकृतभूषणायै नमः।
१९५ ॐ कपालकर्तृककरायै नमः।
१९६ ॐ करवीरस्वरूपिण्यै नमः।
१९७ ॐ कपर्दिन्यै नमः।
१९८ ॐ कोमलाङ्ग्यै नमः।
१९९ ॐ कृपासिन्धवे नमः।
२०० ॐ कृपामय्यै नमः।
२०१ ॐ कुशावत्यै नमः।
२०२ ॐ कुण्डसंस्थायै नमः।
२०३ ॐ कौबेर्यै नमः।
२०४ ॐ कौशिक्यै नमः।
२०५ ॐ काश्यप्यै नमः।
२०६ ॐ कद्रुतनयायै नमः।
२०७ ॐ कलिकल्मषनाशिन्यै नमः।
२०८ ॐ कञ्जस्थायै नमः।
२०९ ॐ कञ्जवदनायै नमः।
२१० ॐ कञ्जकिञ्जल्कचर्चितायै नमः।
२११ ॐ कञ्जाभायै नमः।
२१२ ॐ कञ्जशैलस्थायै नमः।
२१३ ॐ कञ्जनेत्रायै नमः।
२१४ ॐ कचोद्भवायै नमः।

४३९ ॐ लघिम्ने नमः।
४४० ॐ प्राकाम्यदायै नमः।
४४१ ॐ वशकर्यै नमः।
४४२ ॐ ईशिकायै नमः।
४४३ ॐ सिद्धिदायै नमः।
४४४ ॐ महिमादिगुणोपेतायै नमः।
४४५ ॐ अणिमाद्यष्टसिद्धिदायै नमः।
४४६ ॐ जवनघ्न्यै नमः।
४४७ ॐ जनाधीनायै नमः।
४४८ ॐ जामिन्यै नमः।
४४९ ॐ जरापहायै नमः।
४५० ॐ तारिण्यै नमः।
४५१ ॐ तारिकायै नमः।
४५२ ॐ तारायै नमः।
४५३ ॐ तोतलायै नमः।
४५४ ॐ तुलसीप्रियायै नमः।
४५५ ॐ तन्त्रिण्यै नमः।
४५६ ॐ तन्त्ररूपायै नमः।
४५७ ॐ तन्त्रज्ञायै नमः।
४५८ ॐ तन्त्रधारिण्यै नमः।
४५९ ॐ तारहारायै नमः।
४६० ॐ तुलजायै नमः।
४६१ ॐ डाकिनीतन्त्रगोचरायै नमः।
४६२ ॐ त्रिपुरायै नमः।
४६३ ॐ त्रिदशायै नमः।
४६४ ॐ त्रिस्थायै नमः।
४६५ ॐ त्रिपुरासुरघातिन्यै नमः।
४६६ ॐ त्रिगुणायै नमः।
४६७ ॐ त्रिकोणस्थायै नमः।
४६८ ॐ त्रिमात्रायै नमः।
४६९ ॐ त्रितनुस्थितायै नमः।
४७० ॐ त्रैविद्यायै नमः।
४७१ ॐ त्रय्यै नमः।
४७२ ॐ त्रिघ्न्यै नमः।
४७३ ॐ तुरीयायै नमः।
४७४ ॐ त्रिपुरेश्वर्यै नमः।
४७५ ॐ त्रिकोदरस्थायै नमः।
४७६ ॐ त्रिविधायै नमः।
४७७ ॐ त्रैलोक्यायै नमः।
४७८ ॐ त्रिपुरात्मिकायै नमः।
४७९ ॐ त्रिधाम्न्यै नमः।
४८० ॐ त्रिदशाराध्यायै नमः।
४८१ ॐ त्र्यक्षायै नमः।
४८२ ॐ त्रिपुरवासिन्यै नमः।
४८३ ॐ त्रिवर्णायै नमः।
४८४ ॐ त्रिपद्यै नमः।
४८५ ॐ तारायै नमः।
४८६ ॐ त्रिमूर्तिजनन्यै नमः।
४८७ ॐ त्वरायै नमः।
४८८ ॐ त्रिदिवायै नमः।
४८९ ॐ त्रिदिवेशान्यै नमः।
४९० ॐ देव्यै नमः।
४९१ ॐ त्रैलोक्यधारिण्यै नमः।
४९२ ॐ त्रिमूर्त्यै नमः।
४९३ ॐ त्रिजनन्यै नमः।
४९४ ॐ त्रिभुवे नमः।

२७१ ॐ गणपूज्यायै नमः।
२७२ ॐ गीर्वाणायै नमः।
२७३ ॐ गणपानन्दवर्धिन्यै नमः।
२७४ ॐ गुरुमात्रे नमः।
२७५ ॐ गुरुरतायै नमः।
२७६ ॐ गुरुभक्तिपरायणायै नमः।
२७७ ॐ गोत्रायै नमः।
२७८ ॐ गवे नमः।
२७९ ॐ कृष्णभगिन्यै नमः।
२८० ॐ कृष्णास्वै नमः।
२८१ ॐ कृष्णानन्दिन्यै नमः।
२८२ ॐ गोवर्धन्यै नमः।
२८३ ॐ गोत्रधरायै नमः।
२८४ ॐ गोवर्धनकृतालयायै नमः।
२८५ ॐ गोवर्धनधरायै नमः।
२८६ ॐ गोदायै नमः।
२८७ ॐ गौराङ्ग्यै नमः।
२८८ ॐ गौतमात्मजायै नमः।
२८९ ॐ घर्घरायै नमः।
२९० ॐ घोररूपायै नमः।
२९१ ॐ घोरायै नमः।
२९२ ॐ घर्घरनादिन्यै नमः।
२९३ ॐ श्यामायै नमः।
२९४ ॐ घनरवायै नमः।
२९५ ॐ अघोरायै नमः।
२९६ ॐ घनायै नमः।
२९७ ॐ घोरार्तिनाशिन्यै नमः।
२९८ ॐ घनस्थायै नमः।
२९९ ॐ घनानन्दायै नमः।
३०० ॐ दारिद्र्यघननाशिन्यै नमः।
३०१ ॐ चित्तज्ञायै नमः।
३०२ ॐ चिन्तितपदायै नमः।
३०३ ॐ चित्तस्थायै नमः।
३०४ ॐ चित्तरूपिण्यै नमः।
३०५ ॐ चक्रिण्यै नमः।
३०६ ॐ चारुचम्पाभायै नमः।
३०७ ॐ चारुचम्पकमालिन्यै नमः।
३०८ ॐ चन्द्रिकायै नमः।
३०९ ॐ चन्द्रकान्त्यै नमः।
३१० ॐ चापिन्यै नमः।
३११ ॐ चन्द्रशेखरायै नमः।
३१२ ॐ चण्डिकायै नमः।
३१३ ॐ चण्डदैत्यघ्न्यै नमः।
३१४ ॐ चन्द्रशेखरवल्लभायै नमः।
३१५ ॐ चाण्डालिन्यै नमः।
३१६ ॐ चामुण्डायै नमः।
३१७ ॐ चण्डमुण्डवधोद्यतायै नमः।
३१८ ॐ चैतन्यभैरव्यै नमः।
३१९ ॐ चण्डायै नमः।
३२० ॐ चैतन्यघनगेहिन्यै नमः।
३२१ ॐ चित्स्वरूपायै नमः।
३२२ ॐ चिदाधारायै नमः।
३२३ ॐ चण्डवेगायै नमः।
३२४ ॐ चिदालयायै नमः।
३२५ ॐ चन्द्रमण्डलमध्यस्थायै नमः।
३२६ ॐ चन्द्रकोटिसुशीतलायै नमः।

५५१ ॐ देविकायै नमः।
५५२ ॐ देव्यै नमः।
५५३ ॐ दुरितघ्न्यै नमः।
५५४ ॐ तटिते नमः।
५५५ ॐ गण्डवत्यै नमः।
५५६ ॐ गल्लवत्यै नमः।
५५७ ॐ क्षिप्रायै नमः।
५५८ ॐ द्वारायै नमः।
५५९ ॐ द्वारवत्यै नमः।
५६० ॐ आनन्दोदधिमध्यस्थायै नमः।
५६१ ॐ कटिसूत्रैरलंकृतायै नमः।
५६२ ॐ घोराग्निदाहदमन्यै नमः।
५६३ ॐ दुःखदुःस्वप्नाशिन्यै नमः।
५६४ ॐ श्रीमय्यै नमः।
५६५ ॐ श्रीमत्यै नमः।
५६६ ॐ श्रेष्ठायै नमः।
५६७ ॐ श्रीकर्यै नमः।
५६८ ॐ श्रीविभाविन्यै नमः।
५६९ ॐ श्रीदायै नमः।
५७० ॐ श्रीशायै नमः।
५७१ ॐ श्रीनिवासायै नमः।
५७२ ॐ श्रीमत्यै नमः।
५७३ ॐ श्रियै नमः।
५७४ ॐ मत्यै नमः।
५७५ ॐ गत्यै नमः।
५७६ ॐ धनदायै नमः।
५७७ ॐ दामिन्यै नमः।
५७८ ॐ दान्तायै नमः।
५७९ ॐ धर्मदायै नमः।
५८० ॐ धनशालिन्यै नमः।
५८१ ॐ दाडिमीपुष्पसंकाशायै नमः।
५८२ ॐ धनागारायै नमः।
५८३ ॐ धनञ्जयायै नमः।
५८४ ॐ धूम्राभायै नमः।
५८५ ॐ धूम्रदैत्यघ्न्यै नमः।
५८६ ॐ धवलायै नमः।
५८७ ॐ धवलप्रियायै नमः।
५८८ ॐ धूम्रवक्त्रायै नमः।
५८९ ॐ धूम्रनेत्रायै नमः।
५९० ॐ धूम्रकेश्यै नमः।
५९१ ॐ धूसरायै नमः।
५९२ ॐ धरण्यै नमः।
५९३ ॐ धारिण्यै नमः।
५९४ ॐ धैर्यायै नमः।
५९५ ॐ धरायै नमः।
५९६ ॐ धात्र्यै नमः।
५९७ ॐ धैर्यदायै नमः।
५९८ ॐ दमिन्यै नमः।
५९९ ॐ धार्मिण्यै नमः।
६०० ॐ धुरे नमः।
६०१ ॐ दयायै नमः।
६०२ ॐ दोग्ध्र्यै नमः।
६०३ ॐ दुरासदायै नमः।
६०४ ॐ नारायण्यै नमः।
६०५ ॐ नारसिंह्यै नमः।
६०६ ॐ नृसिंहहृदयालयायै नमः।

३८३ ॐ जलजाभायै नमः।
३८४ ॐ जलोदर्यै नमः।
३८५ ॐ यदुवंशोद्भवायै नमः।
३८६ ॐ जीवायै नमः।
३८७ ॐ यादवानन्दकारिण्यै नमः।
३८८ ॐ यशोदायै नमः।
३८९ ॐ यशसां राश्यै नमः।
३९० ॐ यशोदानन्दकारिण्यै नमः।
३९१ ॐ ज्वलिन्यै नमः।
३९२ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
३९३ ॐ ज्वालायै नमः।
३९४ ॐ ज्वलत्पावकसंनिभायै नमः।
३९५ ॐ ज्वालामुख्यै नमः।
३९६ ॐ जगन्मात्रे नमः।
३९७ ॐ यमलार्जुनभञ्जिन्यै नमः।
३९८ ॐ जन्मदायै नमः।
३९९ ॐ जन्मघ्ने नमः।
४०० ॐ जन्मायै नमः।
४०१ ॐ जन्मभुवे नमः।
४०२ ॐ जनकात्मजायै नमः।
४०३ ॐ जनानन्दायै नमः।
४०४ ॐ जाम्बवत्यै नमः।
४०५ ॐ जम्बूद्वीपकृतालयायै नमः।
४०६ ॐ जाम्बूनदसमानाभायै नमः।
४०७ ॐ जाम्बूनदविभूषणायै नमः।
४०८ ॐ जम्भघ्ने नमः।
४०९ ॐ जातिदायै नमः।
४१० ॐ जात्यै नमः।
४११ ॐ ज्ञानदायै नमः।
४१२ ॐ ज्ञानगोचरायै नमः।
४१३ ॐ ज्ञानघ्ने नमः।
४१४ ॐ ज्ञानरूपायै नमः।
४१५ ॐ ज्ञानविज्ञानशालिन्यै नमः।
४१६ ॐ जिनजैत्र्यै नमः।
४१७ ॐ जिनाधारायै नमः।
४१८ ॐ जिनामात्रे नमः।
४१९ ॐ जिनेश्वर्यै नमः।
४२० ॐ जितेन्द्रियायै नमः।
४२१ ॐ जनाधारायै नमः।
४२२ ॐ अजिनाम्बरधारिण्यै नमः।
४२३ ॐ शम्भुकोटिदुराधर्षायै नमः।
४२४ ॐ विष्णुकोटिविमर्दिन्यै नमः।
४२५ ॐ समुद्रकोटिगम्भीरायै नमः।
४२६ ॐ वायुकोटिमहाबलायै नमः।
४२७ ॐ सूर्यकोटिप्रतीकाशायै नमः।
४२८ ॐ यमकोटिदुरापघ्ने नमः।
४२९ ॐ कामधुक्कोटिफलदायै नमः।
४३० ॐ शक्रकोटिसुराज्यदायै नमः।
४३१ ॐ कन्दर्पकोटिलावण्यायै नमः।
४३२ ॐ पद्मकोटिनिभाननायै नमः।
४३३ ॐ पृथ्वीकोटिजनाधारायै नमः।
४३४ ॐ अग्निकोटिभयङ्कर्यै नमः।
४३५ ॐ अणिम्ने नमः।
४३६ ॐ महिम्ने नमः।
४३७ ॐ प्राप्त्यै नमः।
४३८ ॐ गरिम्ने नमः।

६६३ ॐ पतिभक्तिपरायण्यै नमः।
६६४ ॐ परेश्यै नमः।
६६५ ॐ पारगायै नमः।
६६६ ॐ परायै नमः।
६६७ ॐ परं ज्योतिः स्वरूपिण्यै नमः।
६६८ ॐ निष्ठुरायै नमः।
६६९ ॐ क्रूरहृदयायै नमः।
६७० ॐ परासिद्ध्यै नमः।
६७१ ॐ परागत्यै नमः।
६७२ ॐ पशुघ्न्यै नमः।
६७३ ॐ पशुरूपायै नमः।
६७४ ॐ पशुघ्ने नमः।
६७५ ॐ पशुवाहिन्यै नमः।
६७६ ॐ पित्रे नमः।
६७७ ॐ मात्रे नमः।
६७८ ॐ यन्त्र्यै नमः।
६७९ ॐ पशुपाशविनाशिन्यै नमः।
६८० ॐ पद्मिन्यै नमः।
६८१ ॐ पद्महस्तायै नमः।
६८२ ॐ पद्मकिञ्जल्कवासिन्यै नमः।
६८३ ॐ पद्मवक्त्रायै नमः।
६८४ ॐ पद्माक्ष्यै नमः।
६८५ ॐ पद्मस्थायै नमः।
६८६ ॐ पद्मसम्भवायै नमः।
६८७ ॐ पद्मास्यायै नमः।
६८८ ॐ पञ्चम्यै नमः।
६८९ ॐ पूर्णायै नमः।
६९० ॐ पूर्णपीठनिवासिन्यै नमः।
६९१ ॐ पद्मरागप्रतीकाशायै नमः।
६९२ ॐ पाञ्चाल्यै नमः।
६९३ ॐ पञ्चमप्रियायै नमः।
६९४ ॐ परब्रह्मस्वरूपायै नमः।
६९५ ॐ परब्रह्मनिवासिन्यै नमः।
६९६ ॐ परमानन्दमुदितायै नमः।
६९७ ॐ परचक्रविनाशिन्यै नमः।
६९८ ॐ परेश्यै नमः।
६९९ ॐ परमायै नमः।
७०० ॐ पृथ्व्यै नमः।
७०१ ॐ पीनतुङ्गपयोधरायै नमः।
७०२ ॐ परस्यै नमः।
७०३ ॐ अवरस्यै नमः।
७०४ ॐ पराविद्यायै नमः।
७०५ ॐ परमानन्ददायिन्यै नमः।
७०६ ॐ पूजायै नमः।
७०७ ॐ प्रजावत्यै नमः।
७०८ ॐ पुष्ट्यै नमः।
७०९ ॐ पिनाकीपरिकीर्तितायै नमः।
७१० ॐ प्राणघ्ने नमः।
७११ ॐ प्राणरूपायै नमः।
७१२ ॐ प्राणदायै नमः।
७१३ ॐ प्रियंवदायै नमः।
७१४ ॐ फणिभूतायै नमः।
७१५ ॐ फणावेश्यै नमः।
७१६ ॐ फकाराकुण्ठमालिन्यै नमः।
७१७ ॐ फणिराड्वृतसर्वाङ्ग्यै नमः।
७१८ ॐ फलभागनिवासिन्यै नमः।

४९५ ॐ त्रिपुरसुन्दर्यै नमः।
४९६ ॐ तपस्विन्यै नमः।
४९७ ॐ तपोनिष्ठायै नमः।
४९८ ॐ तरुण्यै नमः।
४९९ ॐ तारकपिण्यै नमः।
५०० ॐ तामस्यै नमः।
५०१ ॐ तापस्यै नमः।
५०२ ॐ तापघ्न्यै नमः।
५०३ ॐ तमोऽपहायै नमः।
५०४ ॐ तरुणार्कप्रतीकाशायै नमः।
५०५ ॐ तप्तकाञ्चनसंनिभायै नमः।
५०६ ॐ उन्मादिन्यै नमः।
५०७ ॐ तन्तुरूपायै नमः।
५०८ ॐ त्रैलोक्यव्यापिन्यै नमः।
५०९ ॐ ईश्वर्यै नमः।
५१० ॐ तार्किक्यै नमः।
५११ ॐ तर्कविद्यायै नमः।
५१२ ॐ तापत्रयविनाशिन्यै नमः।
५१३ ॐ त्रिपुष्करायै नमः।
५१४ ॐ त्रिकालज्ञायै नमः।
५१५ ॐ त्रिसन्ध्यायै नमः।
५१६ ॐ त्रिलोचनायै नमः।
५१७ ॐ त्रिवर्गायै नमः।
५१८ ॐ त्रिवर्गस्थायै नमः।
५१९ ॐ तपसः सिद्धिदायिन्यै नमः।
५२० ॐ अधोक्षजायै नमः।
५२१ ॐ अयोध्यायै नमः।
५२२ ॐ अपर्णायै नमः।
५२३ ॐ अवन्तिकायै नमः।
५२४ ॐ कारिकायै नमः।
५२५ ॐ तीर्थरूपायै नमः।
५२६ ॐ तीर्थतीर्थकर्यै नमः।
५२७ ॐ दारिद्र्यदुःखदलिन्यै नमः।
५२८ ॐ अदीनायै नमः।
५२९ ॐ दीनवत्सलायै नमः।
५३० ॐ दीननाथप्रियायै नमः।
५३१ ॐ दीर्घायै नमः।
५३२ ॐ दयापूर्णायै नमः।
५३३ ॐ दयात्मिकायै नमः।
५३४ ॐ देवदानवसम्पूज्यायै नमः।
५३५ ॐ देवानां प्रियकारिण्यै नमः।
५३६ ॐ दक्षपुत्र्यै नमः।
५३७ ॐ दक्षमात्रे नमः।
५३८ ॐ दक्षयज्ञविनाशिन्यै नमः।
५३९ ॐ देवसुवे नमः।
५४० ॐ दक्षिणस्यै नमः।
५४१ ॐ दक्षायै नमः।
५४२ ॐ दुर्गायै नमः।
५४३ ॐ दुर्गतिनाशिन्यै नमः।
५४४ ॐ देवकीगर्भसम्भूतायै नमः।
५४५ ॐ दुर्गदैत्यविनाशिन्यै नमः।
५४६ ॐ अट्टायै नमः।
५४७ ॐ अट्टहासिन्यै नमः।
५४८ ॐ दोलायै नमः।
५४९ ॐ दोलाकर्माभिनन्दिन्यै नमः।
५५० ॐ देवक्यै नमः।

७७५ ॐ भोगिन्यै नमः।
७७६ ॐ भेरुण्डायै नमः।
७७७ ॐ भेदिन्यै नमः।
७७८ ॐ भीमायै नमः।
७७९ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
७८० ॐ भिदोज्झितायै नमः।
७८१ ॐ भैरव्यै नमः।
७८२ ॐ भुवनेशान्यै नमः।
७८३ ॐ भुवनायै नमः।
७८४ ॐ भुवनेश्वर्यै नमः।
७८५ ॐ भीमाक्ष्यै नमः।
७८६ ॐ भारत्यै नमः।
७८७ ॐ भैरवाष्टकसेवितायै नमः।
७८८ ॐ भास्वरायै नमः।
७८९ ॐ भास्वत्यै नमः।
७९० ॐ भीत्यै नमः।
७९१ ॐ भास्वदुत्तानशालिन्यै नमः।
७९२ ॐ भागीरथ्यै नमः।
७९३ ॐ भोगवत्यै नमः।
७९४ ॐ भवघ्न्यै नमः।
७९५ ॐ भुवनात्मिकायै नमः।
७९६ ॐ भूतिदायै नमः।
७९७ ॐ भूतिरूपायै नमः।
७९८ ॐ भूतस्थायै नमः।
७९९ ॐ भूतवर्धिन्यै नमः।
८०० ॐ माहेश्वर्यै नमः।
८०१ ॐ महामायायै नमः।
८०२ ॐ महातेजायै नमः।
८०३ ॐ महासुर्यै नमः।
८०४ ॐ महाजिह्वायै नमः।
८०५ ॐ महालोलायै नमः।
८०६ ॐ महादंष्ट्रायै नमः।
८०७ ॐ महाभुजायै नमः।
८०८ ॐ महामोहान्धकारघ्न्यै नमः।
८०९ ॐ महामोक्षप्रदायिन्यै नमः।
८१० ॐ महादारिद्र्यशमन्यै नमः।
८११ ॐ महाशत्रुविमर्दिन्यै नमः।
८१२ ॐ महाशक्त्यै नमः।
८१३ ॐ महाज्योत्यै नमः।
८१४ ॐ महासुरविमर्दिन्यै नमः।
८१५ ॐ महाकायायै नमः।
८१६ ॐ महावीर्यायै नमः।
८१७ ॐ महापातकनाशिन्यै नमः।
८१८ ॐ महारवायै नमः।
८१९ ॐ मन्त्रमय्यै नमः।
८२० ॐ मणिपूरनिवासिन्यै नमः।
८२१ ॐ मानस्यै नमः।
८२२ ॐ मानदायै नमः।
८२३ ॐ मान्यायै नमः।
८२४ ॐ मनश्चक्षुरगोचरायै नमः।
८२५ ॐ माहेन्द्र्यै नमः।
८२६ ॐ मधुरायै नमः।
८२७ ॐ मायायै नमः।
८२८ ॐ महिषासुरमर्दिन्यै नमः।
८२९ ॐ महाकुण्डलिन्यै नमः।
८३० ॐ शक्त्यै नमः।

६०७ ॐ नागिन्यै नमः।
६०८ ॐ नागकन्यायै नमः।
६०९ ॐ नागस्वै नमः।
६१० ॐ नागनायिकायै नमः।
६११ ॐ नानारत्नविचित्राङ्ग्यै नमः।
६१२ ॐ नानाभरणमण्डितायै नमः।
६१३ ॐ दुर्गस्थायै नमः।
६१४ ॐ दुर्गरूपायै नमः।
६१५ ॐ दुःखदुष्कृतनाशिन्यै नमः।
६१६ ॐ ह्रींकार्यै नमः।
६१७ ॐ श्रींकार्यै नमः।
६१८ ॐ हुंकार्यै नमः।
६१९ ॐ क्लेशनाशिन्यै नमः।
६२० ॐ नगात्मजायै नमः।
६२१ ॐ नागर्यै नमः।
६२२ ॐ नवीनायै नमः।
६२३ ॐ नूतनप्रियायै नमः।
६२४ ॐ नीरजास्यायै नमः।
६२५ ॐ नीरदाभायै नमः।
६२६ ॐ नवलावण्यसुन्दर्यै नमः।
६२७ ॐ नीतिज्ञायै नमः।
६२८ ॐ नीतिदायै नमः।
६२९ ॐ नीत्यै नमः।
६३० ॐ निम्ननाभ्यै नमः।
६३१ ॐ नगेश्वर्यै नमः।
६३२ ॐ निष्ठायै नमः।
६३३ ॐ नित्यायै नमः।
६३४ ॐ निरातङ्कायै नमः।
६३५ ॐ नागयज्ञोपवीतिन्यै नमः।
६३६ ॐ निधिदायै नमः।
६३७ ॐ निधिरूपायै नमः।
६३८ ॐ निर्गुणायै नमः।
६३९ ॐ नरवाहिन्यै नमः।
६४० ॐ नरमांसरतायै नमः।
६४१ ॐ नार्यै नमः।
६४२ ॐ नरमुण्डविभूषणायै नमः।
६४३ ॐ निराधारायै नमः।
६४४ ॐ निर्विकारायै नमः।
६४५ ॐ नुत्यै नमः।
६४६ ॐ निर्वाणसुन्दर्यै नमः।
६४७ ॐ नरासृक्पानमत्तायै नमः।
६४८ ॐ निर्वैरायै नमः।
६४९ ॐ नागगामिन्यै नमः।
६५० ॐ परमायै नमः।
६५१ ॐ प्रमितायै नमः।
६५२ ॐ प्राज्ञायै नमः।
६५३ ॐ पार्वत्यै नमः।
६५४ ॐ पर्वतात्मजायै नमः।
६५५ ॐ पर्वप्रियायै नमः।
६५६ ॐ पर्वरतायै नमः।
६५७ ॐ पर्वपावनपावन्यै नमः।
६५८ ॐ परात्परतरायै नमः।
६५९ ॐ पूर्वस्यै नमः।
६६० ॐ पश्चिमायै नमः।
६६१ ॐ पापनाशिन्यै नमः।
६६२ ॐ पशूनां पतिपत्न्यै नमः।

८८९ ॐ राजमान्यायै नमः।
८९० ॐ राजपूज्यायै नमः।
८९१ ॐ रक्तोत्पलविभूषणायै नमः।
८९२ ॐ राजीवलोचनायै नमः।
८९३ ॐ रामायै नमः।
८९४ ॐ राधिकायै नमः।
८९५ ॐ रामवल्लभायै नमः।
८९६ ॐ शाकिन्यै नमः।
८९७ ॐ डाकिन्यै नमः।
८९८ ॐ लावण्याम्बुधिवीचिकायै नमः।
८९९ ॐ रुद्राण्यै नमः।
९०० ॐ रुद्ररूपायै नमः।
९०१ ॐ रौद्रायै नमः।
९०२ ॐ रुद्रार्तिनाशिन्यै नमः।
९०३ ॐ रक्तप्रियायै नमः।
९०४ ॐ रक्तवस्त्रायै नमः।
९०५ ॐ रक्ताक्ष्यै नमः।
९०६ ॐ रक्तलोचनायै नमः।
९०७ ॐ रक्तकेश्यै नमः।
९०८ ॐ रक्तदंष्ट्रायै नमः।
९०९ ॐ रक्तचन्दनचर्चितायै नमः।
९१० ॐ रक्ताङ्ग्यै नमः।
९११ ॐ रक्तभूषायै नमः।
९१२ ॐ रक्तबीजनिपातिन्यै नमः।
९१३ ॐ रागादिदोषरहितायै नमः।
९१४ ॐ रतिजायै नमः।
९१५ ॐ रतिदायिन्यै नमः।
९१६ ॐ विश्वेश्वर्यै नमः।
९१७ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
९१८ ॐ विन्ध्यपीठनिवासिन्यै नमः।
९१९ ॐ विश्वभुवे नमः।
९२० ॐ वीरविद्यायै नमः।
९२१ ॐ वीरसुवे नमः।
९२२ ॐ वीरनन्दिन्यै नमः।
९२३ ॐ वीरेश्वर्यै नमः।
९२४ ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
९२५ ॐ विष्णुमायायै नमः।
९२६ ॐ विमोहिन्यै नमः।
९२७ ॐ विद्याव्यै नमः।
९२८ ॐ विष्णुरूपायै नमः।
९२९ ॐ विशालनयनोत्पलायै नमः।
९३० ॐ विष्णुमात्रे नमः।
९३१ ॐ विश्वात्मने नमः।
९३२ ॐ विष्णुजायास्वरूपिण्यै नमः।
९३३ ॐ ब्रह्मेश्यै नमः।
९३४ ॐ ब्रह्मदायै नमः।
९३५ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
९३६ ॐ ब्रह्माण्यै नमः।
९३७ ॐ ब्रह्मरूपिण्यै नमः।
९३८ ॐ द्वारकायै नमः।
९३९ ॐ विश्ववन्द्यायै नमः।
९४० ॐ विश्वपाशविमोचिन्यै नमः।
९४१ ॐ विश्वासकारिण्यै नमः।
९४२ ॐ विश्वस्यै नमः।
९४३ ॐ विश्वशक्त्यै नमः।
९४४ ॐ विचक्षणायै नमः।
९४५ ॐ बाणचापधरायै नमः।
९४६ ॐ वीरायै नमः।

७१९ ॐ बलभद्रस्य भगिन्यै नमः।
७२० ॐ बालायै नमः।
७२१ ॐ बालप्रदायिन्यै नमः।
७२२ ॐ फल्गुरूपायै नमः।
७२३ ॐ प्रलम्बघ्न्यै नमः।
७२४ ॐ फल्गूत्सवविनोदिन्यै नमः।
७२५ ॐ भवान्यै नमः।
७२६ ॐ भवपत्न्यै नमः।
७२७ ॐ भवभीतिहरायै नमः।
७२८ ॐ भवायै नमः।
७२९ ॐ भवेश्वर्यै नमः।
७३० ॐ भवाराध्यायै नमः।
७३१ ॐ भवेश्यै नमः।
७३२ ॐ भवदायिकायै नमः।
७३३ ॐ भवमात्रे नमः।
७३४ ॐ भवागम्यायै नमः।
७३५ ॐ भवकण्टकनाशिन्यै नमः।
७३६ ॐ भवप्रियायै नमः।
७३७ ॐ भवानन्दायै नमः।
७३८ ॐ भव्यायै नमः।
७३९ ॐ भवमोचिन्यै नमः।
७४० ॐ भावनीयायै नमः।
७४१ ॐ भगवत्यै नमः।
७४२ ॐ भवभारविनाशिन्यै नमः।
७४३ ॐ भूतधात्र्यै नमः।
७४४ ॐ भूतेश्यै नमः।
७४५ ॐ भूतस्थायै नमः।
७४६ ॐ भूतरूपिण्यै नमः।
७४७ ॐ भूतमात्रे नमः।
७४८ ॐ भूतघ्न्यै नमः।
७४९ ॐ भूतपञ्चकवासिन्यै नमः।
७५० ॐ भोगोपचारकुशलायै नमः।
७५१ ॐ भिस्साधात्र्यै नमः।
७५२ ॐ भूचर्यै नमः।
७५३ ॐ भीतिघ्न्यै नमः।
७५४ ॐ भक्तिगम्यायै नमः।
७५५ ॐ भक्तानामार्तिनाशिन्यै नमः।
७५६ ॐ भक्तानुकम्पिन्यै नमः।
७५७ ॐ भीमायै नमः।
७५८ ॐ भगिन्यै नमः।
७५९ ॐ भगनायिकायै नमः।
७६० ॐ भगविद्यायै नमः।
७६१ ॐ भगक्लिन्नायै नमः।
७६२ ॐ भगयोन्यै नमः।
७६३ ॐ भगप्रदायै नमः।
७६४ ॐ भगेश्यै नमः।
७६५ ॐ भगरूपायै नमः।
७६६ ॐ भगगुह्यायै नमः।
७६७ ॐ भगापहायै नमः।
७६८ ॐ भगोदर्यै नमः।
७६९ ॐ भगानन्दायै नमः।
७७० ॐ भाग्यदायै नमः।
७७१ ॐ भगमालिन्यै नमः।
७७२ ॐ भोगप्रदायै नमः।
७७३ ॐ भोगवासायै नमः।
७७४ ॐ भोगमूलायै नमः।

॥ श्रीसीतायै नमः ॥

श्रीसीतासहस्त्रनामस्तोत्रम्

ध्यानम्

सकलकुशलदात्रीं भक्तिमुक्तिप्रदात्रीं
त्रिभुवनजनयित्रीं दुष्टधीनाशयित्रीम्।
जनकधरणिपुत्रीं दर्पिदर्पप्रहर्त्रीं
हरिहरविधिकर्त्रीं नौमि सद्भक्तभर्त्रीम्॥*

ब्रह्मणो वचनं श्रुत्वा रामः कमललोचनः।
प्रोन्मील्य शनकैरक्षि वेपमानो महाभुजः॥ १॥
प्रणम्य शिरसा भूमौ तेजसा चापि विह्वलः।
भीतः कृताञ्जलिपुटः प्रोवाच परमेश्वरीम्॥ २॥
का त्वं देवि विशालाक्षि शशाङ्कावयवाङ्किते।
न जाने त्वां महादेवि यथावद् ब्रूहि पृच्छते॥ ३॥
रामस्य वचनं श्रुत्वा ततः सा परमेश्वरी।
व्याजहार रघुश्रेष्ठं योगिनामभयप्रदा॥ ४॥
मां विद्धि परमां शक्तिं महेश्वरसमाश्रयाम्।
अनन्यामव्ययामेकां यां पश्यन्ति मुमुक्षवः॥ ५॥

---

*'मैं उन भगवती सीताजीकी स्तुति करता हूँ, जो सर्वमङ्गलदायिनी हैं—यहाँतक कि भक्ति और मुक्तिका भी दान करती हैं, जो त्रिभुवनकी जननी हैं तथा दुर्बुद्धिका नाश करनेवाली हैं, जो राजा जनककी यज्ञभूमिसे प्रकट हुई थीं तथा जो अभिमानियोंके गर्वको चूर्ण-विचूर्ण कर देनेवाली हैं, ब्रह्मा-विष्णु-महेशकी भी जननी हैं एवं श्रेष्ठ भक्तोंका पोषण करनेवाली हैं।'

८३१ ॐ महाविभववर्धिन्यै नमः।
८३२ ॐ मानस्यै नमः।
८३३ ॐ माधव्यै नमः।
८३४ ॐ मेधायै नमः।
८३५ ॐ मतिदायै नमः।
८३६ ॐ मतिधारिण्यै नमः।
८३७ ॐ मेनकागर्भसम्भूतायै नमः।
८३८ ॐ मेनकाभगिन्यै नमः।
८३९ ॐ मत्यै नमः।
८४० ॐ महोदर्यै नमः।
८४१ ॐ मुक्तकेश्यै नमः।
८४२ ॐ मुक्तिकामार्थसिद्धिदायै नमः।
८४३ ॐ माहेश्यै नमः।
८४४ ॐ महिषारूढायै नमः।
८४५ ॐ मधुदैत्यविमर्दिन्यै नमः।
८४६ ॐ महाव्रतायै नमः।
८४७ ॐ महामूर्धायै नमः।
८४८ ॐ महाभयविनाशिन्यै नमः।
८४९ ॐ मातङ्ग्यै नमः।
८५० ॐ मत्तमातङ्ग्यै नमः।
८५१ ॐ मातङ्गकुलमण्डितायै नमः।
८५२ ॐ महाघोरायै नमः।
८५३ ॐ माननीयायै नमः।
८५४ ॐ मत्तमातङ्गगामिन्यै नमः।
८५५ ॐ मुक्ताहारलतोपेतायै नमः।
८५६ ॐ मदघूर्णितलोचनायै नमः।
८५७ ॐ महापराधराशिघ्न्यै नमः।
८५८ ॐ महाचौरभयापहायै नमः।
८५९ ॐ महाचिन्त्यस्वरूपायै नमः।
८६० ॐ मणिमन्त्रमहौषध्यै नमः।
८६१ ॐ मणिमण्डपमध्यस्थायै नमः।
८६२ ॐ मणिमालाविराजितायै नमः।
८६३ ॐ मन्त्रात्मिकायै नमः।
८६४ ॐ मन्त्रगम्यायै नमः।
८६५ ॐ मन्त्रमात्रे नमः।
८६६ ॐ सुमन्त्रिण्यै नमः।
८६७ ॐ मेरुमन्दिरमध्यस्थायै नमः।
८६८ ॐ मकराकृतिकुण्डलायै नमः।
८६९ ॐ मन्थरायै नमः।
८७० ॐ महासूक्ष्मायै नमः।
८७१ ॐ महादूत्यै नमः।
८७२ ॐ महेश्वर्यै नमः।
८७३ ॐ मालिन्यै नमः।
८७४ ॐ मानव्यै नमः।
८७५ ॐ माध्व्यै नमः।
८७६ ॐ मदरूपायै नमः।
८७७ ॐ मदोत्कटायै नमः।
८७८ ॐ मदिरायै नमः।
८७९ ॐ मधुरायै नमः।
८८० ॐ मोदिन्यै नमः।
८८१ ॐ महोद्धतायै नमः।
८८२ ॐ मङ्गलाङ्ग्यै नमः।
८८३ ॐ मधुमय्यै नमः।
८८४ ॐ मधुपानपरायणायै नमः।
८८५ ॐ मनोरमायै नमः।
८८६ ॐ रमामात्रे नमः।
८८७ ॐ राजराजेश्वर्यै नमः।
८८८ ॐ रमायै नमः।

ईश्वराणी च शर्वाणी शंकरार्धशरीरिणी।
भवानी चैव रुद्राणी महालक्ष्मीरथाम्बिका॥ ४०॥
माहेश्वरी समुत्पन्ना भुक्तिमुक्तिफलप्रदा।
सर्वेश्वरी सर्ववर्णा नित्या मुदितमानसा॥ ४१॥
ब्रह्मेन्द्रोपेन्द्रनमिता शंकरेच्छानुवर्तिनी।
ईश्वरार्धासनगता रघूत्तमपतिव्रता॥ ४२॥
सकृद्विभाविता सर्वा समुद्रपरिशोषिणी।
पार्वती हिमवत्पुत्री परमानन्ददायिनी॥ ४३॥
गुणाढ्या योगदा योग्या ज्ञानमूर्तिविकासिनी।
सावित्री कमला लक्ष्मीः श्रीरनन्तोरसिस्थिता॥ ४४॥
सरोजनिलया शुभ्रा योगनिद्रा सुदर्शना।
सरस्वती सर्वविद्या जगज्ज्येष्ठा सुमङ्गला॥ ४५॥
वासवी वरदा वाच्या कीर्तिः सर्वार्थसाधिका।
वागीश्वरी सर्वविद्या महाविद्या सुशोभना॥ ४६॥
गुह्यविद्याऽऽत्मविद्या च सर्वविद्याऽऽत्मभाविता।
स्वाहा विश्वम्भरी सिद्धिः स्वधा मेधा धृतिः श्रुतिः॥ ४७॥
नाभिः सुनाभिः सुकृतिर्माधवी नरवाहिनी।
पूज्या विभावरी सौम्या भगिनी भोगदायिनी॥ ४८॥
शोभा वंशकरी लीला मानिनी परमेष्ठिनी।
त्रैलोक्यसुन्दरी रम्या सुन्दरी कामचारिणी॥ ४९॥
महानुभावमध्यस्था महामहिषमर्दिनी।
पद्ममाला पापहरा विचित्रमुकुटानना॥ ५०॥
कान्ता चित्राम्बरधरा दिव्याभरणभूषिता।
हंसाख्या व्योमनिलया जनसृष्टिविवर्धिनी॥ ५१॥

योगमाया विभावज्ञा महामोहा महीयसी।
सत्या सर्वसमुद्भूतिर्ब्रह्मवृक्षाश्रया मतिः॥ ६४॥
बीजांकुरसमुद्भूतिर्महाशक्तिर्महामतिः।
ख्यातिः प्रतिज्ञा चित्संविन्महायोगेन्द्रशायिनी॥ ६५॥
विकृतिः शांकरी शास्त्री यक्षगन्धर्वसेविता।
वैश्वानरी महाशाला देवसेना गुहप्रिया॥ ६६॥
महारात्रिः शिवानन्दा शची दुःस्वप्ननाशिनी।
पूज्याऽऽपूज्या जगद्धात्री दुर्विज्ञेयस्वरूपिणी॥ ६७॥
गुहाम्बिका गुहोत्पत्तिर्महापीठा मरुत्सुता।
हव्यवाहान्तरा गार्गी हव्यवाहसमुद्भवा॥ ६८॥
जगद्योनिर्जगन्माता जगन्मृत्युर्जरातिगा।
बुद्धिर्माता बुद्धिमती पुरुषान्तरवासिनी॥ ६९॥
तपस्विनी समाधिस्था त्रिनेत्रा दिविसंस्थिता।
सर्वेन्द्रियमनोमाता सर्वभूतहृदिस्थिता॥ ७०॥
संसारतारिणी विद्या ब्रह्मवादिमनोलया।
ब्रह्माणी बृहती ब्राह्मी ब्रह्मभूता भयावनिः॥ ७१॥
हिरण्मयी महारात्रिः संसारपरिवर्तिका।
सुमालिनी सुरूपा च तारिणी भाविनी प्रभा॥ ७२॥
उन्मीलिनी सर्वसहा सर्वप्रत्ययसाक्षिणी।
तपिनी तापिनी विश्वा भोगदा धारिणी धरा॥ ७३॥
सुसौम्या चन्द्रवदना ताण्डवासक्तमानसा।
सत्त्वशुद्धिकरी शुद्धिर्मलत्रयविनाशिनी॥ ७४॥
जगत्प्रिया जगन्मूर्तिस्त्रिमूर्तिरमृताश्रया।
निराश्रया निराहारा निरंकुशरणोद्भवा॥ ७५॥

१४७ ॐ बिन्दुस्थायै नमः।
१४८ ॐ बिन्दुमालिन्यै नमः।
१४९ ॐ षट्चक्रभेदिन्यै नमः।
१५० ॐ षोढायै नमः।
१५१ ॐ षोडशारनिवासिन्यै नमः।
१५२ ॐ शितिकण्ठप्रियायै नमः।
१५३ ॐ शान्तायै नमः।
१५४ ॐ शाकिन्यै नमः।
१५५ ॐ वातरूपिण्यै नमः।
१५६ ॐ शाश्वत्यै नमः।
१५७ ॐ शम्भुवनितायै नमः।
१५८ ॐ शाम्भव्यै नमः।
१५९ ॐ शिवरूपिण्यै नमः।
१६० ॐ शिवमात्रे नमः।
१६१ ॐ शिवदायै नमः।
१६२ ॐ शिवायै नमः।
१६३ ॐ शिवहृदासनायै नमः।
१६४ ॐ शुक्लाम्बरायै नमः।
१६५ ॐ शीतलायै नमः।
१६६ ॐ शीलायै नमः।
१६७ ॐ शीलप्रदायिन्यै नमः।
१६८ ॐ शिशुप्रियायै नमः।
१६९ ॐ वैद्यविद्यायै नमः।
१७० ॐ शालग्रामशिलायै नमः।
१७१ ॐ शुचये नमः।
१७२ ॐ हरिप्रियायै नमः।
१७३ ॐ हरमूर्त्यै नमः।
१७४ ॐ हरिनेत्रकृतालयायै नमः।
१७५ ॐ हरिवक्त्रोद्भवायै नमः।
१७६ ॐ हालायै नमः।
१७७ ॐ हरिवक्षःस्थलस्थितायै नमः।
१७८ ॐ क्षेमङ्कर्यै नमः।
१७९ ॐ क्षित्यै नमः।
१८० ॐ क्षेत्रायै नमः।
१८१ ॐ क्षुधितस्य प्रपूरण्यै नमः।
१८२ ॐ वैश्यायै नमः।
१८३ ॐ क्षत्रियायै नमः।
१८४ ॐ शूद्र्यै नमः।
१८५ ॐ क्षत्रियाणां कुलेश्वर्यै नमः।
१८६ ॐ हरपत्न्यै नमः।
१८७ ॐ हराराध्यायै नमः।
१८८ ॐ हरसुवे नमः।
१८९ ॐ हररूपिण्यै नमः।
१९० ॐ सर्वानन्दमय्यै नमः।
१९१ ॐ सिद्ध्यै नमः।
१९२ ॐ सर्वरक्षास्वरूपिण्यै नमः।
१९३ ॐ सर्वदुष्टप्रशमन्यै नमः।
१९४ ॐ सर्वेप्सितफलप्रदायै नमः।
१९५ ॐ सर्वसिद्धेश्वराराध्यायै नमः।
१९६ ॐ सर्वमङ्गलमङ्गलायै नमः।
१९७ ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।
१९८ ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।
१९९ ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।
१००० ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।
१००१ ॐ अन्नपूर्णेश्वर्यै नमः।

॥ इति श्रीरुद्रयामले श्रीअन्नपूर्णासहस्रनामावलिः सम्पूर्णा॥



पोषणी परमैश्वर्यभूतिदा भूतिभूषणा।
पञ्चब्रह्मसमुत्पत्तिः परमात्माऽऽत्मविग्रहा॥ ८७॥
नर्मोदया भानुमती योगिज्ञेया मनोजवा।
बीजरूपा रजोरूपा वशिनी योगरूपिणी॥ ८८॥
सुमन्त्रा मन्त्रिणी पूर्णा ह्लादिनी क्लेशनाशिनी।
मनोहरा मनोरक्षी तापसी वेदरूपिणी॥ ८९॥
वेदशक्तिर्वेदमाता वेदविद्याप्रकाशिनी।
योगेश्वरेश्वरी माला महाशक्तिर्मनोमयी॥ ९०॥
विश्वावस्था वीरमुक्तिर्विद्युन्माला विहायसी।
पीवरी सुरभी वन्द्या नन्दिनी नन्दवल्लभा॥ ९१॥
भारती परमानन्दा परापरविभेदिका।
सर्वप्रहरणोपेता काम्या कामेश्वरेश्वरी॥ ९२॥
अचिन्त्या चिन्त्यमहिमा दुर्लेखा कनकप्रभा।
कूष्माण्डी धनरत्नाढ्या सुगन्धा गन्धदायिनी॥ ९३॥
त्रिविक्रमपदोद्भूता धनुष्पाणिः शिरोहया।
सुदुर्लभा धनाध्यक्षा धन्या पिङ्गललोचना॥ ९४॥
भ्रान्तिः प्रभावती दीप्तिः पङ्कजायतलोचना।
आद्या हृत्कमलोद्भूता परा माता रणप्रिया॥ ९५॥
सत्क्रिया गिरिजा नित्यशुद्धा पुष्पनिरन्तरा।
दुर्गा कात्यायनी चण्डी चर्चिका शान्तविग्रहा॥ ९६॥
हिरण्यवर्णा रजनी जगन्मन्त्रप्रवर्तिका।
मन्दराद्रिनिवासा च शारदा स्वर्णमालिनी॥ ९७॥

अहं वै सर्वभावानामात्मा सर्वान्तरा शिवा।
शाश्वती सर्वविज्ञाना सर्वमूर्तिप्रवर्तिका॥ ६ ॥
अनन्तानन्तमहिमा संसारार्णवतारिणी।
दिव्यं ददामि ते चक्षुः पश्य मे पदमैश्वरम्॥ ७ ॥
इत्युक्त्वा विररामैषा रामोऽपश्यच्च तत्पदम्।
कोटिसूर्यप्रतीकाशं विष्वक्तेजो निराकुलम्॥ ८ ॥
ज्वालावलीसहस्राढ्यं कालानलशतोपमम्।
दंष्ट्राकरालदुर्धर्षं जटामण्डलमण्डितम्॥ ९ ॥
त्रिशूलवरहस्तं च घोररूपं भयावहम्।
प्रशाम्यत्सौम्यवदनमनन्तैश्वर्यसंयुतम् ॥ १० ॥
चन्द्रावयवलक्ष्माढ्यं चन्द्रकोटिसमप्रभम्।
किरीटिनं गदाहस्तं नूपुरैरुपशोभितम्॥ ११ ॥
दिव्यमाल्याम्बरधरं दिव्यगन्धानुलेपनम्।
शङ्खचक्रकरं काम्यं त्रिनेत्रं कृत्तिवाससम्॥ १२ ॥
अन्तःस्थं चाण्डबाह्यस्थं बाह्याभ्यन्तरतः परम्।
सर्वशक्तिमयं शान्तं सर्वाकारं सनातनम्॥ १३ ॥
ब्रह्मेन्द्रोपेन्द्रयोगीन्द्रैरीड्यमानपदाम्बुजम् ।
सर्वतःपाणिपादं तत्सर्वतोऽक्षिशिरोमुखम्॥ १४ ॥
सर्वमावृत्य तिष्ठन्तं ददर्श पदमैश्वरम्।
दृष्ट्वा च तादृशं रूपं दिव्यं माहेश्वरं पदम्॥ १५ ॥
तयैव च समाविष्टः स रामो हृतमानसः।
आत्मन्याधाय चात्मानमोंकारं समनुस्मरन्॥ १६ ॥
नाम्नामष्टसहस्रेण तुष्टाव परमेश्वरीम्।

महाज्वाला महामूर्तिः सुमूर्तिः सर्वकामधुक्।
सुप्रभा सुतरां गौरी धर्मकामार्थमोक्षदा॥ ११०॥
भ्रूमध्यनिलयापूर्वा प्रधानपुरुषा बली।
महाविभूतिदा मध्या सरोजनयनासना॥ १११॥
अष्टादशभुजा नाट्या नीलोत्पलदलप्रभा।
सर्वशक्त्या समारूढा धर्माधर्मानुवर्जिता॥ ११२॥
वैराग्यज्ञाननिरता निरालोका निरिन्द्रिया।
विचित्रगहना धीरा शाश्वतस्थानवासिनी॥ ११३॥
स्थानेश्वरी निरानन्दा त्रिशूलवरधारिणी।
अशेषदेवतामूर्तिर्देवता परदेवता॥ ११४॥
गणात्मिका गिरेःपुत्री निशुम्भविनिपातिनी।
अवर्णा वर्णरहिता निर्वर्णा बीजसम्भवा॥ ११५॥
अनन्तवर्णानन्यस्था शंकरी शान्तमानसा।
अगोत्रा गोमती गोप्त्री गुह्यरूपा गुणान्तरा॥ ११६॥
गोश्रीर्गव्यप्रिया गौरी गणेश्वरनमस्कृता।
सत्यमात्रा सत्यसंधा त्रिसंध्या संधिवर्जिता॥ ११७॥
सर्ववादाश्रया सांख्या सांख्ययोगसमुद्भवा।
असंख्येयाप्रमेयाख्या शून्या शुद्धकुलोद्भवा॥ ११८॥
विन्दुनादसमुत्पत्तिः शम्भुवामा शशिप्रभा।
विसङ्गा भेदरहिता मनोज्ञा मधुसूदनी॥ ११९॥
महाश्रीः श्रीसमुत्पत्तिस्तमःपारे प्रतिष्ठिता।
त्रितत्त्वमाता त्रिविधा सुसूक्ष्मपदसंश्रया॥ १२०॥
शान्त्यतीता मलातीता निर्विकारा निराश्रया।
शिवाख्या चित्रनिलया शिवज्ञानस्वरूपिणी॥ १२१॥

निर्यन्त्रा मन्त्रवाहस्था नन्दिनी भद्रकालिका।
आदित्यवर्णा कौमारी मयूरवरवाहिनी॥ ५२॥
वृषासनगता गौरी महाकाली सुरार्चिता।
अदितिर्नियता रौद्री पद्मगर्भा विवाहना॥ ५३॥
विरूपाक्षी लेलिहाना महासुरविनाशिनी।
महाफलानवद्याङ्गी कामपूरा विभावरी॥ ५४॥
विचित्ररत्नमुकुटा प्रणतर्द्धिविवर्धिनी।
कौशिकी कर्षिणी रात्रिस्त्रिदशार्तिविनाशिनी॥ ५५॥
विरूपा च सुरूपा च भीमा मोक्षप्रदायिनी।
भक्तार्तिनाशिनी भव्या भवभावविनाशिनी॥ ५६॥
निर्गुणा नित्यविभवा निःसारा निरपत्रपा।
यशस्विनी सामगतिर्भवाङ्गनिलयालया॥ ५७॥
दीक्षा विद्याधरी दीप्ता महेन्द्रविनिपातिनी।
सर्वातिशायिनी विद्या सर्वशक्तिप्रदायिनी॥ ५८॥
सर्वेश्वरप्रिया तार्क्ष्यी समुद्रान्तरवासिनी।
अकलङ्का निराधारा नित्यसिद्धा निरामया॥ ५९॥
कामधेनुर्वेदगर्भा धीमती मोहनाशिनी।
निःसंकल्पा निरातङ्का विनया विनयप्रदा॥ ६०॥
ज्वाला माला सहस्राढ्या देवदेवी मनोन्मनी।
उर्वी गुर्वी गुरुश्रेष्ठा सुगुणा षड्गुणात्मिका॥ ६१॥
महाभगवती भव्या वसुदेवसमुद्भवा।
महेन्द्रोपेन्द्रभगिनी भक्तिगम्यपरायणा॥ ६२॥
ज्ञानज्ञेया जरातीता वेदान्तविषया गतिः।
दक्षिणा दहना वाह्या सर्वभूतनमस्कृता॥ ६३॥

चाणूरहन्त्री तनया नीतिज्ञा कामरूपिणी।
वेदविद्याव्रतरता धर्मशीलानिलाशना॥ १३३॥
अयोध्यानिलया वीरा महाकालसमुद्भवा।
विद्याधरप्रिया सिद्धा विद्याधरनिराकृतिः॥ १३४॥
आप्यायन्ती वहन्ती च पावनी पोषणी खिला।
मातृका मन्मथोद्भूता वारिजा वाहनप्रिया॥ १३५॥
करीषिणी स्वधा वाणी वीणावादनतत्परा।
सेविता सेविका सेवा सिनीवाली गरुत्मती॥ १३६॥
अरुन्धती हिरण्याक्षी मणिदा श्रीवसुप्रदा।
वसुमती वसोर्धारा वसुन्धरासमुद्भवा॥ १३७॥
वरारोहा वरार्हा चावपुःसङ्गसमुद्भवा।
श्रीफला श्रीमती श्रीशा श्रीनिवासा हरिप्रिया॥ १३८॥
श्रीधरी श्रीकरी कम्प्रा श्रीधरा ईशवीरणी।
अनन्तदृष्टिरक्षुद्रा धात्रीशा धनदप्रिया॥ १३९॥
निहन्त्री दैत्यसिंहानां सिंहिका सिंहवाहिनी।
सुसेना चन्द्रनिलया सुकीर्तिश्छिन्नसंशया॥ १४०॥
बलज्ञा बलदा वामा लेलिहानामृतस्रवा।
नित्योदिता स्वयंज्योतिरुत्सुकामृतजीविनी॥ १४१॥
वज्रदंष्ट्रा वज्रजिह्वा वैदेही वज्रविग्रहा।
मङ्गल्या मङ्गला माला मलिना मलहारिणी॥ १४२॥
गान्धर्वी गारुडी चान्द्री कम्बलाश्वतरप्रिया।
सौदामनी जनानन्दा भ्रुकुटीकुटिलानना॥ १४३॥

चक्रहस्ता विचित्राङ्गी स्रग्विणी पद्मधारिणी।
परापरविधानज्ञा महापुरुषपूर्वजा॥ ७६ ॥
विद्येश्वरप्रिया विद्या विद्युज्जिह्वा जितश्रमा।
विद्यामयी सहस्राक्षी सहस्रश्रवणात्मजा॥ ७७ ॥
सहस्ररश्मिपद्मस्था महेश्वरपदाश्रया।
ज्वालिनी सद्मना व्याप्ता तेजसी पद्मरोधिका॥ ७८ ॥
महादेवाश्रया मान्या महादेवमनोरमा।
व्योमलक्ष्मीः सिंहरथा चेकितान्यमितप्रभा॥ ७९ ॥
विश्वेश्वरी विमानस्था विशोका शोकनाशिनी।
अनाहता कुण्डलिनी नलिनी पद्मवासिनी॥ ८० ॥
शतानन्दा सतां कीर्तिः सर्वभूताशयस्थिता।
वाग्देवता ब्रह्मकला कलातीता कलावती॥ ८१ ॥
ब्रह्मर्षिर्ब्रह्महृदया ब्रह्मविष्णुशिवप्रिया।
व्योमशक्तिः क्रियाशक्तिर्जनशक्तिः परागतिः॥ ८२ ॥
क्षोभिका रौद्रिकाभेद्या भेदाभेदविवर्जिता।
अभिन्ना भिन्नसंस्थाना वंशिनी वंशहारिणी॥ ८३ ॥
गुह्यशक्तिर्गुणातीता सर्वदा सर्वतोमुखी।
भगिनी भगवत्पत्नी सकला कालकारिणी॥ ८४ ॥
सर्ववित् सर्वतोभद्रा गुह्यातीता गुहावलिः।
प्रक्रिया योगमाता च गन्धा विश्वेश्वरेश्वरी॥ ८५ ॥
कपिला कपिलाकान्ता कनकाभा कलान्तरा।
पुण्या पुष्करिणी भोक्त्री पुरंदरपुरःसरा॥ ८६ ॥

ब्रह्मक्षत्रियविड्योनिर्ब्रह्म प्राप्नोति शाश्वतम्।
शूद्रः सद्गतिमाप्नोति धनधान्यविभूतयः॥ १५५॥
भवन्ति स्तोत्रमाहात्म्यादेतत् स्वस्त्ययनं महत्।
मारीभये राजभये तथा चौराग्निजे भये॥ १५६॥
व्याधीनां प्रभवे घोरे शत्रूत्थाने च संकटे।
अनावृष्टिभये विप्र सर्वशान्तिकरं परम्॥ १५७॥
यद्यदिष्टतमं यस्य तत्सर्वं स्तोत्रतो भवेत्।
यत्रैतत् पठ्यते सम्यक् सीतानामसहस्त्रकम्॥ १५८॥
रामेण सहिता देवी तत्र तिष्ठत्यसंशयम्।
महापापातिपापानि विलयं यान्ति सुव्रत॥ १५९॥

॥ इत्यार्षे श्रीमद्रामायणे वाल्मीकीये आदिकाव्ये अद्भुतोत्तरकाण्डे श्रीसीतासहस्त्रनामस्तोत्रं सम्पूर्णम्॥



रत्नमाला रत्नगर्भा पृथ्वी विश्वप्रमाथिनी।
पद्मासना पद्मनिभा नित्यतुष्टामृतोद्भवा॥ ९८ ॥
धुन्वती दुष्प्रकम्प्या च सूर्यमाता दृषद्वती।
महेन्द्रभगिनी माया वरेण्या वरदर्पिता॥ ९९ ॥
कल्याणी कमला रामा पञ्चभूतवरप्रदा।
वाच्या परेश्वरी नन्द्या दुर्जया दुरतिक्रमा॥ १०० ॥
कालरात्रिर्महावेगा वीरभद्रहितप्रिया।
भद्रकाली जगन्माता भक्तानां भद्रदायिनी॥ १०१ ॥
कराला पिङ्गलाकारा सामवेदा महानदा।
तपस्विनी यशोदा च यथाध्वपरिवर्तिनी॥ १०२ ॥
शङ्खिनी पद्मिनी सांख्या सांख्ययोगप्रवर्तिका।
चैत्री संवत्सरा रुद्रा जगत्सम्पूरणीन्द्रजा॥ १०३ ॥
शुम्भारिः खेचरी खस्था कम्बुग्रीवा कलिप्रिया।
खरध्वजा खरारूढा पराध्यर्या परमालिनी॥ १०४ ॥
ऐश्वर्यरत्ननिलया विरक्ता गरुडासना।
जयन्ती हृद्गुहा रम्या सत्त्ववेगा गणाग्रणीः॥ १०५ ॥
संकल्पसिद्धा साम्यस्था सर्वविज्ञानदायिनी।
कलिकल्मषहन्त्री च गुह्योपनिषदुत्तमा॥ १०६ ॥
नित्यदृष्टिः स्मृतिर्व्याप्तिः पुष्टिस्तुष्टिः क्रियावती।
विश्वामरेश्वरेशाना भुक्तिर्मुक्तिः शिवामृता॥ १०७ ॥
लोहिता सर्वमाता च भीषणा वनमालिनी।
अनन्तशयनानाद्या नरनारायणोद्भवा॥ १०८ ॥
नृसिंही दैत्यमथिनी शङ्खचक्रगदाधरा।
संकर्षणसमुत्पत्तिरम्बिकोपान्तसंश्रया॥ १०९ ॥

५१ ॐ व्योमाधारायै नमः।
५२ ॐ अच्युतायै नमः।
५३ ॐ लतायै नमः।
५४ ॐ अनादिनिधनायै नमः।
५५ ॐ योषायै नमः।
५६ ॐ कारणात्मायै नमः।
५७ ॐ कलाकुलायै नमः।
५८ ॐ नन्दप्रथमजायै नमः।
५९ ॐ नाभ्यै नमः।
६० ॐ अमृतस्यान्तसंश्रयायै नमः।
६१ ॐ प्राणेश्वरप्रियायै नमः।
६२ ॐ मात्रे नमः।
६३ ॐ महामहिषवाहनायै नमः।
६४ ॐ प्राणेश्वर्यै नमः।
६५ ॐ प्राणरूपायै नमः।
६६ ॐ प्रधानपुरुषेश्वर्यै नमः।
६७ ॐ सर्वशक्त्यै नमः।
६८ ॐ कलायै नमः।
६९ ॐ काष्ठायै नमः।
७० ॐ इन्दोर्ज्योत्स्नायै नमः।
७१ ॐ महिमास्पदायै नमः।
७२ ॐ सर्वकार्यनियन्त्र्यै नमः।
७३ ॐ सर्वभूतेश्वरेश्वर्यै नमः।
७४ ॐ अनाद्यै नमः।
७५ ॐ अव्यक्तगुणायै नमः।
७६ ॐ महानन्दायै नमः।
७७ ॐ सनातन्यै नमः।
७८ ॐ आकाशयोन्यै नमः।
७९ ॐ योगस्थायै नमः।
८० ॐ सर्वयोगेश्वरेश्वर्यै नमः।
८१ ॐ शवासनायै नमः।
८२ ॐ चितान्तःस्थायै नमः।
८३ ॐ महेशवृषवाहनायै नमः।
८४ ॐ बालिकायै नमः।
८५ ॐ तरुण्यै नमः।
८६ ॐ वृद्धायै नमः।
८७ ॐ वृद्धमात्रे नमः।
८८ ॐ जरातुरायै नमः।
८९ ॐ महामायायै नमः।
९० ॐ सुदुष्पूरायै नमः।
९१ ॐ मूलप्रकृत्यै नमः।
९२ ॐ ईश्वर्यै नमः।
९३ ॐ संसारयोन्यै नमः।
९४ ॐ सकलायै नमः।
९५ ॐ सर्वशक्तिसमुद्भवायै नमः।
९६ ॐ संसारसारायै नमः।
९७ ॐ दुर्वारायै नमः।
९८ ॐ दुर्निरीक्ष्यायै नमः।
९९ ॐ दुरासदायै नमः।
१०० ॐ प्राणशक्त्यै नमः।
१०१ ॐ प्राणविद्यायै नमः।
१०२ ॐ योगिन्यै नमः।
१०३ ॐ परमायै कलायै नमः।
१०४ ॐ महाविभूत्यै नमः।
१०५ ॐ दुर्धर्षायै नमः।
१०६ ॐ मूलप्रकृतिसम्भवायै नमः।

दैत्यदानवनिर्मात्री काश्यपी कालकर्णिका।
शास्त्रयोनिः प्रियामूर्तिश्चतुर्वर्गप्रदर्शिता॥ १२२॥
नारायणी नवोद्भूता कौमुदी लिङ्गधारिणी।
कामुकी ललिता तारा परापरविभूतिदा॥ १२३॥
परान्तजातमहिमा वडवा वामलोचना।
सुभद्रा देवकी सीता वेदवेदाङ्गपारगा॥ १२४॥
मनस्विनी मन्युमाता महामन्युसमुद्भवा।
अमृत्युरमृतास्वादा पुरुहूता पुरुप्लुता॥ १२५॥
अशोच्या भिन्नविषया हिरण्यरजतप्रिया।
हिरण्या राजती हैमी हेमाभरणभूषिता॥ १२६॥
विभ्राजमाना दुर्ज्ञेया ज्योतिष्टोमफलप्रदा।
महानिद्रासमुद्भूता बलीन्द्रा सत्यदेवता॥ १२७॥
दीर्घा ककुद्मिनी विद्या शान्तिदा शान्तिवर्धिनी।
लक्ष्म्यादिशक्तिजननी शक्तिचक्रप्रवर्तिका॥ १२८॥
त्रिशक्तिजननी जन्या षडूर्मिपरिवर्जिता।
स्वाहा च कर्मकरणी युगान्तदलनात्मिका॥ १२९॥
संकर्षणा जगद्धात्री कामयोनिः किरीटिनी।
ऐन्द्री त्रैलोक्यनमिता वैष्णवी परमेश्वरी॥ १३०॥
प्रद्युम्नदयिता दान्ता युग्मदृष्टिस्त्रिलोचना।
महोत्कटा हंसगतिः प्रचण्डा चण्डविक्रमा॥ १३१॥
वृषावेशा वियन्मात्रा विन्ध्यपर्वतवासिनी।
हिमवन्मेरुनिलया कैलासगिरिवासिनी॥ १३२॥

१६३ ॐ जयश्रियै नमः।
१६४ ॐ जयशालिन्यै नमः।
१६५ ॐ सुखदायै नमः।
१६६ ॐ शुभदायै नमः।
१६७ ॐ सत्यायै नमः।
१६८ ॐ शुभायै नमः।
१६९ ॐ संक्षोभकारिण्यै नमः।
१७० ॐ अपां योन्यै नमः।
१७१ ॐ स्वयम्भूत्यै नमः।
१७२ ॐ मानस्यै नमः।
१७३ ॐ तत्त्वसम्भवायै नमः।
१७४ ॐ ईश्वराण्यै नमः।
१७५ ॐ शर्वाण्यै नमः।
१७६ ॐ शंकरार्धशरीरिण्यै नमः।
१७७ ॐ भवान्यै नमः।
१७८ ॐ रुद्राण्यै नमः।
१७९ ॐ महालक्ष्म्यै नमः।
१८० ॐ अम्बिकायै नमः।
१८१ ॐ माहेश्वर्यै नमः।
१८२ ॐ समुत्पन्नायै नमः।
१८३ ॐ भुक्तिमुक्तिफलप्रदायै नमः।
१८४ ॐ सर्वेश्वर्यै नमः।
१८५ ॐ सर्ववर्णायै नमः।
१८६ ॐ नित्यायै नमः।
१८७ ॐ मुदितमानसायै नमः।
१८८ ॐ ब्रह्मेन्द्रोपेन्द्रनमितायै नमः।
१८९ ॐ शंकरेच्छानुवर्तिन्यै नमः।
१९० ॐ ईश्वरार्धासनगतायै नमः।
१९१ ॐ रघूत्तमपतिव्रतायै नमः।
१९२ ॐ सकृद्विभावितायै नमः।
१९३ ॐ सर्वस्यै नमः।
१९४ ॐ समुद्रपरिशोषिण्यै नमः।
१९५ ॐ पार्वत्यै नमः।
१९६ ॐ हिमवत्पुत्र्यै नमः।
१९७ ॐ परमानन्ददायिन्यै नमः।
१९८ ॐ गुणाढ्यायै नमः।
१९९ ॐ योगदायै नमः।
२०० ॐ योग्यायै नमः।
२०१ ॐ ज्ञानमूर्तिविकासिन्यै नमः।
२०२ ॐ सावित्र्यै नमः।
२०३ ॐ कमलायै नमः।
२०४ ॐ लक्ष्म्यै नमः।
२०५ ॐ श्रियै नमः।
२०६ ॐ अनन्तोरसिस्थितायै नमः।
२०७ ॐ सरोजनिलयायै नमः।
२०८ ॐ शुभ्रायै नमः।
२०९ ॐ योगनिद्रायै नमः।
२१० ॐ सुदर्शनायै नमः।
२११ ॐ सरस्वत्यै नमः।
२१२ ॐ सर्वविद्यायै नमः।
२१३ ॐ जगज्ज्येष्ठायै नमः।
२१४ ॐ सुमङ्गलायै नमः।
२१५ ॐ वासव्यै नमः।
२१६ ॐ वरदायै नमः।
२१७ ॐ वाच्यायै नमः।
२१८ ॐ कीर्त्यै नमः।

कर्णिकारकरा कक्षा कंसप्राणापहारिणी।
युगंधरा युगावर्ता त्रिसंध्या हर्षवर्धिनी॥ १४४॥
प्रत्यक्षदेवता दिव्या दिव्यगन्धा दिवापरा।
शक्रासनगता शाक्री साध्वी नारी शवासना॥ १४५॥
इष्टा विशिष्टा शिष्टेष्टा शिष्टाशिष्टप्रपूजिता।
शतरूपा शतावर्ता विनीता सुरभिः सुरा॥ १४६॥
सुरेन्द्रमाता सुद्युम्ना सुषुम्णा सूर्यसंस्थिता।
समीक्ष्या सत्प्रतिष्ठा च निवृत्तिर्ज्ञानपारगा॥ १४७॥
धर्मशास्त्रार्थकुशला धर्मज्ञा धर्मवाहना।
धर्माधर्मविनिर्मात्री धार्मिकाणां शिवप्रदा॥ १४८॥
धर्मशक्तिर्धर्ममयी विधर्मा विश्वधर्मिणी।
धर्मान्तरा धर्ममध्या धर्मपूर्वा धनप्रिया॥ १४९॥
धर्मोपदेशा धर्मात्मा धर्मलभ्या धराधरा।
कपाली शाकलामूर्तिः कलाकलितविग्रहा॥ १५०॥
सर्वशक्तिविनिर्मुक्ता सर्वशक्त्याश्रयाश्रया।
सर्वा सर्वेश्वरी सूक्ष्मा सुसूक्ष्मा ज्ञानरूपिणी॥ १५१॥
प्रधानपुरुषेशानी महापुरुषसाक्षिणी।
सदाशिवा वियन्मूर्तिर्देवमूर्तिरमूर्तिका॥ १५२॥

फलश्रुतिः

एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव रघुनन्दनः।
कृताञ्जलिपुटो भूत्वा सीतां हृष्टतनूरुहाम्॥ १५३॥
भारद्वाज महाभाग यश्चैतत् स्तोत्रमद्भुतम्।
पठेद्वा पाठयेद्वापि स याति परमं पदम्॥ १५४॥

२७५ ॐ सुरार्चितायै नमः।
२७६ ॐ अदित्यै नमः।
२७७ ॐ नियतायै नमः।
२७८ ॐ रौद्र्यै नमः।
२७९ ॐ पद्मगर्भायै नमः।
२८० ॐ विवाहनायै नमः।
२८१ ॐ विरूपाक्ष्यै नमः।
२८२ ॐ लेलिहानायै नमः।
२८३ ॐ महासुरविनाशिन्यै नमः।
२८४ ॐ महाफलायै नमः।
२८५ ॐ अनवद्याङ्ग्यै नमः।
२८६ ॐ कामपूरायै नमः।
२८७ ॐ विभावर्यै नमः।
२८८ ॐ विचित्ररत्नमुकुटायै नमः।
२८९ ॐ प्रणतर्द्धिविवर्धिन्यै नमः।
२९० ॐ कौशिक्यै नमः।
२९१ ॐ कर्षिण्यै नमः।
२९२ ॐ रात्र्यै नमः।
२९३ ॐ त्रिदशार्तिविनाशिन्यै नमः।
२९४ ॐ विरूपायै नमः।
२९५ ॐ सुरूपायै नमः।
२९६ ॐ भीमायै नमः।
२९७ ॐ मोक्षप्रदायिन्यै नमः।
२९८ ॐ भक्तार्तिनाशिन्यै नमः।
२९९ ॐ भव्यायै नमः।
३०० ॐ भवभावविनाशिन्यै नमः।
३०१ ॐ निर्गुणायै नमः।
३०२ ॐ नित्यविभवायै नमः।
३०३ ॐ निःसारायै नमः।
३०४ ॐ निरपत्रपायै नमः।
३०५ ॐ यशस्विन्यै नमः।
३०६ ॐ सामगत्यै नमः।
३०७ ॐ भवाङ्गनिलयालयायै नमः।
३०८ ॐ दीक्षायै नमः।
३०९ ॐ विद्याधर्यै नमः।
३१० ॐ दीप्तायै नमः।
३११ ॐ महेन्द्रविनिपातिन्यै नमः।
३१२ ॐ सर्वातिशायिन्यै नमः।
३१३ ॐ विद्यायै नमः।
३१४ ॐ सर्वशक्तिप्रदायिन्यै नमः।
३१५ ॐ सर्वेश्वरप्रियायै नमः।
३१६ ॐ तार्क्ष्यै नमः।
३१७ ॐ समुद्रान्तरवासिन्यै नमः।
३१८ ॐ अकलङ्कायै नमः।
३१९ ॐ निराधारायै नमः।
३२० ॐ नित्यसिद्धायै नमः।
३२१ ॐ निरामयायै नमः।
३२२ ॐ कामधेन्वै नमः।
३२३ ॐ वेदगर्भायै नमः।
३२४ ॐ धीमत्यै नमः।
३२५ ॐ मोहनाशिन्यै नमः।
३२६ ॐ निःसंकल्पायै नमः।
३२७ ॐ निरातङ्कायै नमः।
३२८ ॐ विनयायै नमः।
३२९ ॐ विनयप्रदायै नमः।
३३० ॐ ज्वालायै नमः।

श्रीसीतासहस्त्रनामावलिः

१ ॐ सीतायै नमः।
२ ॐ उमायै नमः।
३ ॐ परमायै नमः।
४ ॐ शक्त्यै नमः।
५ ॐ अनन्तायै नमः।
६ ॐ निष्कलायै नमः।
७ ॐ अमलायै नमः।
८ ॐ शान्तायै नमः।
९ ॐ महेश्वर्यै नमः।
१० ॐ नित्यायै नमः।
११ ॐ शाश्वत्यै नमः।
१२ ॐ परमाक्षरायै नमः।
१३ ॐ अचिन्त्यायै नमः।
१४ ॐ केवलायै नमः।
१५ ॐ अनन्तायै नमः।
१६ ॐ शिवात्मने नमः।
१७ ॐ परमात्मिकायै नमः।
१८ ॐ अनाद्यै नमः।
१९ ॐ अव्ययायै नमः।
२० ॐ शुद्धायै नमः।
२१ ॐ देवात्मने नमः।
२२ ॐ सर्वगोचरायै नमः।
२३ ॐ एकानेकविभागस्थायै नमः।
२४ ॐ मायातीतायै नमः।
२५ ॐ सुनिर्मलायै नमः।
२६ ॐ महामाहेश्वर्यै नमः।
२७ ॐ शक्तायै नमः।
२८ ॐ महादेव्यै नमः।
२९ ॐ निरञ्जनायै नमः।
३० ॐ काष्ठायै नमः।
३१ ॐ सर्वान्तरस्थायै नमः।
३२ ॐ चिच्छक्त्यै नमः।
३३ ॐ अतिलालसायै नमः।
३४ ॐ जानक्यै नमः।
३५ ॐ मिथिलानन्दायै नमः।
३६ ॐ राक्षसान्तविधायिन्यै नमः।
३७ ॐ रावणान्तकर्यै नमः।
३८ ॐ रम्यायै नमः।
३९ ॐ रामवक्षःस्थलाश्रयायै नमः।
४० ॐ उमायै नमः।
४१ ॐ सर्वात्मिकायै नमः।
४२ ॐ विद्यायै नमः।
४३ ॐ ज्योतीरूपायै नमः।
४४ ॐ अयुताक्षर्यै नमः।
४५ ॐ शान्त्यै नमः।
४६ ॐ सर्वेषां प्रतिष्ठायै नमः।
४७ ॐ निवृत्त्यै नमः।
४८ ॐ अमृतप्रदायै नमः।
४९ ॐ व्योममूर्त्यै नमः।
५० ॐ व्योममय्यै नमः।

३८७ ॐ मरुत्सुतायै नमः।
३८८ ॐ हव्यवाहान्तरायै नमः।
३८९ ॐ गार्ग्यै नमः।
३९० ॐ हव्यवाहसमुद्भवायै नमः।
३९१ ॐ जगद्योन्यै नमः।
३९२ ॐ जगन्मात्रे नमः।
३९३ ॐ जगन्मृत्यवे नमः।
३९४ ॐ जरातिगायै नमः।
३९५ ॐ बुद्ध्यै नमः।
३९६ ॐ मात्रे नमः।
३९७ ॐ बुद्धिमत्यै नमः।
३९८ ॐ पुरुषान्तरवासिन्यै नमः।
३९९ ॐ तपस्विन्यै नमः।
४०० ॐ समाधिस्थायै नमः।
४०१ ॐ त्रिनेत्रायै नमः।
४०२ ॐ दिविसंस्थितायै नमः।
४०३ ॐ सर्वेन्द्रियमनोमात्रे नमः।
४०४ ॐ सर्वभूतहृदिस्थितायै नमः।
४०५ ॐ संसारतारिण्यै नमः।
४०६ ॐ विद्यायै नमः।
४०७ ॐ ब्रह्मवादिमनोलयायै नमः।
४०८ ॐ ब्रह्माण्यै नमः।
४०९ ॐ बृहत्यै नमः।
४१० ॐ ब्राह्म्यै नमः।
४११ ॐ ब्रह्मभूतायै नमः।
४१२ ॐ भयावन्यै नमः।
४१३ ॐ हिरण्मय्यै नमः।
४१४ ॐ महारात्र्यै नमः।
४१५ ॐ संसारपरिवर्तिकायै नमः।
४१६ ॐ सुमालिन्यै नमः।
४१७ ॐ सुरूपायै नमः।
४१८ ॐ तारिण्यै नमः।
४१९ ॐ भाविन्यै नमः।
४२० ॐ प्रभायै नमः।
४२१ ॐ उन्मीलिन्यै नमः।
४२२ ॐ सर्वसहायै नमः।
४२३ ॐ सर्वप्रत्ययसाक्षिण्यै नमः।
४२४ ॐ तपिन्यै नमः।
४२५ ॐ तापिन्यै नमः।
४२६ ॐ विश्वस्यै नमः।
४२७ ॐ भोगदायै नमः।
४२८ ॐ धारिण्यै नमः।
४२९ ॐ धरायै नमः।
४३० ॐ सुसौम्यायै नमः।
४३१ ॐ चन्द्रवदनायै नमः।
४३२ ॐ ताण्डवासक्तमानसायै नमः।
४३३ ॐ सत्त्वशुद्धिकर्यै नमः।
४३४ ॐ शुद्ध्यै नमः।
४३५ ॐ मलत्रयविनाशिन्यै नमः।
४३६ ॐ जगत्प्रियायै नमः।
४३७ ॐ जगन्मूर्त्यै नमः।
४३८ ॐ त्रिमूर्त्यै नमः।
४३९ ॐ अमृताश्रयायै नमः।
४४० ॐ निराश्रयायै नमः।
४४१ ॐ निराहारायै नमः।
४४२ ॐ निरङ्कुशरणोद्भवायै नमः।

१०७ ॐ अनाद्यन्तविभवायै नमः।
१०८ ॐ परात्मने नमः।
१०९ ॐ पुरुषाय नमः।
११० ॐ बल्यै नमः।
१११ ॐ सर्गस्थित्यन्तकरण्यै नमः।
११२ ॐ सुदुर्वाच्यायै नमः।
११३ ॐ दुरत्ययायै नमः।
११४ ॐ शब्दयोन्यै नमः।
११५ ॐ शब्दमय्यै नमः।
११६ ॐ नादाख्यायै नमः।
११७ ॐ नादविग्रहायै नमः।
११८ ॐ प्रधानपुरुषातीतायै नमः।
११९ ॐ प्रधानपुरुषात्मिकायै नमः।
१२० ॐ पुराण्यै नमः।
१२१ ॐ चिन्मय्यै नमः।
१२२ ॐ पुंसामादये नमः।
१२३ ॐ पुरुषरूपिण्यै नमः।
१२४ ॐ भूतान्तरात्मने नमः।
१२५ ॐ कूटस्थायै नमः।
१२६ ॐ महापुरुषसंज्ञितायै नमः।
१२७ ॐ जन्ममृत्युजरातीतायै नमः।
१२८ ॐ सर्वशक्तिसमन्वितायै नमः।
१२९ ॐ व्यापिन्यै नमः।
१३० ॐ अनवच्छिन्नायै नमः।
१३१ ॐ प्रधानायै नमः।
१३२ ॐ सुप्रवेशिन्यै नमः।
१३३ ॐ क्षेत्रज्ञायै नमः।
१३४ ॐ शक्त्यै नमः।
१३५ ॐ अव्यक्तलक्षणायै नमः।
१३६ ॐ मलवर्जितायै नमः।
१३७ ॐ अनादिमायासम्भिन्नायै नमः।
१३८ ॐ त्रितत्त्वायै नमः।
१३९ ॐ प्रकृत्यै नमः।
१४० ॐ गुणायै नमः।
१४१ ॐ महामायायै नमः।
१४२ ॐ समुत्पन्नायै नमः।
१४३ ॐ तामस्यै नमः।
१४४ ॐ पौरुष्यै नमः।
१४५ ॐ ध्रुवायै नमः।
१४६ ॐ व्यक्ताव्यक्तात्मिकायै नमः।
१४७ ॐ कृष्णरक्तशुक्लप्रसूतिकायै नमः।
१४८ ॐ स्वकार्यायै नमः।
१४९ ॐ कार्यजनन्यै नमः।
१५० ॐ ब्रह्मास्यायै नमः।
१५१ ॐ ब्रह्मसंश्रयायै नमः।
१५२ ॐ व्यक्तायै नमः।
१५३ ॐ प्रथमजायै नमः।
१५४ ॐ ब्राह्म्यै नमः।
१५५ ॐ महत्यै नमः।
१५६ ॐ ज्ञानरूपिण्यै नमः।
१५७ ॐ वैराग्यैश्वर्यधर्मात्मायै नमः।
१५८ ॐ ब्रह्ममूर्त्यै नमः।
१५९ ॐ हृदिस्थितायै नमः।
१६० ॐ जयदायै नमः।
१६१ ॐ जित्वर्यै नमः।
१६२ ॐ जैत्र्यै नमः।

४९९ ॐ गुह्यशक्त्यै नमः।
५०० ॐ गुणातीतायै नमः।
५०१ ॐ सर्वदायै नमः।
५०२ ॐ सर्वतोमुख्यै नमः।
५०३ ॐ भगिन्यै नमः।
५०४ ॐ भगवत्पत्न्यै नमः।
५०५ ॐ सकलायै नमः।
५०६ ॐ कालकारिण्यै नमः।
५०७ ॐ सर्वविदे नमः।
५०८ ॐ सर्वतोभद्रायै नमः।
५०९ ॐ गुह्यायै नमः।
५१० ॐ अतीतायै नमः।
५११ ॐ गुहावल्यै नमः।
५१२ ॐ प्रक्रियायै नमः।
५१३ ॐ योगमात्रे नमः।
५१४ ॐ गन्धायै नमः।
५१५ ॐ विश्वेश्वरेश्वर्यै नमः।
५१६ ॐ कपिलायै नमः।
५१७ ॐ कपिलाकान्तायै नमः।
५१८ ॐ कनकाभायै नमः।
५१९ ॐ कलान्तरायै नमः।
५२० ॐ पुण्यायै नमः।
५२१ ॐ पुष्करिण्यै नमः।
५२२ ॐ भोक्त्र्यै नमः।
५२३ ॐ पुरंदरपुरःसरायै नमः।
५२४ ॐ पोषण्यै नमः।
५२५ ॐ परमैश्वर्यभूतिदायै नमः।
५२६ ॐ भूतिभूषणायै नमः।
५२७ ॐ पञ्चब्रह्मसमुत्पत्त्यै नमः।
५२८ ॐ परमात्माऽऽत्मविग्रहायै नमः।
५२९ ॐ नर्मोदयायै नमः।
५३० ॐ भानुमत्यै नमः।
५३१ ॐ योगिज्ञेयायै नमः।
५३२ ॐ मनोजवायै नमः।
५३३ ॐ बीजरूपायै नमः।
५३४ ॐ रजोरूपायै नमः।
५३५ ॐ वशिन्यै नमः।
५३६ ॐ योगरूपिण्यै नमः।
५३७ ॐ सुमन्त्रायै नमः।
५३८ ॐ मन्त्रिण्यै नमः।
५३९ ॐ पूर्णायै नमः।
५४० ॐ ह्लादिन्यै नमः।
५४१ ॐ क्लेशनाशिन्यै नमः।
५४२ ॐ मनोहरायै नमः।
५४३ ॐ मनोरक्ष्यै नमः।
५४४ ॐ तापस्यै नमः।
५४५ ॐ वेदरूपिण्यै नमः।
५४६ ॐ वेदशक्त्यै नमः।
५४७ ॐ वेदमात्रे नमः।
५४८ ॐ वेदविद्याप्रकाशिन्यै नमः।
५४९ ॐ योगेश्वरेश्वर्यै नमः।
५५० ॐ मालायै नमः।
५५१ ॐ महाशक्त्यै नमः।
५५२ ॐ मनोमय्यै नमः।
५५३ ॐ विश्वावस्थायै नमः।
५५४ ॐ वीरमुक्त्यै नमः।

२१९ ॐ सर्वार्थसाधिकायै नमः।
२२० ॐ वागीश्वर्यै नमः।
२२१ ॐ सर्वविद्यायै नमः।
२२२ ॐ महाविद्यायै नमः।
२२३ ॐ सुशोभनायै नमः।
२२४ ॐ गुह्यविद्यायै नमः।
२२५ ॐ आत्मविद्यायै नमः।
२२६ ॐ सर्वविद्यायै नमः।
२२७ ॐ आत्मभावितायै नमः।
२२८ ॐ स्वाहायै नमः।
२२९ ॐ विश्वम्भर्यै नमः।
२३० ॐ सिद्ध्यै नमः।
२३१ ॐ स्वधायै नमः।
२३२ ॐ मेधायै नमः।
२३३ ॐ धृत्यै नमः।
२३४ ॐ श्रुत्यै नमः।
२३५ ॐ नाभ्यै नमः।
२३६ ॐ सुनाभ्यै नमः।
२३७ ॐ सुकृत्यै नमः।
२३८ ॐ माधव्यै नमः।
२३९ ॐ नरवाहिन्यै नमः।
२४० ॐ पूज्यायै नमः।
२४१ ॐ विभावर्यै नमः।
२४२ ॐ सौम्यायै नमः।
२४३ ॐ भगिन्यै नमः।
२४४ ॐ भोगदायिन्यै नमः।
२४५ ॐ शोभायै नमः।
२४६ ॐ वंशकर्यै नमः।
२४७ ॐ लीलायै नमः।
२४८ ॐ मानिन्यै नमः।
२४९ ॐ परमेष्ठिन्यै नमः।
२५० ॐ त्रैलोक्यसुन्दर्यै नमः।
२५१ ॐ रम्यायै नमः।
२५२ ॐ सुन्दर्यै नमः।
२५३ ॐ कामचारिण्यै नमः।
२५४ ॐ महानुभावमध्यस्थायै नमः।
२५५ ॐ महामहिषमर्दिन्यै नमः।
२५६ ॐ पद्ममालायै नमः।
२५७ ॐ पापहरायै नमः।
२५८ ॐ विचित्रमुकुटाननायै नमः।
२५९ ॐ कान्तायै नमः।
२६० ॐ चित्राम्बरधरायै नमः।
२६१ ॐ दिव्याभरणभूषितायै नमः।
२६२ ॐ हंसाख्यायै नमः।
२६३ ॐ व्योमनिलयायै नमः।
२६४ ॐ जनसृष्टिविवर्धिन्यै नमः।
२६५ ॐ निर्यन्त्रायै नमः।
२६६ ॐ मन्त्रवाहस्थायै नमः।
२६७ ॐ नन्दिन्यै नमः।
२६८ ॐ भद्रकालिकायै नमः।
२६९ ॐ आदित्यवर्णायै नमः।
२७० ॐ कौमार्यै नमः।
२७१ ॐ मयूरवरवाहिन्यै नमः।
२७२ ॐ वृषासनगतायै नमः।
२७३ ॐ गौर्यै नमः।
२७४ ॐ महाकाल्यै नमः।

६११ ॐ पद्मासनायै नमः।
६१२ ॐ पद्मनिभायै नमः।
६१३ ॐ नित्यतुष्टायै नमः।
६१४ ॐ अमृतोद्भवायै नमः।
६१५ ॐ धुन्वत्यै नमः।
६१६ ॐ दुष्प्रकम्प्यायै नमः।
६१७ ॐ सूर्यमात्रे नमः।
६१८ ॐ दृषद्वत्यै नमः।
६१९ ॐ महेन्द्रभगिन्यै नमः।
६२० ॐ मायायै नमः।
६२१ ॐ वरेण्यायै नमः।
६२२ ॐ वरदर्पितायै नमः।
६२३ ॐ कल्याण्यै नमः।
६२४ ॐ कमलायै नमः।
६२५ ॐ रामायै नमः।
६२६ ॐ पञ्चभूतवरप्रदायै नमः।
६२७ ॐ वाच्यायै नमः।
६२८ ॐ परेश्वर्यै नमः।
६२९ ॐ नन्द्यायै नमः।
६३० ॐ दुर्जयायै नमः।
६३१ ॐ दुरतिक्रमायै नमः।
६३२ ॐ कालरात्र्यै नमः।
६३३ ॐ महावेगायै नमः।
६३४ ॐ वीरभद्रहितप्रियायै नमः।
६३५ ॐ भद्रकाल्यै नमः।
६३६ ॐ जगन्मात्रे नमः।
६३७ ॐ भक्तानां भद्रदायिन्यै नमः।
६३८ ॐ करालायै नमः।
६३९ ॐ पिङ्गलाकारायै नमः।
६४० ॐ सामवेदायै नमः।
६४१ ॐ महानदायै नमः।
६४२ ॐ तपस्विन्यै नमः।
६४३ ॐ यशोदायै नमः।
६४४ ॐ यथाध्वपरिवर्तिन्यै नमः।
६४५ ॐ शङ्खिन्यै नमः।
६४६ ॐ पद्मिन्यै नमः।
६४७ ॐ सांख्यायै नमः।
६४८ ॐ सांख्ययोगप्रवर्तिकायै नमः।
६४९ ॐ चैत्र्यै नमः।
६५० ॐ संवत्सरायै नमः।
६५१ ॐ रुद्रायै नमः।
६५२ ॐ जगत्सम्पूरण्यै नमः।
६५३ ॐ इन्द्रजायै नमः।
६५४ ॐ शुम्भारये नमः।
६५५ ॐ खेचर्यै नमः।
६५६ ॐ खस्थायै नमः।
६५७ ॐ कम्बुग्रीवायै नमः।
६५८ ॐ कलिप्रियायै नमः।
६५९ ॐ खरध्वजायै नमः।
६६० ॐ खरारूढायै नमः।
६६१ ॐ पराध्यायै नमः।
६६२ ॐ परमालिन्यै नमः।
६६३ ॐ ऐश्वर्यरत्ननिलयायै नमः।
६६४ ॐ विरक्तायै नमः।
६६५ ॐ गरुडासनायै नमः।
६६६ ॐ जयन्त्यै नमः।

३३१ ॐ मालायै नमः।
३३२ ॐ सहस्राढ्यायै नमः।
३३३ ॐ देवदेव्यै नमः।
३३४ ॐ मनोन्मन्यै नमः।
३३५ ॐ उर्व्यै नमः।
३३६ ॐ गुर्व्यै नमः।
३३७ ॐ गुरुश्रेष्ठायै नमः।
३३८ ॐ सुगुणायै नमः।
३३९ ॐ षड्गुणात्मिकायै नमः।
३४० ॐ महाभगवत्यै नमः।
३४१ ॐ भव्यायै नमः।
३४२ ॐ वसुदेवसमुद्भवायै नमः।
३४३ ॐ महेन्द्रोपेन्द्रभगिन्यै नमः।
३४४ ॐ भक्तिगम्यपरायणायै नमः।
३४५ ॐ ज्ञानज्ञेयायै नमः।
३४६ ॐ जरातीतायै नमः।
३४७ ॐ वेदान्तविषयायै नमः।
३४८ ॐ गत्यै नमः।
३४९ ॐ दक्षिणायै नमः।
३५० ॐ दहनायै नमः।
३५१ ॐ वाह्यायै नमः।
३५२ ॐ सर्वभूतनमस्कृतायै नमः।
३५३ ॐ योगमायायै नमः।
३५४ ॐ विभावज्ञायै नमः।
३५५ ॐ महामोहायै नमः।
३५६ ॐ महीयस्यै नमः।
३५७ ॐ सत्यायै नमः।
३५८ ॐ सर्वसमुद्भूत्यै नमः।
३५९ ॐ ब्रह्मवृक्षाश्रयायै नमः।
३६० ॐ मत्यै नमः।
३६१ ॐ बीजांकुरसमुद्भूत्यै नमः।
३६२ ॐ महाशक्त्यै नमः।
३६३ ॐ महामत्यै नमः।
३६४ ॐ ख्यात्यै नमः।
३६५ ॐ प्रतिज्ञायै नमः।
३६६ ॐ चित्संविते नमः।
३६७ ॐ महायोगेन्द्रशायिन्यै नमः।
३६८ ॐ विकृत्यै नमः।
३६९ ॐ शांकर्यै नमः।
३७० ॐ शास्त्र्यै नमः।
३७१ ॐ यक्षगन्धर्वसेवितायै नमः।
३७२ ॐ वैश्वानर्यै नमः।
३७३ ॐ महाशालायै नमः।
३७४ ॐ देवसेनायै नमः।
३७५ ॐ गुहप्रियायै नमः।
३७६ ॐ महारात्र्यै नमः।
३७७ ॐ शिवानन्दायै नमः।
३७८ ॐ शच्यै नमः।
३७९ ॐ दुःस्वप्ननाशिन्यै नमः।
३८० ॐ पूज्यायै नमः।
३८१ ॐ अपूज्यायै नमः।
३८२ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
३८३ ॐ दुर्विज्ञेयस्वरूपिण्यै नमः।
३८४ ॐ गुहाम्बिकायै नमः।
३८५ ॐ गुहोत्पत्त्यै नमः।
३८६ ॐ महापीठायै नमः।

७२५ ॐ स्थानेश्वर्यै नमः।
७२६ ॐ निरानन्दायै नमः।
७२७ ॐ त्रिशूलवरधारिण्यै नमः।
७२८ ॐ अशेषदेवतामूर्त्यै नमः।
७२९ ॐ देवतायै नमः।
७३० ॐ परदेवतायै नमः।
७३१ ॐ गणात्मिकायै नमः।
७३२ ॐ गिरेः पुत्र्यै नमः।
७३३ ॐ निशुम्भविनिपातिन्यै नमः।
७३४ ॐ अवर्णायै नमः।
७३५ ॐ वर्णरहितायै नमः।
७३६ ॐ निर्वर्णायै नमः।
७३७ ॐ बीजसम्भवायै नमः।
७३८ ॐ अनन्तवर्णायै नमः।
७३९ ॐ अनन्यस्थायै नमः।
७४० ॐ शंकर्यै नमः।
७४१ ॐ शान्तमानसायै नमः।
७४२ ॐ अगोत्रायै नमः।
७४३ ॐ गोमत्यै नमः।
७४४ ॐ गोप्त्र्यै नमः।
७४५ ॐ गुह्यरूपायै नमः।
७४६ ॐ गुणान्तरायै नमः।
७४७ ॐ गोश्रियै नमः।
७४८ ॐ गव्यप्रियायै नमः।
७४९ ॐ गौर्यै नमः।
७५० ॐ गणेश्वरनमस्कृतायै नमः।
७५१ ॐ सत्यमात्रायै नमः।
७५२ ॐ सत्यसंधायै नमः।
७५३ ॐ त्रिसंध्यायै नमः।
७५४ ॐ संधिवर्जितायै नमः।
७५५ ॐ सर्ववादाश्रयायै नमः।
७५६ ॐ सांख्यायै नमः।
७५७ ॐ सांख्ययोगसमुद्भवायै नमः।
७५८ ॐ असंख्येयायै नमः।
७५९ ॐ अप्रमेयाख्यायै नमः।
७६० ॐ शून्यायै नमः।
७६१ ॐ शुद्धकुलोद्भवायै नमः।
७६२ ॐ विन्दुनादसमुत्पत्त्यै नमः।
७६३ ॐ शम्भुवामायै नमः।
७६४ ॐ शशिप्रभायै नमः।
७६५ ॐ विसङ्गायै नमः।
७६६ ॐ भेदरहितायै नमः।
७६७ ॐ मनोज्ञायै नमः।
७६८ ॐ मधुसूदन्यै नमः।
७६९ ॐ महाश्रियै नमः।
७७० ॐ श्रीसमुत्पत्त्यै नमः।
७७१ ॐ तमःपारे प्रतिष्ठितायै नमः।
७७२ ॐ त्रितत्त्वमात्रे नमः।
७७३ ॐ त्रिविधायै नमः।
७७४ ॐ सुसूक्ष्मपदसंश्रयायै नमः।
७७५ ॐ शान्त्यतीतायै नमः।
७७६ ॐ मलातीतायै नमः।
७७७ ॐ निर्विकारायै नमः।
७७८ ॐ निराश्रयायै नमः।
७७९ ॐ शिवाख्यायै नमः।
७८० ॐ चित्रनिलयायै नमः।
७८१ ॐ शिवज्ञानस्वरूपिण्यै नमः।
७८२ ॐ दैत्यदानवनिर्मात्र्यै नमः।

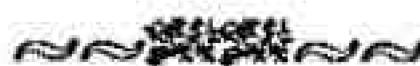
४४३ ॐ चक्रहस्तायै नमः।
४४४ ॐ विचित्राङ्ग्यै नमः।
४४५ ॐ स्रग्विण्यै नमः।
४४६ ॐ पद्मधारिण्यै नमः।
४४७ ॐ परापरविधानज्ञायै नमः।
४४८ ॐ महापुरुषपूर्वजायै नमः।
४४९ ॐ विद्येश्वरप्रियायै नमः।
४५० ॐ विद्यायै नमः।
४५१ ॐ विद्युज्जिह्वायै नमः।
४५२ ॐ जितश्रमायै नमः।
४५३ ॐ विद्यामय्यै नमः।
४५४ ॐ सहस्राक्ष्यै नमः।
४५५ ॐ सहस्रश्रवणात्मजायै नमः।
४५६ ॐ सहस्ररश्मिपद्मस्थायै नमः।
४५७ ॐ महेश्वरपदाश्रयायै नमः।
४५८ ॐ ज्वालिन्यै नमः।
४५९ ॐ सद्मना व्याप्तायै नमः।
४६० ॐ तेजस्यै नमः।
४६१ ॐ पद्मरोधिकायै नमः।
४६२ ॐ महादेवाश्रयायै नमः।
४६३ ॐ मान्यायै नमः।
४६४ ॐ महादेवमनोरमायै नमः।
४६५ ॐ व्योमलक्ष्म्यै नमः।
४६६ ॐ सिंहरथायै नमः।
४६७ ॐ चेकितान्यै नमः।
४६८ ॐ अमितप्रभायै नमः।
४६९ ॐ विश्वेश्वर्यै नमः।
४७० ॐ विमानस्थायै नमः।
४७१ ॐ विशोकायै नमः।
४७२ ॐ शोकनाशिन्यै नमः।
४७३ ॐ अनाहतायै नमः।
४७४ ॐ कुण्डलिन्यै नमः।
४७५ ॐ नलिन्यै नमः।
४७६ ॐ पद्मवासिन्यै नमः।
४७७ ॐ शतानन्दायै नमः।
४७८ ॐ सतां कीर्त्यै नमः।
४७९ ॐ सर्वभूताशयस्थितायै नमः।
४८० ॐ वाग्देवतायै नमः।
४८१ ॐ ब्रह्मकलायै नमः।
४८२ ॐ कलातीतायै नमः।
४८३ ॐ कलावत्यै नमः।
४८४ ॐ ब्रह्मर्षये नमः।
४८५ ॐ ब्रह्महृदयायै नमः।
४८६ ॐ ब्रह्मविष्णुशिवप्रियायै नमः।
४८७ ॐ व्योमशक्त्यै नमः।
४८८ ॐ क्रियाशक्त्यै नमः।
४८९ ॐ जनशक्त्यै नमः।
४९० ॐ परागत्यै नमः।
४९१ ॐ क्षोभिकायै नमः।
४९२ ॐ रौद्रिकायै नमः।
४९३ ॐ अभेद्यायै नमः।
४९४ ॐ भेदाभेदविवर्जितायै नमः।
४९५ ॐ अभिन्नायै नमः।
४९६ ॐ भिन्नसंस्थानायै नमः।
४९७ ॐ वंशिन्यै नमः।
४९८ ॐ वंशहारिण्यै नमः।

८४३ ॐ परमेश्वर्यै नमः।
८४४ ॐ प्रद्युम्नदयितायै नमः।
८४५ ॐ दान्तायै नमः।
८४६ ॐ युग्मदृष्ट्यै नमः।
८४७ ॐ त्रिलोचनायै नमः।
८४८ ॐ महोत्कटायै नमः।
८४९ ॐ हंसगत्यै नमः।
८५० ॐ प्रचण्डायै नमः।
८५१ ॐ चण्डविक्रमायै नमः।
८५२ ॐ वृषावेशायै नमः।
८५३ ॐ वियन्मात्रायै नमः।
८५४ ॐ विन्ध्यपर्वतवासिन्यै नमः।
८५५ ॐ हिमवन्मेरुनिलयायै नमः।
८५६ ॐ कैलासगिरिवासिन्यै नमः।
८५७ ॐ चाणूरहन्त्र्यै नमः।
८५८ ॐ तनयायै नमः।
८५९ ॐ नीतिज्ञायै नमः।
८६० ॐ कामरूपिण्यै नमः।
८६१ ॐ वेदविद्याव्रतरतायै नमः।
८६२ ॐ धर्मशीलायै नमः।
८६३ ॐ अनिलाशनायै नमः।
८६४ ॐ अयोध्यानिलयायै नमः।
८६५ ॐ वीरायै नमः।
८६६ ॐ महाकालसमुद्भवायै नमः।
८६७ ॐ विद्याधरप्रियायै नमः।
८६८ ॐ सिद्धायै नमः।
८६९ ॐ विद्याधरनिराकृत्यै नमः।
८७० ॐ आप्यायन्त्यै नमः।
८७१ ॐ वहन्त्यै नमः।
८७२ ॐ पावन्यै नमः।
८७३ ॐ पोषण्यै नमः।
८७४ ॐ खिलायै नमः।
८७५ ॐ मातृकायै नमः।
८७६ ॐ मन्मथोद्भूतायै नमः।
८७७ ॐ वारिजायै नमः।
८७८ ॐ वाहनप्रियायै नमः।
८७९ ॐ करीषिण्यै नमः।
८८० ॐ स्वधायै नमः।
८८१ ॐ वाण्यै नमः।
८८२ ॐ वीणावादनतत्परायै नमः।
८८३ ॐ सेवितायै नमः।
८८४ ॐ सेविकायै नमः।
८८५ ॐ सेवायै नमः।
८८६ ॐ सिनीवाल्यै नमः।
८८७ ॐ गरुत्मत्यै नमः।
८८८ ॐ अरुन्धत्यै नमः।
८८९ ॐ हिरण्याक्ष्यै नमः।
८९० ॐ मणिदायै नमः।
८९१ ॐ श्रीवसुप्रदायै नमः।
८९२ ॐ वसुमत्यै नमः।
८९३ ॐ वसोर्धारायै नमः।
८९४ ॐ वसुन्धरासमुद्भवायै नमः।
८९५ ॐ वरारोहायै नमः।
८९६ ॐ वरार्हायै नमः।
८९७ ॐ अवपुःसङ्गसमुद्भवायै नमः।
८९८ ॐ श्रीफलायै नमः।
८९९ ॐ श्रीमत्यै नमः।
९०० ॐ श्रीशायै नमः।

५५५ ॐ विद्युन्मालायै नमः।
५५६ ॐ विहायस्यै नमः।
५५७ ॐ पीवर्यै नमः।
५५८ ॐ सुरभ्यै नमः।
५५९ ॐ वन्द्यायै नमः।
५६० ॐ नन्दिन्यै नमः।
५६१ ॐ नन्दवल्लभायै नमः।
५६२ ॐ भारत्यै नमः।
५६३ ॐ परमानन्दायै नमः।
५६४ ॐ परापरविभेदिकायै नमः।
५६५ ॐ सर्वप्रहरणोपेतायै नमः।
५६६ ॐ काम्यायै नमः।
५६७ ॐ कामेश्वरेश्वर्यै नमः।
५६८ ॐ अचिन्त्यायै नमः।
५६९ ॐ चिन्त्यमहिमायै नमः।
५७० ॐ दुर्लेखायै नमः।
५७१ ॐ कनकप्रभायै नमः।
५७२ ॐ कूष्माण्ड्यै नमः।
५७३ ॐ धनरत्नाढ्यायै नमः।
५७४ ॐ सुगन्धायै नमः।
५७५ ॐ गन्धदायिन्यै नमः।
५७६ ॐ त्रिविक्रमपदोद्भूतायै नमः।
५७७ ॐ धनुष्पाण्यै नमः।
५७८ ॐ शिरोहयायै नमः।
५७९ ॐ सुदुर्लभायै नमः।
५८० ॐ धनाध्यक्षायै नमः।
५८१ ॐ धन्यायै नमः।
५८२ ॐ पिङ्गललोचनायै नमः।
५८३ ॐ भ्रान्त्यै नमः।
५८४ ॐ प्रभावत्यै नमः।
५८५ ॐ दीप्त्यै नमः।
५८६ ॐ पङ्कजायतलोचनायै नमः।
५८७ ॐ आद्यायै नमः।
५८८ ॐ हृत्कमलोद्भूतायै नमः।
५८९ ॐ परस्यै नमः।
५९० ॐ मात्रे नमः।
५९१ ॐ रणप्रियायै नमः।
५९२ ॐ सत्क्रियायै नमः।
५९३ ॐ गिरिजायै नमः।
५९४ ॐ नित्यशुद्धायै नमः।
५९५ ॐ पुष्पनिरन्तरायै नमः।
५९६ ॐ दुर्गायै नमः।
५९७ ॐ कात्यायन्यै नमः।
५९८ ॐ चण्ड्यै नमः।
५९९ ॐ चर्चिकायै नमः।
६०० ॐ शान्तविग्रहायै नमः।
६०१ ॐ हिरण्यवर्णायै नमः।
६०२ ॐ रजन्यै नमः।
६०३ ॐ जगन्मन्त्रप्रवर्तिकायै नमः।
६०४ ॐ मन्दराद्रिनिवासायै नमः।
६०५ ॐ शारदायै नमः।
६०६ ॐ स्वर्णमालिन्यै नमः।
६०७ ॐ रत्नमालायै नमः।
६०८ ॐ रत्नगर्भायै नमः।
६०९ ॐ पृथ्व्यै नमः।
६१० ॐ विश्वप्रमाथिन्यै नमः।

९५९ ॐ शवासनायै नमः।
९६० ॐ इष्टायै नमः।
९६१ ॐ विशिष्टायै नमः।
९६२ ॐ शिष्टेष्टायै नमः।
९६३ ॐ शिष्टाशिष्टप्रपूजितायै नमः।
९६४ ॐ शतरूपायै नमः।
९६५ ॐ शतावर्तायै नमः।
९६६ ॐ विनीतायै नमः।
९६७ ॐ सुरभ्यै नमः।
९६८ ॐ सुरायै नमः।
९६९ ॐ सुरेन्द्रमात्रे नमः।
९७० ॐ सुद्युम्नायै नमः।
९७१ ॐ सुषुम्णायै नमः।
९७२ ॐ सूर्यसंस्थितायै नमः।
९७३ ॐ समीक्षायै नमः।
९७४ ॐ सत्प्रतिष्ठायै नमः।
९७५ ॐ निवृत्त्यै नमः।
९७६ ॐ ज्ञानपारगायै नमः।
९७७ ॐ धर्मशास्त्रार्थकुशलायै नमः।
९७८ ॐ धर्मज्ञायै नमः।
९७९ ॐ धर्मवाहनायै नमः।
९८० ॐ धर्माधर्मविनिर्मात्र्यै नमः।
९८१ ॐ धार्मिकाणां शिवप्रदायै नमः।
९८२ ॐ धर्मशक्त्यै नमः।
९८३ ॐ धर्ममय्यै नमः।
९८४ ॐ विधर्मायै नमः।
९८५ ॐ विश्वधर्मिण्यै नमः।
९८६ ॐ धर्मान्तरायै नमः।
९८७ ॐ धर्ममध्यायै नमः।
९८८ ॐ धर्मपूर्वायै नमः।
९८९ ॐ धनप्रियायै नमः।
९९० ॐ धर्मोपदेशायै नमः।
९९१ ॐ धर्मात्मने नमः।
९९२ ॐ धर्मलभ्यायै नमः।
९९३ ॐ धराधरायै नमः।
९९४ ॐ कपाल्यै नमः।
९९५ ॐ शाकलामूर्त्यै नमः।
९९६ ॐ कलाकलितविग्रहायै नमः।
९९७ ॐ सर्वशक्तिविनिर्मुक्तायै नमः।
९९८ ॐ सर्वशक्त्याश्रयाश्रयायै नमः।
९९९ ॐ सर्वस्यै नमः।
१००० ॐ सर्वेश्वर्यै नमः।
१००१ ॐ सूक्ष्मायै नमः।
१००२ ॐ सुसूक्ष्मायै नमः।
१००३ ॐ ज्ञानरूपिण्यै नमः।
१००४ ॐ प्रधानपुरुषेशान्यै नमः।
१००५ ॐ महापुरुषसाक्षिण्यै नमः।
१००६ ॐ सदाशिवायै नमः।
१००७ ॐ वियन्मूर्त्यै नमः।
१००८ ॐ देवमूर्त्यै नमः।
१००९ ॐ अमूर्तिकायै नमः।

॥ इत्यार्षे श्रीमद्रामायणे वाल्मीकीये आदिकाव्ये अद्भुतोत्तरकाण्डे श्रीसीतासहस्रनामावलिः सम्पूर्णा।



६६७ ॐ हृद्गुहायै नमः।
६६८ ॐ रम्यायै नमः।
६६९ ॐ सत्त्ववेगायै नमः।
६७० ॐ गणाग्रण्यै नमः।
६७१ ॐ संकल्पसिद्धायै नमः।
६७२ ॐ साम्यस्थायै नमः।
६७३ ॐ सर्वविज्ञानदायिन्यै नमः।
६७४ ॐ कलिकल्मषहन्त्र्यै नमः।
६७५ ॐ गुह्योपनिषदुत्तमायै नमः।
६७६ ॐ नित्यदृष्ट्यै नमः।
६७७ ॐ स्मृत्यै नमः।
६७८ ॐ व्याप्त्यै नमः।
६७९ ॐ पुष्ट्यै नमः।
६८० ॐ तुष्ट्यै नमः।
६८१ ॐ क्रियावत्यै नमः।
६८२ ॐ विश्वस्यै नमः।
६८३ ॐ अमरेश्वरेशानायै नमः।
६८४ ॐ भुक्त्यै नमः।
६८५ ॐ मुक्त्यै नमः।
६८६ ॐ शिवायै नमः।
६८७ ॐ अमृतायै नमः।
६८८ ॐ लोहितायै नमः।
६८९ ॐ सर्वमात्रे नमः।
६९० ॐ भीषणायै नमः।
६९१ ॐ वनमालिन्यै नमः।
६९२ ॐ अनन्तशयनायै नमः।
६९३ ॐ अनाद्यायै नमः।
६९४ ॐ नरनारायणोद्भवायै नमः।
६९५ ॐ नृसिंह्यै नमः।
६९६ ॐ दैत्यमथिन्यै नमः।
६९७ ॐ शङ्खचक्रगदाधरायै नमः।
६९८ ॐ संकर्षणसमुत्पत्त्यै नमः।
६९९ ॐ अम्बिकोपान्तसंश्रयायै नमः।
७०० ॐ महाज्वालायै नमः।
७०१ ॐ महामूर्त्यै नमः।
७०२ ॐ सुमूर्त्यै नमः।
७०३ ॐ सर्वकामदुहे नमः।
७०४ ॐ सुप्रभायै नमः।
७०५ ॐ सुतरां गौर्यै नमः।
७०६ ॐ धर्मकामार्थमोक्षदायै नमः।
७०७ ॐ भ्रूमध्यनिलयायै नमः।
७०८ ॐ अपूर्वायै नमः।
७०९ ॐ प्रधानपुरुषायै नमः।
७१० ॐ बल्यै नमः।
७११ ॐ महाविभूतिदायै नमः।
७१२ ॐ मध्यायै नमः।
७१३ ॐ सरोजनयनासनायै नमः।
७१४ ॐ अष्टादशभुजायै नमः।
७१५ ॐ नाट्यायै नमः।
७१६ ॐ नीलोत्पलदलप्रभायै नमः।
७१७ ॐ सर्वशक्त्या समारूढायै नमः।
७१८ ॐ धर्माधर्मानुवर्जितायै नमः।
७१९ ॐ वैराग्यज्ञाननिरतायै नमः।
७२० ॐ निरालोकायै नमः।
७२१ ॐ निरिन्द्रियायै नमः।
७२२ ॐ विचित्रगहनायै नमः।
७२३ ॐ धीरायै नमः।
७२४ ॐ शाश्वतस्थानवासिन्यै नमः।

श्रीमहादेव उवाच

शृणु देवि विचित्रार्थां कथां पापहरां शुभाम्।
नास्ति जन्मानि कर्माणि तस्या नूनं महेश्वरि॥ ५ ॥
यदा हरिश्चरित्राणि कुरुते कार्यगौरवात्।
तदा विधत्ते रूपाणि हरिसांनिध्यसाधिनी॥ ६ ॥
तस्या गोपीत्वभावस्य कारणं गदितं पुरा।
इदानीं शृणु देवेशि नाम्नां चैव सहस्रकम्॥ ७॥
यन्मया कथितं नैव तन्त्रेष्वपि कदाचन।
तव स्नेहात् प्रवक्ष्यामि भक्त्या धार्यं मुमुक्षुभिः॥ ८ ॥
मम प्राणसमा विद्या भाव्यते मे त्वहर्निशम्।
शृणुष्व गिरिजे नित्यं पठस्व च यथामति॥ ९ ॥
यस्याः प्रसादात् कृष्णस्तु गोलोकेशः परः प्रभुः।
अस्या नामसहस्रस्य ऋषिर्नारद एव च।
देवी राधा परा प्रोक्ता चतुर्वर्गप्रसाधिनी॥ १०॥

स्तोत्रम्

श्रीराधा राधिका कृष्णवल्लभा कृष्णसंयुता।
वृन्दावनेश्वरी कृष्णप्रिया मदनमोहिनी॥ ११॥
श्रीमती कृष्णकान्ता च कृष्णानन्दप्रदायिनी।
यशस्विनी यशोगम्या यशोदानन्दवल्लभा॥ १२॥
दामोदरप्रिया गोपी गोपानन्दकरी तथा।
कृष्णाङ्गवासिनी हृद्या हरिकान्ता हरिप्रिया॥ १३॥
प्रधानगोपिका गोपकन्या त्रैलोक्यसुन्दरी।
वृन्दावनविहारिणी विकसितमुखाम्बुजा॥ १४॥

७८३ ॐ काश्यप्यै नमः।
७८४ ॐ कालकर्णिकायै नमः।
७८५ ॐ शास्त्रयोन्यै नमः।
७८६ ॐ प्रियामूर्त्यै नमः।
७८७ ॐ चतुर्वर्गप्रदर्शितायै नमः।
७८८ ॐ नारायण्यै नमः।
७८९ ॐ नवोद्भूतायै नमः।
७९० ॐ कौमुद्यै नमः।
७९१ ॐ लिङ्गधारिण्यै नमः।
७९२ ॐ कामुक्यै नमः।
७९३ ॐ ललितायै नमः।
७९४ ॐ तारायै नमः।
७९५ ॐ परापरविभूतिदायै नमः।
७९६ ॐ परान्तजातमहिमायै नमः।
७९७ ॐ वडवायै नमः।
७९८ ॐ वामलोचनायै नमः।
७९९ ॐ सुभद्रायै नमः।
८०० ॐ देवक्यै नमः।
८०१ ॐ सीतायै नमः।
८०२ ॐ वेदवेदाङ्गपारगायै नमः।
८०३ ॐ मनस्विन्यै नमः।
८०४ ॐ मन्युमात्रे नमः।
८०५ ॐ महामन्युसमुद्भवायै नमः।
८०६ ॐ अमृत्यवे नमः।
८०७ ॐ अमृतास्वादायै नमः।
८०८ ॐ पुरुहूतायै नमः।
८०९ ॐ पुरुप्लुतायै नमः।
८१० ॐ अशोच्यायै नमः।
८११ ॐ भिन्नविषयायै नमः।
८१२ ॐ हिरण्यरजतप्रियायै नमः।
८१३ ॐ हिरण्यायै नमः।
८१४ ॐ राजत्यै नमः।
८१५ ॐ हैम्यै नमः।
८१६ ॐ हेमाभरणभूषितायै नमः।
८१७ ॐ विभ्राजमानायै नमः।
८१८ ॐ दुर्ज्ञेयायै नमः।
८१९ ॐ ज्योतिष्टोमफलप्रदायै नमः।
८२० ॐ महानिद्रासमुद्भूतायै नमः।
८२१ ॐ बलीन्द्रायै नमः।
८२२ ॐ सत्यदेवतायै नमः।
८२३ ॐ दीर्घायै नमः।
८२४ ॐ ककुद्मिन्यै नमः।
८२५ ॐ विद्यायै नमः।
८२६ ॐ शान्तिदायै नमः।
८२७ ॐ शान्तिवर्धिन्यै नमः।
८२८ ॐ लक्ष्म्यादिशक्तिजनन्यै नमः।
८२९ ॐ शक्तिचक्रप्रवर्तिकायै नमः।
८३० ॐ त्रिशक्तिजनन्यै नमः।
८३१ ॐ जन्यायै नमः।
८३२ ॐ षडूर्मिपरिवर्जितायै नमः।
८३३ ॐ स्वाहायै नमः।
८३४ ॐ कर्मकरण्यै नमः।
८३५ ॐ युगान्तदलनात्मिकायै नमः।
८३६ ॐ संकर्षणायै नमः।
८३७ ॐ जगद्धात्र्यै नमः।
८३८ ॐ कामयोन्यै नमः।
८३९ ॐ किरीटिन्यै नमः।
८४० ॐ ऐन्द्र्यै नमः।
८४१ ॐ त्रैलोक्यनमितायै नमः।
८४२ ॐ वैष्णव्यै नमः।

महाजीवप्रदा कृष्णकान्ता कमलसुन्दरी।
विचित्रवासिनी चित्रवासिनी चित्ररूपिणी॥ २६॥
निर्गुणा सुकुलीना च निष्कुलीना निराकुला।
गोकुलान्तरगेहा च योगानन्दकरी तथा॥ २७॥
वेणुवाद्या वेणुरतिर्वेणुवाद्यपरायणा।
गोपालस्य प्रिया सौम्यरूपा सौम्यकुलोद्वहा॥ २८॥
मोहामोहा विमोहा च गतिनिष्ठा गतिप्रदा।
गीर्वाणवन्द्या गीर्वाणा गीर्वाणगणसेविता॥ २९॥
ललिता च विशोका च विशाखा चित्रमालिनी।
जितेन्द्रिया शुद्धसत्त्वा कुलीना कुलदीपिका॥ ३०॥
दीपप्रिया दीपदात्री विमला विमलोदका।
कान्तारवासिनी कृष्णा कृष्णचन्द्रप्रिया मतिः॥ ३१॥
अनुत्तरा दुःखहन्त्री दुःखकर्त्री कुलोद्वहा।
मतिर्लक्ष्मीर्धृतिर्लज्जा कान्तिः पुष्टिः स्मृतिः क्षमा॥ ३२॥
क्षीरोदशायिनी देवी देवारिकुलमर्दिनी।
वैष्णवी च महालक्ष्मीः कुलपूज्या कुलप्रिया॥ ३३॥
संहर्त्री सर्वदैत्यानां सावित्री वेदगामिनी।
वेदातीता निरालम्बा निरालम्बगणप्रिया॥ ३४॥
निरालम्बजनैः पूज्या निरालोका निराश्रया।
एकाङ्गी सर्वगा सेव्या ब्रह्मपत्नी सरस्वती॥ ३५॥
रासप्रिया रासगम्या रासाधिष्ठातृदेवता।
रसिका रसिकानन्दा स्वयं रासेश्वरी परा॥ ३६॥

१०१ ॐ श्रीनिवासायै नमः।
१०२ ॐ हरिप्रियायै नमः।
१०३ ॐ श्रीधर्यै नमः।
१०४ ॐ श्रीकर्यै नमः।
१०५ ॐ कम्प्रायै नमः।
१०६ ॐ श्रीधरायै नमः।
१०७ ॐ ईशवीरण्यै नमः।
१०८ ॐ अनन्तदृष्ट्यै नमः।
१०९ ॐ अक्षुद्रायै नमः।
११० ॐ धात्रीशायै नमः।
१११ ॐ धनदप्रियायै नमः।
११२ ॐ दैत्यसिंहानां निहन्त्र्यै नमः।
११३ ॐ सिंहिकायै नमः।
११४ ॐ सिंहवाहिन्यै नमः।
११५ ॐ सुसेनायै नमः।
११६ ॐ चन्द्रनिलयायै नमः।
११७ ॐ सुकीर्त्यै नमः।
११८ ॐ छिन्नसंशयायै नमः।
११९ ॐ बलज्ञायै नमः।
१२० ॐ बलदायै नमः।
१२१ ॐ वामायै नमः।
१२२ ॐ लेलिहानायै नमः।
१२३ ॐ अमृतस्त्रवायै नमः।
१२४ ॐ नित्योदितायै नमः।
१२५ ॐ स्वयंज्योत्यै नमः।
१२६ ॐ उत्सुकायै नमः।
१२७ ॐ अमृतजीविन्यै नमः।
१२८ ॐ वज्रदंष्ट्रायै नमः।
१२९ ॐ वज्रजिह्वायै नमः।
१३० ॐ वैदेह्यै नमः।
१३१ ॐ वज्रविग्रहायै नमः।
१३२ ॐ मङ्गल्यायै नमः।
१३३ ॐ मङ्गलायै नमः।
१३४ ॐ मालायै नमः।
१३५ ॐ मलिनायै नमः।
१३६ ॐ मलहारिण्यै नमः।
१३७ ॐ गान्धर्व्यै नमः।
१३८ ॐ गारुड्यै नमः।
१३९ ॐ चान्द्र्यै नमः।
१४० ॐ कम्बलाश्वतरप्रियायै नमः।
१४१ ॐ सौदामन्यै नमः।
१४२ ॐ जनानन्दायै नमः।
१४३ ॐ भ्रुकुटीकुटिलाननायै नमः।
१४४ ॐ कर्णिकारकरायै नमः।
१४५ ॐ कक्षायै नमः।
१४६ ॐ कंसप्राणापहारिण्यै नमः।
१४७ ॐ युगंधरायै नमः।
१४८ ॐ युगावर्तायै नमः।
१४९ ॐ त्रिसंध्यायै नमः।
१५० ॐ हर्षवर्धिन्यै नमः।
१५१ ॐ प्रत्यक्षदेवतायै नमः।
१५२ ॐ दिव्यायै नमः।
१५३ ॐ दिव्यगन्धायै नमः।
१५४ ॐ दिवापरायै नमः।
१५५ ॐ शक्रासनगतायै नमः।
१५६ ॐ शाक्र्यै नमः।
१५७ ॐ साध्व्यै नमः।
१५८ ॐ नार्यै नमः।

मुख्या मुख्यप्रदा मुख्यरूपा मुख्यनिवासिनी।
नारायणी कृपातीता करुणामयकारिणी॥ ९२ ॥
कारुण्या करुणा कर्णा गोकर्णा नागकर्णिका।
सर्पिणी कौलिनी क्षेत्रवासिनी जगदन्वया॥ ९३ ॥
जटिला कुटिला नीला नीलाम्बरधरा शुभा।
नीलाम्बरविधात्री च नीलकण्ठप्रिया तथा॥ ९४ ॥
भगिनी भागिनी भोग्या कृष्णभोग्या भगेश्वरी।
बलेश्वरी बलाराध्या कान्ता कान्तनितम्बिनी॥ ९५ ॥
नितम्बिनी रूपवती युवती कृष्णपीवरी।
विभावरी वेत्रवती संकटा कुटिलालका॥ ९६ ॥
नारायणप्रिया शैला सृक्कणीपरिमोहिता।
दृक्पातमोहिता प्रातराशिनी नवनीतिका॥ ९७ ॥
नवीना नवनारी च नारङ्गफलशोभिता।
हैमी हेममुखी चन्द्रमुखी शशिसुशोभना॥ ९८ ॥
अर्द्धचन्द्रधरा चन्द्रवल्लभा रोहिणी तमिः।
तिमिंगिलकुलामोदमत्स्यरूपाङ्गहारिणी ॥ ९९ ॥
कारिणी सर्वभूतानां कार्यातीता किशोरिणी।
किशोरवल्लभा केशकारिका कामकारिका॥ १००॥
कामेश्वरी कामकला कालिन्दीकूलदीपिका॥ १०१॥
कलिन्दतनयातीरवासिनी तीरगेहिनी॥ १०२॥
कादम्बरीपानपरा कुसुमामोदधारिणी।
कुमुदा कुमुदानन्दा कृष्णेशी कामवल्लभा॥ १०३॥